अ.भा. गहोई वैश्य महासभा की सचित्र मासिक समाचार पत्रिका

गहोई बन्धु

Visit us : www.gahoivaishyasamaj.org

वर्ष-14 | अप्रैल - 2011 | अंक-4

राष्ट्रकवि डॉ. मैथिलीशरण गुप्त

श्री बल्देव प्रसाद मोतेले
संस्थापक महासभा

श्री नाथूराम रेजा
संस्थापक महासभा

अखिल भारतीय गहोई वैश्य महासभा
स्थापना दिवस, 7 अप्रैल 1914 - 2011
पर हार्दिक शुभकामनायें

गहोई बन्धु

अखिल भारतीय गहोई वैश्य महासभा के स्वामित्व में प्रकाशित मासिक समाचार पत्रिका

• महासभा पदाधिकारी •

राष्ट्रीय अध्यक्ष
राधेश्याम कुचिया
09425114006

महामंत्री
उमाशंकर लहारिया (प्रबन्ध सम्पादक)
09425150272

• सम्पादक •
हरनारायण रिखौल्या
09669642849

• संयुक्त सम्पादक •
सीताराम बिलैया
09407212950
सतीश सुहाने
09425482181

• सह सम्पादक •
रमेशबाबू गंधी (अध्यक्ष च.क्षै.)
09425109934
राकेश लहारिया (उपकोषा.महा.)
09770252486
राधेश्याम सेठ
09425336363

• ग्राफिक्स प्रबन्धक •
रविन्द्र सेठ
09910068411

• क्षेत्रीय प्रबन्ध सम्पादक •
रामगोपाल नीखरा
09425243435
जमुना प्रसाद नीखरा
09898671666
दिनेश गुप्ता
09425014193
धनीराम कनकने
09827180913
इं. मदन छिरौल्या
09425482001

वरिष्ठ उपाध्यक्ष भोगीलाल बिलैया 09406589899	उपाध्यक्ष दामोदरदास गेड़ा 09415401645	कोषा. एवं संयु. संपादक राजेन्द्र नीखरा 09425120960
प्रचार मंत्री मनोज नाछौला 09425361674	अंकेक्षक रमेश सेठ 09415030647	प्रबन्धक रा. भवन डॉ. वी.डी. मोदी 09415944282
प्रबंधक ग. भवन परमानन्द कटारे 09415044099	स. न्यास निरी. सुदामाप्रसाद सिजारिया 09893757802	केन्द्रीय कार्या. मंत्री मैथलीशरण सेठ 09415401600
अध्यक्ष वरि. संघ शरद कठ्ठल 07791-254227	अध्यक्ष महि. सभा श्रीमती माया मातेले 09021993458	अध्यक्ष नव. मण्डल नितिन सरावगी 09415031136
मंत्री वरि. संघ गनपतराम नीखरा 0751-2626079	मंत्री महि. सभा श्रीमती संगीता बरसैया 09325630218	मंत्री नव. मण्डल मुकेश बिलैया 09893465418

• सलाहकार मण्डल •

श्रीमती शिवकली रूसिया	उदयनारायन कनकने 0510-2443383	रामस्वरूप तीतविलासी 0751-2322110
वनमाली प्रसाद सादेले 09425112141	केदारनाथ रूसिया 07633-253077	शिवनारायन सुहाने 0755-2376135
डॉ. वी.पी. नगरिया 09425467310	जुगलकिशोर मातेले 09404583621	कैलाश नारायण सांवला 09425481606
एस.एल. नौगरैया 09425112055	द्वारका प्रसाद सुहाने 09451317617	

• बन्धु कार्यालय व्यवस्था •

महादेव प्रसाद नीखरा 09425778734	ओमप्रकाश कुरेले 09425196518	नरेन्द्र गेड़ा 09630194177

गहोई बन्धु में प्रकाशित लेखों अथवा विचारों से सम्पादकीय एवं महासभा की सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा - सम्पादक

महासभा प्रकल्प पदाधिकारी

नाथूराम मोतीलाल सोनी अनाथालय ट्रस्ट
अरूण नीखरा (प्रबंधक)
0761-4012216

न्याय प्राधिकरण

अध्यक्ष	मंत्री
बी.एम. गुप्ता	बृजेश गुप्ता
09425340297	09425129575

अक्षय निधि

अध्यक्ष	मंत्री
सुभाष कुचिया	राजेन्द्र कंदेले
09425146302	09826248855

गहोई ग्लोबल चेम्बर ऑफ कॉमर्स

अध्यक्ष	मंत्री
संजय पटवारी	योगेश नौगरैया
09415030196	09827052676

गहोई कल्याण कोष

अध्यक्ष	मंत्री
डॉ. हरनारायण बरसैंया	सुरेश नौगरैया
09425106364	09826216699

क्षेत्रीय ब्यूरो चीफ

उत्तर क्षेत्रीय सभा
अरविन्दकुमार बड़ोनिया (अध्यक्ष)
09871160558
राजकुमार नगरिया (मंत्री)
09810334773

विंध्य क्षेत्रीय सभा
रामस्वरूप बरसैंया (अध्यक्ष)
09826284339
गणेशप्रसाद विस्वारी (मंत्री)
09424713970

गंगा जमुना क्षेत्रीय सभा
अखिलेशकुमार पिपरसेनिया (अध्यक्ष)
09415487395
राकेशचन्द्र गुप्ता (मंत्री)
09415312458

चौरासी क्षेत्रीय सभा
एम.एल. गेड़ा (अध्यक्ष)
09425490119
सुरेश बरसैंया (मंत्री)
07497-254109

दक्षिण क्षेत्रीय सभा
राजेन्द्र चौदा (अध्यक्ष)
0712-2522728
द्वारकाप्रसाद मातेले (मंत्री)
07112-222113

छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय सभा
बृजेश बिजपुरिया (अध्यक्ष)
09827163412
अरविन्द गेड़ा (मंत्री)
09425208647

बुन्देलखण्ड क्षेत्रीय सभा
कैलाश नाथ सेठ (अध्यक्ष)
09956310063
ओमप्रकाश कनकने (मंत्री)
266127

महाकौशल क्षेत्रीय सभा
शिवकुमार नीखरा (अध्यक्ष)
09425169196
सतीश सेठ (मंत्री)
09329532324

मध्य मालवा क्षेत्रीय सभा
ओमप्रकाश रेजा (अध्यक्ष)
0755-2738538
जुगलकिशोर इटोरिया (मंत्री)
09826025346

चम्बल क्षेत्रीय सभा
विनोद खांगट (मंत्री)
09827273895

अन्दर पृष्ठों पर

- ✦ सम्पादकीय
- ✦ अध्यक्षीय उद्‌गार
- ✦ सूचना जगत
- ✦ नारी जगत
- ✦ सामायिक लेख
- ✦ स्वास्थ्य शिक्षा
- ✦ बाल जगत
- ✦ सामान्य ज्ञान
- ✦ जातिय जगत
- ✦ वैवाहिक जानकारी
- ✦ शोक समाचार

अ.भा. गहोई वैश्य महासभा के सानिध्य में

गहोई भवन चित्रकूट	07670-265589
अ.भा.ग.वै. धर्मशाला अयोध्या	05278-232579
गहोई वै. भवन ट्रस्ट वृन्दावन	09897911427

अध्यक्षीय कार्या. : जे-46 ए गाँधीनगर, लश्कर, ग्वालियर, फोन 2434836, 2456011, मो. 9425114006
महामंत्री कार्या. : MZ-5 गुलमोहर ग्रीन गार्डन, सिटी सेन्टर, ग्वालियर, मोबा. 09425150272
कोषाध्यक्ष कार्या. : पुलिस चौकी के सामने, फालका बाजार, लश्कर, ग्वालियर, फोन 0751-2444318

गहोई बन्धु कार्यालय
''गहोई बन्धु भवन'' राजा बाक्षर मंदिर के पास, राजा बाक्षर की गोठ, दौलतगंज ग्वालियर-474001
फोन 0751-2454142, E-mail:gahoi_bandhu@yahoo.com, Web : www.gahoivaishyasamaj.org

संपादकीय

सामाजिक कार्यों के प्रति स्वच्छ आलोचनायें हमें स्वीकार हैं
किन्तु व्यक्तिगत विद्वेषात्मक आलोचनाओं से परहेज है-संपादक

नववर्ष संवत्सर 2068 के पावन पर्व पर ''बन्धु'' के सभी सदस्यों, पाठकों, विज्ञापनदाताओं, कवि एवं साहित्यकारों को हार्दिक शुभकामनायें। नव वर्ष के अवसर पर सभी स्वजातीय बन्धु नई स्फूर्ति और आशाओं को संजोकर उन्नति के सोपान पर आगे बढ़ते रहें यही ईश्वर से प्रार्थना है। 4 अप्रैल चैत्र शुक्ल गुढ़ी पढ़वा को विक्रम सम्वतसर 2068 प्रारंभ हो चुका है। नव वर्ष में आप अपने लक्ष्य को पूरा करने में जुट जावें।

नव वर्ष का प्रारंभ, माँ दुर्गे शक्ति उपासना से होता है। नवरात्रि में शक्ति उपासना का क्रम 9 दिन तक यानि 11 अप्रैल 2011 तक चलेगा। श्रद्धालु जन इन नौ दिनों में उपवास रखकर विश्वास के साथ पूजा अर्चना करते हुए माँ दुर्ग का आशीर्वाद ग्रहण कर नये कारोबार की शुरूआत कर धन, वैभव से सम्पन्न होकर समाज सेवा में सहयोग करेंगे।

दिनांक 12 अप्रैल को भगवान श्री राम जन्मोत्सव भक्ति भावना और उल्लास के साथ मनायेंगे तथा आशीर्वाद लेंगे। इसी क्रम में 18 अप्रैल 2011 को हनुमान जयन्ती है जिसे सम्पूर्ण देशवासी बड़े ही श्रद्धाभाव से मनाते हैं।

इस माह के उक्त सभी पर्व और उत्सव हमें संदेश देते हैं कि उन्नति का मार्ग संघर्ष का मार्ग है इस भौतिक वादी दुनिया में अनेकों चुनौतियां हमारे सामने आयेंगी, उन विषम परिस्थितियों का हमें डट कर मुकाबला करना है जिस प्रकार हनुमानजी ने भगवान राम के सहायतार्थ अनेकों कठिनाईयों को पार कर सीता जी खोज कर अपने लक्ष्य को पूरा किया, इसी प्रकार हमें रामभक्त हनुमान जैसी समाज सेवा और निष्ठा की आवश्यकता है इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर हमें समाज की शीर्ष संस्था अ.भा.ग.वै. महासभा का स्थापना दिवस 7 अप्रैल 2011 निष्ठा भाव एवं सौहाद्रपूर्ण वातावरण में मनाना चाहिए।

महासभा स्थापना दिवस अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण गौरव दिवस है। आज से 97 वर्ष पूर्व हमारे बुद्धजीवी समाज सेवक श्री नाथूराम रेजा नरसिंहपुर एवं बल्देव प्रसाद मातेले मोवाड़ (नागपुर) ने समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने एवं अंग्रेजों द्वारा वैश्य समाज पर हो रहे अत्याचारों से छुटकारा पाने हेतु गहोई समाज को संगठित करने के लिये क्रांतिकारी कदम उठाया और 7 अप्रैल 1914 से 10 अप्रैल 1914 तक अधिवेशन बुलाया गया। इस अधिवेशन में देश के गहोई बाहुल्य क्षेत्रों से गहोई बन्धु उपस्थित हुए। इस प्रकार ग.वै. महासभा की स्थापना हुई।

महासभा के 97 वें वर्ष की दीर्घ यात्रा में अनेकों उतार चढ़ाव आये, अनेकों बार महासभा सुप्तावस्था में रही, लेकिन हमारे बुजुर्ग जन हताश नहीं हुए जातीय पत्रिकाओं के प्रकाशन से समय–समय पर जागृति उत्पन्न हुई और हम आगे बढ़ते गये। आज महासभा के पास 4 प्रमुख निजी संपत्तियां हैं– राजाबेटी भवन कानपुर, गहोई भवन चित्रकूट, सोनी अनाथालय जबलपुर, ''गहोई बन्धु'' का निजी भवन, ग्वालियर। इसके अलावा ''गहोई धर्मशाला अयोध्या जो ट्रस्ट के रूप में संचालित है मैं भी अ.भा.ग.वै. महासभा अध्यक्ष एवं महामंत्री ट्रस्ट के पदेन सदस्य हैं। महासभा द्वारा समय समय पर पूरा सहयोग दिया जाता है। इसी प्रकार मथुरा वृन्दावन में जानकी देवी नारायणदास बिलैया की धर्मशाला है यदि वह महासभा को अर्पण करें तो यह धर्मशाला उनके नाम से ही यथावत चलती रहेगी। महासभा केवल व्यवस्था संचालित कर सकती है।

वास्तविक रूप से देखा जाय तो महासभा कुछ वर्ष पूर्व तक आर्थिक रूप से बहुत कमजोर स्थिति में थी। अभी एके दशक पूर्व से आर्थिक स्थिति में शनैः शनैः सुधार हुआ है। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री केदारनाथ जी रूसिया के समय से क्षेत्रीय सभायें संचालित की गईं महासभा के संरक्षक और आजन्म सदस्य बनाये गये। यह राशि एफ.डी.आर. के रूप में रखी जाती है। इसके ब्याज से महासभा की योजनाओं, उत्सवों, छात्रवृत्ति आदि में खर्च किया जाता है।

2006 के पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कुचिया जी के कुशल नेतृत्व में ''अक्षय निधि'' कोष की स्थापना हुई इसके लिये कुचिया जी ने अपनी टीम के सहयोग से दो वर्ष में लगभग 30 लाख रुपया स्वजातीय बन्धुओं से दान प्राप्त किया। अक्षय निधि ब्याज से ही कैन्सर पीड़ितों, असहाय महिलाओं, आगजनी तथा गरीब छात्रों को लगभग 2–3 लाख रुपये की सहायता पिछले वर्ष में प्रदान की गई।

वर्तमान में गहोई जाति की पहचान दिन पर दिन बढ़ रही है। गहोई समाज में जो उत्सव हो रहे हैं उससे दूसरे समाज वाले प्रेरणा ले रहे हैं।

''गहोई बन्धु'' आज पूर्णतय आत्मनिर्भर है। ''गहोई बन्धु'' के फण्ड से ही 16 लाख का ''गहोई बन्धु'' भवन खरीद कर ''बन्धु'' का कार्यालय विधिवत रूप से संचालित हो रहा है। इसके बाद भी ''बन्धु'' के पास 10 लाख से अधिक की एफडीआर है। श्री कुचियाजी के प्रयास से ''बन्धु'' की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है।

16 एवं 17 अप्रैल 2011 को देश की राजधानी दिल्ली के नोयडा में 41 वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन होने जा रहा है। समाज सेवियों से अनुरोध है कि सहयोग प्रदान करें। रामनवमी, हनुमान जयंति, स्थापना दिवस के अवसर पर पुनः हार्दिक शुभकामनायें।

–आपका अपना ही हरनारायण रिखौल्या

अध्यक्षीय उद्गार

परम आदरणीय स्नेही जन, सादर नमन

विगत माह हर्ष उल्लास के साथ उमंग भरी लहरों के सतरंगी सरोबर में होली का आनंद उठाया होगा तथा पावन होली में ईर्ष्या, द्वेष, छल–कपट, मतभेदों का दहन कर प्रेम, सौहार्द के वातारण में एक दूसरे से गले मिल कर उज्जवल भविष्य की कामना का संदेश दिया।

इस माह भारतीय संस्कृति के अनुरूप विक्रमी सम्वत्सर 2068 का 4 अप्रैल 2011 को नये वर्ष का शुभारंभ हो चुका है। पौराणिक ग्रंथों की मान्यता है कि प्रजापति ब्रह्माजी ने चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के दिन सृष्टि का आरम्भ किया जिस दिन सृष्टि का उद्‌भव हुआ उस दिन को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा मान लिया गया। वह दिन वर्ष का पहला दिन था। इसी क्रम में यह भी मान्यता है कि संवतसर के रूप में मान्य संदर्भो में विक्रम मालवा और शक संवत् का भी उल्लेख आता है इस दिन सम्राट विक्रमादित्य ने सिन्ध नदी के पार से आ रहे शक और हूण आक्रमणकारियों को आत्यांतिक रूप से सीमापार खदेड़ा था। उस विजय की स्मृति में ही विक्रम संवत्सर का प्रवर्तन किया गया। उसी समय से वर्ष का पहला दिन मान कर हर्षोल्लास के साथ मनाते आ रहे हैं। इसी माह ग.वै. महासभा का 97 वाँ स्थापना दिवस है। इस दिवस को हम सभी संगठित होकर गौरव दिवस के रूप में मनावें जिससे महासभा शक्तिशाली बन कर प्रगति कर सके।

11 अप्रैल को दुर्गाष्टमी एवं 12 अप्रेल को रामनवमी अर्थात भगवान राम का जन्म दिवस है, 18 अप्रैल को हनुमान जयंति है। इस प्रकार माह अप्रैल में बहुत प्रेरणादायी पर्व है। उक्त त्यौहारों को श्रद्धापूर्वक मनाकर आशीर्वाद लेकर सुखमय जीवन की कामना करते हुए समाज उत्थान में हर सम्भव सहयोग कर उक्त त्यौहारों के अवसर पर महासभा की ओर से सजातीय बन्धुओं की हार्दिक शुभकामनायें।

7 अप्रैल को महासभा का 97 वाँ स्थापना दिवस है। परम आदरणीय श्री नाथूराम रेजा नरसिंहपुर (म.प्र.) एवं श्री बलदेव प्रसाद मातेले मुढ़ार नागपुर के सतत प्रयास से सन् 1914 में गहोई जाति को उन्नति के शिखर पर पहुँचाने तथा रूढ़िवादि परम्परा को समाप्त करने, अंग्रेजों के दुर्व्यवहारों से छुटाकारा पाने के उद्देश्य से समाज को एक सूत्र में संगठित करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर गहोई समाज को नागपुर (महाराष्ट्र) में विराट सम्मेलन बुलाया गया, यह सम्मेलन 7 अप्रैल से 10 अप्रैल तक चला। अनेकों ज्वलन्त समस्याओं पर विचार विमर्श पश्चात प्रस्ताव पास हुए। सम्मेलन के प्रथम दिन ही महासभा की स्थापना राष्ट्रीय स्तर पर की गईं उस समय से अभी तक 40 राष्ट्रीय अधिवेशन विभिन्न प्रान्तों में हो चुके हैं। इन अधिवेशनों से गहोई जाति में जागृति के साथ ही साथ अन्य वर्ग में राष्ट्रीय पहचान बढ़ी है। सामाजिक उत्थान के लिये महासभा द्वारा अनेकों योजनाएँ प्रारंभ की गई हैं। महासभा को सशक्त बनाने हेतु पिछले दो दशक से महिलासभा, नवयुवक मण्डल, वरिष्ठ संघ गठित कर प्रकोष्ठ स्थापित किये गये हैं जो अपने–अपने स्तर पर प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं।

जैसा कि आपको विदित होगा कि महासभा का 41 वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन देश की राजधानी दिल्ली की औद्योगिक नगरी नोयडा में प्रथम बार 16 एवं 17 अप्रैल को दिल्ली गहोई वैश्य एसोसिएशन के आमंत्रण पर होने जा रहा है। इस अधिवेशन में सभी क्षेत्रीय सभाओं, पंचायतों, सभी प्रकोष्ठों के सजातीय बन्धु आमंत्रित किये गये हें। अधिवेश में क्षेत्रीय समस्याओं, समाज उत्थान से संबंधित योजनाओं, संविधान संशोधन आदि पर प्रमुखता से विचार–विमर्श किया जायेगा।

दिल्ली एक ऐतिहासिक नगरी है, गहोई समाज की छवि ऐतिहासिक नगरी में उभर कर आये, हमारी पहिचान राष्ट्रीय स्तर पर हो, इस तरह के सभी प्रयास किये जा रहे हैं।

मेरा अनुरोध है कि इस अधिवेशन में सभी प्रकोष्ठ, प्रकल्प, क्षेत्रीय सभायें, पंचायतों के सदस्य उपस्थित होकर सहयोग प्रदान करें, ताकि अधिवेशन यादगार के रूप में बना रहे।

अधिवेशन में महासभा एवं प्रकोष्ठों के चुनाव होना है। चुनाव शांतिपूर्वक हो, इसके लिये सभी प्रत्याशियों, मतदाताओं को अनुशासन में रहकर उदारता का परिचय देना होगा। चुनाव में वही लोग आगे आवें जिनके पास पर्याप्त समय हो तथा अपने उत्तर दायित्वों का निर्वाह कर सकें।

इस माह के प्रवास–

पचमढ़ी–दिनांक 12 एवं 13 मार्च को प्रादेशिक वैश्य महासम्मेलन की बैठक में विशेष अतिथि के रूप में सम्मिलित हुआ तथा अपने उद्‌बोधन में गहोई समाज की प्रगति के बारे में जानकारी दी। मेरे साथ कैलाश सांवला, के.के. कठिल तथा अन्य पदाधिकारी थे।

भोपाल–दिनांक 14 मार्च को भोपाल में भ्रमण कर सामाजिक बन्धुओं से सम्पर्क कर अधिवेशन के बारे में जानकारी दी तथा अधिवेशन में प्रकाशित होने वाली स्मारिका के लिये विज्ञापन प्राप्त किये। हमारे साथ दिल्ली एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री एम.सी. गुप्ता, संयोजक अधिवेशन एसो. श्री प्रेमनारायण नीखरा, महासभा महामंत्री उमाशंकर लहारिया थे।

इन्दौर–15 मार्च को इन्दौर में स्थानीय पंचायत के पदाधिकारियों से मुलाकात कर समाज हित में किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली तथा अधिवेशन में प्रकाशित होने वाली स्मारिका हेतु विज्ञापन प्राप्त किये, मेरे साथ श्री एम.सी.

गुप्ता दिल्ली एवं प्रेमनारायण नीखरा दिल्ली तथा उमाशंकर लहारिया थे।

दतिया एवं डबरा–दिनांक 18–03–2011 शुक्रवार को दतिया पंचायत पदाधिकारियों एवं समाज के विशिष्ट समाज सेवियों से अधिवेशन दिल्ली में होने संबंधी चर्चायें हुईं तथा स्मारिका हेतु विज्ञापन प्राप्त किये। इसी क्रम में सायं 4 बजे डबरा में आकर स्मारिका हेतु विज्ञापन प्राप्त किये तथा दिल्ली अधिवेशन में पहुंचने हेतु आमंत्रित किया। मेरे साथ पूर्व संयुक्त मंत्री एवं संयुक्त संपादक बन्धु सतीश सुहाने थे।

झांसी–20 मार्च 2011 को गहोई क्लब इण्डिया झांसी द्वारा उमंग के साथ होली मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुआ, कार्यक्रम के दौरान झांसी समाज के पदाधिकारियों से समाज में किये जा रहे कार्यों के लिये विस्तृत चर्चा हुई। मेरे साथ सतीश सुहाने थे।

इन्दौर–24 मार्च 2011 को ग.वै. पंचायत इन्दौर द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलत हुआ, अध्यक्ष श्री नगरिया एवं मंत्री श्री छिरौल्या जी के साथ विस्तृत चर्चा हुई, सभी वर्ग को साथ लेकर चलने का सुझाव दिया गया। अ.भा.ग.वै. नवयुवक मण्डल के मंत्री श्री मुकेश बिलैया एवं अन्य लोगों के साथ नगर के विशिष्ट समाज सेवियों से चर्चायें हुईं। भामाशाह श्री भारत नीखरा ने एक लाख एक हजार एक रूपये अक्षय निधि में दान में दिये । मेरे साथ महामंत्री उमाशंकर लहारिया जी थे।

भोपाल–25/03/11 को भोपाल में ''अक्षय निधि'' हेतु जनसंपर्क तथा ''बन्धु'' के लिये विज्ञापन प्राप्त करने के लिये व्यवसायी वर्ग से सम्पर्क किया गया, मेरे साथ उमाशंकर लहारिया महामंत्री थे।

कटनी, जबलपुर, सिहोरा, मण्डला–में दिनांक 26 से 28 मार्च तक भ्रमण किया, होली मिलन समारोह में सम्मिलित होकर उक्त स्थानों पर ''अक्षय निधि'' हेतु स्थानीय समाज के पदाधिकारियों को साथ लेकर उद्योगपतियों, व्यापारियों से सम्र्क किया गया तथा अक्षय निधि के लिये सदस्यता राशि प्राप्त करने का प्रयास किया गया, इसी बीच 41 वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन नोयडा में प्रकाशित स्मारिका के लिये विज्ञापन प्राप्त किये। मेरे साथ ''अक्षय निधि'' अध्यक्ष सुभाष कुचिया, महामंत्री उमाशंकर लहारिया, संयुक्त संपादक सतीश सुहाने थे, इसी दौरान अधिवेशन के लिये आमंत्रण पत्र भी वितरित किये गये।जबलपुर, श्री शिवकुमार सोनी ने अध्यक्ष निधि में 1 लाख 1 हजार एक रूपये दान में दिये एवं अन्य लोगों ने भी अक्षय निधि में दान दिया। सभी को बहुत–बहुत धन्यवाद ।

बधाई–समाज के गौरव, व्यक्तित्व के धनी, कर्मठशील, ईमानदार छवि रखने वाले पुलिस विभाग के उच्च पद पर रहते हुए उत्तरदायित्वों का निर्वाह करने वाले श्री आर. के. अरूसिया को आई.पी.एस. एवार्ड से सम्मानित किया गया है। इस गरिमामय उच्च पद पर पदोन्नति होने से गहोई समाज गौरवान्वित हुआ है। इस उपलब्धि पर अ.भा.ग. वैश्य महासभा एवं सजातीय बन्धुओं ने बधाई देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है। आई.पी.एस. अवार्ड से सम्मानित होने पर महासभा की ओर से हार्दिक बधाई देता हूँ तथा शत् शत् अभिवादन करते हुए हार्दिक शुभकामनायें एवं उज्ज्वल भविष्य की आकांक्षा रखता हूँ।

संवेदना एवं श्रद्धांजली–प्रतिष्ठात कवि एवं साहित्यकार वरिष्ठ समाज सेवी गहेई वैश्य बन्धु के संपादक रहे डॉ. नारायणदास बिजपुरिया ''कमलेश'' आलमपुर का पिछले माह निधन होने से समाज की अर्पूणीय क्षति हुई है हमने एक लोकप्रिय कवि खो दिया है।

उल्लेखनीय है कि डॉ. कमलेश महासभा के स्तम्भ रहे हैं। समय–समय पर अपने लेखों के माध्यम से महासभा को मार्गदर्शन दिया है। ऐसे प्रेरणा स्त्रोत विख्यात कवि डॉ. कमलेश लोकगामी होने से उन्हें शत–शत नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ तथा दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिवार को दुख सहन करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ तथा परिवार वालों के प्रति गहरा दुख प्रकट करते हुए संवेदना व्यक्त करता हूँ।

–राधेश्याम कुचिया राष्ट्रीय अध्यक्ष महासभा

• निर्वाचन संबंधी आवश्यक सूचना •

अ.भा. गहोई वैश्य महासभा के 41 वें राष्ट्रीय अधिवेशन दिनांक 16–17 अप्रैल 2011 को होने वाले निर्वाचन में भाग लेने वाले समस्त मतदाताओं को सूचित किया जाता है कि मतदान करने के लिये, महासभा द्वारा दिया गया पहचान पत्र अथवा शास. संस्था का किसी भी प्रकार का पहचान पत्र, अभिलेख जिसमें छायाचित्र चस्पा हो या भारत सरकार द्वारा प्रदाय वोटर कार्ड, पहचान हेतु आवश्यक रूप से अपने साथ लावें, पहचान न होने की स्थिति में मतदान से वंचित रहना पड़ेगा। यह प्रक्रिया सभी प्रकोष्ठों के निर्वाचन में लागू रहेगी ।

–मुख्य निर्वाचन अधिकारी महासभा

सादर आमंत्रण

भारत की राजधानी दिल्ली में अखिल भारतीय गहोई वैश्य महासभा का 41 वॉ राष्ट्रीय अधिवेशन दिनांक 16 एवं 17 अप्रैल 2011 को श्री गहोई वैश्य एसोसियेशन दिल्ली के आमंत्रण पर आयोजित किया गया है । इस अधिवेशन में आप सभी आमंत्रित हैं ।

आप सभी उपस्थित होकर अपना अमूल्य समय देकर अधिवेशन को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें ।

धन्यवाद ।

आवास एवं कार्यक्रम स्थल

दिल्ली एन.सी.आर. में स्थित महाराजा अग्रसने भवन

ए-6 सेक्टर-33 महाराजा अग्रसेन मार्ग इनस्टीटयूशनल एरिया नोयडा-

जिला गौतम बुद्ध बिहार (उ.प्र.)

lEidZ l=%

मूलचन्द सुहाने	अरविन्द बडौन्या	संजीव कुमार सुहाने	डॉ. करूणेशचन्द्र गुप्ता
अध्यक्ष	अध्यक्ष उत्तर क्षेत्र	(मंत्री)	उपाध्यक्ष
9873666369	97119786495	8826083131	9891317151

ukV **कृपया उपरोक्त सम्पर्क सूत्र से संपर्क कर अपनी ट्रेन नं. एवं पहुंचने का समय कितने व्यक्ति साथ में हैं सूचित करें ताकि आपकी स्टेशन से कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाने एवं ठहरने की व्यवस्था उचित हो सके। सहयोग के लिये धन्यवाद।**

विनीत

राधेश्याम कुचिया	राजेन्द्र नीखरा	उमाशंकर लहारिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	महामंत्री

आयोजक : श्री गहोई वैश्य एसोसियेशन, दिल्ली (रजि.)

अष्टम का.का. बैठक में पारित संशोधित विधान

महासभा का संगठन –11 (अ)– महासभा के अन्तर्गत अन्य संगठन :– (जोड़ा गया)

1. अ.भा. गहोई वैश्य महासभा अधीन अ.भा. स्तर पर महिला संगठन युवा संगठन एवं वरिष्ठ संघ का गठन किया जायेगा।

2. युवा संगठन के लिये अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष एवं वरिष्ठ संघ के लिये न्यूनतम आयु 60 वर्ष होगी ।

3. उक्त संगठनों के अपने पदाधिकारी अखिल भारतीय स्तर पर एवं महासभा द्वारा बनाये गये क्षेत्रीय स्तरों पर चुनाव कराकर या अन्यत्र ढंग से चयन करने का और इस वावत अपनी नियमावली बनाने का पूर्ण अधिकार रहेगा। नियमावली का अनुमोदन महासभा की कार्यकारिणी बैठक में कराना आवश्यक होगा। चुनाव आयोग के गठन के बाद निर्वाचन प्रक्रिया चुनाव आयोग करायेगा।

परिशिष्ट एक :– क्षेत्रीय सभाओं के नाम एवं उनके अंतर्गत आने वाले क्षेत्र, जिले एवं केन्द्र की सूची (पूर्व का)

(2) विन्ध्य क्षेत्र–छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, सीधी, इलाहबाद, पूर्वी उत्तर प्रदेश, संपूर्ण बिहार एवं निकटवर्ती क्षेत्र की संपूर्ण स्थानीय पंचायतें। केन्द्र का नाम–सतना

(4) मध्य मालवा क्षेत्र–भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, बैतूल, होशंगाद (पिपरिया छोड़कर), खण्डवा, इंदौर, उज्जैन आदि जिले की समस्त स्थानीय पंचायतें तथा (सागर जिले की बीना पंचायत) केन्द्र का नाम–भोपाल

(7) महाकौशल क्षेत्र–जबलपुर, सागर, नरसिंहपुर, मण्डलवा, सिवनी, छिन्दवाड़ा, बालाघाट, कटनी, उमरिया, डिंडोरी, शहडोल जिले (सागर जिले की बीना पंचायत को छोड़कर) समस्त स्थानीय पंचायतें तथा (होशंगाबाद जिले की पिपरिया पंचायत) केन्द्र का नाम–जबलपुर।

परिशिष्ट एक :– निम्न शब्द जोड़े जाना एवं कम करना है–

(1) पूर्वी क्षेत्र–पटना, कलकत्ता, बिहार, झारखण्ड, पूर्व उत्तर प्रदेश एवं निकटवर्ती क्षेत्र की सम्पूर्ण इकाइयाँ नया क्षेत्र का गठन किया गया है। (नया क्षेत्र)

(2) विन्ध्य क्षेत्र–निम्न शब्द कम किये जाना है–

इलाहबाद, पूर्व उत्तरप्रदेश, सम्पूर्ण बिहार, पंचायत विशानी, शाहनगर (कटनी) एवं पवई पंचायत जिला पन्ना बी एवं अन्य निकटवर्ती पंचायतें।

(4) मध्य मालवा–जिला गुना की पंचायत मधुसूदनगढ़ एवं सम्पूर्ण जिला राजगढ़ जोड़े जाना है।

(7) महाकौशल क्षेत्र–पंचायत विशानी, शाहनगर जिला कटनी एवं पवई जिला पन्ना की पंचायत जोड़े जाना है।

17 महासभा पदाधिकारियों का चुनाव एवं कार्यकाल (पूर्व का)

(1) सभी पदाधिकारियों का कार्यकाल तीन वर्ष/एक निर्वाचन से दूसरे निर्वाचन के बीच का होगा, सभी पदाधिकारी उसी पद पर चुनाव हेतु दूसरे सत्र के लिये दुबारा प्रत्याशी बन सकेंगे, किन्तु तीसरी बार की उम्मीदवारी तीन वर्ष/आगामी निर्वाचन के रिक्तकाल के बाद की जा सकेगी।

(2) महासभा के निर्वाचित पदाधिकारियों का कार्यकाल उन पदों के निर्वाचन नामांकन पत्र भरना प्रारंभ होते ही समाप्त समझा जावेगा। किन्तु 'कोई भी' महासभा अध्यक्ष के विशेषाधिकार से अंतरिम पदाधिकारी के रूप में तब तक कार्य करते रहेंगे जब तक अधिवेशन स्थल/कार्यकारिणी में उस पद हेतु विधान अनुसार निर्वाचन/मनोनयन नहीं कर लिया जाता।

(3) निर्वाचन स्थल पर महासभा के जिन पदों के लिये नामांकन पत्र प्रस्तुत नहीं होता, या स्वीकार योग्य नहीं पाया जाता है या जिन पदों के लिये किसी कारण बस निर्वाचन नहीं हो पाता या जिन पदों का निर्वाचन निरस्त/स्थगित होता है उन पर कार्यकारिणी द्वारा मनोनयन किया जा सकेगा।

कण्डिका 14 से–कार्यकारिणी का गठन–महासभा कार्यकारिणी का गठन निम्न प्रकार से होगा–

(1)	अध्यक्ष	–	एक
(2)	उपाध्यक्ष	–	एक निर्वाचित जो वरिष्ठ होगा व एक कनिष्ठ अधिवेशन की स्वागत समिति का अध्यक्ष होगा।
(3)	महामंत्री	–	एक
(4)	कोषाध्यक्ष	–	एक
(5)	प्रचार मंत्री	–	दो जिसमें एक महासभा के मुख पत्र ''गहोई बन्धु'' का सम्पादक पदेन होगा व एक निर्वाचन द्वारा
(6)	लेखानिरीक्षक	–	एक
(7)	प्रबंधक राजाबेटी भवन कानपुर	–	एक
(8)	प्रबंधक गहोई भवन चित्रकूट धाम	–	एक
(9)	संपत्ति एवं न्यास निरीक्षक	–	एक
(10)	महासभा केन्द्रीय कार्यालय का कार्यालय मंत्री	–	(अध्यक्ष द्वारा मनोनीत एवं का.का. द्वारा पुष्टि)
(11)	संयुक्त महामंत्री	–	चार पद (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत)
(12)	विभागीय विकास मंत्री	–	पांच पद (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत)
(13)	संगठन मंत्री	–	पांच पद (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत)
(14)	उपमंत्री	–	पांच पद (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत)

(15) महासभा के सभी पूर्व अध्यक्ष

(16) महासभा के विगत सत्र का महामंत्री

(17) वर्तमान अ.भा. गहोई वैश्य महिला सभा की अध्यक्ष एवं मंत्री

(18) वर्तमान अ.भा. गहोई वैश्य नवयुवक मण्डल के अध्यक्ष एवं मंत्री

(19) वर्तमान अ.भा. गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ के अध्यक्ष एवं मंत्री

(20) समस्त क्षेत्रीय सभाओं की आमसभाओं की आमसभा से निर्वाचित अध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष तथा अध्यक्ष द्वारा मनोनीत उपाध्यक्ष–दो, उपमंत्री–दो, संगठन मंत्री–एक, प्रचार मंत्री–एक इस प्रकार प्रत्येक क्षेत्रीय सभा से नौ–नौ पदाधिकारी महासभा कार्यकारिणी सभा के सदस्य होंगे। पदाधिकारी यथा संभव उस क्षेत्रीय सभा पंचायत इकाई प्रतिनिधियों से मनोनीत किये जायें तथा क्षेत्रीय सभा को चार क्षेत्रों में विभाजित कर मनोनीत उपाध्यक्षों तथा उपमंत्रियों को एक–एक क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया जावे।

नोट–पांच से कम इकाई होने पर उस क्षेत्र में जितनी इकाईयां होंगी उतने ही पदाधिकारी उस क्षेत्र से चुने जायेंगे।

(21) महासभा अध्यक्ष द्वारा मनोनीत सात विशिष्ट सदस्य जिनमें कम से कम एक महिला होगी।

उक्त वर्णित सदस्यों में कलाकार, साहित्यकार, विधि विशेषज्ञ, इंजीनियर, डॉक्टर, उद्योगपति, राजनेता, भारत सेवा के पदाधिकारीगण यथा संभव मनोनीत किये जावें।

(22) जिन नगरों/पंचायतों में गहोई परिवारों की संख्या 500 से अधिक है उन पंचायातें के अध्यक्ष तथा मंत्री महासभा कार्यकारिणी के पदेन सदस्य होंगे।

(23) कार्यकारी अध्यक्ष–एक पद (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत)

(24) उपकोषाध्यक्ष–एक पद (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत)

नोट : उपरोक्त वर्णित क्रमांक 1 से 24 तक कार्यकारिणी समिति के सदस्यों को तत्काल महासभा की सदस्यता ग्रहण किया जाना अनिवार्य होगा।

संविधान–17 विलोपित कर निम्न पद का सृजन किया जाना है– (नया)

(1) अ.भा. गहोई वैश्य महासभा के अध्यक्ष का चुनाव कार्याकाल समाप्त के उपरांत कार्यकारिणी के सदस्यों के बहुमत के आधार पर निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान किया जायेगा।

अन्य पदाधिकारियों का निर्वाचन महासभा के खुले अधिवेशन में

(1)	उपाध्यक्ष	दो
(2)	महामंत्री	एक
(3)	मंत्री	दो
(4)	कोषाध्यक्ष	एक

(5) प्रचारमंत्री एक
(6) लेखानिरीक्षक एक

निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान किया जावेगा।

यह सभी निर्वाचित पदाधिकारी का कार्यकाल 3 वर्ष की अवधि या महासभा अधिवेशन होने की तिथि तक प्रभावी रहेगा। सभी पदाधिकारी आगे केवल एक और अवधि के लिये निर्वाचन में उम्मीदवार बनने की पात्रता रखेंगे। तदोपरांत उनकी उम्मीदवारी सक्षम नहीं होगी। एक अवधि अर्थात तीन वर्ष की अवधि या आगामी अधिवेशन हो जाने के बाद वह उपरोक्त पदों के लिये उम्मीदवार हो सकेंगे।

कण्डिका 14 से–कार्यकारिणी का गठन–महासभा कार्यकारिणी का गठन निम्न प्रकार से होगा–

(1)	अध्यक्ष	– एक
(2)	उपाध्यक्ष	– दो (निर्वाचन द्वारा)
(3)	उपाध्यक्ष	– एक (अधिवेशन का स्वागत अध्यक्ष)
(4)	महामंत्री	– एक (निर्वाचन द्वारा)
(5)	मंत्री	– दो (निर्वाचन द्वारा)
(6)	कोषाध्यक्ष	– एक (निर्वाचन द्वारा)
(7)	प्रचार मंत्री	– दो (एक निर्वाचन द्वारा) (एक संपादक "गहोई बन्धु"–पदेन प्रचार मंत्री)
(8)	लेखानिरीक्षक	– एक (निर्वाचन द्वारा)
(9)	प्रबंधक राजाबेटी भवन कानपुर	– एक (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत एवं का.का. द्वारा पुष्टि)
(10)	प्रबंधक गहोई भवन चित्रकूट धाम	– एक (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत एवं का.का. द्वारा पुष्टि)
(11)	प्रबंधक न.मो. सोनी अनाथालय ट्रस्ट जबलपुर	– एक (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत एवं का.का. द्वारा पुष्टि)
(12)	कार्यकारी अध्यक्ष	– एक (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत एवं का.का. द्वारा पुष्टि)
(13)	उपकोषाध्यक्ष	– एक (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत एवं का.का. द्वारा पुष्टि)
(14)	केन्द्रीय कार्यालय मंत्री	– एक (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत एवं का.का. द्वारा पुष्टि)
(15)	संयुक्त मंत्री	– चार (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत एवं का.का. द्वारा पुष्टि)
(16)	विकास मंत्री	– पांच (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत एवं का.का. द्वारा पुष्टि)
(17)	संगठन मंत्री	– पांच (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत एवं का.का. द्वारा पुष्टि)
(18)	उपमंत्री	– पांच (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत एवं का.का. द्वारा पुष्टि)

(19) महासभा के सभी पूर्व अध्यक्ष
(20) महासभा के विगत सत्र का महामंत्री
(21) अ.भा. गहोई वैश्य महिला सभा की अध्यक्ष एवं मंत्री (निर्वाचित)
(22) अ.भा. गहोई वैश्य नवयुवक मण्डल के अध्यक्ष एवं मंत्री (निर्वाचित)
(23) अ.भा. गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ के अध्यक्ष एवं मंत्री (निर्वाचित)
(24) अक्षय निधि प्रकल्प के संयोजक एवं सचिव (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत एवं का.का. द्वारा पुष्टि)
(25) गहोई ग्लोबल चेम्बर ऑफ कॉमर्स के संयोजक एवं सचिव (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत एवं का.का. द्वारा पुष्टि)
(26) न्याय प्राधिकरण के संयोजक एवं सचिव (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत एवं का.का. द्वारा पुष्टि)
(27) गहोई विकास कल्याण कोष के संयोजक एवं सचिव (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत एवं का.का. द्वारा पुष्टि)
(28) अन्तर्राष्ट्रीय प्रकल्प के संयोजक एवं सचिव (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत एवं का.का. द्वारा पुष्टि)
(29) राजनीति प्रकल्प के संयोजक एवं सचिव (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत एवं का.का. द्वारा पुष्टि)
(30) शा. सेवा ऑफीसर एवं कर्मचारी प्रकल्प के संयोजक एवं सचिव (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत एवं का.का. द्वारा पुष्टि)

(31) समस्त क्षेत्रीय सभाओं की आमसभा से निर्वाचित अध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष तथा क्षेत्रीय सभा के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत उपाध्यक्ष–दो, उपमंत्री–दो, संगठन मंत्री–एक एवं प्रचार मंत्री–एक इस प्रकार प्रत्येक क्षेत्रीय सभा के नौ–नो पदाधिकारी महासभा का.का. सभा के पदाधिकारी होंगे।

(32) महासभा अध्यक्ष द्वारा मनोनीत सात विशिष्ट सदस्य जिनमें कम से कम एक महिला होगी।

उक्त वर्णित सदस्यों में कलाकार, साहित्यकार, विधि विशेषज्ञ, इंजीनियर, डॉक्टर, उद्योगपति, राजनेता, भारत सेवा के पदाधिकारीगण यथा संभव मनोनीत किये जावें।

(33) जिन संबंधित नगर पंचायतों में गहोई परिवारों की संख्या 500 से अधिक है उन पंचायातें के अध्यक्ष तथा मंत्री महासभा का.का. के पदेन सदस्य होंगे।

(34) जिन संबंधित नगर पंचायतों में गहोई परिवारों की संख्या 250 से अधिक है उन पंचायतों के अध्यक्ष महासभा का. का. का. के पदेन सदस्य होंगे।

क्षेत्रीय महिलासभा एवं क्षेत्रीय नवयुवक मण्डल में निम्नलिखित संशोधन किये गये–

6 संगठन– (पूर्व का)

(ii) क्षेत्रीय महिला सभा–(क) महासभा द्वारा निर्धारित क्षेत्रों के लिये क्षेत्रीय महिला सभायें गठित की जायेंगी। धारा 6 (i) (ख) के अनुसार चुने गये प्रतिनिधि क्षेत्रीय महिलासभा की आमसभा के सदस्य होंगी।

संशोधित-(क) क्षेत्रीय महिलाससभा के अध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष का निर्वाचन उस क्षेत्रांतर्गत आने वाले केन्द्र अथवा किसी स्थानीय पंचायत द्वारा आमंत्रित स्थल पर महिलासभा से सम्बद्धता प्राप्त पंचायत के महिलासभा प्रतिनिधियों, महिलासभा के उस क्षेत्रांतर्गत आने वाले संरक्षक तथा आजीवन सदस्यों द्वारा आमसभा में बहुमत के आधार पर महासभा पर्यवेक्षक की देखरेख में निव्राचन सम्पन्न कराया जावेगा।

6 संगठन– (पूर्व का)

(ii) क्षेत्रीय नवयुवक मण्डल–(क) महासभा द्वारा निर्धारित क्षेत्रों के लिये क्षेत्रीय नवयुवक मण्डल गठित किये जायेंगी। धारा 6 (क) (ii) के अनुसार चुने गये प्रतिनिधि क्षेत्रीय नवयुवक मण्डल की आमसभा के सदस्य होंगे।

संशोधित-(i) क्षेत्रीय नवयुवक मण्डल के अध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष का निर्वाचन उस क्षेत्रांतर्गत आने वाले केन्द्र अथवा किसी स्थानीय पंचायत द्वारा आमंत्रित स्थल पर नवयुवक मण्डल से सम्बद्धता प्राप्त पंचायत के नवयुवक मण्डल प्रतिनिधियों, नवयुवक मण्डल के उस क्षेत्रांतर्गत आने वाले संरक्षक तथा आजीवन सदस्यों द्वारा आमसभा में बहुमत के आधार पर महासभा पर्यवेक्षक की देखरेख में निर्वाचन सम्पन्न कराया जावेगा।

जोड़ा गया है–

17 ¼v½ puko vk;kx ¼& निर्वाचन प्रक्रिया के लिए एक निर्वाचन आयोग की नियुक्ति की जायेगी जिसमें एक निर्वाचन आयुक्त एवं चार सदस्य रहेगें। वह निर्वाचन प्रक्रिया में किसी पद के लिये उम्मीद्वार नही रहेगे। इनका कार्यकाल 5 वर्ष का रहेगा।

महासभा, क्षेत्रीय सभा एवं महासभा के अन्य प्रकोष्ठ एवं प्रकल्पों के निर्वाचन का कार्य संपादन करेगा। निर्वाचन प्रक्रिया शुरू होने पर कार्यकारिणी एवं महासभा का कोई हस्तक्षेप नही रहेगा। सदस्यों की नियुक्ति महासभा की का.का. बैठक में योग्यता के आधार पर करेगी।

¼c½ {k=h; vkelHkk rFkk inkf/kdkfj;k dk fuokpu ¼& क्षेत्रीय सभा के लिये अर्हर्ताओं के संबंध में बाकी निम्न जोड़ा जावें क्षेत्रीय सभा के मंत्री एवं कोषाध्यक्ष पद हेतु महासभा/क्षेत्रीय सभा का.का. सदस्य अथवा स्थानीय सबंध पंचायत का पदाधिकारी/कार्यकारिणी सदस्य रहा हो या वर्तमान में हों ।

25 ¼v½ कोई भी पदाधिकारिी या कार्यकारिणी सदस्य विधान का उल्लंघन करता है। अथवा निर्देशों का पालन दायित्व के अधीन नही करता है (लगातार तीन बैठकों में अनुपस्थित रहता है) तब ऐसा कार्य अनुशासन हीनता एवं दुर्वव्यवहार में माना जायेगा ओर का.का. बैठक में उसे हटाया जायेगा। का.का. बैठक की अनुशंसा पर अध्यक्ष द्वारा उसे हटाया जा सकता है।

धारा 18 की 'उ' कण्डिका में 13 जोड़ा जाना है।

महासभा का.का. या महासभा का अधिवेशन न होने पर, महासभा की कार्यकारिणी एवं महासभा अधिवेशन की सारी शक्तियां महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पास रहेगी ओर ऐसे अधिकार का उपयोग करने पर प्रथम का.का. बैठक रा. महासभा का अधिवेशन होने पर अथवा (6 माह के भीतर जो भी पहले हो) उसमें उसकी पुष्टि बहुमत के आधार पर कराना आवश्यक रहेगा। अन्यथा उपयोग की गई ऐसी शक्ति निष्प्रभी हो जोवगी।

11 ब– महासभा के अन्य प्रकोष्ठ जोड़ा जाना है।

महासभा के आधीन महासभा का कार्य संचालन करने हेतु निम्न प्रकोष्ठ स्थापित किये जायेगें इनकी नियमावली का. का. बैठक में पुष्टि कराना आवश्यक होगा।

1. अक्षय निधि
2. गहोई ग्लोबल
3. न्यायाधिकरण

उमाशंकर लहारिया
(महामंत्री महासभा)

अ.भा. महासभा का संक्षिप्त इतिहास

–हरनारायण रिखौल्या
संपादक ''बन्धु''

बीसवीं सदी के प्रारंभ में हमारा देश गुलामी की जंजीरों में फंसा हुआ था, उस समय राजनैतिक चेतना का प्रसार प्रारंभ हुआ कुछ समाजसेवी संस्थायें आर्य समाज, ब्रह्म समाज जैसी संस्थाओं ने समाजिक कुरीतियों को नष्ट करने के लिये भरसक प्रयत्न किये, उनकी प्रचार प्रसार से सामाजिक चेतना जागृत हुई। समाज में जब कुरीतियों का बोझ असह्य हो गया तब उद्धारकों को प्रेरणा मिली, तत्कालीन सामाजिक बन्धुओं ने भी गहोई समाज में फैली कुरीतियों को नष्ट करने के लिये भरसक प्रयत्न किये और समाज को संगठित करने का प्रयास किया गया, राष्ट्रीय स्तर पर संगठन की स्थापना हेतु आवश्यकता महसूस की गयी। समाज में फैली कुरीतियां विकराल रूप धारण किये हुए थीं, शादी विवाहों में आठ दिन तक बरात का रूकना, आतिशबाजी, रंडियों का नाच, कम उम्र में शादी होना, तीन वर्ष में गोना होना ऐसी अनेक बुराईयाँ थी जिनसे निजात मिलना कठिन कार्य था, इन सब समस्याओं को दूर करने के लिये कुछ समाज सेवियों ने कमर कसी और परम पूज्य स्व. नाथूराम रेजा ने सर्वप्रथम निजी प्रेस से ^^xgkbZ lekt** पत्रिका प्रकाशित की तथा गहोई समिति का गठन किया।

xgkbZ lekt dk loZiFke lEeyu 7,8,9 व 10 अप्रैल 1914 में नागपुर रखा गया इसका संपूर्ण भार श्री बल्देवप्रसाद मातेले ने उठाया। अधिवेशन के प्रथम दिन यानि 7 अप्रेल 1914 को श्री नाथूराम रेजा के प्रस्ताव पर महासभा का गठन कर लिया गया तथा का.का. पदाधिकारी चुने गये। यह सम्मेलन 4 दिन तक चलता रहा। सामाजिक कुरीतियों को दूर करने हेतु 18 प्रस्ताव पास हुए तथा महासभा कोष में दान स्वरूप लगभग 2300/– रुपये इकट्ठा किया गया।

दूसरा अधिवेशन 27, 28, 29, 30 दिसम्बर 1914 में ही जबलपुर में सम्पन्न हुआ। इस अधिवेशन में विन्ध्यप्रदेश के समस्त शहरों व ग्रामों की जातीय उपस्थिति उल्लेखनीय थी, इस सम्मेलन के प्रधान कार्यकर्ता श्री नाथूराम रेजा थे, इस अधिवेशन के बाद महासभा का कार्य प्रगति पर रहा। कार्यकारिणी की बैठकें हुईं, जातीय पत्रिका का प्रकाशन होने लगा, प्रचार कार्य तेजी से हुआ।

तृतीय अधिवेशन दिनांक 27, 28, 29 दिसम्बर 1915 को कटनी जिला जबलपुर में हुआ, यह अधिवेशन स्थानीय समाज के उत्साह से सफल रहा, महासभा की आर्थिक स्थिति में निरन्तर सुधार हो गया।

चतुर्थ अधिवेशन दिनांक 18,19,20,21 मई 1917 में सागर में हुआ। इस अधिवेशन में अनेकों प्रस्ताव पास हुए तथा क्षेत्रीय इकाईयों के गठन हेतु जोर दिया गया, इस सम्मेलन के बाद तीन–चार कार्यकारिणी की बैठकें भी हुई लेकिन कार्यों में स्थिलता आ गई तथा जातीय पत्रिका का प्रकाशन भी बन्द हो गया।

पंचम अधिवेशन दिनांक 17,18,19 अप्रैल 1924 ई. कालपी में सम्पन्न हुआ। इस अधिवेशन में 16 प्रस्ताव पारित किये गये तथा गहोई जाति के इतिहास के निर्माण के लिये 8 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। भोजन का प्रबन्ध महासभा की ओर से किया गया। कालपी समाज की ओर से आवास व्यवस्था सराहनीय थी।

छठवां अधिवेषन 23,24,25 एवं 26 दिसम्बर 1925 कानपुर में सम्पन्न हुआ। इस अधिवेशन में उपस्थित बहुत अच्छी थी, भोजन व्यवस्था कानपुर समाज की तरफ से ही की गई थी, इस अधिवेशन में मात्र 6 प्रस्ताव पारित हुए। इसमें प्रमुख प्रस्ताव अ.भा. गहोई विधवाश्रम खोलने का था।

सप्तम अधिवेशन दि. 25, 26, 27 दिसम्बर 1926 दतिया में सम्पन्न हुआ। इस अधिवेशन में जो प्रस्ताव पारित किये गये उनमें मुख्य प्रस्ताव था कि स्वजातीय भाईयों के सहायतार्थ एक लिमिटेड बैंक खोला जावे ताकि कम सूद पर कर्जा देकर व्यापार में वृद्धि की जावे।

अष्टम अधिवेशन 28, 29, 30 दिसम्बर 1927 ललितपुर में सम्पन्न हुआ। इस अधिवेशन में 12 प्रस्ताव पारित किये गये, इनमें प्रमुख प्रस्ताव था कि गहोई वैश्य समाचार महासभा अपने खर्चे से नियमिति प्रकाशित करें। यह अधिवेशन सफल रहा।

नवम अधिवेशन दिनांक 23, 24, 25 दिसम्बर 1928 बाँदा में सम्पन्न हुआ। इस अधिवेशन में मुख्य प्रस्ताव था कि जातीय मंदिर जहाँ भी है यदि उनकी देख रेख नहीं हो रही हो तो महासभा अपने अधीन कर पूजा आदि की व्यवस्था करें।

दशम अधिवेशन दि. 31 मार्च एवं एक अप्रैल 1930 भिण्ड में सम्पन्न हुआ इस अधिवेशन में मुख्य प्रस्ताव था कि शारदा बिल सरकार द्वारा लागू किया गया है उसी के मुताबिक शादी विवाह किया जावे तथा कम उम्र की लड़की तथा अधिक उम्र के पुरूषों से अनमेल शादियां न की जावें।

एकादश अधिवेशन दि. 28, 29, 30 नवम्बर एवं 1 दिसम्बर 1932 स्थान पिछोर (शिवपुरी) में सम्पन्न हुआ। इस अधिवेशन की अध्यक्षता श्री गोविंद गुप्ता एम.ए. झांसी (उ.प्र.) ने की एवं मंत्री श्री बाबू शिवचरणलाल गुप्ता ''लाल'' जबलपुर थे।

मुख्य प्रस्ताव–महिलासभा गठित करने के प्रयास एवं महिलाओं को भी अधिवेशन में आमंत्रित किया जाय।

बारहंवा अधिवेशन दि. 28 एवं 29 दिसम्बर 1933 कटनी

में सम्पन्न हुआ। इसकी अध्यक्षता श्री राजाराम नीखरा ने की।

मुख्य प्रस्ताव-अ.भा. वैश्य महासभा से सम्बन्ध स्थापित करने का पूर्ण सहमति से समर्थन किया गया तथा अ.भा. वैश्य सभा के अध्यक्ष तथा मंत्री से पत्र द्वारा सम्पर्क कर एक दूसरे को सहयोग प्रदान करें।

त्रयोदश अधिवेशन-दि. 26, 27, 28 दिसम्बर 1934 ई. को सिहोरा रोड पर सम्पन्न हुआ। इसकी अध्यक्षता श्री बाबूलाल चउदा एडवोकेट सागर (म.प्र.) ने की।

मुख्य प्रस्ताव–सम्पूर्ण भारत के गहोई वैश्य परिवारों के पुरूष, स्त्री, बच्चों की गणना करने हेतु प्रस्ताव स्वीकृत किया गया। इस कार्य को सम्पन्न करने के लिये स्थानीय पंचायतों को महासभा द्वारा निर्देश जारी किये जायें। इस अधिवेशन में उपस्थिति अच्छी थीं, नवयुवक संगठन की भी बैठक इस अधिवेशन में संयुक्त रूप से हुई।

चतुर्दश अधिवेशन-दिनांक 10,11,12 अप्रैल 1936 को सागर में हुआ। इसकी अध्यक्षता झुण्डीलाल मिसुरहा एडवोकेट उरई (उ.प्र.) ने की। इस अधिवेशन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी इसमें नवयुवक मण्डल, महिला मण्डल ने सक्रिय रूप से भाग लिया, संयुक्त अधिवेशन हुआ, महासभा की नियमावली में संशोधन किया जाकर सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। उपस्थिति बहुत अच्छी थी।

पन्द्रहवां अधिवेशन-23, 24, 25 मई 1937 को ओरछा में श्री हरदास जी सोनी पटना की अध्यक्षता में हुआ। मंत्री श्री नन्हूलाल बेहरे सागर थे यह अधिवेशन सफल रहा। उपस्थिति अच्छी रही।

मुख्य प्रस्ताव–(1) विधवा विवाह पर महासभा को आपत्ति नहीं है बशर्ते कि बाल विधवा जिसकी उम्र 15 वर्ष से कम हो।

(2) वैवाहिक कार्यों में अनेक स्थानों में पृथक पृथक नियम हैं इस सम्बन्ध में विवाह आदि कार्यक्रमों में एकरूपता लाने हेतु ऐसे नियम बनाये जावे जो सर्वमान्य हो।

सोलहवॉं अधिवेशन दिनांक 26, 27, 28 दिसम्बर 1938 को द्वारिकाप्रसाद रसकेन्द्र कालपी की अध्यक्षता में लश्कर में अधिवेशन हुआ। इस अधिवेशन में विशेष रूप से सम्पूर्ण देश का प्रतिनिधित्व रहा। इसी अधिवेशन में राजाबेटी ट्रस्ट बनाने हेतु श्री कामताप्रसाद बरसैंया भिण्ड मुख्तयारआम श्रीमती राजाबेटी बेवा मन्नीलाल सेठ भिण्ड ने महासभा मीटिंग में उपस्थित होकर घोषणा की कि श्रीमती राजाबेटी अपनी कानपुर स्थित जायदाद, जिसकी तत्कालीन कीमत 20,000 रुपया है उसे स्वेच्छा से महासभा को दान करती है। इस शर्त पर कि महासभा 200/– रुपया प्रतिमाह सालाना जायदाद की आमदानी से देती रहे। महासभा ने यह दान स्वीकार किया तथा कानूनी कार्यवाही तथा जायदाद को कब्जा में लेने हेतु पांच सदस्यीय समिति गठित की। जिसके संयोजक–श्री झुण्डीलाल मिसुरहा वकील–उरई रहेंगे। शेष चार सदस्य (1) श्री भगवानदास कनकने वकील लश्कर (2) श्री बद्रीप्रसाद खरया कानपुर (3) श्री बैजनाथ गुप्ता वकील उरई (4) श्री कृष्ण रेजा कानपुर। इस समिति को निर्देश दिया गया कि उचित कार्यवाही कर महासभा को अवगत करावें।

सत्रहवां अधिवेशन- दिनांक 25, 26,27 दिसम्बर 1940 में कालपी (जालौन) में हुआ। 17 बैलों के रथ पर सभापति का जुलूस अद्वितीय सजावट के साथ शहर में निकाला गया।

प्रस्ताव व निर्णय–महासभा यह निश्चित करती है कि जाति के धनी मानी सज्जनों से अनुरोध किया जावे कि वे अपने सम्बन्धित उधोग धन्धों में जाति के ही बेरोजगार नवयुवकों को व्यापारिक औधोगिक तथा शिक्षा का प्रबंध कर आर्थिक सहयोग करें।

प्रस्ताव व निर्णय–यह महासभा निश्चित करती है कि विधवा विवाह चालू किया जावे, यह प्रस्ताव बहुमत से पास किया गया। तथा विधवा विवाह करने वालों को पुरस्कृत भी किया जावे।

अठारहवां अधिवेशन दिनांक 30,31, मई व 1 जून 1942 स्थान उरई में हुआ सभापति देवकीनंदन गंधी चिरगांव थे। विशेष विवरण उपलब्ध नहीं हो सका है।

उन्नीसंवा अधिवेशन-मई 1949 में सेवढ़ा में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में क्या प्रस्ताव पारित हुए ब्यौरा अनुपलब्ध है।

बींसवा अधिवेशन-दिनांक 26,27,28 जनू 1954 को मऊरानीपुर (झांसी) में हुआ जिसके अध्यक्ष मेजर श्री लक्ष्मणदास बड़ौनिया थे तथा स्वागताध्यक्ष श्री उदयनारायण कनकने थे।

प्रस्ताव एवं निर्णय– इस अधिवेशन में संगठन को मजबूत कैसे बनायें, महिलाओं के प्रतिनिधित्व पर विचार, एकीकरण संबंधी विचार, आर्थिक समस्या, संविधान संशोधन तथा विधवा विवाह आदि पर सुझाव रखे गये और उनके क्रियान्वयन हेतु विभिन्न व्यक्तियों को नियुक्त किया गया।

इक्कीसंवा अधिवेशन दिनांक 4 से 6 जनवरी 1959 में चित्रकूट धाम में हुआ इसकी अध्यक्षता श्री श्यामचरण कौशल कानपुर ने की।

प्रस्ताव एवं निर्णय–स्थानीय पंचायतों को महासभा से जोड़ने राजाबेटी ट्रस्ट तथा चित्रकूट की व्यवस्था के सम्बंध में प्रस्ताव पास हुए। एक 25 सदस्यीय समिति चित्रकूट मन्दिर व्यवस्था बाब्त गठित की गई ।

नोट– उपरोक्त अधिवेशन के पश्चात सन् 1960 से लेकर 1975 तक को महासभा अधिवेशनों का विवरण अप्राप्त है। जिन महानुभावों के पास विवरण हो बन्धु कार्यालय में भेजनें का कष्ट करें जिससे आगामी अंकों में उसका बन्धु में प्रकाशन किया जा सके।

❖❖❖❖❖

मांगलिक चिन्हों का शुभ प्रभाव

ओइम (ॐ) :- घर का प्रवेश द्वार किसी भी दिशा में हो ओइम शब्द का उच्चारण मात्र मन को शान्ति तथा एकाग्रता प्रदान करता है तथा इनको प्रवेश द्वार के ऊपर लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का विशेष प्रभाव देखने में मिलता है। हमारे धर्म में किसी भी मंत्र की शुरूआत बिना ओइम के नहीं हुई है या समस्त मंत्रों की शुरूआत ओइम शब्द से हुई हैं अतः यह चिन्ह सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड का जन्मदाता माना जाता है। ओइम (ॐ) शब्द शंकर भगवान का प्रतिनिधित्व करता है। शंकर अर्थात शं=शिव, क=कृष्ण, र=राम, अतः इस ओइम शब्द को प्रवेश द्वार के ऊपर तथा मंदिर में लगाने से सभी प्रकार की ऊर्जाओं का संचार होता है।

स्वास्तिक (ॐ) :- प्राचीन काल से स्वास्तिक का प्रयोग मांगलिक तथा किसी कार्य में शुभ आरम्भ आदि के शुभ प्रयोग में लाया जाता है। इनका प्रयोग प्रवेश द्वारा के दांयी या बांयी तरफ बनाना शुभ माना जाता है। इस चिन्ह में चार भुजायें आपस में Clock Wise तथा दक्षिणावर्ती होकर जुड़ती प्रतीत होती हैं जो हमारे सकारात्मक ऊर्जाओं के लिये सुदर्शन चक्र की भांति कार्य करती प्रतीत होती हैं। इसमें विशेषतः लक्ष्मी का अंश विद्यमान रहता है। स्वास्तिक बनाने के लिये विशेषतः हल्दी केसर, मंजरी (तुलसी का बीज) का प्रयोग जल के साथ या गाय के कच्चे दूध के साथ केसर में देवताओं को आकर्षण करने की विशेष शक्ति होती है तथा मंजरी को सम्मोहन का विशेष कारक माना गया हैं ये घरों में आपसी तालमेल का अभाव दिखता हो वहां वृष लग्न में घर के आसपास तथा बेडरूम में बेड के आसापास दोनों ओर स्वास्तिक चिन्ह बनाने से रिलेशनशिप में सुधार होता है।

मंगल कलश :- यदि पूर्व दिशा तथा उत्तर दिशा का घर हो तो यहां जल सहित कलश आम्रपात्र पुष्प तथा नारियल से सुशोभित तथा आलोकित शुभ तथा सम्पन्नता सुख सानिध्य का द्योतक माना गया है।

घोड़े की नाल तथा नाव की कील :- इन दोनों का कार्य विशेषतः एक ही माना गया है यदि पश्चिम मुखी या दक्षिण मुखी घर हो तो प्रवेश द्वार के ऊपर लगाने से विशेष प्रभाव देखने को मिलता है तथा घर के नजर दोष आदि से भी बचाता है।

हाथी दांत :- प्रायः प्रवेश द्वार पर हाथी दांत को लगाना चारों दिशाओं में शुभ माना जाता था। अतः वास्तु शास्त्र में विशेष अध्ययन के पश्चात मतानुसार यह निष्कर्ष निकला की यदि पुश्तैनी घर हो या पुराना घर हो और फिर उसमें किसी भी प्रकार की प्रेत बाधा या काली छाया हो तो शनिवार के दिन सूर्यास्त के पश्चात मूल नक्षत्र और सिद्धि योग में चौघड़िया मतानुसार प्रवेश द्वार पर हाथी दांत लगाने से समस्त प्रकार की ऐसी बाधाओं में कमी आती है तथा इनसे मुक्ति मिलती है तथा घर पर कभी भी किसी भी प्रकार की बुरी नजर का प्रभाव नहीं पड़ता है।

गदा का चित्र-यदि दक्षिण मुखी घर हो तो इस प्रवेश द्वार पर गदे का चित्र लगाने से विशेष प्रकार से शत्रु बाध तथा प्रेत बाधा को दूर किया जा सकता है। हनुमानजी को प्रायः पंचमुखी अवतार माना गया है। गदा और तिकोना लाल ध्वज, लंगोटा और खंड़ाऊ जनेऊ एवं सिन्दूरी लाल रंग इनकी विशेष पहचान मानी गयी है । पंचमुखी अतवार में पूर्वमुखी गरूण अवतार पश्चिम मुखी कपिवराय अवतार, उत्तरमुख वाराहवदानाय अतवार, हयग्रीवाय अवतार, दक्षिण मुख विकराल नरसिंह अवतार आदि माने गये हैं।

त्रिशूल -यदि किसी भी दशा में प्रवेश द्वार हो त्रिशूल चित्र लगानाा विशेषतः रक्षा और प्रगतिकारक तथा भक्तिभावना से ओतप्रोत माना गया है। यदि व्यक्ति एक पैर पर खड़े होकर दोनों हाथ ऊपर करें तो त्रिशूल की भांति अपनी आकृति बनती प्रतीत होती है । अतः त्रिशूल का चिन्ह ईश्वर के प्रति समर्पित होने की प्रेरणा देता है ।

जोड़ी मछली का चित्र-यह चित्र प्रायः घर में प्रवेश द्वार तथा घर के अन्दर सभी प्रवेश द्वारों पर लगाना लाभकारी तथा अपासी तालमेल को बढ़ावा देने वाला माना गया है । मछली को जलतृप्त का प्रतीत होने के कारण व्यक्ति को क्रोध में कमी तथा मन में शीतलता प्रदान करता है ।

-जी.डी.गुप्ता संरक्षक एवं पूर्व अध्यक्ष लखनऊ

हनुमान जयंती पर विशेष :- शक्ति–भक्ति, सूझबूझ की त्रिवेणी हैं हनुमान

रामनवमी के बाद आने वाली पूर्णिमा को हनुमान जयंति मनाई जाती है। हनुमान रूद्रावतार हैं। इनकी उत्पत्ति भगवान विष्णु के रामावतार के साथ ही भगवान शिव द्वारा की गई थी । इनका जन्म पवनदेव के अंश से होने के कारण इन्हें पवनसुत या पवनपुत्र के नाम से भी जाना जाता है । हनुमान जयंती के दिन व्रत रखना सर्वोत्तम माना गया है । प्रातःकाल पुण्यकाल में स्नानादि से निवृत्त होकर श्रीराम, जानकी लक्ष्मण सहित हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित करके विधिवत पूजा करनी चाहिए। बजरंग बली की मूर्ति पर सिंदूर चढ़ाकर, लाल वस्त्र, यज्ञोपवीव, पीले पुष्प, गंध और नेवेधी केला, अमरूद भेंट करने का विधान है।

प्रदक्षिणा के बाद प्रार्थना करें–**मनोजवम् मारूततुल्यवेंग जितेंद्रियं बुद्धिमताम वरिष्ठम् चातात्मजं वानरयूथ मुख्यं श्रीरामदूंत शिरसा नमामि। केसरीनंदन विद्या, बुद्धि,** विविध कलाओं बल और ब्रह्राचर्य से परिपूर्ण हैं। रामभक्त तो इनसे बड़ा कोई है ही नहीं। मान्यता है कि भगवान राम के वरदान के कारण ही ये अमर हैं। आज भी हनुमान जी की उपस्थिति की गाथाएं सुनने को मिलती हैं। अपने भक्तों की हर कामना पूर्ण करते हैं, सकंटमोचन इनकी पूजा पूर्ण श्रद्धा से करना ही फलदायक है। पूरे दिन रामचरित मानस के सुदरंकांड का पाठ करना चाहिए। इस पाठ के करने से ही हर व्याध्रि, भूत–प्रेत बाधा स्वयंमेव दूर हो जाती है। सायंकाल श्रीराम जानकी और हनुमान चालीस का पाठ करना चाहिए। घी का दिया, जलाकर आरती करें व प्रसाद चढ़ाएं। इसके बाद हनुमान जी को तुलसीदल भेंट करें। मान्यता है कि इससे इनकी पूर्ण तृप्ति हो जाती हैं।

हनुमान जी से जुड़ी दो रोचक कथाएं हैं। जन्म के पश्चात सूर्य पर इनकी नजर पड़ी, तो भूख जाग गई माता अंजनी उनके लिए फल लेने गई तो हनुमान जी ने वृक्ष की ओट से सूर्य के लाल गोले को फल समझकर उसे पकड़ने के लिए छलांग लगा दी और वेग से सूर्य के पास पंहुचकर उसको निगल लिया। सूर्य के उदय न होने से हाहाकार मच गया। तब देवराज इन्द्र ने सूर्य को छुड़ाने के लिए हनुमान जी पर व्रज से प्रहार किया। इससे उनकी हनु (ठोड़ी) टेढ़ी हो गई। इस कारण इनका नाम हनुमान पड़ा। पवनदेव को यह अच्छा नहीं लगा और सबको सबक सिखाने के लिए उन्होंने वायु का संचार रोक दिया। बाद में देवताओं के मनाने और अपनी–अपनी शक्ति हनुमान जी को अर्पित करने पर ही वायु का संचार आरंभ किया।

वरूण ने पाश और जल से अभय रहने का यम ने यमदंड भय से मुक्ति, कुबेर ने शत्रु मर्दिनी गदा, विश्वकर्मा ने सभी प्रकार के अस्त्र–शस्त्र यंत्रादि से कुछ भी क्षति न होने का वर हनुमान जी को दिया। इन वरदानों को प्राप्त करके हनुमान जी परम बलवान बने। सूर्य से संपूर्ण शास्त्र–ज्ञान व उनका शंताश तेज प्राप्त करके उच्च ज्ञानी व तेजस्वी भी बने।

दूसरी कथा इनके परम भक्त होने को दर्शाती है रामचन्द्रं जी के राज्याभिषेक के समय सीता माता ने हनुमान जी को मणियों की माला उपहार में दी, तो हनुमान जी ने माला तोड़कर एक एक मणि को दांतो से तोड़ने लगे ओर बड़े गौर से उन्हें देखने लगे। इस पर लक्ष्मण जी ने क्रोध से पूछा कि क्या कर रहे हो? हनुमान जी ने सहज भाव से कहा कि मेरे राम सर्वत्र विराजमान है, कण–कण में रहतें हैं। मैं देख रहा था कि इन मणियों मे वे विराजमान हैं या नहीं ? इस पर लक्ष्मण जी ने कह दिया, क्या तुम्हारे ह्रदय में भी राम हैं। उत्तर में हनुमान जी ने अपना सीना चीरकर दिखा दिया कि सचमुच सीता व राम वहां विराजमान हैं। शक्ति, भक्ति व सूझबूझ की त्रिवेणी का नाम है हनुमान । उनकी जयंती पर परम भक्त हनुमान जी की पूजा करने का फल तो प्राप्त होगा ही, साथ ही सीता माता व श्रीराम का आशीष भी मिल सकता हैं।

एतेहासिक धरोधर :- किले दर्शातें है वास्तुकला एवं बुन्देलखण्ड की धरोधर ओरछा राजाओं के महलों की आकर्षक भव्य मन्दिर तथा छतरियां इस नगरी के पौराणिक महत्व को दर्शाती हैं। केवल उनकी स्मृति श्रृंखलायें ही शेष है । आज उनके महल सांस्कृतिक पर्यटन स्थल के रूप में उभरी रहे हैं। ओरछा राज की विरासत यहां के पत्थरों में कैद हैं। आने वाली पीढ़ियां को यहां की महान धरोधर से परिचित होना नितांत आवश्यक है। क्योंकि यहां राजा श्रीराम आज भी विराजमान हैं ? –साभार

भगवान राम जन्मदिवस पर विशेष :-

आज भी राजा है भगवान राम

ओरछा में विश्व का एक मात्र मन्दिर है जहां भगवान राम की राजा के रूप में पूजा की जाती है । आज भी सुबह शाम जब आरती होती है और राजाराम को राज भोग लगाया जाता है इस दौरान प्रदेश पुलिस उनके सम्मान में गार्ड आफ ऑनर देती है।ओरछा कभी बुन्देल राजाओं की राजधानी थी लेकिन बुन्देला राजा मधुकर साह की धर्मपत्नी को भगवान राम से ऐसा अनुराग हुआ की पहले तो अयोध्या में भव्य कनक भवन मन्दिर बनबाकर अयोध्या से उनकी प्रतिमा ले जाकर ओरछा में भी मन्दिर बनवाकर स्थापित करने की ठानी, भगवान राम ने उनको सपने में दर्शन देकर कहा कि मैं ओरछा में तभी विराजित होउंगा जब ओरछा में किसी का राज न हो, कहते हैं तभी से बुन्देलों ने राम को राजा की मान्यता देकंर उनके भव्य मन्दिर का निर्माण किया और भगवान राम को राजा मानकर पूजा करने लगे जिसकी परंपरा आज तक कायम है। बुंदेलखंड की तो खूबसूरत और दिलचस्प जगहें हैं ओरछा ओर कुंढार।

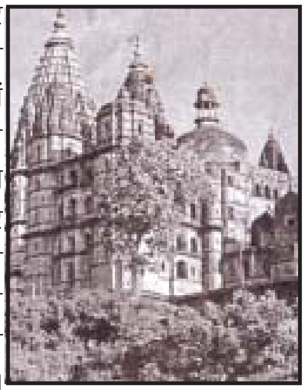

भले ही दोनों जगहों में कुछ किलोमीटर का फासला हो, लेकिन इतिहास के धागों से ये दोनों जगहें बेहद मजबूती से जुड़ी हुई हैं। जानते हें ओरछा के बारें में जो झांसी से आधे घंटे की ड्राइव पर हैं।

फूलबाग :- बुन्देल राजाओं द्वारा बनवाया गया यह फूलों का बगीचा चारों और से दीवारों से घिरा है। पालकी महल के निकट स्थित यह बाग बुन्देल राजाओं का आरामगाह था। वर्तमान में यह पिकनिक स्थल के रूप में जाना जाता है। फूलबाग में एक भूमिगत महल और आठ स्तम्भों वाला मंडप है। यहां के चंदन कटारे से गिरता पानी झरने के समान प्रतीत होता है ।

सुन्दर महल :- इस महल को राजा जुझार सिंह के पुत्र धूरभजन ने बनवाया था। राजकुमार धुरभजन को एक मुस्लिम लड़की से प्रेम था। उन्होंने उससे विवाह कर इस्लाम धर्म अंगीकार कर लिया। धीरे–धीरे उन्होनें शाही जीवन त्याग दिया और स्वयं को ध्यान और भक्ति में लीन कर लिया। विवाह के बाद उन्होनें सुंदर महल त्याग दिया। धुरभजन की मृत्यु के बाद उन्हें संत के रूप में जाना गया। वर्तमान में यह महल काफी क्षतिग्रस्त हो चुका है। बुंदेलाओं का राजकाल 1783 में खत्म होने के साथ ही ओरछा भी गुमनामी के घने जंगलों में खो गया ओर फिर यह स्वतंत्रता संग्राम के समय सुर्खियों में आया। दरअसल, स्वतंत्रता सेनानी चन्द्रशेखर आजाद यहीं आकर छिपे थे। उनके ठहरने की जगह पर एक स्मृति चिन्ह भी बना है।

मन्दिर का मुहाना महल का कारवां :- वास्तुकला के प्रतीक बुंदेलखंड के महल, किले पवित्र भव्य मन्दिर तथा इस राज्य के संस्कृति से जुड़ी प्रतिमा, चित्रकला आप यहां पर देख सकते हैं। ओरछा की नीवं बुंदेला राजपूत सरदार रूद्र प्रताप ने डाली थी। राजाओं के महल तथा तात्कालिक मन्दिर अभी भी नवीनतम लगते हैं।

जहांगीर महल :- वीरसिंह डियो ने जहांगीर के महल का निर्माण किया था। बुन्देलखंड की सुंदर आकृति के द्वारा मुख्य आकर्षण का केन्द्र है। बुन्देलों और मुगल शासक जहांगीर की दोस्ती की यह निशानी ओरछा का मुख्य आकर्षण है महल के प्रवेश द्वार पर दो झुके हुए हाथी बने हुए हैं। तीन मंजिला यह महल जहांगीर के स्वागत में राजा वीरसिंह देव ने बनवाया थां वास्तुकारी की दृष्टि से यह अपने जमाने का उत्कृष्ट उदाहरण है।

राज महल :- यह महल ओरछा के सबसे प्राचीन स्मारकों में एक है। इसका निर्माण मधुकर शाह ने 17 वीं शताब्दी में करवाया था। राजा वीरसिंह देव उन्हीं के उत्तराधिकारी थे। यह महल छतरियों और बेहतरीन आंतरिक भितिचित्रों के लिए प्रसिद्ध है। महल में धर्म ग्रन्थों से जुड़ी तस्वीरें भी देखी जा सकती है।

रामराजा मन्दिर :- यह मन्दिर ओरछा का सबसे लोकप्रिय और महत्वपूर्ण मन्दिर है।यह भारत का एकमात्र मन्दिर है जहां भगवान राम को राजा के रूप में पूजा जाता है। माना जाता है कि राजा मधुकर को भगवान राम ने स्वप्न में दर्शन दिए और अपना एक मन्दिर बनवाने को कहा। राजा ने श्रीराम के जन्म स्थल अयोध्या से उनकी मूर्ति मंगवाई ओर उसे मंन्दिर का निर्माण होने तक महल में रखवा दिया। बाद में राम ने मूर्ति महल से न हटाने का निर्देश दिया। इस प्रकार महल को भी भगवान राम का मन्दिर बना दिया गया।

राय प्रवीन महल :- राय परवीन महल का निर्माण राजा इन्द्रमहल ने करवाया था कवयित्री राय परवीन के लिए जिनसे राजा बहुत ही प्रभावित थे। यह महल राजा इन्द्रमणि की खूबसूरत गणिका की याद में बनवाया गया था वह एक कवियत्री एवं संगीतकारा थी। मुगल सम्राट अकबर को जब उसकी सुंदरता के बारे में पता चला तो उन्हें दिल्ली लानेका आदेश दिया गया। इन्द्रमणि के प्रति प्रवीन के सच्चे प्रेम को देखकर अकबर ने उन्हें वापस ओरछा भेज दिया। यह दो मंजिला महल प्राकृतिक बगीचों और पेड़–पौधों से घिरा है। राय प्रवीन महल में एक लघु हाल ओर चेम्बर है। **–साभार**

कर्त्तव्य की भावना

, d करूण क्रन्दन नारी की चीख चीत्कार और क्षण भर बाद ही शान्ति । इस चीत्कार ने अपने खेतों से लौटते हुए एक व्यक्ति को चौका दिया। जिधर से क्रन्दन का स्वर फूटा था उस ओर दृष्टि डालने पर देखा कि एक अनपढ़ सी दिखने वाली हरिजन पासी महिला काले सांप के काटने के कारण चीखते–चीखते अचेत हो गई है ।

पल भर को वह रूका, मुड़ा और सांप को भागते हुए देखकर सब कुछ समझ कर पास पहुंच कर उपचार के लिए जुट पड़ा। स्थिति स्पष्ट हो चुकी थी। महिला के दाहिने पैर में सांप ने काटा था।

करूण क्रन्दन सुनकर उन्होंने उपचार की बात सोची पल भर को धर्म आड़े आया। अछूत महिला को कैसे छुंए? उसे प्राण की रक्षा कैसे की जाए ? मानव कर्तव्य प्रथम रखा जाय या धर्म । एक ओर महिला के प्राण बचाने की बात थी तो दूसरी ओर धर्म बचाने की । सदसत विवेकिनी बुद्धि ने तर्क करने में समय नष्ट नही किया और कर्तव्य की भावना समझकर उस पासी महिला के प्राणों की रक्षा के लिए वह व्यक्ति उद्वत हो गया। सर्प दंत से पीड़ित महिला का पैर पकड़ कर उसके ऊपर के स्थान पर हाथ से कसकर पकड़ लिया जिसे जहर ऊपर न फैल सके लेकिन आगे का उपचार कैसे हो ? कब तक इसको पकड़कर रखा जाए । तब बांधने के लिए अपना ही जनेऊ तोड़कर उस महिला के पैर में बांधा कांटे हुए स्थान पर धारदार हथियार से कुरेद कर काला खून निकाल दिया और उस महिला की जान बच गई ।

तब तक गांव के कुछ और लोग भी उधर आ गए । धर्म ध्वजा फहराने वालों ने विरोध किया। कुछ ने कहा ब्राम्हण कुल में जन्म जेकर पवित्र जनेऊ को पासी के पैर से छुआकर इसने धर्म का सत्यानाश कर दिया अन्य लोग भी चिल्लाने लगे यह विधर्मी है। यह धर्म का नाश करने वाला है कुल कंलकी है पापी हैं।

परन्तु उन्हें एक निरीह महिला के प्राण बचाने का इतना बड़ा संतोष मिला था कि उसके आगे धर्म के बाध्यता आडम्बर की दीवार खिसकने लगी। उस महिला की प्राण रक्षा में लगे रहे। अन्ततः प्राण बचा ही तो लिए। धर्म में संस्कृति में मानव कर्तव्य पूरा करने में और परोपकार में उनकी रत्ती भर भी निष्ठा कम नही हुई ।

ऐसे थे हमारे हिन्दी साहित्य के मूर्धन्य साहित्यकार, प्रकाण्ड विद्वान धर्म का पालन करने वाले परोपकारी पं. हजारी प्रसाद द्विवेदी ।

–संकलन पूनम गुप्ता, डबरा

–ःआध्यात्मिक लेख :–

जब भगवान बुद्ध ने अपने बेटे को सन्यास ग्रहण करायाः–

यशोधरा ने कहा–मुझ पर इतना भी भरोसा न था कि मुझसे कह देते कि मैं जा रहा हूं। क्या सोचते हो कि मैं तुम्हें रोक लेती? मै भी क्षत्राणी हूं। अगर मैं युद्ध के मैदान पर तिलक और टीका लगाकर तुम्हे भेज सकती हूं तो सत्य की खोज पर तो सहर्ष जाने देती। आपने मेरा अपमान किया है। आपने पूछा क्यों नहीं ? आप कह देते कि मैं जा रहा हूं । देख तो लेते कि मैं रूकावट डालती हूं या नही।

क्यों चुप रहे बुद्ध ?

कहते है बुद्ध से बहुत लोगों ने बहुत तरह के प्रश्न पूछे। मगर जिंदगी में यह पहला मौका ऐसा था, जब वे चुप रह गए। दूसरे प्रश्न में यशोधरा ने कहा कि जो तुमने जंगल में जाकर पाया, क्या आप छाती पर हाथ रखकर कह सकते है कि वह यहां नहीं मिल सकता था ? भगवान बुद्ध कैसे कहें कि यहां नही मिल सकता था। अब तो उन्होनें सत्य को जान लिया है, सत्य तो सभी जगह है ं वह जंगल में मिल सकता है, बाजार में भी मिल सकता है । पहले बाजार में थे, तब लगता था सत्य यहां नहीं है, पर वह सब जगह है। भगवान बुद्ध के पास इन बातों का कोई उत्तर नहीं था। उन्होंने आंखे झुका ली।

प्रश्नों में उलझे बुद्ध

इसके बाद तीसरे प्रश्न में, जो यशोधरा ने चोट की कि बुद्धों के पास क्या होता है ? ध्यान –ध्यान–ध्यान और सन्यास। तीसरी बात राहुल को सामने करते हुए उसने कहा कि ये तेरे पिता है । इन्हें देख जो भिखारी की तरह खड़े हैं, हाथ में भिक्षापात्र लिए। यही है तेरे पिता। ये तुझे पैदा होने के दिन छोड़ कर कायरों की तरह भाग गए थे। अब ये लौटे है देख लो जी भर कर । शायद फिर आएं या न आएं । तुझे मिलें या न मिलें। इनसे तू अपनी वसीयत मांग ले। यह बड़ी गहरी चोट थी। इस आखिरी चोट में यशोधरा उलझ गई ं शायद यशोधरा समझ न सकी कि बुद्ध पुरूष का यूं चुप रह जाना, उसकी समझ से परे है। उन पर बार–बार चोट कर अपने आपको झंझट में डालने जैसा है, बुद्ध के पास देने को था ही क्यां ? यशोधरा बारह वर्षों का प्रतिशोध ले रही थी, लेकिन उसने कभी सोचा भी नही था कि ये घटना कोई नया मोड़ ले लेगी। वह तो भाव में बही जा रही थी। बात को इतने आगे तक खींच लिया था, अब उसका तनाव उसकी तरफ वापस लौटेगा। इस बात की ओर उसका ध्यान गया ही नही। भगवान जो इतनी देर से शांत बैठे थे, उनके चेहरे पर मंद हंसी आई, यशोधरा का क्रोध और भभक उठा।

मेरे पास बस यही है

यशोधरा कुछ कहती, इससे पहले भगवान ने तत्क्षण अपना भिक्षापात्र सामने खड़े राहुल के हाथ में दे दिया। यह इतनी जल्दी हो गया कि उसकी समझ में कुछ नहीं आया। इसके विषय में तो उसने सोचा भी नही था। भगवान ने कहा बेटा मेरे पास देने को कुछ और है ही नही, लेकिन जो मैंने पाया है वह तूझे दूंगा। जिस सर्वस्त्र के लिए मैंने घरबार छोड़ा तुझे तेरी मां को और इस राज्य को छोड़ा, आज मुझे वो मिल गया है । मैं खुद चाहूंगा वही मेरे पुत्र को भी मिल जाए। इसके अलावा जो दिया जा सकता है क्षणिक है, देने से पहले ही हाथ से फिसल जाता है। वह रंग भी कोई रंग है, जो संध्या के आसमान की तरह पल–पल बदलते रहते है।मैं तो तुझे ऐसे रंग में रंग देना चाहता हूं जो कभी नही छूट सकता। भगवान ने बारह वर्ष के बेटे को संन्यास कर दिया। यशोधरा की आंखों से झर–झर आंसू गिरने लगे। उसने कहा ये आप क्या कर रहे हैं ? बुद्ध ने कहा, जो मेरी संपदा है वही तो मैं इसी दे सकता हूं। समाधि मेरी संपदा है और बांटने का ढंग सन्यास। बुद्ध ने यशोधरा से कहा, जो बीत गई उसे बिसार दें। आया ही इसलिए हूँ कि तुझे भी ले जाऊं, राहुल तो गया, अब तू भी चल। जिस संपदा का मैं मालिक हुआ हूं। उसकी तू भी मालिक हो जा।

यशोधरा चली बुद्ध की राह

यशोधरा तुरंत पैरों में झुक गई और कहा, मुझे भी दीक्षा दें। दीक्षा लेकर भिक्षुओं में यू खो गई कि फिर उसक कोई उल्लेख नही हैं। हजारों सन्यासियों की भीड़ में अपने को यूं मिला दिया। जैसे वो है ही नही। **लोग यशोधरा के त्याग को नही समझ सकते, बहुत कठिन तपस्या थी, बौद्ध शास्त्रों में इस घटना के बाद उसका कोई उल्लेख नही मिलता।** बौद्ध शास्त्रों में राहुल का जिक्र जरूर आता है, जब से ब्रह्मा ज्ञान प्राप्त हुआ तो लगभग सोलह साल का था। उन सन्यासियों की भीड़ में यशोधरा और राहुल ऐसे गुम हो गए, यूं लीन हो गए कि पद–चाप भी आप न देख सके, कोई ध्वनि भी न हुई कोई निशान तक नहीं बना। धन्य है भारत भूमि जिसने ऐसे महापुरूषों को जन्म दिया।

–नारायण प्रसाद गुप्ता , पूर्व सांसद भोपाल

गहोई बंधु हेतु भवन खरीदना : महत्वपूर्ण व प्रशंसनीय कार्य

जबलपुर। गहोई बंधु के पिछले अंक में जब हमने यह पढ़ा कि गहोई बंधु के लिये ग्वालियर में एक भवन खरीद लिया गया है ओर वहां से गहोई बंधु के नये कार्यालय ने नियमित कार्य करना प्रारंभ कर दिया है, तो हमें इतनी अधिक खुशी हुई कि इसे व्यक्त करना कठिन है। हमने अपने पिछले लगभग पचास वर्षों के सार्वजनिक जीवन में यह देखा है कि अधिकांश सामाजिक पत्र–पत्रिकाओं का जीवन अत्यधिक अल्पकालीन होता है क्योंकि :–

1. उनके प्रकाशन में लगी टीम निरंतर आजीवन कार्य नहीं करती ओर कुछ समय बाद विविध कारणों से वह टीम हतोत्साहित होकर निष्क्रिय बैठ जाती है।

2. उनका प्रकाशन व्यक्तिगत होता है ओर जब उन्हें प्रकाशित करने वालों को समाज में नाम, पद और प्रतिष्ठा, मिल जाती है तो उनका प्रकाशन बंद कर दिया जाता है।

3. ऐसी अल्पजीवी प्रकाशनों द्वारा समाज से एकत्रित आजीवन, वार्षिक सदस्यता, दान विज्ञापन, चंदा आदि की राशि पर किसी भी सामाजिक संस्था का नियंत्रण न होनें से उनके संचालन निरंकुश हो जाते हैं।

गहोई बंधु से पूर्व और बाद में भी कुछ सामाजिक पत्र–पत्रिकायें बहुत अच्छी निकाली गई हैं। उनका लाभ भी समाज को मिला है किन्तु गहोई बंधु का अपना महासभा की बैठकों में निरंतर समीक्षा होती है । इसका प्रकाशन नियमित हो रहा है। ऐसी पत्रिका का अपना एक अलग भवन खरीदकर उसमें नियमित कार्यालय चलाना एतेहासिक रूप से महत्वपूर्ण प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय है। इसके दूरगामी लाभ होंगेः–

1. गहोई बंधु का कार्यालय स्थायी रूप से प्रतिदिन नियमित खुलेगा। इसमें किसी का व्यक्तिगत हस्तक्षेप, अहसान और अनिश्चिता समाप्त होगी।

2. गहोई बंधु का पूरा रिकार्ड एक जगह व्यवस्थित एवं स्थायी रूप से सुरक्षित रहेगा।

3. गहोई बंधु का वर्किंग स्टाफ, संपादन मंडल, पदाधिकारी आदि एक जगह बैठकर स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकेंगे जिससे उनमें परस्पर समन्वय प्रगतिशील होगा।

4. गहोई बंधु के लिये नवीनतम टेक्नोलाजी एवं मशीनरी स्थापित हो सकेगी।

5. बाहर से आने वाले आंगतुक, विज्ञापनदाता व ग्राहक को गहोई बंधु से संबधित चंदा, विज्ञापन दान आदि विषयक जानकारी, शिकायत सुझाव आदि हेतु समयबद्ध स्टाफ निश्चित स्थान पर सेवा हेतु सदैव उपलब्ध रहेगा।

जब से मैं महासभा के माध्यम से समाज सेवा में सक्रिय हुआ, तभी से गहोई बंधु के विकास हेतु प्रयत्नशील हूं। गहोई बंधु की प्रगति हेतु प्रस्ताव रखे और उसकी योजनाओं हेतु भरपूर समर्थन दिया। महासभा की बैठकों में गहोई बंधु का प्रखरतापूर्वक वचाव भी किया।

पत्रकारिता, बैंकिग, विधि विधान, मीडिया, समाजसेवा तथा जन हित के विविध क्षेत्रों के अपने सुदीर्घ अनुभवों के आधार पर मैं गहोई बंधु के प्रकाशन में अंनवरत लगे बंधुओं की परेशानियों को समझता हूं। आलोचना करना तो सरल है किंतु गहोई बंधु को निरंतर समय से प्रकाशित करना कठिन है। इस परोपकारी कार्य में निःस्वार्थ रूप से लगे हुए लोगों को प्रोत्साहित करना आवश्यक है।

गहोई बंधु के प्रकाशन, संपादन, कलेवर, ग्राफिक्स, स्तंभ, सामग्री, लेख, साज सज्जा आदि में उन्नयन एवं सतत् चलने वाली सुधार प्रक्रिया है

महासभा के खातें से पृथक गहोई बंधु का खाता चलाने से गहोई बंधु को होने वाली आय–व्यय और लाभ हानि की व्यापक समीक्षा हो सकी है। गहोई बंधु के पास स्थायी एफ.डी.आर. रू. 26,28,566,00 बैंक में जमा रहने से गहोई बंधु का आर्थिक ढांचा सुदृढ़ हुआ है। इसमें से भवन खरीदने हेतु जो ऋण रू. सोलह लाख का लिया है, उसे शीघ्रतापूर्व चुकाना होगा। बैंक इस ऋण पर एफ.डी.आर.के रेट से 1 प्रतिशत अधिक चक्रवृद्धि ब्याज की गणना में उतनी जमा राशि पर ब्याज से छूट मिलती जावे। एक मुश्त जमा करने की जगह, जब जेसे जितना बचे उतना तुरंत ऋण खातें में जमा करते रहें। भवन का ऋण शीघ्र चुकाने हेतु व्यापारिक बंधुओं को गहोई बंधु के माध्यम से विज्ञापन अधिकतम देते हुए सहयोग देना चाहिये। गहोई बंधु का पूरा लाभ लेने हेतु प्रत्येक गहोई परिवार को इसका आजीवन सदस्य स्वमेव तुरंत बनना चाहिये। उससे नवीन पीढ़ी भी जातीय जगत से संबंद्ध रहेगी।

भवन सम्पत्ति की बाजार कीमत प्रतिवर्ष निरंतर बढ़ती है। भविष्य की आवश्यकताओं के अनुसार उसमें विस्तार अथवा उसके स्थान पर नया और बड़ा भवन भी लिया जा सकता है। इसलिये गहोई बंधु हेतु भवन खरीदने में निवेश अत्यध्किा दूरदर्शी व बुद्धिमानी से किया गया प्रशंसनीय कदम है।

गहोई बंधु की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने, उसका नियमित प्रकाशन करने और उसकी संपूर्ण व्यवस्था में निःस्वार्थ भाव से तन्मयता से लगे हुए सभी संपादक मण्डल को हम हार्दिक बधाई देते हैं। हम आशा करते हैं कि गहोई बंधु भवन सामाजिक जन चेतना तथा प्रगति का आधार स्तंभ बनकर समाज की बहुमुखी उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेगा।

डॉ. गोविन्द दास बरसैंया जबलपुर

गहोई समाज की मजबूती एवं विकास के लिए सामयिक निवेदन

सम्मान सहित अनुरोध करना है कि आप भली प्रकार अवगत होगें कि गहोई समाज आज अनेक प्रकार की समस्याओं/चुनौतियों के समाधान एवं बढ़ते हुए सामाजिक तथा पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु संघर्षरत हैं। कुछ सुझाव निम्नलिखित है।

1. महासभा की नियमावती सभी सम्बद्ध पंचायतों को यथा शीघ्र उपलब्ध करा दी जाए। ताकि बदलते समय की आवश्यकता के अनुसार समाज हित में आवश्यक संशोधन हेतु प्रस्ताव भेजे जा सके।

2. महासभा के स्तर पर एक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव आयोग बनाया जाए। जो महासभा एवं सभी क्षेत्रीय सभाओं के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की पूर्ण व्यवस्था करें। इसकी सभी कार्यवाहियां पूर्णतया निष्पक्ष एवं पारदर्शी हो।

3. महासभा के सभी आजीवन सदस्यों एवं संरक्षकों को 06 माह के अन्दर पहचान पत्र एवं सदस्यता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराये जाए।

4. निष्पक्ष निर्वाचन के लिए निर्वाचन के दौरान अमिट स्याही का प्रयोग किया जाए एवं वोट डालने के लिए प्रत्येक मतदाता को फोटोयुक्त कोई पहचान पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य किया जाए। ताकि फर्जी वोटिंग न हो सके।

5. निर्वाचन प्रक्रिया के अन्तर्गत नामाकंन एवं मतदान में कम से कम 10 दिन का अंतर अवश्य रखा जाए ताकि सभी उम्मीदवारों को अपने क्षेत्र के अधिक से अधिक मतदाताओं से सम्पर्क करने हेतु पर्याप्त समय मिल सकें।

6. महासभा के स्तर पर एक सामाजिक न्यायाधिकरण की स्थापना की जाए तो समाज के किसी भी प्रकार के विवादों का निपटारा आपसी सहमति एवं महासभा के नियमों तथा प्रचलित कानूनों के अन्तर्गत कर सके। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि इस न्यायाधिकरण का निर्णय सभी पक्षों को बाध्यकारी हो।

7. स्थानीय पंचायतों के स्तर पर आपसी विवादों के निपटारे हेतु पंच प्रणाली को विकसित किया जाए।

8. स्थानीय पंचायतों एवं क्षेत्रीय सभा/महासभा के मध्य संवाद की पूरी समाप्त करने एवं सीमित साधनों से विकेन्द्रीकरण की नीति अपनाते हुए जिस जिले में कम से कम 500 गहोई परिवार हो वहां गहोई समाज की जिला पंचायत गठित की जाए।

9. शैक्षिक केन्द्रो वाले शहरों में गहोई छात्रावास एवं चिकित्सा की दृष्टि से महत्वपूर्ण शहरों में गहोई रैन बसैरा बनवाये जाए।

10. समय की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न प्रोफेशनल कोर्सों के लिए समाज के छात्र/छात्राओं को मेधावी बनाने के लिए गहोई कोंचिग सेन्टर खुलवाये जाए। तथा ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए कि समाज के गरीब परिवारों के छात्र/छात्राओं को स्थानीय पंचायतों की संस्तृति पर 50 प्रतिशत शुल्क माफी की सुविधा मिल सके।

11. यदि संभव हो तो एक प्राविधिक महाविद्यालय खोलने पर विचार कर लिया जाए। जिससे समाज के छात्र/छात्राओं को अच्छी शिक्षा के लिए भटकना न पड़े।

12. ऐसी तमाम पंचायते है जिनके पास आज कार्यालय एवं बैठकों के लिए सामजिक स्थान उपलब्ध नहीं है। अतः महासभा पहल करके ऐसी सभी पंचायतों में धीरे–धीरे धर्म शालायें बनवाने का प्रयास करें।

–शरद खैरा, अध्यक्ष ललितपुर

ग. महिला मंडल द्वारा अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर बैठक सम्पन्न

दतिया । 8 मार्च अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस पर गहोई वैश्य महिला सभा के तत्वाधान में गहोई भवन प्रांगण में एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें समाज की अध्यक्ष श्रीमती बबीता ब्रिजपुरिया, उपाध्यक्ष श्रीमती गायत्री मोर, मंत्री श्रीमती माधुरी रूसिया, सहमंत्री श्रीमती सुनीता गंधी, कोषाध्यक्ष श्रीमती दया मोर आदि पदाधिकारियों सहित कार्यकारिणी की सदस्य महिलायें श्रीमती रेखा सेठ, श्रीमती साधना सेठ, श्रीमती उषा नाहर पार्षद, श्रीमती मालती सोनी, श्रीमती गायत्री बिलैया, श्रीमती उर्मिला बिलैया, श्रीमती अभिलाषा लोहिया, श्रीमती मिथलेश गुगौरिया आदि उपस्थित रही।

बैठक में महिलाओं से सबंधित विभिन्न समसामयिक समस्याओं एवं उनके समाधान पर विस्तृत विचार विमर्श किया गया। सबसे अधिक पीड़ा दहेज एवं कन्या भ्रूण हत्या पर रही। दहेज के सम्बंध में लोगों की कथनी एवं करनी पर विस्तृत विचार व्यक्त किये गये। देश एवं समाज में बढ़ती हुयी कन्या भ्रूण हत्या पर मार्मिक एवं हृदयस्पर्शी कविताओं द्वारा एवं परिचर्चा द्वारा इस ज्वलंत समस्या पर पीड़ा व्यक्त की गयी एवं इस विषय पर जागृति लाने हेतु महिला मण्डल द्वारा पूर्ण सहयोग देने का वचन दिया गया।

महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं द्वारा विभिन्न शुभ कार्यों हेतु संकल्प भी लिये गये। श्रीमती उषा नाहर, (पार्षद) ने मई माह में गहोई भवन मे निशुल्क योग शिविर लगाने का संकल्प लिया। जिसमें कि महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याओं का समाधान स्वतः हो सकेगा। अंत में स्वल्पाहार के बाद श्रीमती सुनीता गंधी द्वारा आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

–माधुरी रूसिया, मंत्री महिला सभा दतिया

एटीएम कार्ड का उपयोग करते समय सावधानियाँ

- **ATM Card** iklr gkus ij
  - पिन नम्बर तुरन्त बदलें तथा याद करें, किसी को न बतायें, बैंक कर्मचारी को भी नहीं। पिन नम्बर लिखकर एटीएम कार्ड के साथ बिल्कुल न रखें। बहुत जरूरत होने पर पिन नम्बर लिखकर बैंक लोकर में रखें। कार्ड पर पीछे हस्ताक्षर करें। कार्ड की जीरोक्स करवाकर अपने पास रखें।
- fiu **(PIN)** uEcj cnyuk
  - समय समय पर पिन नम्बर बदलते रहें।
- **ATM Card** dk mi;kx djrs le; lko/kkfu;k
  - पैसा (Money) निकालने का Command देने के बाद पैसा बाहर आने पर तुरन्त निकालें अन्यथा पैसा ATM Machine में वापिस चला जायेगा तथा बैंक को सूचित करना होगा।
  - कुछ ATM मशीन में Card Sweep करने की बजाय Card Insert होता है। पैसा निकालने के बाद तुरंत Exit Command दें तथा Card वापिस आने पर तुरन्त खीचें।
  - लगातार दो बार गलत Pin numbe Entry करने के बाद तीसरे बार Entry न करें अन्यथा Pin Number Block हो जायेगा तथा बैंक में आवेदन करने पर ही Release होगा।
  - ATM Card Insert/Sweep करने के बाद तथा Money withdrawl command देने के बाद या तो पैसा नहीं आता है या कम आता है तो जिस बैंक का ATM है वहां तथा जिस बैंक के ATM से पैसा निकला है वहां लिखित शिकायत दर्ज करायें।
  - अगर ATM Card के उपयोग में परेशानी हो रही है तथा Operate नहीं हो रहा है तो ATM Machine में उपस्थित गार्ड की सहायता ले सकते हैं किन्तु न तो उसे और न ही किसी को PIN नम्बर बतायें और न ही अपना ATM Card Operate करने को दें। कार्ड बदली होकर दुरूपयोग हो सकता है।
  - ATM Card उपयोग करने के बाद जो Transit प्रिन्ट आता है उसे या तो अपने पास रखें या फाड़ दें। ATM Machine के पास न फेंकें। दुरूपयोग हो सकता है।
- nlj cd d **ATM मशीन** dk mi;kx
  - जिस बैंक में खाता है उसके ATM के उपयोग के अलावा अन्य बैंक के ATM मशीन से महीने में 5 निकासी फ्री है। उसके बाद Chargeable है।
- fudklh dh lhek
  - अलग–अलग बैंकों की एक दिन में निकासी की अलग–अलग Limit है, जो 25,000/– से 50,000/– तक तक ATM Card के प्रकार व बैंक पर निर्भर है। एक बार की निकासी Limit भी अलग–अलग बैंकों में अलग–अलग है।
- dbl cdk d **ATM Card**
  - अगर आपके पास कई Bank के ATM Card हैं तथा हर बैंक के अलग–अलग Pin Number हैं तथा याद करने में परेशानी हो रही है तो सभी ATM Card का एक ही Pin Number रखिये। याद रखना आसान हो जायेगा।
- **ATM Card** xeu ij
  - ATM Card गुमने पर, तुरन्त जारी करने वाले बैंक को शिकायत कर ATM Card के उपयोग पर प्रतिबंध लगवा लें। अगर आप दूसरे शहर में हैं तो भी बैंक में शिकायत कर सकते हैं। बैंक अगर बन्द है तो कस्टमर केयर को शिकायत कर सकते हैं। बैंक के कस्टमर केयर को टेलीफोन कर सकते हैं। अतः यात्रा के समय कस्टमयर केयर का मोबाइल नम्बर तथा अपने Saving A/c का Account Number तथा ATM Card की Xerox Copy साथ लेकर चलें।

–प्रस्तोता : श्यामलाल गुप्ता (कुदरया) उपमंत्री छ.ग.क्षे.ग.वै. सभा

महासभा संरक्षक श्रीमती संध्या सेठ का परिचय

कानपुर । श्रीमती संध्या सेठ पत्नी श्री पंकज सेठ, कानपुर उम्र 44 वर्ष शिक्षा एम.ए. आप श्री सिद्धगोपाल सुहाने, रामपुरा, जालौन की सुपुत्री है। आप धार्मिक, हसमुख व्यक्तित्व की महिला हैं । आपके दो बेटे चि. प्रतीक एवं चि. रजत है। आप कानपुर समाज के प्रतिष्ठित परिवार श्री बच्चूलाल सेठ पू. (संयोजक) कानपुर गहोई वैश्य कल्याण समिति की पुत्रवधू हैं ।

–जगदम्बा प्रसाद सुहाने, कानपुर

महासभा संरक्षक श्री संजीव कस्तवार का परिचय

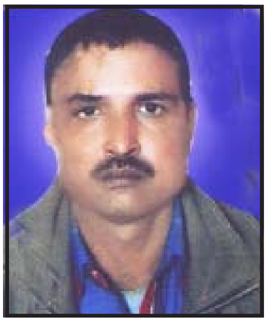

कानपुर । श्री संजीव कुमार पुत्र स्व. श्री महेश कस्तवार आयु 42 वर्ष लहार जिला भिण्ड के निवासी थे। आप वर्तमान में कानपुर आकर गल्ले तिलहन की कन्वेसिंग का व्यापार प्रारंभ किया जो प्रगति पर है । आपकी पत्नी सौ. सविता धार्मिक मिलनसार व्यक्तित्व की महिला है । आपके पुत्र चि. शंशात, चि. दीपक, चि. सचिन व चि. अपूर्वी सभी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं ।

–जगदम्बा प्रसाद सुहाने, कानपुर

महासभा संरक्षक श्री गुलाबचन्द्र नगरिया का परिचय

कानपुर । श्री गुलाबचन्द्र जी नगरिया पुत्र स्व. श्री गोकुल प्रसाद नगरिया, आप मऊरानीपुर झांसी से कई दशक पूर्व व्यापार हेतु कानपुर आ गये थे। आपने मऊरानीपुर यूनियन ट्रा. कम्पनी के नाम से व्यापार प्रारंभ किया। जो कि वर्तमान में ऊंचाइयों के शिखर को छू रहा है । आप एवं आपकी पत्नी श्रीमती मीरा नगरिया धार्मिक, सामाजिक हंसमुख स्वभाव की मृदुभाषीणी महिला है । आप प्रत्येक कार्य में आगे रहते हैं।

अपने आत्मबल को केन्द्रित करते हुये समाज के सहयोग से गहोई वैश्य कल्याण समिति रजि. कानपुर की भूमि पर गहोई भवन बनाने का संकल्प लिया है । आपके इस साहसिक कार्य को देखते हुये जन मानस ने अपने–अपने संकल्प पत्र आपको सौंप दिये। जिसको मूर्त रूप देने का प्रयास जारी है ˙आप गहोई भवन अर्थ संग्रह समिति के संयोजक है । आपके दो पुत्र है जो कि विवाहित है चि. अमरदीप एंव चि. अजयदीप हैं ।

–जगदम्बा प्रसाद सुहाने, कानपुर

महासभा संरक्षक श्री विजय लहारिया का परिचय

कानपुर । श्री विजय लहारिया पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप लहारिया 49 वर्ष स्नातक, आपकी पत्नि श्रीमती सीता सुह्रदय धार्मिक प्रवृत्ति की महिला है । आपके पुत्र चि. विशाल बी.टेक., एम.बी.ए. जो अपना निज का व्यापार सम्हाल रहे हैं । पुत्री सुश्री सोनम एम.बी.ए. कानपुर से कर रही है ˙ दोनों अविवाहित है आप एडिविल ऑयल फैक्ट्री के डायरेक्टर है ।

–जगदम्बा प्रसाद सुहाने, कानपुर

महासभा संरक्षक श्री विनोद सोनी का परिचय

कानपुर । श्री विनोद सोनी पुत्र श्री रबूदेलाल, लहार जिला भिण्ड म.प्र. 47 वर्ष आप जीविकोपार्जन हेतु कानपुर 2004 में आये । गल्ले की कनवर्सिंग का कार्य प्रारंभ किया व्यापार की गति निरंतर विकास की ओर है ।

आपकी पत्नी श्रीमती कुसुमा देवी सुह्रदय धार्मिक प्रवृत्ति की महिला है ˙ आपकी एक पुत्री सौ. अंजना विवाहित है व आपके दो पुत्र चि. सुनील व चि. सुशील एवं पुत्री सुश्री शिल्पी है । जो कि शिक्षा ग्रहण कर रही है व पुत्र व्यापार में सहयोग प्रदान कर रहे है ।

–जगदम्बा प्रसाद सुहाने, कानपुर

महासभा संरक्षक श्री अनिल गहोई का परिचय

कानपुर । श्री अनिल गहोई पुत्र स्व. श्री माताप्रसाद गहोई (तरसौलिया) 57 वर्ष आपकी पत्नी श्रीमती मीना गहोई धार्मिक एवं सामाजिक प्रवृत्ति की महिला है। आप समाज के सक्रिय कार्यकर्त्ता है। आपने गहोई वैश्य कल्याण समिति रजि. कानपुर के वर्ष 2011 के निर्वाचन प्रक्रिया में सहायक चुनाव अधिकारी के पद पर कार्य करके शान्तिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराये। आपके एक पुत्र चि. ययाति बी.टेक 26 वर्ष पवन हंस हेलीकाप्टर नोयडा व पुत्री सुश्री प्रथा एम.बी.ए. 23 वर्ष बिरला सनलाइट कं. नोयडा में कार्य कर रही है सभी अविवाहित है । आप ओरियन्टल बैंक ऑफ कामर्स में प्रबंधक पद पर कानपुर में कार्य कर रहे हैं ।

–जगदम्बा प्रसाद सुहाने, कानपुर

महासभा संरक्षक संजय नौगरैया का परिचय

कानपुर । श्री संजय नौगरैया पुत्र श्री गोपीश्याम नौगरैया, 49 वर्ष शिक्षा इन्टर आप हंसमुख, मिलनसार, व्यक्ति है आपकी पत्नि श्रीमती कल्पना धार्मिक, सहनशील व्यक्तित्व की धनी महिला है । आप संयुक्त परिवार की सबसे बड़ी बहू है। आपकी तीन पुत्रियां सुश्री सोनिया, सिमरन एवं सुश्री साक्षी पुत्र चि. वैभव जो कि सभी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

–जगदम्बा प्रसाद सुहाने, कानपुर

महासभा संरक्षक श्री अनिल घुरा का परिचय

कानपुर । श्री अनिल पुत्र स्व. श्री अयोध्याप्रसाद घुरा 53 वर्ष पोस्ट ग्रेजुएट पत्नी श्रीमती चन्द्रकाता घुरा पोस्ट गेजुएट है । आप धार्मिक एवं मिलनसार व्यक्तित्व की महिला है । आप कानपुर में कपड़े का थोक व्यापार कर रहे है । आपकी पुत्री सुश्री प्राची का बी.टेक (बायो) से लास्ट ईयर है आपका प्लेसमेन्ट इन्फोसिस में हो गया है । एवं चि. अंकित ने बी. टेक., बिटस प्लानी से कर ओपेरा साल्यूशन में प्लेसमेंट 15 लाख पर पी.ए पर हो गया है । इनके अभी दोनों बच्चें अविवाहित हैं ।

–जगदम्बा प्रसाद सुहाने, कानपुर

महासभा संरक्षक श्री राहुल सरावगी का परिचय

कानपुर । पुत्र श्री हरिराम सरावगी 27 वर्ष शिक्षा एम.बी.ए., पूना आपका पूरा परिवार धार्मिक, बहुमुखी व्यक्तित्व का धनी है। आपकी माताजी श्रीमती रेखा हंसमुख धार्मिक प्रवृत्ति की सहनशील महिला है । आपकी एक बहन विवाहित है, व एक बहन बी.आर्क का लास्ट सेमेस्टर पूना से कर रही है ।

आर्थिक गति से विकास करते हुये आपने अपनी प्रतिभा का प्रयोग व्यापार में किया व व्यापार की वृद्धि गति में ले जाने के लिए सदैव नयी जानकारी प्राप्त करने के इच्छुक रहते है । पिताश्री वर्तमान में गंगा जमुना क्षेत्रीय सभा के कोषाध्यक्ष है। समाज की आर्थिक स्थित मजबूत करने के लिए स्वतः संरक्षक सदस्यता प्राप्त की। जो भी व्यक्ति आपके पास सहयोग या सलाह हेतु आता है उसको पूरा संतोषजनक उत्तर देते है। आप व आपकी बहन अभी अविवाहित है ।

–जगदम्बा प्रसाद सुहाने, कानपुर

केशव गुप्ता का सुयश

भिलाई (दुर्ग) । डॉ.मोहन गुप्ता के सुपुत्र केशव गुप्ता दिल्ली पब्लिक स्कूल दुर्ग में कक्षा छठवीं के छात्र हैं उन्हें इस वर्ष स्कूल प्रबंधन द्वारा विभिन्न विषयों में श्रेष्ठ उपलब्धि हेतु नौ कप प्रदाय कर प्रोत्साहित किया गया है, जो निम्नानुसार है ।

1. सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट, 2. कम्प्यूटर में विशिष्ट ज्ञान, 3. अंग्रेजी में विशेष योग्यता 4. हिन्दी में विशेष योग्यता 5. गणित में विशेष योग्यता 6. सांइस में विशेष योग्यता (बडिंग सांईटिस्ट) 7. विशिष्ट व्यक्तित्व विकास हेतु 8. शत प्रतिशत उपस्थिति 9. विशिष्ट आल राउण्डर।उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भी अन्तराष्ट्रीय स्तर पर केशव गुप्ता को कम्प्यूटर परीक्षा में विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त करने पर 5000 रू. का पुरस्कार मिला था।

केशव गुप्ता समाजसेवी डॉ. एस.एल. गुप्ता के पौत्र है। डॉ. गुप्ता वर्तमान में एन.एल.ई.पी. राज्य स्वास्थ्य संसाधन केन्द्र रायपुर में कार्यरत है।

–रमेश सेठ पूर्व विकास मंत्री महासभा

निशी नगरिया का सुयश

दुर्ग । मोहन नगर निवासी दानवीर श्री महेशदत्त नगरिया के पुत्र श्री राजेश नगरिया, वरिष्ठ प्रबंधक, (भिलाई इस्पात संयंत्र)की सुपुत्री कु. निशी नगरिया का चयन सिंगापुर में आयोजित शैक्षणिक शिविर हेतु किया गया है। यह शिविर भारतवर्ष की साइंस ओलम्पियाड फाऊंडेशन एवं सिंगापुर की नेशनल यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वाधान में लगाया गया था। शिविर में 13 दिसम्बर 2010 से 17 दिसम्बर 2010 तक लगाया गया।

इस शिविर में पूरे भारतवर्ष से 31 प्रत्याशियों का चयन किया गया हैं। भिलाई के डी.पी.एस. स्कूल के दो विद्यार्थियों का चयन किया गया। जिसमे निशी नगरिया भी शामिल हैं। निशी नगरिया, कक्षा 10 वीं की छात्रा हैं। निशी नगरिया शुरू से ही मेधावी रही हैं एवं भविष्य में डॉक्टर बनकर मानव सेवा करने का लक्ष्य है ।

उल्लेखनीय है कि निशी नगरिया की माता डॉ. संध्या नगरिया, दुर्ग–भिलाई समाज के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एस. एल. गुप्ता की पुत्री है एवं क्षेत्र की प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ है।

–रमेश सेठ पूर्व विकास मंत्री महासभा

महासभा सरंक्षक प्रेरणादायी व्यक्तित्व–सुहाने परिवार

कानपुर । आर्थिक रूप से महासभा को सुदृढ़ करने हेतु परिवार के सभी सदस्यों ने महासभा को संरक्षकता ग्रहण की। श्री सुहाने जी ने कहा कि भारतवर्ष एवं विदेशों में बसे गहोई परिवारों को संरक्षक/आजीवन सदस्य बनाने के लिए महासभा के पदाधिकारियों को एक अभियान चलाना होगा। अपने–अपने रिश्तेदारों एवं मित्रों को भी जोड़ना होगा। तभी महासभा मजबूत आर्थिक रूप से होगी , जो कि विकास में सहायक होगी। जालौन (उ.प्र.) से 32 वर्ष पूर्व अपने व्यापारिक एंव सामाजिक विकास हेतु कानपुर आकर गल्ले की कन्वेसिंग का कार्य किया। आपने अपने पुत्रों के सहयोग से व्यापार क्षेत्र में विशिष्ट स्थान प्राप्त किया। वर्तमान में दाल मिल Graim & Pules Export Import एवं Inedical में C& F के रूप में कार्य कर रहे हैं। आपका पूरा परिवार ईश्वर के प्रति पूर्ण निष्ठा भाव से समर्पित है । आपके पूर्वजों द्वारा स्थापित ख्याति प्राप्त मन्दिर कोटरा जनपद जालौन में स्थित हैं।

महासभा संरक्षक श्री रामप्रकाश सुहाने का परिचय

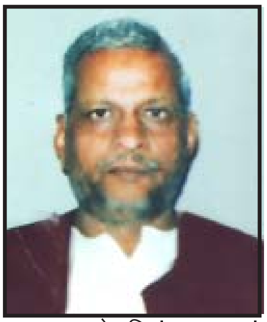

कानपुर । श्री रामप्रकाश सुहाने पुत्र स्व. श्री रामगोपाल 75 वर्ष कानपुर आकर गल्ले की दलाली का कार्य प्रांरभ किया। व्यापार में वृद्धि को देखते हुये आपने अपने पुत्रों को भी शामिल कर लिया। सभी के सूझबूझ एवं सामंजस्य से अपने परिपक्क कुशल निर्देशन से व्यापार को निरंतर ऊचांइयों में ले जाने के लिए सदैव इस उम्र में जागरूक रहते हैं। **–संवाददाता**

महासभा संरक्षक नरेशचन्द्र सुहाने का परिचय

कानपुर । श्री नरेशचन्द्र सुहाने पुत्र श्री रामप्रकाश 46

वर्ष स्नातक परिवार में बड़े भाई होने के कारण अपना दायित्व भली भांति निर्वाह कर रहे है। आपकी पत्नी श्रीमती इन्द्रा सुहाने, मऊरानीपुर झांसी की है । जो धार्मिक, मिलनसार एवं अपने मृदुल स्वभाव एवं सहनशक्ति से ओतप्रोत होने के कारण सम्पूर्ण परिवार का संचालन कर रही है । आपके पुत्र चि. ध्रुव एवं पुत्री सुश्री तान्या हैं। जो शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं । **–संवाददाता**

महासभा संरक्षक श्री दिनेश कुमार सुहाने का परिचय

कानपुर । श्री दिनेश कुमार सुहाने पुत्र श्री रामप्रकाश 43 वर्ष स्नातक पत्नी श्रीमती कविता (मोठ झांसी) की है । आप धार्मिक एवं सामाजिक प्रवृत्ति की महिला है । आपके एक पुत्र चि. कपिल शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

–संवाददाता

महासभा संरक्षक श्री शशीकांत सुहाने का परिचय

कानपुर । श्री शशीकांत सुहानेपुत्र श्री रामप्रकाश 39 वर्ष स्नातक पत्नी श्रीमती साधना (दतिया ग्वालियर) की है। धार्मिक एवं सामाजिक प्रकृति होने के कारण परिवार के प्रति अपने दायित्वों का पालन भली भांति कर रही है । आपके दो पुत्र चि. हर्ष एवं चि. सिद्धार्थ जो शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

–संवाददाता

महासभा संरक्षक श्री संजय सुहाने का परिचय

कानपुर । श्री संजय सुहाने पुत्र श्री रामप्रकाश 34 वर्ष स्नातक पत्नी श्रीमती शालिनी कानपुर की है । आपके दो पुत्री सुश्री स्वर्णा एवं सुश्री चिन्नी है । जो शिक्षा ग्रहण कर रही है ।

विशेष : आप सभी जन मिलकर पूज्य पिताश्री के निर्देशन पर परिवार एवं व्यापार का संचालन कर रहे हैं।

सुहाने परिवार के प्रतिष्ठान :–

1. नरेश एजेन्सी प्रा. लि. कानपुर
2. प्रकाश इण्डस्ट्रीज दाल मिल, कानपुर
3. साईडिस्ट्रीब्यूटर (C&F) दवा व्यापार, कानपुर
4. ध्रुव इण्डस्ट्रीज दाल मिल, कानपुर
5. गहोई फूड प्रोडक्ट, कानपुर

–जगदम्बा प्रसाद सुहाने

महासभा संरक्षक सतीशचन्द्र कुचिया का परिचय

ग्वालियर । आपका जन्म दिनांक14 दिसम्बर 1964 को स्व. श्री किशोरीशरण कुचिया भाण्डेर जिला दतिया में हुआ। आपके पिताजी धार्मिक प्रवृत्ति के एवं मिलनसार व्यक्ति थे आप क.रा.बी. स्वास्थ्य सेवा में म.प्र. ग्वालियर में फार्मास्टि के पद पर कार्यरत है। आपकी पत्नि श्रीमती किरण कुचिया धार्मिक प्रवृत्ति की महिला है । आपकी ससुराल उडीना जिला दतिया में है एवं आपके ससुर रामस्वरूप इन्दुरख्यिा पूर्व में लोहामण्डी में कार्यकारिणी सदस्य रह चुके हैं। आपके एक पुत्र चि. आकाश कुचिया बी.ई. में अध्यनरत हैं एक पुत्री आकांक्षा दसंवी में अध्यनरत हैं। आप अति मधुर मिलनसार एवं सामाजिक कार्यों में रूचि रखने वाले व्यक्ति है आप राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त स्मारक गहोई वैश्य भवन लोहामण्डी ग्वालियर के संरक्षक सदस्य है।

वर्तमान में निज निवास लवकुश कॉलोनी सेवा नगर ग्वालियर में निवासरत है गहोई बंधु के सरंक्षक सदस्य बननेपर गहोई बंधु एवं महासभा की ओर से हार्दिक शुभकामनायें।

-विनोद कुमार रावत एडवोकेट ग्वालियर

महासभा संरक्षक राधारमण सोनी का परिचय

भोपाल । श्री राधारमण जी गुप्ता (पटना वाले) स्व. श्री पुरूषोत्तम दास सोनी गहोई महासभा अध्यक्ष (1926–1927) के प्रपौत्र एवं स्व. श्री हरिदास सोनी महासभा अध्यक्ष (1937–38) के पौत्र तथा स्व. श्री बद्रीनाथ सोनी के पुत्र जो कि बिहार के जमींदारी खानदान से सम्बन्ध रखते हैं। आपकी शिक्षा जबलपुर म.प्र. में पूर्ण हुई । आप वर्तमान में 36 वर्ष से डाक लेखा विभाग भोपाल में अधिकारी है एवं वर्ष 2011 अप्रैल माह में सेवानिवृत्त हो रहे हैं। आप अखिल भारतीय वैश्य सम्मेलन संगठन के प्रदेश संगठन महामंत्री है, आप म.प्र. से प्रकाशित सर्व वैश्य समाज की पत्रिका वैश्य प्रकाश के प्रभारी हैं। पूर्व में गहोई प्रकाश समाचार पत्र के व्यवस्थापक एवं संपादक रह चुके है। आप मध्य मालवा, भोपाल जिला पंचायत से जुड़कर सेवा कर चुके है। आप गहोई महासभा के संरक्षक सदस्य, अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के आजीवन सदस्य, गहोई बंधु के सदस्य है। अपनी सेवाभावना, कर्मठता और मृदुभाव की वजह से ही आप अखिल भारतीय गायत्री मिशन से जुड़कर प्रज्ञामण्डल का संचालन करते है। आप पर विज्ञान तथा ज्योतिष विज्ञान का भी ज्ञान रखते है। आपके कई लेख प्रकाशित हो चुके है। आपकी पत्नि वैश्य प्रकाश पत्रिका संस्थापिका एवं संपादक है। आपके दीर्घ एवं उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।

-उमाशंकर लहारिया, महामंत्री महासभा, ग्वालियर

अक्षय निधि दानदाता श्री राजेन्द्र नीखरा

ग्वालियर । समाजसेवी स्व. श्री नाथूराम नीखरा फालका बाजार लश्कर के आप तृतीय पुत्र है पूज्य पिताश्री के अनुसरण में आप कई धार्मिक, सामाजिक, व्यवसायिक संस्थाओं में पदाधिकारी के रूप में सक्रिय सहयोग दे रहे हैं।

प्रारंभिक समाज सेवा में फालका बाजार गहोई वैश्य समाज समिति के वर्ष 1986 से वर्ष 2001 तक सचिव पद पर कार्य किया। 1993 से 2002 तक वृहतर ग्वालियर समाज में उपमंत्री एवं 1997–99 में मंत्री पद पर रहकर सफलतापूर्वक निर्वहन किया वर्ष 1998 में श्री भगवानदास लहारिया के सानिध्य में गहोई बंधु की व्यवस्था समिति में मनोनीत किया गया, गहोई बंधु में दिये गये सहयोग अनुसार वर्ष 2000 में सह संपादक पद पर मनोनीत किया गया।

वर्ष 2003 में श्री वी.पी. नगरिया अध्यक्ष महासभा द्वारा महासभा के उपमंत्री पद पर मनोनीत किया गया नागपुर अधिवेशन में बंधु में दिये गये सहयोग हेतु सम्मानित किया गया, नागपुर अधिवेशन में ही आपका महासभा कोषाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ, कोषाध्यक्ष पद पर देश की अनेक संस्था महिला महासभा, वरिष्ठसंघ द्वारा उत्कृष्ठ सेवा के लिये सम्मानित किया गया।

महासभा के 40 वें अधिवेशन झांसी में पुनः आपको निर्विरोध महासभा कोषाध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया गया।अभी हाल ही में म.प्र. सर्वोच्च संस्था म.प्र. चेम्बर आफ कामर्स इण्डस्ट्रीज ग्वालियर में थोक खाधान्न व्यवसाय समिति में निर्विरोध निर्वाचित हुये है एवं गहोई बंधु में आपको संयुक्त संपादक हेतु मनोनीत किया है आपका फूड ग्रेन एवं पोल्ट्री फीड का थोक व्यवसाय है आपके परिवार में माता श्रीमती शकुन्तला देवी नीखरा सहित 4 भाई एवं पुत्री कु. नेहा. मेघा एवं पुत्र सूर्यांश एवं पत्नी श्रीमती रेखा गुप्ता पुत्री स्व. श्री खच्चूराम जी चउदा मुरार ग्वालियर की पुत्री है महासभा अक्षय निधि में आपकी ओर से 5100 रू. की राशि प्राप्त हुयी महासभा आपको धन्यवाद ज्ञापित करती है ।

-सतीश सुहाने पूर्व संयुक्त मंत्री महासभा

छतरपुर जिले को दूसरी बार सम्मानित किया, गृह मंत्री जी ने

छतरपुर। दिनांक 31 अक्टूबर 2010 को सागर में अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के संभागीय सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें मध्यप्रदेश शासन के गृहमंत्री माननीय श्री उमाशंकर जी गुप्ता, मध्यप्रदेश शासन के जल संसाधन मंत्री जयन्त मलैया, विधायक श्री शैलेन्द्र जैन, पूर्व विधायक श्रीमती सुधा जैन, पूर्व सांसद श्री डालचन्द्र जैन, प्रदेश महामंत्री सुधीर अग्रवाल, नवयुवक मंडल प्रदेशाध्यक्ष के.के.के. कठल, आदि उपस्थित थे ।छतरपुर जिलाध्यक्ष आलोक टिकरया की अगुवायी में सभी तहसीलों से 18 गाड़ी व 100 से उपर लोग कार्यक्रम में पहुंचे इसके अलावा 9 महिलायें भी कार्यक्रम में शामिल हुयी। उक्त कार्यक्रम में छतरपुर जिलाध्यक्ष आलोक टिकराय को उत्कृष्ट कार्यों व संभाग में अग्रणी होने पर प्रदेशाध्यक्ष श्री उमाशंकर जी गुप्ता द्वारा पुष्पगुच्छ, श्रीफल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया, इसी क्रम में 12 मार्च 2011 को प्रादेशिक कार्यकारिणी की बैठक पचमढ़ी में कांग्रेस सांसद एवं महासम्मेलन के अध्यक्ष गिरीश संघी द्वारा सम्मानित किया गया ।

–आलोक टिकरया

हरगोविन्द सेठ को पी.एच.डी. उपाधि का सुयश

बांसी। मेधावी एवं प्रतिभा सम्पन्न हरगोविन्द सेठ सुपुत्र श्री छोटेलाल गुप्त (से.नि. प्रधानाचार्य) बांसी निवासी ने बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी से वर्ष 2011 में रसायन विषय में पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की है । **इनका शोध प्रबन्ध स्टडीज इन केनेटिक्स एण्ड मैकेनिज्म ऑफ सत्र रीएक्सन इन सोलूशनस् रहा है** ।हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में में तीन विषयों में विशेष योग्यता के साथ, बी.एस.सी तथा एम.एस.सी., प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है।

हरगोविन्द सेठ ने अपनी लगन, परिश्रम व योग्यता से परिवार एवं समाज को गौरवान्वित किया है । यह प्रथम व्यक्ति हैं, जिन्होंने इस क्षेत्र में पी.एच.डी., की उपाधि प्राप्त करने पर बांसी समाज गौरवान्वित हुआ है । आप अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता एंव गुरूजनों को देते है। सभी स्वाजातीय बन्धुओं ने आपके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

– ओमप्रकाश कनकने, मंत्री बु.ख.क्षे.बांसी

कु. सपना एवं कु. नीलम को एक साथ मिली पी.एचडी. उपाधि

रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के प्रेक्षाग्रह में सत्रहवें दीक्षांत समारोह का आयोजन दिनांक 02–02–2011 को किया गया जिसमें भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के अध्यक्ष डॉ. के. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि एवं कुलाधिपति महामहिम श्री शेखरदत्त राज्यपाल छत्तीसगढ़ अध्यक्ष के रूप में उपस्थित थे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में महापौर डॉ. किरणमयी नायक उपस्थित थीं। इस दीक्षांत समारोह में गहोई समाज रायपुर की कु. सपना गुप्ता कु. नीलम गुप्ता पुत्री श्रीमती ललिता गुप्ता एवं श्री एल.एल. गुप्ता उपयंत्री रायपुर को कुलपति प्रो. शिवकुमार पाण्डेय द्वारा पी.एच–डी. की उपाधियां देकर सम्मानित किया गया। ज्ञातव्य है कि कु. सपना गुप्ता को रसायन शास्त्र में तथा कु. नीलम गुप्ता वाणिज्य में ये उपाधियां प्रदान की गईं। इससे वृहद गहोई समाज गौरवान्वित हुआ है। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राधेश्याम कुचिया, छत्तीसगढ़ क्षेत्र के अध्यक्ष श्री रामरतन चउदा, मंत्री श्री नरेन्द्र खरया, श्री धनीराम कनकने दुर्ग एवं श्री आर.डी. गुप्ता से.नि. कार्यापालन यंत्री ने बालिकाओं को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

–ओमप्रकाश चौधरी मंत्री ग.वै.पं. पिछोर

सुधा गुप्ता 'अमृता' भोपाल में सम्मानित

कटनी । नगर की सुपरिचित कवयित्री, कथाकार, बाल साहित्यकार सुधा गुप्ता 'अमृता' का हिन्दी लेखिका संघ म. प्र. भोपाल द्वारा उत्कृष्ट साहित्यिक सम्मान किया गया। संघ के 16 वें वार्षिक अखिल भारतीय शब्द शिल्पी सम्मान 2010 एवं अज्ञेय जन्मशती समारोह में सुधा गुप्ता 'अमृता' को उनके कहानी संग्रह, किरदार बोलते है पर श्री ब्रह्मदत तिवारी स्मृति पुरस्कार से नवाजा गया।भोपाल के मानस भवन में सम्पन्न प्रतिष्ठापूर्ण साहित्यिक समारोह में देश की नामचीन कथाकार द्वय मृदुला सिन्हा, मालती जोशी एवं गीतकार निर्मला जोशी ने विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में सुधा गुप्ता अमृता को पुरस्कार स्वरूप शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह, प्रशस्तिपत्र एवं सम्मान राशि देकर सम्मानित किया। अन्य सम्मानित विभूतियों को अलग–अलग विधाओं के लिये सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में मानस प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश के मंच पर अ.भा. कवियत्री सम्मेलन में सुधा गुप्ता अमृता का वासंती सम्मान किया गया। विदित हो विगत माह ही सुधा गुप्ता को उनके बालगीत संग्रह, "ताकि बची रहे हरियाली" पर भोपाल में बाल साहित्य सारस्वत सम्मान से पुरस्कृत किया गया। सुधा गुप्ता 'अमृता' की उत्कृष्ट साहित्यिक सम्मान उपलब्धि पर नगर के साहित्यकार प्रो. सुबोध श्रीवास्तव, प्रो. अशोक श्रीवास्तव, राम सेंगर, देवेन्द्र पाठक, प्रकाश प्रलय, था । समाजसेवी कृष्ण मुरारी पुरवार, गीता जोशी जायंट्स सहेली ग्रुप कटनी एवं स्वजातीय बंधुओं ने अपनी हार्दिक शुभकामनायें व्यक्त की है।

–जगदीश गुप्त, कटनी

कु. रितु गुप्ता का सुयश

रायपुर । गहोई वैश्य पंचायत रायपुर की कु. रितु गुप्ता पुत्री श्री लखनलाल गुप्ता सब इंजीनियर ने वर्ष 2009–10 में पंडित रविशंकर शुक्ला विश्व विद्यालय रायपुर से बी.एड. परीक्षा में सैद्धांतिक परीक्षा में 78 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विश्व विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उक्त बालिका को कुलपति प्रो. शिवकुमार पाण्डेय द्वारा गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया है। इससे रायपुर गहोई समाज गौरवान्वित हुआ है। छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय सभा के पदाधिकारियों ने बधाई देकर शुभकामना दी।

–ओमप्रकाश चौधरी मंत्री ग.वै.पं. पिछोर

मानसी गेड़ा को मिला प्रतिभा सम्मान एवं स्वर्ण पदक से सम्मानित

कटनी । गहोई वैश्य समाज की बहुमुखी प्रतिभा की धनी मानसी गेड़ा आत्मजा श्री राजाराम गेड़ा (चूना व्यवसायी) व श्री उषा गेड़ा सहायक अधीक्षिका, बालिका छात्रावास, हरदुआ, अध्यक्ष गहोई वैश्य महिला समिति कटनी को गहोई वैश्य समाज ने गहोई प्रतिभा के खास सम्मान से सम्मानित कर समाज की प्रतिभाओं को इसी तरह अपना लक्ष्य ऊंचा रखने तथा उसे हासिल करने की प्रेरणा दी । गत दिवस गहोई वैश्य पंचायती सत्संग भवन में आयोजित मेधावी छात्र–छात्रा सम्मान समारोह 9 जनवरी 2011 में मानसी को बारहवीं गणित संकाय में गहोई समाज में प्रथम स्थान पाने पर स्वर्ण पदक व अन्य ढेरों पुरस्कारों से पुरस्कृत किया तथा गहोई समाज का नाम प्रदेश की मेरिट सूची में दर्ज कराने पर मानसी को गहोई प्रतिभा के खास सम्मान से सम्मानितकर उसके उज्जवल भविष्य की कामना कर आशीष दिया। मानसी ने इस सम्मानों के लिये ग.वै. पं. सत्संग भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष, सभी सम्मानीय पदाधिकारी व सदस्य गणों तथा सभी सहयोगी घटकों को धन्यवाद दिया। तथा गहोई गौरव बनने का संकल्प लिया।मानसी को गहोई प्रतिभा से नवाजे जाने पर सरस्वती हा.से. स्कूल की प्राचार्या डॉ. ममता सिंह दादी जी श्रीमती लक्ष्मीबाई गेड़ा, नानी जी श्रीमती केशरदेवी गुप्ता, आदि लोगों ने मानसी के इस गौरव पर उसे बधाई व अपना स्नेहाशीष दिया हैं ।

–हीरामणि बरसैंया पूर्व अध्यक्ष कटनी

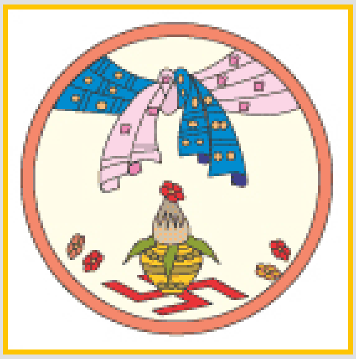

वधू चाहिए

पाठकों को परामर्श है कि इन वैवाहिक विज्ञापनों पर कोई पहल करने से पहले तथ्यों का पता अवश्य लगा लें । बन्धु में विज्ञापनदाताओं द्वारा दी गयी जानकारी के आधार पर ही वर-वधू की समस्त जानकारी का प्रकाशन किया जाता है । -संपादक

नाम – चि. चिन्टू मोबा. 09619338487
पिता & श्री गनेशप्रसाद गहोई
जन्म – 18 अप्रैल 1985 (4.50 पी.एम.)
ऊँचाई – 5 फीट 6 इंच मामा–सेठ
आंकना – लहारिया गौत्र–जैतल
शिक्षा – बी.ई. आनर्स (ECE) Jaipur
सर्विस – सॉफ्टवेयर इंजी. जे.पी. मोरगन मुम्बई
संपर्क सूत्र – (1) लोकेश रूसिया, रूसिया ट्रैडर्स मऊरानीपुर
फोन : 05178–260380 मोबा. 09450041963
(2) जी .सी. गहोई HIG-15 बालाजी नगर, रावतभाटा कोटा
मोबा. 09414375747, 09414593995
प्राथमिकता–सॉफ्टवेयर इंजी. बी.ई./एम.सी.ए./एम.बी.ए.
B-2623

नाम - **चि. अमित**
पिता – श्री लक्ष्मीनारायण गुप्ता (कानपुर)
जन्म – 11 अक्टूबर 1977 (5.50 ए.एम. सिकन्दराबाद)
ऊँचाई – 5 फीट 7 इंच
आंकना – सेठ, गौत्र–गोल
शिक्षा – बी.टेक., एम.टेक.
सर्विस – प्रोधोगिकी प्रबंधक (I.I.Sc.बैंगलौर) सरकारी
संपर्कसूत्र – (1) श्री लक्ष्मीनारायण गुप्ता, कल्यानपुर, कानपुर
मोबा. 9935412457, 9198907198
(2) श्री मेवालाल गुप्ता (उरई) मोबा. 9452604913
विशेष – पारिवारिक मध्यमवर्गीय गृहकार्य में दक्ष को प्राथमिकता
B-2689

नाम – **चि. राहुल** (09717900452)
पिता & श्री उपनेन्द्रनाथ नीखरा
जन्म – 23–05–1984 (2:45 पी.एम., झांसी)
ऊँचाई – 5 फीट 7 इंच गण–राक्षस
आंकना – नीखरा गोत्र–कोच्छल
शिक्षा – बी.ई., एम.बी.ए (अध्ययनरत)
सर्विस – रेम्पटेक्नोलॉजी, नोएडा
संपर्क सूत्र – (1) श्री उपेन्द्रनाथ नीखरा, पिछोर (शिवपुरी)
मोबा.–9425763681
(2) श्री बालकृष्ण सुहाने, मालथोन
मोबा.–09977129949
B-2664

नाम - **इंजी. सचिन**
पिता – डॉ. सुरेन्द्र गुप्ता
जन्म – 24 फरवरी 1984 (प्रातः 9.30 बजे उरई)
ऊँचाई – 5 फीट 6 इंच
शिक्षा – बी.टेक. (इलेक्ट्रोनिक एंड कम्युनिकेशन)
सर्विस – असिस्टेंट मैनेजर, एक्मे टेलिपावर, गुडगांव
संपर्कसूत्र – (1) डॉ. सुरेन्द्र गुप्ता, गुप्ता नर्सिग होम बस स्टेण्ड पूंछ झांसी मोबा. 09415945794, 09794876277
(2) श्री रमेशचन्द्र गुप्ता ए–51, आवास विकास कॉलोनी नन्दनपुरा झांसी फोनः 0510–2482600 मोबा. 9452418249
प्राथमिकता – एम.बी.ए./ /बी.टेक./ उच्च शिक्षित
B-2694

नाम - चि. नीरज
पिता & श्री हरीकृष्ण गुप्ता
जन्म – 5 जून 1982 (12.05 पी.एम.करैरा)
ऊँचाई – 5 फीट 8 इंच मामा–सेठ
आंकना – पहारिया, गौत्र–कौच्छिल
शिक्षा – बी.एस.सी., पी.जी.डी.सी.ए., डी.एड.
सर्विस – गवर्नमेन्ट टीचर
सम्पर्क सूत्र – (1) खड़ेश्वरी मन्दिर के पास, कच्ची गली, गणेश चौक न्यू कॉलोनी करैरा जिला–शिवपुरी
मोबा. 9329487126, 9993585310
B-2678

नाम - **चि. सुणीत**
पिता – डॉ. रमाकान्त सिजरिया
जन्म – 9 अक्टूबर 1984 गौत्र–गोल
ऊँचाई – 5 फीट 8 इंच मामा–खर्द
शिक्षा – बी.ई. (इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड टेली.) एम.बी.ए.
सर्विस – लेक्चरार (E&T) शास. पोलिटेक्निक कॉलेज सागर, प्रथम श्रेणी राजपत्रित अधिकारी म.प्र. लोकसेवा आयोग द्वारा चयनित एवं नियमित वेतनमान नियुक्ति
संपर्कसूत्र – डॉ. रमाकांत सिजरिया, सद्भावना नगर, मकरोनिया सागर फोन : 0758–2231555
मोबा. 9425451304, 9425451186,
B-2695

नाम – चि. दिशांक

पिता – श्री राजेन्द्रकुमार गुप्ता, 195 राजीव नगर, विदिशा मोबा.–9827623568, 9479389446

संवत् 2042 शाके 1907 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 12 सोमवार स्वामी नक्षत्र 28/0 दिनमान 26/38 रात्रिमान 2/42 सूर्य स्पष्ट 7/22/44/40 वृश्चिक लग्न तुला राशि स्वामी शुक्र वर्ण शूद्र महषि योनि वश्य मानव देवगण अन्त्यनाड़ी जन्म तारीख 09–12–85 प्रातः 5:45 बजे जन्म स्थान विदिशा।

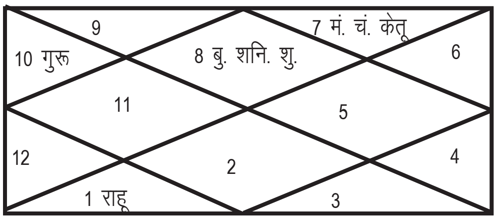

B-2704

नाम - चि. राधेश्याम

पिता – श्री जुगगीलाल बेहरे

जन्म – 29–01–1981 (प्रातः 5.30)

ऊँचाई – 5 फीट 4 इंच गोत्र–वासर

शिक्षा – एम.फार्मा. पुणे मामा–कठिल

सर्विस – असि. प्रोफेसर जी.एल.ए. यूनीवर्सिटी, मथुरा

सम्पर्क सूत्र – (1) बजरंग पाइप स्टोर (चिन्टू भाई साहब), स्टेशन रोड, मऊरानीपुर (झांसी), मोबा.–9415456694
(2) जुग्गीलाल बेहरे, ट्रंक स्टोर, बड़ा बाजार, मऊरानीपुर (झांसी) मोबा.–9415944538

B-2744

नाम – चि. श्रीकान्त (मंगली)

पिता – श्री आर. के. गुप्ता

जन्म – 12–11–1984 (06:58 एएम)

ऊँचाई – 5 फीट 5 इंच आंकना–रावत

शिक्षा – बी.ई. (इसी)

सर्विस – इंजीनियर टीसीएस पूणे

संपर्कसूत्र – (1) श्री द्वारका जगदीशप्रसाद रावत (शिक्षक), डॉ. पाण्डेय अस्पताल के सामने, मऊरानीपुर, टीकमगढ़ मो–9616320751
(2) श्री आर. के. गुप्ता (सब इंजीनियर), प्रेमा बाग, सिंचाई विभाग कॉलोनी, वैकुण्ठपुर, जिला–कोटिया (छ.ग.) मोबा.–9926125991

B-2719

नाम – चि. गौरव

पिता – श्री जी. डी. गुप्ता

जन्म – 07–02–1984 (प्रातः 8 बजे जबलपुर)

ऊँचाई – 5 फीट 9 इंच

आंकना – सेठ मामा–चौदहा

शिक्षा – बी.ई. कम्प्यूटर सांइस

सर्विस – जे. पी. मोर्गन चेस. लि. अंधेरी, मुम्बई

संपर्कसूत्र – (1) श्री जी.डी. गुप्ता कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग एफ–118/22 शिवाजी नगर, भोपाल फोन–07552763207 मोबा.–9425636599
(2) श्री संजय गुप्ता 1656/2 सरस्वती कॉलोनी, परिजात बिल्डिंग के पीछे, जबलपुर फोन : 0761–2440595 मोबा.–9826595980

B-2338

नाम - चि. शैलेन्द्र कुमार

पिता – श्री राधेश्याम गुप्ता

जन्म – 24 जुलाई 1978 (प्रातः 9.45 लहार)

ऊँचाई – 5 फीट 6 इंच

शिक्षा – एम.एस.सी, बी.एड.

आंकना – सोनी, गौत्र–गोल

सर्विस – संविदा शिक्षक वर्ग–2

संपर्क सूत्र – (1) श्री राधेश्याम गुप्ता विनय मेडीकल स्टोर के पास सरकारी अस्पताल के पास, लहार जिला–भिण्ड मोबा. 09755097555
(2) श्री अरविन्द कुमार गुप्ता लहार जिला–भिण्ड मोबा. 09893548309

B-2723

नाम – चि. पवन

पिता – डॉ. ओमप्रकाश खरया

जन्म – 26–01–1981 (01:00 पीएम, पलेरा)

ऊँचाई – 5 फीट 11 इंच

शिक्षा – डी. फार्मा.

सर्विस – Marketing Executive in IPCA Comp. Gaziabad

संपर्कसूत्र – (1) डॉ. ओमप्रकाश खरया, स्टेट बैंक के पास, पलेरा, जिला–टीकमगढ़ फोन707681–252406
(2) श्री द्वारका प्रसाद खरया, चंद्रविहार कॉलोनी (बी.के.डी.), झांसी मोबा.–945008058

B-2758

नाम - चि. रविराज (गण-मनुष्य)

पिता – श्री अयोध्याप्रसाद बिलैया

जन्म – 26–09–1982

ऊँचाई – 5 फीट 11 इंच गोत्र–गोल

शिक्षा – बी.ए. (क्रिकेटर इंगलैण्ड रिटर्न)

व्यवसाय – सराफा दुकान एवं प्रापर्टी डीलिंग

सम्पर्क सूत्र – अयोध्याप्रसाद बिलैया, सराफा दुकान, बिलैया मार्कट डिंडोरी, जिला–डिण्डोरी फोन–07644–234943 मोबा–09425853787

B-2738

नाम – चि. मनीष मो–09987953235

पिता – श्री ओमप्रकाश कनकने (मंत्री बु.क्षे.सभा) मो–9198939104

जन्म – 10–10–1981 (11:55 रात्रि)

ऊँचाई – 5 फीट 7 इंच

आंकना – कनकने गोत्र–वाच्छल मामा–इन्दुरख्या

शिक्षा –

सर्विस – Soft. Egn. IBM India Pri. Ltd. Puna

संपर्कसूत्र – (1) श्री ओमप्रकाश बिलैया, मनपुरा वाया पिछोर मोबा.–9685125440
(2) श्री कैलाशनारायण कनकने (पूर्व महामंत्री महासभा) 6 अशोक विहार कालोनी, विदिशा मो–09425463350
प्राथमिकता–एम.सी.ए./सर्विस

B-2759

नाम - चि. ई. मयंक (यीशू)

जन्म – 25–12–1983 (प्रातः 6.22, सागर)
ऊँचाई – 5 फीट 8 इंच
शिक्षा – बी.ई. (आई.टी.), एम.टेक. (ए.आई.)
आंकना – रूसिया गोत्र–वासल
सर्विस – व्याख्याता–सहोद्राराय शासकीय पोलीटेक्निक महाविद्यालय सागर में पदस्थ (म.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित), राजपत्रित प्रथम श्रेणी अधिकारी
सम्पर्क सूत्र – आर.बी. रूसिया, मनोरमा कालोनी, गली नं. 2, दुबे किराना स्टोर के पास, बिल्डिंग नं. 01, गायत्री एनक्लेव, सागर मोबा.–9713943640, 9926381745, 9755828302

B-2760

नाम - चि. अमित
पिता & स्व. श्री रामकृष्ण गुप्ता (आंकना–बड़ेरिया)
जन्म – 14 मार्च 1983 (प्रातः 3.35 ए.एम. जबलपुर)
ऊँचाई – 5 फीट 10 इंच गौत्र–गोयल
शिक्षा – बी.ई. (इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्युनिकेशन)
सर्विस – परसिस्टेंट सिस्टम लि. पूना सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर के पद पर
सम्पर्क सूत्र – (1) श्रीमती गीता गुप्ता माता उ.श्रे.शिक्षिका मकान न. 137, गंजीपुरा जबलपुर मोबा. 9302247445
(2) श्री एच.के.गुप्ता (चाचा) एस.ई., सी.एस.ई.बी. कोरबा (छत्तीसगढ़) मोबा. 9425539824,
प्राथमिकता–बी.ई. / बी.टेक. / एम.सी.ए. / एम.बी.ए.

B-2603

नाम - चि. अमित मोबा. 09910490362
पिता – श्री संतोष लहारिया मोबा. 09839371395
माता – श्रीमती शशि लहारिया मोबा.–09369054181
जन्म – 02–10–1980 रात्रि (08:40 समथर, झांसी)
ऊँचाई – गौत्र–जैतल, मामा–नौगरैया
शिक्षा – B.E. (Hons.) Mec. MITS Gwalior, MBA
सर्विस – Eng. Sales & Marketing A.S.B. International (Japan) M.N.C. Delhi
सम्पर्क सूत्र – (1) श्री संतोष लहारिया, लहारिया एजेंसी, समथर (झांसी)
(2) आशीष लहारिया, S.R.C., 27 A Sipra Rivera Indrapuram, Ghaziabad (U.P.)
भाई – इंजी. आशीष लहारिया (मोबा.–09953590854)
भाभी – श्रीमती गुंजन लहारिया M.Sc. (Physics), Ph.D.

शुभ सम्वत 2037 शाके 1902 श्री मासोत्तमे मासे अश्विन मासे, कृष्ण पक्षे तिथौ 9 गुरूवासरे पुख्य नाम नक्षत्र जन्मः गण–देव।

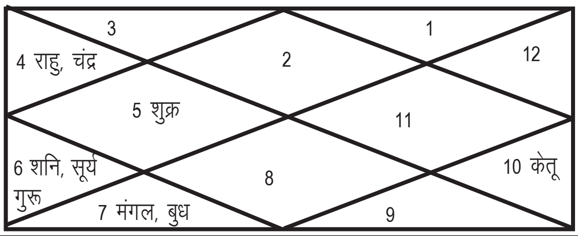

B-2763

नाम - चि. अनुज
पिता – स्व. श्री अनिल रूसिया (उरई)
जन्म – 26–07–1985
ऊँचाई – 5 फीट 6 इंच
शिक्षा – बी.कॉम. कम्प्यूटर
आंकना – रूसिया गोत्र–वासल मामा–कारेखिमऊ
व्यवसाय – Peter England Showroom
मेसर्स सुवस्त्र भण्डार, नई सड़क, ग्वालियर
सम्पर्क सूत्र – (1) पुरूषोत्तम गुप्ता, ग्वालियर–94251–16270
(2) संजीव रावत, नौगांव–94251–44017
गोपालगंज, उरई–94257–54951

B-2764

नाम - चि. कौशल
पिता – श्री महेशकुमार गुप्ता
जन्म – 01–01–1984 (अमरावती महाराष्ट्र) (02:20 ए.एम.)
ऊँचाई – 5 फीट 11 इंच
आंकना – नीखरा गोत्र–कौच्छल मामा–पहारिया
शिक्षा – ग्रेजूएट
व्यवसाय – बैंक कलेक्शन
सम्पर्क सूत्र – (1) श्री महेश गुप्ता, सक्करसाथ, बालाजी टेम्पल, अमरावती (महा.) मोबा.–09420834101, फोन–0721–6957082
(2) श्री प्रशांत कुमार गुप्ता, मोबा.–9302630401, 9754064701

B-2765

नाम - चि. अमित (चौदहा)
पिता – श्री अशोक कुमार चौदहा
जन्म – 24 अगस्त 1983
ऊँचाई – 5 फीट 7 इंच
शिक्षा – एम.कॉम., पी.जी.डी.सी.ए,
आंकना – चौदहा, गौत्र–वाच्छल
व्यवसाय – कोंचिग एवं जनरल स्टोर
सम्पर्क सूत्र – श्री अशोक कुमार गुप्ता हनुबाग कॉलोनी, बस स्टेण्ड के पीछे, बेगमगंज, जिला–रायसेन मोबा. 09893838338

B-2766

नाम - चि. विक्की

पिता – श्री सुरेश कंदेले
जन्म – 5 अगस्त 1980 (3.40 पी.एम.)
ऊँचाई – 5 फीट 7 इंच
शिक्षा – सी.ए. इंटर, एम.कॉम.
सर्विस – बिजनिस इन प्रॉपटी डीलर
सम्पर्क सूत्र – (1) श्री सुरेशकुार कंदेले, पंकज स्टील सिनेमा रोड जुन्नारदेव जिला–छिन्दबाड़ा फोन : 07160–230726 मोबा. 09424960332
(2) श्री पंकज कंदेले ए–603, वेंकटेंश फ्लोरा कुमार प्रभु नगर मुण्डवा पुणे महाराष्ट्र मोबा. 09158399881

B-2767

नाम - चि. राहुल
पिता – श्री विनोद कुमार घुरा (एकाउन्टेट उ.प्र. पावर कारपोरेशन लि.)
जन्म – 2 दिसम्बर 1981 (सायं 6.55 कानपुर)
ऊँचाई – 5 फीट 11 इंच आंकना–घुरा
शिक्षा – एम.सी.ए. गौत्र–भाल, मामा–ब्रिजपुरिया
सर्विस – सीनियर इंजीनियर, सोपरा ग्रुप नोयडा
सम्पर्क सूत्र – (1) श्री विनोद कुमार गुप्ता डी–283 पनकी कानपुर
मोबा. 9450153219
(2) श्री पंकज गुप्ता पूना मोबा. 09595711417
B-2768 (3) श्री राजीव गुप्ता कानपुर मोबा. 8004373650

नाम - चि. सौरभ

पिता – डॉ. जी.डी.रावत
जन्म – 7 दिसम्बर 1983 (9.30 ए.एम. दतिया)
ऊँचाई – 5 फीट 10 इंच मामा–नगरिया
आंकना – रावत, गौत्र–गोल
शिक्षा – बी.ई. (E&C) MBA (LBSIM, Delhi)
सर्विस – Consultant Hewlett Packard (HP) Banglore
सम्पर्क सूत्र – बंगला नं. 1 विधाधर कॉलोनी, खजुराहो जिला–छतरपुर
फोन : 07686–274223 मोबा. 09425143699, 09425144974
B-2772 Email:drgupta.kh@gmail.com

नाम - चि. अनुपम

पिता – श्री सुशील कुमार सिपौल्या
जन्म – 9 दिसम्बर 1982
ऊँचाई – 5 फीट 11 इंच
आंकना – सिपौल्या, गौत्र–जैतल
शिक्षा – एम.टेक.
सर्विस – एच.ए.एल. कानपुर
सम्पर्क सूत्र – मकान नु. 560 कोरी क्वाटर, स्टेशन रोड, तुलसीनगर,
B-2769 उरई फोन : 05162–257097 मोबा. 9919106826

नाम - चि. विवेक मोबा. 9926242848

पिता – श्री मोहनलाल कोठारी
मोबा. 9685228825
जन्म – 17 मार्च 1986 (दोपहर 01.35 मऊरानीपुर)
ऊँचाई – 5 फीट 7 इंच
आंकना – कोठारी मामा–पहारिया
शिक्षा – बी.सी.ए., (कम्प्यूटर हार्डवेयर) एम.बी.ए.
सर्विस – परीक्षा प्रशासक नेशनल स्टॉक एक्सचेज कार्या.
सम्पर्क सूत्र – ई–27 जागृति नगर लक्ष्मीगंज लश्कर, ग्वालियर
B-2773 मोबा. 9926242848, 9685228825

नाम - चि. सौरभ (मांगलिक)
पिता – श्री शिवशंकर नौगरैया
जन्म – 28 दिसम्बर 1982 (6.30 शाम आष्टी महाराष्ट्र)
ऊँचाई – 5 फीट 8 इंच
शिक्षा – बी.सी.ए., एम.सी.ए.,
सर्विस – सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर
सम्पर्क सूत्र – एस.एस.गुप्ता 210, ब्लॉक कॉलोनी, विदिशा
फोन : 07592–237413, 409134 मोबा. 9826724111
B-2770 प्राथमिकता–बी.ई., एम.बी.ए., एम.सी.ए.,

नाम - चि. गौरव मो. 09827019386
पिता – श्री सरमनलाल रेजा
जन्म – 6 मार्च 1984 (सुबह 9.10 मिनट)
ऊँचाई – 5 फीट 9 इंच
आंकना – रेजा मामा–बरसैंया
शिक्षा – बी.सी.ए., एम.बी.ए.
सर्विस – डिप्टी मैनेजर टाटा. इन्डीकॉम, जयपुर
सम्पर्क सूत्र – (1) श्री सरमन लाल रेजा कोल डिपो हाथी मन्दिर के पास, करमेर रोड,
उरई जिला–जालौन फोन : 05162–253477 मोबा. 09336184097
B-2774 (2) श्री ओमप्रकाश सेठ दलाल दाल बाजार, लश्कर मोबा. 09425116791

नाम - चि. प्रदीप कुमार

पिता – श्री जगदीश नीखरा
जन्म – 31 मई 1982 (6.15 ए.एम.) सिरसोद
ऊँचाई –
आंकना – नीखरा, मामा–कनकने
शिक्षा – एम.सी.ए. (एम.ए.एन. आई.टी.) भोपाल सी.इंजी.
सर्विस – माइण्ड नोयडा (मदरसन सुमी इन्फोटेक एंड डिजाइन)
सम्पर्क सूत्र – श्री जगदीश नीखरा, सिरसोद, जिला–शिवपुरी
मोबा. 9584848586, 9425333425
B-2771 (2) श्री अशोक नीखरा मोबा. 9425488695

नाम* – *इंजी. रूपल
पिता – श्री मुन्नालाल बिलैया
जन्म – 29 जनवरी 1985
ऊँचाई – 5 फीट 11 इंच
आंकना – बिलैया, गौत्र–गोल, मामा–कुचिया
शिक्षा – बी.टेक.
सर्विस – असिस्टेन्ट मैनेजर इंजीनियर (Lenco Itfratech. Ltd. Gurgaon)
संपर्कसूत्र – (1) गुप्ता मेडीकल स्टोर, मेन रोड कोटरा तिराहा एट.
जिला–जालौन फोन : 0516–233666 मोबा. 09451010352
(2) श्री रमेशचन्द्र गुप्ता ए–51 आवास विकास कॉलोनी, नन्दनपुरा
B-2775 झांसी फोन : 0510–248600 मोबा. 9452418249

नाम - चि. प्रवीण
पिता – श्री शंकरलाल रेजा
जन्म – 10 सितम्बर 1986
(3.47 पी.एम.टीकमगढ़)
ऊँचाई – 5 फीट 8 इंच
शिक्षा – एम.कॉम. ICWAI, CS
सर्विस – महाराष्ट्र स्टेट पावर जनरेशन कं. लि.
सम्पर्क सूत्र – (1) श्री शंकरलाल गुप्ता 56, अमीकुंज सोसायटी सुरलिया रोड अमरावदी, अहमदाबाद मोबा. 9898937174
(2) श्री अशोक कुमार गुप्ता (टीचर) मुकाम एंड पोस्ट निगुहा ओरछा रोड टीकमगढ़
B-2776

नाम - चि. संदीप गण–राक्षस
पिता – श्री रामबाबू गुप्ता (नौगरैया)
जन्म – 24 नवम्बर 1984
(प्रातः 10.10 बजे भिण्ड)
ऊँचाई – 5 फीट 9 इंच
शिक्षा – बी.ई (इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड टेलीकम्यूनिकेशन), ग्वालियर
आंकना – नौगरैया, गौत्र–गांगल, मामा–तरसोलिया
सर्विस – जूनियर अधिकारी आई.सी.आई.सी.आई बैंक शाखा गुना
सम्पर्क सूत्र – श्री रामबाबू गुप्ता म.नं0 डी–38, दलवी कॉलोनी, अल्फा स्कूल के पास गुना म.प्र. फोन : 07542–250366 मोबा. 9406560051
B-2783

नाम - चि. ऋषिराज (मंगली)
पिता – श्री अशोक नीखरा
जन्म – 27 अगस्त 1979 (12.50 पी.एम. ग्वालियर)
ऊँचाई – 5 फीट 10 इंच
आंकना – नीखरा, मामा–खांगट गण–राक्षस
शिक्षा – एम.आई.टी. (मास्टर ऑफ इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी) एम.बी.ए. (अंतिम सेमे.)
सर्विस – दिनेश मिल, बड़ौदा, डिप्टी मैनेजर
सम्पर्क सूत्र – श्री अशोक नीखरा 56–57 लाइन न. 3 बिरला नगर ग्वालियर मोबा. 09229828046, 08982926570
B-2777

नाम - **चि. रूपेश मोबा.** 08140988842
पिता & श्री रामस्वरूप पहारिया
जन्म – 2 दिसम्बर 1982 (प्रातः 6 पिछोर)
ऊँचाई – 5 फीट 8 इंच
आंकना – पहारिया, गौत्र–कोच्छल
शिक्षा – एम.एस.सी., (एप्लाईट कैमस्ट्री)
सर्विस – मेट्रिक्स फार्मा कं. वायी गुजरात
संपर्क सूत्र – (1) श्री आर.के.गुप्ता सब इंजी. रामगढ़ छत्तीसगढ़ मोबा. 9425768210
(2) श्री रामबिहारी गुप्ता 001 तानसेन अर्पा. तानसेन रोड, ग्वालियर मोबा. 9425307877
B-2780

नाम - **चि. सौरभ (मंगली)**
पिता & श्री रमेशचन्द्र कस्तवार आंकना–कस्तवार
जन्म – 17–06–1979 गोत्र–कौच्छिल
ऊँचाई – 5 फीट 8 इंच
शिक्षा – एम.बी.ए.
सर्विस – रीजनल मैनेजर, ए.पी.एल. इण्डिया प्रा.लि., प्रभादेवी मुम्बई
संपर्क सूत्र – (1) श्री रमेशचन्द्र कस्तवार, 111, 112 खत्रयाना, झांसी
(2) मैसर्स पन्नालाल लक्ष्मीनारायण पेन्ट मर्चेन्ट, जवाहर चौक, झांसी (उ.प्र.) फोन–2441361 (दु.), 2450327, 2352968 (घर)
प्राथमिकता–प्रोफेशनल जॉब
B-2778

नाम - **चि. गैंदालाल (बलराम)**
पिता & श्री लक्ष्मीनारायण पहारिया
जन्म – 17 अक्टूबर 1983 (समय 06.34 ए.एम. प्रातः)
ऊँचाई – 5 फीट 6 इंच
आंकना – पहारिया, गौत्र–कोच्छल मामा–कनकने
शिक्षा – इन्टर
व्यापार – साज श्रृंगार होजरी जनरल स्टोर एंड ज्वेलर्स
संपर्क सूत्र – (1) लक्ष्मीनारायण पहारिया (नावली वाले) साज श्रृंगार होजरी जनरल स्टोर्स काली माता मन्दिर शिवपुरी रोड करैरा जिला–शिवपुरी मोबा. 7898939020, 8120615358
(2) श्री रामनिवास कनकने, बालाजी साड़ी सेन्टर कच्ची गली करैरा जिला–शिवपुरी
विशेष : दहेज की मांग नही है।
B-2781

नाम - **चि. राहुल मोबा.** 9926704297
पिता & श्री रामनिवास गुप्ता
जन्म – 29 जून 1983 (रात 10.45 पिछोर)
ऊँचाई – 5 फीट 7 इंच
आंकना – पहारिया, गौत्र–कोच्छल
शिक्षा – बी.एस.सी., एम.बी.ए.
सर्विस – बर्जर पेन्टस रायपुर
संपर्क सूत्र – (1) श्री आर.के.गुप्ता मोबा. 9425768210
(2) श्री नरसिंहशरण गुप्ता मोबा. 9926713713
(3) श्री रामबिहारी गुप्ता 001 तानसेन अर्पा. तानसेन रोड, ग्वालियर मोबा. 9425307877
B-2779

नाम - **चि. अरूण (मांगलिक)** मोबा. 9977758337
पिता & श्री जयप्रकाश गुप्ता आंकना–पहारिया
जन्म – 28 नवम्बर 1981 मामा–नीखरा
ऊँचाई – 5 फीट 7 इंच
शिक्षा – एम.कॉम, पी.जी.डी.सी.ए.,
व्यापार – होलसेल रिटेल व्यापार
संपर्क सूत्र – श्री जयप्रकाश गुप्ता, प्रकाश जनरल स्टोर्स पो. आ. सिहोरा रोड जिला–जबलपुर फोन : 07624–230688 मोबा. 9329533893, 9752331647
B-2782

नाम - चि. संदीप
पिता – श्री एस.आर. गुप्ता (सहायक लेखा अधिकारी)
जन्म – 9 नवम्बर 1982 (शाम 7.10 बजे ग्वालियर)
ऊँचाई – 5 फीट 9 इंच
आंकना – पहारिया, गौत्र–वाच्छिल, मामा–छिरौल्या
शिक्षा – बी.ई. (इलेक्ट्रोनिक्स) सी.डेक. (ए.सी.टी.एस.पूणे)
सर्विस – सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर परसिसटेंट सिस्टम लि. एम.एन.सी पूणे
सम्पर्क सूत्र – सी–56 हरीशंकरपुरम ग्वालियर
फोन : 0751–2436390 मोबा. 09907715001, 09770630640
B-2784 प्राथमिकता – बी.ई. / एम.बी.ए. / एम.सी.ए.

नाम - डॉ. सुनील
पिता & डॉ. रामेश्वरप्रसाद पहारिया
जन्म – 4 मार्च 1984 (3.20 ए.एम. मऊरानीपुर)
ऊँचाई – 5 फीट 10 इंच
आंकना – पहारिया,
शिक्षा – एम.बी.बी.एस.
सर्विस – मेडीकल ऑफीसर जिला–ललितपुर
संपर्क सूत्र – (1) डॉ. आर.पी.पहारिया, पहारिया क्लीनिक मऊरानीपुर झांसी फोन : 05178–260446 मोबा. 9415944526
B-2785 (2) इंजी. दीपक पहारिया बैंगलोर, मोबा. 09886804530

नाम - चि. विकास
पिता & श्री रामबाबू ब्रजपुरिया आंकना–ब्रिजपुरिया
जन्म – 10 मई 1985 (प्रातः 4.40 जबलपुर) गौत्र–गोल
ऊँचाई – 5 फीट 7 इंच मामा–पिपरसानियां
शिक्षा – बी.कॉम.
व्यवसाय – एग्रीकल्चर इन्डस्ट्रीज
संपर्क सूत्र – (1) विकास एग्रो इन्डस्ट्रीज ईसागढ़ रोड अशोकनगर मोबा. 9425634990
(2) अजय एग्रीकल्चर इन्डस्ट्रीज विदिशा रोड
B-2786 अशोकनगर फोन : 07543–220556 मोबा. 9425132035

नाम - डॉ. शैलेष
पिता & श्री सुरेशकुमार गुप्ता (म.प्र.वि. मं. सागर)
जन्म – 20 नवम्बर 1982 (प्रातः6.36 सागर)
ऊँचाई – 5 फीट 11 इंच
आंकना – छावला, गौत्र–वात्सल्य मामा–सेठ
शिक्षा – एम.बी.बी.एस., (जबलपुर) पी.जी.हेतु प्रयासरत
सर्विस –
संपर्क सूत्र – श्री सुरेश कुमार गुप्ता म. न. 9/53 सदर बाजार सागर म.प्र. फोनः 07582–238370 मोबा. 09425655780
B-2787 प्राथमिकता–एम.बी.बी.एस.

नाम - चि. मनीष
पिता & श्री बृजमोहन नौगरैया
जन्म – 3 जून 1981 (रात्रि 2.17 गुलाबगंज)
ऊँचाई – 5 फीट 10 इंच
आंकना – नौगरैया, मामा–सेठ
शिक्षा – एम.ए. राजनीति विज्ञान, एम.फिल, पी.एच.डी.
सर्विस – सहायक प्राध्यापक (संविदा) शास. महा. आरोन जिला–गुना
संपर्क सूत्र – श्री बृजमोहन गुप्ता द्वारा श्री लक्ष्मी भोजनालय सुभाषगंज, अशोकनगर जिला–अशोकनगर
B-2788 मोबा. 9926241563, 9981908009, 9425191635

नाम - डॉ. अरविन्द मोबा. 9425774780
पिता & श्री कैलाशनारायण नौगरैया
जन्म – 7 जुलाई 1980 (1.20 पी.एम.)
ऊँचाई – 5 फीट 03 इंच
आंकना – नौगरैया, गौत्र–गांगिल मामा–कुदरिया
शिक्षा – बी.एस.सी., बी.एच.एम.एस.
सर्विस – किलकारी नर्सिंग होम एवं सेल्फ क्लीनिक ग्वालियर
संपर्क सूत्र – (1) श्री भूपेन्द्र मोदी (जीजाजी) मोदी भवन पाठकपुरा मऊरानीपुर, झांसी मोबा. 09451050382
(2) श्री पंकज गुप्ता (भैया), रघु नगर बल्ला का डेरा, डबरा मोबा. 9993459487
B-2789 प्राथमिकता–डॉक्टर/शिक्षक या समकक्ष

नाम - चि.मनीष गण-राक्षस
पिता – श्री मुन्नालाल कस्तवार
जन्म – 14 जनवरी 1984 (शाम 4.35)
ऊँचाई – 5 फीट 9 इंच
आंकना – कस्तवार गौत्र–कौच्छल मामा–मोर
शिक्षा – बी.कॉम.
व्यवसाय – मनीष घी भण्डार, माधौगंज
सम्पर्क सूत्र – (1) श्री मुन्नालाल कस्तवार, फोन : 0751–2423097 0751–4098112 (निवास)
(2) श्री नत्थूलाल जी गुप्ता नल वाली गली लोहिया
B-2790 बाजार, ग्वालियर फोन : 0751–2634063 मोबा.9827094127

नाम - चि. विकास
पिता – डॉ. हरीओम नौगरैया (एमबीबीएस)
जन्म – 19 नवम्बर 1981 (5:45 पीएम, बदाऊँ)
ऊँचाई – 5 फीट 9 इंच
शिक्षा – बी.टेक. मैकेनिकल (NIT/REC Calicut, Kerla)
सर्विस – Sr. Design Engineer, EDAG Pvt. Ltd. Gurgaon at present in Hamburg, Germany (from 2006)
सम्पर्क सूत्र – डॉ. हरीओम नौगरैया, 10 रतनपुरा, नगरा, झांसी मोबा.–9451334292, 9889162437 फोन 0510–2310132
B-2791 नोट : विकास अप्रैल के प्रथम सप्ताह में घर पहुंच रहा है।

नाम - चि. दिपेश (मांगलिक)
पिता – श्री राजकुमार गुप्ता
जन्म – 18 मार्च 1985
ऊँचाई – 5 फीट 5 इंच
आंकना – गेड़ा गोत्र–गागल
शिक्षा – B.E. (Electrnics & Tel.)
सर्विस – Logistic Software, Mumbai
सम्पर्क सूत्र – राजकुमार कपूरचंदजी गुप्ता (गेड़ा)
'तिरूमाला' छाबड़ा प्लाट, जीवन छाया कॉलोनी
अमरावती (महा.) फोन–0721–2670924
B-2792

नाम - चि. अक्षय गुप्ता
पिता – श्री जगदीश चन्द्र गुप्ता
जन्म – 09 जुलाई 1983 (07:20 पी.एम., ग्वालियर)
ऊँचाई – 5 फीट 10 इंच
आंकना – अमर गोत्र–वासिल
शिक्षा – B.E. (Electrnoics & Comunication), M.B.A.
सर्विस – Working as senior Engineer ALCATEL LUCENT INDIA Ltd. (A Multinational Telecom Company) Positioned at Gwalior
सम्पर्क सूत्र – श्री जगदीश चन्द्र गुप्ता (अकाउण्ट ऑफीसर स्टेट गर्वमेन्ट)
H.No.-235, Rohit Nagar, Phase-2, E-8 Ext Gulmohar,
Bhopal-39 Ph.-0755-2800110, Mob.-9406511867, 9893027569
B-2793

नाम - चि. अतुल कुमार
पिता – श्री सुरेशचन्द्र गुप्ता (टीचर)
जन्म – 23 अक्टूबर 1982 (08.30 ए.एम.)
ऊँचाई – 5 फीट 8 इंच
आंकना – सरावगी, गौत्र–गोल
शिक्षा – बी.एस.सी., (बायोलॉजी), बी.फार्मा, बी.एड.
व्यवसाय – मेडीकल स्टोर, मोठ, झांसी
सम्पर्क सूत्र – 8/63, मनबारन पुरा इन्दिरा चौराहा, मोंठ, झांसी
फोन : 05170–250032
B-2794

नाम - चि. सुमीत
पिता – डॉ. प्रकाश मिसुरया
जन्म – 9 मार्च 1984 (जबलपुर)
ऊँचाई – 5 फीट 10 इंच
आंकना – मिसुरिया, गौत्र–कौच्छल मामा–रावत
शिक्षा – बी.ई., (Elex & Comm Engg.) ,& एम.बी.ए.,
व्यवसाय – Assistant Manager HR Fullerton India Credit Company Ltd. Pune
सम्पर्क सूत्र – (1) डॉ. प्रकाश मिसुरिया चिलमन चौक के पास, पड़ाव रोड, मंडला मोबा. 9425484589
(2) श्री सुभाष चन्द्र मिसुरिया, 140, रविन्द्र नगर अधारताल
जबलपुर फोन : 0761–2360412 मोबा. 9425324715
B-2795

नाम - चि. सुधीश
पिता – श्री प्रभुदयाल मोर
जन्म – 03–11–1980 (06:15 ए.एम., दतिया)
ऊँचाई – 5 फीट 4 इंच
आंकना – मोर गोत्र–वासिल मामा–नौगरैया
शिक्षा – B.Sc., M.C.A.
सर्विस – असि. सिस्टम इंजी. टी.सी.ए., मुम्बई

सम्पर्क सूत्र – (1) श्री राजेश मोर, मैनेजिंग डायरेक्टर रॉस जे.बी. ग्रुफ ऑफ एज्यूकेशन, दतिया मोबा.–09826710436
(2) प्रभुदयाल मोर 8/4 सेन्ट्रल बैंक के पास, तिगेलिया, दतिया मोबा.–09179808422
प्राथमिकता–एम.सी.ए., एम.बी.ए., बी.ई.
B-2796

नाम - चि. नरेन्द्र
पिता – स्व. श्री बाबूलाल नीखरा
जन्म – 01–11–1978
ऊँचाई – 5 फीट 6 इंच
आंकना – नीखरा गोत्र–कौच्छिल मामा–कनकने
शिक्षा – M.Sc., L-L.B.
व्यवसाय – एडवोकेट जिला एवं सत्र न्यायालय, शिवपुरी
सम्पर्क सूत्र – (1) श्री एल.एल. गुप्ता (मामाजी) रिटा. अधीक्षण यंत्री, 406 तानसेन नगर, ग्वालियर फो–0751–2332406, मो. 9406577147
(2) श्री अशोक नीखरा, 15 शिवानगर, छत्री रोड शिवपुरी (म.प्र.) फोन–07492–404172, मो–9584710380
B-2797

नाम - चि. नवनीत
पिता – श्री संतोष कुमार गुप्ता कनकने
जन्म – 25 मई 1979 (रात्रि 08.50 देवरी (सागर))
ऊँचाई – 5 फीट 7 इंच
आंकना – कनकने, गौत्र–वाच्छल मामा–नौगरैया
शिक्षा – बी.ई. इलेक्ट्रीकल इलेक्ट्रोनिक
सर्विस – प्रोजेक्ट इंजीनियर अलकाटेल (फ्रांस) इन्दौर
सम्पर्क सूत्र – (1) श्री संतोष कुमार गुप्ता इलाहाबाद
फोन : 0532–2468331 मोबा. 9005599371
(2) श्री मनीष गुप्ता डी.जी.एम. (बीएसएनएल) नागपुर
मोबा. 9422315958
B-2762

भूल सुधार

बी–2706 चि. गौरव पुत्र श्री द्वारका प्रसाद रेजा के निम्न मोबाइल नम्बर पर सम्पर्क करें मोबा–09196204049, 09795712181

अपील

समस्त पंचायतों एवं क्षेत्रीय सभाओं के अध्यक्ष/मंत्री एवं पदाधिकारियों से अनुरोध है महासभा एवं ''गहोई बन्धु'' के जिन सदस्यों का स्वर्गवास हो गया है या नाम/पते में त्रुटि हो तो कृपया महासभा महामंत्री को शीघ्र सूचित करने का कष्ट करें। धन्यवाद। **–उमाशंकर लहारिया, महामंत्री महासभा**

वैवाहिक जानकारी **वर चाहिए** वैवाहिक जानकारी

नाम - कु. सोनम
पिता — श्री आर.के.गुप्ता सब इंजीनियर, बैकुण्ठपुर (छ.ग.)
जन्म — 2 मार्च 1987 (प्रातः 5.55 मिनट)
ऊँचाई — 5 फीट 3 इंच मामा–बहरे
आंकना — रावत गौत्र–वाच्छल,
शिक्षा — बी.ए., एम.एस. भोपाल
सम्पर्क सूत्र — (1) श्री जगदीश प्रसाद रावत (शिक्षक), 510 पाण्डेय अस्पताल के सामने, पुरानी बेलाई टीकमगढ़ रोड, मऊरानीपुर झांसी मोबा. 9616320751
(2) श्री आर.के.गुप्ता (सब इंजीनियर) प्रेमा बाग सिचांई विभाग कॉलोनी, बैकुण्ठपुरा जिला–कोरिया छत्तीसगढ़ मोबा. 9926125991
G-1064

नाम* - *कु. प्रीति
पिता — श्री दयाराम गुप्ता
जन्म — 13 मई 1984
गौत्र — वासल आंकना–बेहरे मामा–नौगरैया
ऊँचाई — 5 फीट 1 इंच
शिक्षा — एम.ए. संस्कृत, डी.एड.
सर्विस — सरकारी शिक्षिका संविदा वर्ग–2
संपर्कसूत्र — श्री दयाराम गुप्ता किराना मर्चेन्ट, ईशा नगर तिराहा, गल्ला मण्डी रोड, नौगांव, जिला–छतरपुर (म.प्र.)
मो–9893018019, 9074000981
प्राथमिकता – शासकीय सेवारत
G-1073

नाम* - *कु. प्रियंका
पिता — श्री अशोक कठल
जन्म — 08 जुलाई 1988 (02:00 पी.एम., जबलपुर)
ऊँचाई — 5 फीट
शिक्षा — बी.ई. (इलेक्ट्रीकल, इलेक्ट्रोनिक्स)
सर्विस — लेक्चरार (खालसा इंजी. कॉलेज, जबलपुर)
संपर्कसूत्र — श्री अशोक कठल, म.नं. 549 मन्नूलाल हॉस्पिटल के पास, दीक्षितपुरा, जबलपुर फोन–0761–2652017
G-1074

नाम - कु. सारिका
पिता — श्री सुरेशचन्द्र लोहिया, (रिटा. प्रिंसीपल फरीदाबाद)
जन्म — 14–10–1984 (02:30 पी.एम.) कौंच
ऊँचाई — 5 फीट 1 इंच
शिक्षा — एम.बी.ए. (एच.आर.) LIMAT, Faridabad
सर्विस — HR Executive in Richa Industries Ltd. Faridabad
संपर्कसूत्र — श्री सुरेशचन्द्र लोहिया, (रिटा. प्रिंसीपल फरीदाबाद)
फोन–0129–4100825, मोबा.–09891289434
ashishlucky14@gmail.com
G-1068

नाम - **कु. आभा**
पिता & श्री योगेन्द्र कस्तवार (रिटा.)
माता — श्रीमती प्रभात कस्तवार
जन्म — 22–02–1983 (दोप. 02:45 बजे, धमतरी)
ऊँचाई — 5 फीट 1 इंच
शिक्षा — बी.कॉम., एम.बी.ए. मार्केटिंग, आई.टी. (पूना)
सर्विस — विप्रोटेक पूना
संपर्क सूत्र — (1) योगेन्द्र कस्तवार, एल.आई.जी. 56 गौतम विहार देवपुरी, रायपुर (छ.ग.) मोबा.–09425525669
(2) आलोक कस्तवार मोबा.–09424141581
G-1075

Email : akastwar007@yahoo.com

जन्म कुण्डली

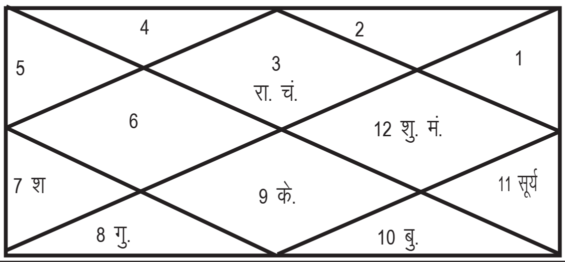

नाम - **डॉ. शुचि**
पिता & श्री सुरेश कुमार कठल
माता — श्रीमती सुनीता कठल गौत्र–जैतल
जन्म — 01–03–1985 मामा–लोइया
ऊँचाई — 5 फीट 5 इंच
शिक्षा — बी.डी.एस.
संपर्क सूत्र — मे. महेशकुमार सुरेशकुमार कठल, डीलर–भारत पेट्रोलियम गाडरवारा, जिला–नरसिंहपुर (म.प्र.) फोन–07791–2255312
मोबा.–9406512000, 9406612000, 9406712000
प्राथमिकता–उच्च शिक्षित सर्विस क्लास, उच्च व्यवसायी
G-1076

संवत 2041 शाके 1906 फाल्गुन मासे शुक्ल पक्षे 9 तिथौ शुक्रवासरे 18/19 उप 10 तिथौ मृगशिरा नक्षत्रे 26/3 सूर्य 10/16/41/36 इष्टकाल 22/29 लग्नोदये 3/12/19/40 मृगशिरा नक्षत्रे 4 चरण। राशिनाम–कीर्ति राशि–मिथुन स्वामी–बुध–वर्ण–शूद्र, योनि–सर्प, गण–देव, नाड़ी–मध्य, जन्म स्थान–गाडरवारा

जन्म कुण्डली

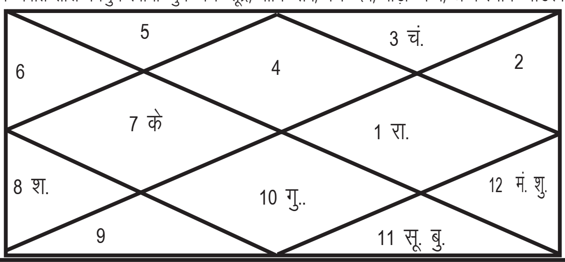

नाम - **कु. मिनी**
पिता & श्री राजेन्द्र ग्याप्रसाद गुप्ता
जन्म — 29 मार्च 1985 (दोपहर 3.20 धुलिया महाराष्ट्र)
ऊँचाई — 5 फीट 6 इंच
शिक्षा — बी.ई.,(ई.एण्ड टी.सी.), एम.टेक. (अध्यनरत)
आंकना — छिरौल्या, गौत्र–गोल
संपर्क सूत्र — श्री राजेन्द्र प्रसाद ग्याप्रसाद गुप्ता 39–ए सहजीवन नगर, दुध डेयरी रोड, धुलिया महाराष्ट्र
मोबा. 9372626467, 9850483719,9822298539
G-1036

नाम - **कु. श्वेता**
पिता & श्री रामगोपाल गुप्ता आंकना–बड़ेरिया
जन्म — 4 जुलाई 1982
ऊँचाई —
शिक्षा — एम.एस.सी., बी.एड., पी.जी.डी.सी.ए., म.प्र. प्री. पी. एस.सी., प्री में दो बार सिलेक्ट
संपर्क सूत्र — (1) श्री आर.एन.गुप्ता, अपर कलेक्टर रायसेन
मोबा. 9425111349
(2) श्री रामगोपाल बडेरिया, शिवपुरी मोबा. 9425488569
G-1077

नाम. - कु. पायल

पिता & स्व. श्री रतनलाल लोहिया
जन्म – 3 मई 1982(भोपाल) 5.35 सायं
ऊँचाई – 5 फीट 2 इंच
शिक्षा – एम.एस.सी., कम्प्यूटर साइंस, बी.एंड
आंकना – लोहिया, गौत्र–कोहिल, मामा–तीतबिलासी
संपर्क सूत्र – संजीव लोहिया डॉ. सन्मुखदास दवाखाना के पीछे पुरानी बस्ती कटनी मोबा. 8982077335
G-1078

संवत् 2039 शाके 1904 वैशाख मासे शुक्ल पक्षे सोमवासरे एकादशयाम् तिथौ 46/10 पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्रे घटी 34/37 पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्रस्य चतुर्थ चरणे। इष्टकाल 30/09 सिंह राशिः राशि स्वामी सूर्यः मनुष्य गणः मध्य नाड़ी ।

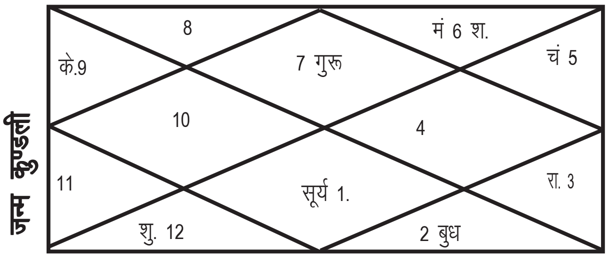

नाम. - कु. प्रियंका

पिता & श्री रघुवीरप्रसाद नौगरैया (शा. शिक्षक)
जन्म – 27 मई 1981 आंकना–नौगरइया
ऊँचाई – 5 फीट 2 इंच गौत्र–गांगल
शिक्षा – एम.एस.सी., बी.एड., एल.एल.बी. आयुर्वेदिक रत्न
व्यवसाय – फूड डिमोन्सटेटर (पोषण पुनर्वास केन्द्र) पलेरा
संपर्क सूत्र – रघुवीर प्रसाद गुप्ता, महावीर कॉलोनी जैन मन्दिर के पास, पलेरा जिला–टीकमगढ़ मोबा. 9752545900
G-1079

नाम. - कु. निधि

पिता & श्री मिथलेश कुमार कुचिया आंकना–कुचिया
जन्म – 6 जनवरी 1985 (07 ए.एम. उरई) गौत्र–वाच्छिल
ऊँचाई – 5 फीट ढाई इंच
शिक्षा – एम.एस.सी. (रसायन) एम.बी.ए.,एन.आई.ई. टी ग्रेटर नोयडा
संपर्क सूत्र – (1) श्री मिथलेश कुमार कुचिया, नई बस्ती समथर झांसी मोबा. 9452575032
(2) डॉ. मनीष गुप्ता चिकित्सा अधिकारी सी.एच.सी. कोंच जालौन मोबा. 9936710273
G-1083

नाम. - कु. चन्द्रकांता

पिता & श्री रघुवीर प्रसाद नौगरैया (शा. शिक्षक)
जन्म – 18 मई 1983 आंकना–नौगरइया
ऊँचाई – 5 फीट 2 इंच गौत्र–गांगल
शिक्षा – एम.एस.सी., (जूलोजी), एम.ए. (हिन्दी), बी.एड., पीजीडी सी.ए.
सर्विस – शासकीय अध्यापक
संपर्क सूत्र – रघुवीर प्रसाद गुप्ता, महावीर कॉलोनी जैन मन्दिर के पास, पलेरा जिला–टीकमगढ़ मोबा. 9752545900
G-1080

नाम. - कु. डॉ. मोहिनी

पिता & उमाशंकर तीतविलासी
जन्म – 19 अगस्त 1983 (09:05 ए.एम.)
ऊँचाई – 5 फीट 3 इंच गौत्र–भाल
शिक्षा – एम.बी.बी.एस. (पीजी प्रयासरत)
सर्विस – सामु. स्वा. केन्द्र करैरा (शिवपुरी)
संपर्क सूत्र – (1) गौरीशंकर तीतविलासी, कैररा (शिवपुरी) मो–7898645553
(2) उमाशंकर तीतविलासी, कैररा (शिवपुरी) मो–9753246695
प्राथमिकता–मेडिको, एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.डी.,
G-1084

नाम. - कु. प्रियंका

पिता & श्री सरमन लाल रेजा आंकना–रेजा
जन्म – 9 दिसम्बर 1988 (प्रातः 6.10 उरई) मामा–बरसैंया
ऊँचाई – 5 फीट 4 1/2 इंच
शिक्षा – बी.एस.सी., (बायोलॉजी), एम.एस.सी. फाइनल
संपर्क सूत्र – (1) श्री सरमन लाल रेजा कोल डिपो हाथी मन्दिर के पास करमेर रोड उरई जिला–जालौन फोन : 05162–253477 मोबा. 09336184097
(2) श्री ओमप्रकाश सेठ दलाल दाल बाजार लश्कर मोबा. 09425116791
G-1081

नाम - कु. दीपा

पिता & श्री जगदीश शरण गुप्ता
जन्म – 16–09–1982
ऊँचाई – 5 फीट 5 इंच
शिक्षा – बी.एस.सी., एम.ए. सीटी
सर्विस – लेखापरीक्षक लोकल ऑडिट ऑफिस रक्षा विभाग मुरार (ग्वालियर)
संपर्क सूत्र – श्री जगदीश शरण गुप्ता, 158, लक्ष्मीगंज झांसी (उ.प्र.) मोबा.:–97952–47300
(2) श्री विवेक सेठ, न्यू व्यराइटी मेडीकल, मिर्नवा चौराहा झांसी (उ.प्र.) मोबाः–98898–20393
G-1085

नाम. - कु. पारूल

पिता & श्री सीताराम गुप्ता (ज्वैलर) आंकना– ददरया
जन्म – 27 सितम्बर 1986 (9.30 पी.एम. सागर) गौत्र–वाच्छल
ऊँचाई – 5 फीट 3 इंच
शिक्षा – एम.बी.ए.
संपर्क सूत्र – (1) श्री सीताराम गुप्ता MIG 258 Aishbag Bhopal फोन : 0755–2683870 मोबा. 09981045016, 9425392534
(2) श्री एम.पी.गुप्ता 1/8 नियर ऐशबाग रेल्वे क्रांसिग भोपाल फोन : 0755–2756503 मोबा. 9425607792
G-1082

नाम - कु. सोनाली (देवगण)

पिता & श्री विष्णुकुमार पहारिया (गोत्र–वाच्छल)
जन्म – 01–07–1984 (01:15 ए.एम., अकोला (महा.))
ऊँचाई – 5 फीट 7 इंच मामा–तीतविलासी
शिक्षा – बी.ई. कम्प्यूटर सांइस एण्ड इंजीनियरिंग
सर्विस – System Analyst ATOS Origin (MNC)-Pune
संपर्क सूत्र – (1) श्री विष्णुकुमार पहारिया, कोल्हटकर मंगल कार्यालय के पास, निबंध फ्लेट्स, राजेश्वर कॉलोनी, जठार पेठ, अकोला (महा.) फोन–0724–2491341 मो–09975629735
(2) श्री योगेश नौगरैया, भोपाल फो–0755–4240114 मो–9827052676
प्राथमिकता–B.Tech./B.E./M.Tech./M.C.A.
G-1087

नाम - **कु. पूनम** (आंशिक मांगलिक)
पिता & श्री प्रभातकुमार खरया
माता – श्रीमती बसंती खरया
जन्म – 7 जून 1987 (07:40 ए.एम., गोटेगांव)
ऊँचाई – 5 फीट
शिक्षा – बी.ई. (इलेक्ट्रोनिक्स एवम् कम्यूनिकेशन)
सर्विस – पूना में
संपर्क सूत्र – प्रभात कुमार खरया, कैरोसिन थोक डीलर
G-1086 गोटेगांव मोबा–9425468174

राशि–कन्या, वर्ण–वैश्य, गण–देवता, नाड़ी–आदि, स्वामी–बुध, नक्षत्र–हस्तनाम, चरण–चौथा, योनि–महिष, गोत्र–कौशल राशि का नाम–''3'' अक्षरों में

जन्म कुण्डली

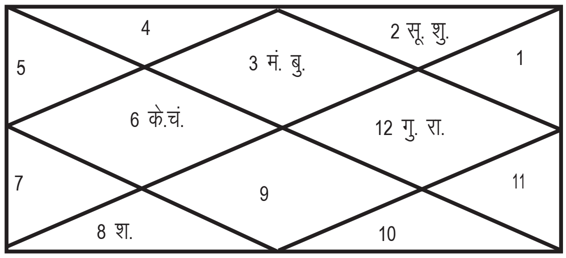

नाम - **कु. सोनल**
पिता & श्री राजेन्द्रकुमार गुप्ता
जन्म – 06–03–1986 (11:45 रात्रि, भोपाल)
ऊँचाई – 5 फीट 4 इंच
आंकना – बेहरे, गोत्र–वासल, मामा–बड़ौन्या
शिक्षा – बी.ई. आनर्स (कम्प्यूटर सांइस इंजीनियरिंग)
सर्विस – साफ्टवेयर इंजीनियर, इन्फोसिस टेक्नोलॉजी लि. पूना
संपर्क सूत्र – राजेन्द्रकुमार गुप्ता, 171 आराधना नगर, कोटरा, सुल्तानाबाद
G-1088 भोपाल–03, फोन–0755–2770768, मोबा.–9826042419

नाम - **कु. नीलम**
पिता & श्री मदनलाल पहारिया (कोच्छल)
जन्म – 22 अप्रैल 1981 (6.41 पी.एम. ग्वालियर)
ऊँचाई – 5 फीट 2 इंच
शिक्षा – एम.एस.सी. (गणित), बेसिक कम्प्यूटर डिप्लोमा, प्रोग्रामिंग सी एण्ड सी.++
सर्विस – एडिटर एण्ड फैकल्ट्री (मास्टर माइन्ड क्लासेस ग्वा.)
संपर्क सूत्र – श्री मदनलाल पहारिया, 375 तानसेन नगर, ग्वालियर
फोन : 0751–4072469 मोबा. 9301123903
G-1090 Email-madanlalpahariya@gmail.com

नाम - **कु. सोनम**
पिता & श्री अरविंद कुमार बरौनिया
जन्म – 20–01–1986 (05:10 एएम दिल्ली)
ऊँचाई – 5 फीट 2.5 इंच मामा–ददरया
आंकना – बरौनिया, गोत्र–वाच्छल,
शिक्षा – Master in Journalism & Mass Communication from IMS Noida
सर्विस – Working as production Executive in Zee News, Noida
संपर्क सूत्र – (1) ए.के. बरौनिया, सी–369, सूर्या नगर, गाजियाबाद
फोन–0120–4129955 मोबा.–09871160557
arvindkumarbaronia@gmail.com
G-1089 (2) श्री धीरज सरावगी, मो–09819814653, 09820214653

नाम - **कु. छवि**
पिता & श्री लक्ष्मीनारायण कुदरिया (रेलवे जे.ई.)
जन्म – 07 अप्रैल 1984 गोत्र–भाल
ऊँचाई – 5 फीट 2 इंच मामा–खरया
शिक्षा – बी.कॉम. , एमएफसी (कम्प्यूटर)
संपर्क सूत्र – श्री लक्ष्मीनारायण कुदरिया, 167 दारू बुन्देला
झांसी (उ.प्र.)
G-1091 मोबा.–9415585008, 05102351182

अक्षय निधि

समाज के सभी दानदाताओं बन्धुओं से अपील की जाती है कि समाज हित के लिये खुले दिल से दान दें

यह एक ऐसी योजना है जिससे समाज के ऐसे लोगों की सहायता प्रदान की जावेगी, जो अर्थ के अभाव में
(1) उच्च शिक्षा
(2) गंभीर रोगों का इलाज
(3) निराश्रित, महिलायें
(4) स्थानीय पंचायतों के गहोई भवन निर्माण हेतु एंव आकस्मिक विपदाओं पर सहायता की जा सके ।

उन सभी दानदाताओं से भी अपील की जाती हे जिन्होंने इस मद में घोषणा की है वे अपनी दान राशि कोषाध्यक्ष महासभा के पास शीघ्र भिजवाने का कष्ट करें ।

अपीलकर्त्ता

सुभाषचन्द्र गुप्ता
अध्यक्ष
अखिल भारतीय अक्षय निधि प्रभारी

राधेश्याम कुचिया
अध्यक्ष
अखिल भारतीय गहोई वैश्य महासभा

With best compliment from

Vostok & Wilcure Remedies

Manufacturer, Importer & Exporter of Quality Pharmaceutical Products

Dr. J.K. Saraf (MBBS)
101, Vishnupuri Main Indore
Tel. 2461352, 2476684 Cell-98260-62054

Mr. Devendra Saraf (M. PHARM.)
101, Vishnupuri Main Indore
Mobile : 94250-54435

an ISO 9001 - 2000 approved company
15-16-21, Rajaswagram Chhatribagh, Indore - 2
Tel No. (O)2362054, 2763953, 2468107 fax : 0731-2479176

OUR ASSOCIATES

Saraf & Associates	Er. Santosh Saraf (B.E. Hons.) 940/A, Civil Lines Behind Sita Hotel, Jhansi (U.P.) Ph. NO. 2445781
Sagar Bidi Works	Pramod Saraf (Advocate) Rehli Distt. Sagar (M.P.) Phone : 07585-256272
Precise Pharma	Mr. Narendra Saraf Jhansi (U.P.) Ph NO. 2440994
Excel Peripherals	Mr. Shailendra Saraf Indore (M.P.) Ph NO. 2763084

Visit us at www.vostakandwilcurecom, e-mail : vostoklab@rediffmail.com

राष्ट्रीय एकता होली में

वीर बन्धु है पर्व दशहरा, नवल वधू हैं दीवाली ।
पर्व श्रावणी बहिन द्विती, होली है सरहज साली ।
जाति–पांति और भेदभाव के जले मनो मालिन्य सभी ।
हिरणकश्यप के अंहकार की बहन जल गई होली में ।।

सब धर्मों की सरितायें आ मिली, प्यार के सागर में ।
खुले हृदय के द्वारा जला सारा अंतर्मल होली में ।।
भाग गया डरकर रंजोगम, होली के हुड़दंगों से ।
हंसी ठिटोली नाच रही हैं, घुंघरू पहिने होली में ।।

छाये हैं गुलाल के बादल, इन्द्रधनुश उतरा भू पर।
नहीं समाता सीने में दिल उछल रहा है होली में।।
सारे बंधन मर्यादायें लोक लाज दीवानें हैं ।
चढ़ा भांग का नशा, सुरा मदमाती फिरती होली में।।

मुस्का रहा गुलाल मनोहर, गोरे–गोरे गालों पर ।
मजा ले रहे मधुर–मधुर संबंध महकते होली में ।।
फूलों से कर रहीं तितलियां, मोरे प्यार भरी बातें ।
आया है बसन्त सजधज कर मजा लूटने होली में।।

हर अंचल की अपनी खुशियां, छवियां साज बाज सुंदर ।
थिरक रहे हैं राधा–माधव ब्रज मण्डल में होली में।।
दुनियां बालो दफनादो हथियार द्वेष दादागिरी ।
तन,मन अपना रंग डालो, इस प्यार भरी रंगोली में।।
नहा रहा है देश समूचा रिमझिम रंग फुहारों मे ं।
दर्शनीय है देह धरे राष्ट्रीय एकता होली में ।।

–डॉ. सीताराम गुप्त 'दिनेश

नेत्र ज्योति की अमर कहानी

नेत्र ज्योंति की अमर कहानी, अमर ज्योति जन जन तक पहुंचानी ।
आंख मानव का श्रृंगार, आंखन होवे तो सब लाचार ।।
आंख की देख भाल है करनी, आंख सदैव सुरक्षित है रखनी ।
आंख की साफ सफाई नित्य करनी, आंख की चमक हमेशा है रखनी ।।
आंख को चोट दुर्घटना से बचाना, सुरक्षात्मक चश्में उपयोग में लाना ।
आंख को तेज रोशनी से बचाना, बहुत कम रोशनी में नही हैं पढ़ना ।।
उच्च रक्तचाप हैं आंख का दुश्मन, मधुमेह से भी होता हे रोशनी का क्षरण ।
धूमपान, गुटका, तंबाकू का करें त्याग, मंधपान को भी करें नमस्कार ।।
सूर्य, चन्द्रगहण को कभी न देखें, बेल्डिंग आर्क रोशनी भी न देखें ।
गुणवत्ता पूर्ण अच्छे लेंस, कांच, पहनें, आंखे नुकसानदायक अल्ट्रावायलेट किरणों से बचायें।
हरी सब्जी सलाद गाजर, पपीता खाना, आंख को कुपोषण से बचाना ।।
गर हो जाये कांचबिंद, मोतियाबिंद, तुरंत उसका इलाज करवाना ।
जब गढ़ने लगे आंखे और लाली पानी, योग्य चिकित्सक का परामर्श पायें ।।
अंधविश्वास न फटकने पायें, घर का देशी इलाज न रोग भगाये ।
जन्मजात मोतियाबिंद, भेंगापन है हटना, संस्थागत अवश्य करवाना ।
छात्रों अध्यापको को है बीड़ा उठाना, अंधत्व को है दूर भगाना ।।
स्वयंसेवी सस्थाओं को है आगे आना, राष्ट्रीय कार्यक्रम हो है सफल बनाना ।
जन सामान्य में नेत्र शिक्षा को है फैलाना, नेत्रदानका है महत्व समझाना ।।
नेत्र शिविरों को और अधिक उद्देश्यपूर्ण है बनाना, योगव्यायाम हो हे अपनाना ।
स्वस्थ्य दृष्टि रखें हमेशा, सुरक्षित भविष्य करें हमेशा।
दृष्टि का है यह आव्हान, जन –जन की रोशनी हो बलवान ।।

–अनिल गुप्ता, छिंदवाड़ा

जबलपुर के वरिष्ठ जनों में जोश

प्रिय बन्धुओं, सादर अभिवादन। गहोई वैश्य समाज जबलपुर के ऊर्जावान वरिष्ठजों के साथ दिनांक 24 फरवरी 2011 को मेरी अध्यक्षता में समाज के लगनशील व जागरूक श्री फूलचन्द सेठ के निवास पर महत्वपूर्ण उमंग भरी सफल बैठक का आयोजन हुआ। एक ही दिन दिनांक 25–01–2011 को केन्द्रीय वरिष्ठ संघ की आजीवन सदस्यता चौदह महानुभावों ने श्री फूलचंद जी सेठ की प्रेरणा से ग्रहण की है। मैंने अपने जबलपुर प्रवास के समय नये सदस्यों के अभिनन्दन करने की इच्छा व्यक्त की। श्री सेठजी ने अल्प अवधि में सुबह से नये सदस्यों के साथ ही पूर्व केन्द्रीय आजीवन सदस्य, समाज सेवी वरिष्ठ जन, समाज के पदाधिकारियों को आमंत्रित कर अपनी कार्यक्षमता व कुशलता का परिचय दिया। बैठक में निम्नानुसार उपस्थिति रही–सर्व श्रीकृष्णदास बरसैंया केन्द्रीय प्रचार मंत्री महाकौशल, नये केन्द्रीय आजीवन सदस्य सर्व श्री फूलचंद सेठ, रामगोपाल ददरया, हरीशंकर कनकने, बाबूलाल लोहिया, गुलाबचंद बिलैया, नंदकिशोर नीखरा, रजनीकांत कस्तवार, विष्णुप्रसाद गुप्त (बेहरे), डॉ. गोविंददास बरसैंया, डॉ. कृष्णकुमार हूँकां, रामनारायण पहारिया, रमेशचंद बरसैंया, मुरारीलाल डॉ. श्याम सरावगी, जमनाप्रसाद पिपरसानियां, संतोषकुमार सुहाने, कामताप्रसाद सेठ, राजेन्द्रकुमार लहारिया, रमेशचंद नीखरा। स्थानीय वरिष्ठ संघ उपाध्यक्ष डॉ. राजा इन्दुरख्या व वर्तमान जबलपुर पंचायत के अध्यक्ष श्री सुनील कुरेलेजी ने आवश्यक कार्य से अनुपस्थितिवश शुभकामनायें प्रेषित कीं।

उपस्थित वरिष्ठजनों का उत्साह व उमंग देखते ही बनती थी, कारण अधिकतर महानुभाव उच्च पदों पर सक्रिय रह सेवानिवृत्त हुए हैं। सभी सदस्यों ने मुझे बड़ी आत्मीयता से सम्मानित किया। अपनों के बीच वरिष्ठ संघ की उपादेयता देख में भाव भिवोर हो गया। मैंने भी बैठक के मुख्य उद्देश्यानुसर सभी नये केन्द्रीय वरिष्ठ संघ आजीवन सदस्यों व उपस्थित लगनशील वरिष्ठ जनों को पुष्पमाला से सम्मानित कर केन्द्रीय वरिष्ठ संघ परिवार में शामिल होने पर बधाई दी। बैठक में वरिष्ठ संघ के महत्व व भूमिका पर उपस्थित प्रत्येक सदस्य ने क्रमवार अपने उद्‌गार व्यक्त किये। कई महत्वपूर्ण सुझाय आये, सभी का संकल्प था कि वरिष्ठ जनों के जीवन को हर तरह से सुखी व सम्मानपूर्वक बनाया जाये।

प्रत्येक वरिष्ठ जन की लालसा होती है उनके बच्चे आगे बढ़कर नाम कमायें, अतः प्रत्येक कदम पर युवा पीढ़ी को प्रोत्साहन दिया जावे। हम वरिष्ठ लोग अपना व्यवहार व दिनचर्या इस तरह रखें कि युवा वर्ग हमें स्वयं सम्मान देने को लालायित रहे। यदि हम आज के तीव्रगति से बदलते समय का ध्यान रखें कि वर्तमान में युवा वर्ग को कितनी कढ़ी मेहनत और प्रतिस्पर्धा से गुजरना पड़ रहा है तो वरिष्ठ जन और युवा वर्ग के बीच जो वैचारिक मतभेद बढ़ रहा है वह कम होगा और हम अपने बच्चों के लिये मददगार साबित होंगे।

अंत में सर्वसम्मति से निश्चय किया गया कि वरिष्ठ जन को संगठित व सक्रिय रखने हेतु स्थानीय वरिष्ठ संघ के गठन के लिये शीघ्र ही वरिष्ठजनों की बैठक आयोजित की जावेगी। इस हेतु सर्वसम्मति से श्री रामनारायण पहारिया को संयोजक मनोनीत किया गया। उपिस्थत वरिष्ठ जनों के जोश को देखते हुए आशा है शीघ्र ही जबलपुर जैसे प्रसिद्ध समाज के अंतर्गत स्थानीय वरिष्ठ संघ पुनः स्थापित हो नये आयाम स्थापित करेगा। अल्प सूचना पर सभी सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति के लिये श्री फूलचंद सेठ ने हार्दिक आभार व्यक्त किया। स्वल्पाहार उपरान्त सुख वातावरण में बैठक समाप्त हुई।

–शरद कठल अध्यक्ष अ.भा.ग.वै. वरिष्ठ संघ

श्री रामजानकी गहोई मन्दिर पूंछ (झांसी) पर गहोई पंचायत के तत्वाधान में पांच दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा का आयोजन सम्पन्न

पूंछ। दिनांक 13 फरवरी 2011 को कलश यात्रा के साथ पं. श्री भोले महाराज भदारी एवं उनके पुत्र पं. श्री कल्लू महाराज के वेद मंन्त्रोत्चारण के साथ कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ जिसमें मुख्य यजमान के रूप में श्री दिनेश कुमार महतेले एवं उनकी पत्नि श्रीमती ममता महतेले आगे–आगे चल रही थी साथ में गहोई संरक्षक मण्डल के सदस्य श्री अवध शरण कुरेले, रामशरण कंदेले रामेश्वर दयाल वरदिया, डॉ. सुरेन्द्र कुमार बिलैया, हिम्मत राम वरदिया, रामसेवक नीखरा, राधेश्याम कनकने, कौशल किशोर लहारिया, साथ ही सैकड़ो की संख्या में महिलायें कलश लिये मंगलगीत गाती हुई चल रही थी।रामदास सोनी जगन्नाथ यादव नन्न, लल्लू यादव आदि ने कलश यात्रा को भव्य रूप प्रदान करने में विशेष सहयोग किया।दिनांक 14 फरवरी 2011 को कार्यक्रम के द्वितीय दिवस को मूर्तियों का अभिषेक कराया गया अंत में जलाभिषेक में सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया व्यवस्था बनाये रखने के लिए गहोई नवयुवक मंडल के अध्यक्ष अमितकुमार कंदेले, मंत्री दीपक मलैया, उपाध्यक्ष श्री प्रकाश मोर, कोषाध्यक्ष जयप्रकाश कुरेले, राजीव वरदिया, संजीव सोनी, सागर मोर, पुष्पेन्द्र लहारिया, अमित नीखरा, राजेश कंदेले, गगन नीखरा, राकेश वरदिया, आदि का विशेष सहयोग रहा।

दिनांक 15 फरवरी 2011 को श्रीरामजानकी एवं लक्ष्मण जी की शोभायात्रा सज धज के साथ निकाली गयी जिसमें घोड़े, वहरूपिया, बैण्ड एवं डी.जे.के साथ नगर भ्रमण करते हुए शोभायात्रा निकाली गयी जिसमें गहोई समाज एवं अन्य समाज के श्रद्धालु लोगों ने टीका, चढ़ोती के साथ आरती की श्री लाखन सिंह यादव ग्राम प्रधान, पूंछ, रामकुमार कंदेले, ओमप्रकाश कंदेले, राजेश नीखरा, चन्द्रप्रकाश नीखरा, डॉ. सुरेन्द्र बिलैया, लालकृष्ण सोनी, लखनलाल कंदले, विनोद कंदेले, द्वारकाप्रसाद मलैया, आदि ने श्रद्धालुओं को स्वल्पाहार कराया यात्रा नगर भ्रमण करती हुयी श्री रामजानकी गहोई मन्दिर पर पहुंची जहां आरती भोग परसादी के साथ यात्रा का समापन हुआ।

दिनांक 16 फरवरी 2011 को प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम विधि विधान के साथ सम्पन्न हुआ पांव पखराई में वसोव वाले दाऊ सपत्नि, गणेशचन्द्र पालीवाल, भूपसिंह यादव, मुन्ना अग्रवाल, बृजकिशोर नीखरा, बृजमोहन कंदेले, विनीत सोनी, भगवत सोनी, रामेश्वर नीखरा, रमेश नीखरा, रामप्रकाश नीखरा, लक्ष्मीनारायण कुरेले, मिथलेश कनकने, दिनेश कंदेले, कृष्ण कुमार कंदेले, मुरारीशरण कठिल, रामकिशोर कुरेले, आदि ने भगवान की पांव पखराई में वस्त्र, आभूषण, बर्तन, मिष्ठान्न आदि सामान भेंट किये ।दिनांक 17 फरवरी 2011 अन्तिम दिवस को प्रातः हवन तथा हवन पश्चात कन्या भोज का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें समस्त गहोई समाज की महिलायें एवं पुरूष, समस्त ग्रामवासियों ने पूर्णाहुति में भाग लेकर और परसादी ग्रहण की।

दिनांक 17 फरवरी को सायं 7 बजे गहोई पंचायत पूंछ (झांसी) की एक आम बैठक सम्पन्न हुई जिसमें गहोई पंचायत के कोषाध्यक्ष श्री रामप्रकाश कुरेले ने आय व्यय का लेखा–जोखा प्रस्तुत किया एंव श्री सीताराम लहारिया ने मुख्य यजमान एवं श्रीमती श्री दिनेश महतेले को शाल, श्रीफल भेंटकर देकर सम्मानित किया गया।

अंत में गहोई पंचायत अध्यक्ष श्री रामबाबू कनकने द्वारा कार्यक्रम के सफल आयोजन पर सभी सहयोगियों का आभार एवं भविष्य में इसी तरह सहयोग करने की अपील के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

–रामबाबू कनकने, अध्यक्ष गहोई पंचायत पूंछ

ग.दिवस मकर संक्राति पर्व–सालोन बी भाण्डेर–दतिया

भाण्डेर। भगवान सूर्य देव गहोई वैश्यों के आराध्य देव को नमन वंदन करते हुये भगवा ध्वज पर 12 रश्मियों के आधार स्वरूप 12 गौत्र वृहत्तर आंकनों में समाहित मकर संक्राति पर्व गहोई वैश्य दिवस के रूप में 14 जनवरी 2011 को पांचवी बार सन् 2007 से लगातार ग्राम सालोन बी भाण्डेर दतिया में ग.वै. अ.भ. मा. सभा सदस्य तुलसीराम जी कुदरिया अग्रज की अध्यक्षता में मनाया गया।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित करते हुये महासभा ध्वज पर अंकित बाल्यस्वरूप भगवानसूर्य भगवान की 12 रश्मियों से अंकित ध्वज फहराया गया। ध्वज गीत व महासभा गीत गाकर सबको मंत्र मुग्ध किया बच्चों को चाकलेट वितरण कर आनंद लिया। शाम को परिवार की महिलाओं ने भजन कीर्तन कर प्रसाद वितरण पश्चात ग.वै. दिवस के आयोजन में चार चांद लगाकर अपनी उपस्थिति के साथ प्रस्तुति दी । समापन में आभार श्री नारायण दास कुदरिया ने सम्बोधन किया। **–नारायण दास कुदरिया, भाण्डेर**

गहोई वैश्य पंचायत झांसी के पंच श्री नरेश गुप्ता (तीतबिलासी) का भव्य सम्मान

झांसी ।दिनांक 30 जनवरी 2011 को श्री गहोई वैश्य समाज शिवाजी नगर, मेडीकल क्षेत्र झांसी द्वारा इस क्षेत्र के नव निर्वाचित गहोई वैश्य पंचायत के पंच नरेश गुप्ता तीतबिलासी, (राजू) रक्शा का भव्य सम्मान समारोह का आयोजन पूर्ण गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। इस सम्मान समारोह को निर्वतमान अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार चउदा की अध्यक्षता में एवं समस्त नव निर्वाचित पदाधिकारियों, क्षेत्र के गणमान्य सामाजिक बन्धुओं कों उपस्थिति में सम्पन्न किया गया।

कार्यक्रम में वर्तमान अध्यक्ष श्री जगदीश कटारे द्वारा शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। निर्वतमान अध्यक्ष प्रमोद कुमार चउदा ने पुष्प गुच्छ देकर पंच महोदय का सम्मान किया। तत्पश्चात् अन्य उपस्थित बंधुओं ने राजू (रक्शा) को फूल मालाओं से लाद दिया।

अपने संक्षिप्त उद्बोधन में श्री नरेश गुप्ता ने समाज हित में अपने आप को तन,मन,धन से समर्पित करने का वचन दिया एवं विश्वास दिलाया कि पूर्व की भांति वह हमेशा समाज की प्रगति के लिए तत्पर रहेंगे। समारोह का संचालन महामंत्री मिलन नीखरा द्वारा किया गया।

-श्री मिलन नीखरा

श्री गहोई वैश्य समाज द्वारा सूर्य पूजन

खितोला । गत दिवस गहोई वैश्य समाज खितौला द्वारा सूर्य पूजन का आयोजन बड़ी ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

आयोजन के प्रथम चरण में गहोई वैश्य समाज श्री गोविन्द सुहाने अध्यक्ष एवं महिला मंडल अध्यक्ष एंव पार्षद श्रीमती कृष्णा सरावगी तथा नवयुवक मंडल द्वारा भगवान भुवन भास्कर के छायाचित्र पर तिलक लगाकर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर विधी विधान तथा सभी को प्रसाद वितरण किया गया। तत्पश्चात समाज के सभी स्त्री पुरूष व बच्चों ने सामूहिक रूप से स्वल्पाहार ग्रहण किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में समाज के सचिव मनोज पहारिया श्याम सुन्दर सरावगी मैथिलीशरण नायक, राकेश पहारिया, आनंद तपा महिला मंडल सचिव श्रीमती सुधा पहारिया कोषाध्यक्ष श्रीमती आरती नायक, अंजु पहारिया समाज की समस्त महिलाओं, पुरूषों एवं युवक मंडल के सभी सदस्यों का सहयोग रहा।

अंत में महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा सरावगी द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

-श्री गोविन्द सुहाने, अध्यक्ष

डॉ. गोविन्द दास बरसैंया एड. की हीरक जंयती पर ग.वै. सेवा समिति द्वारा भावपूर्ण अभिनंदन

जबलपुर ।श्री गहोई वैश्य सेवा समिति की स्थापना की पच्चीसवीं वर्षगांठ के सुअवसर पर डॉ. गोविन्द दास बरसैंया एडवोकेट की साठ वर्ष की आयु पूर्ण होने पर उनकी यशस्वी हीरक जंयती पर स्नेहपूर्ण अभिनंदन समारोह का आयोजन गोपाल सदन श्री कृष्ण कुमार इंदुरख्या की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। सेवा समिति के संस्थापक सदस्य तथा गहोई वैश्य समाज के पूर्व अध्यक्ष श्री रामेश्वर प्रसाद नौगरैया ने श्री बरसैंया के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए समाजसेवा के क्षेत्र में किये गये विगत पंच्चीस वर्षों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। डॉ. कृष्ण कुमार हूंका, डॉ. वीरेन्द्र मातेले, श्रीमती रवि बाला छिरौल्या, गोविन्द कुमार नौगरैया, प्रकाशचन्द्र पहारिया, कृष्ण कुमार इन्दुरख्या आदि ने श्री बरसैंया की विविध बहु आयामी सामाजिक शोधार्थी, विधिवेत्ता, शैक्षणिक इत्यादि सेवाओं तथा उपलब्धियों पर विचार व्यक्त किये गये। सभी ने तिलक लगाकर डॉ. बरसैंया का स्वागत किया तथा श्रीफल एवं शाल ओढ़ाकर हार्दिक अभिनंदन किया। इस अवसर पर डॉ. श्रीमती उर्मिला बरसैंया तथा डॉ. गोविन्द दास बरसैंया सपत्नि दो माह तक विदेश यात्रा करने पर सेवा समिति द्वारा विशेष स्वागत भी किया गया। गहोई युवा मंच आदि संस्थाओं द्वारा श्री बरसैंया के यशस्वी जीवन के लिये शुभकामनायें व्यक्त की गई । **–कृष्णकुमार इंदुरख्या, जबलपुर**

गहोई वैश्य सामुदायिक भवन का भूमि पूजन

रहली (सागर) ।बसंत पंचमी 8 फरवरी 2011 को माननीय पं. श्री गोपाल भार्गव पंचायत एंव विकास मंत्री म.प्र. शासन के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। जिसमें विशिष्ट अतिथि पं. श्री सौरभ हजारी अध्यक्ष नगर पालिका परिषद रहली श्री शिवकुमार नीखरा अध्यक्ष महाकौशल क्षेत्रीय सभा, श्री सतीश सेठ मंत्री महाकौशल क्षेत्रीय सभा पं. श्री राजेन्द्र जारौलिया मंत्री प्रतिनिधि, पं. श्री हरिकांत पाण्डेय एडवोकेट उपस्थित थे। जिसकी अध्यक्षता श्री बद्रीप्रसाद सेठ ने की । यह भूमि 39 वर्षों पहले 1972 में ग्राम पंचायत द्वारा धर्मशाला हेतु प्रदान की गई थी।

अध्यक्ष एवं सचिव ने सभी से अपील की है कि सभी सजातीय बंधु एंव गहोई सभा के पदाधिकारी सहयोग करे। इस अवसर पर पं. श्री गोपाल भार्गव ने कहा गहोई समाज का योगदान हमेशा राष्ट्र हित में रहा है इस समाज के योगदान को गिना जाये तो 64 पेज की कापी भर जायेगी। उन्होंने हर तरह का सहयोग देने की बात कही। श्री शिवकुमार नीखरा जी समाज के लिये धर्मशाला की जरूरत महसूस कर मंत्री से सहयोग प्रदान करने के लिए आग्रह किया और समाज राष्ट्रहित में अपना योगदान करती रहेगी। अंत में धर्मशाला निर्माण समिति अध्यक्ष उमाशंकर सराफ ने सभी का आभार प्रदर्शन कर सहयोग मांगा।

श्री सतीश सेठ ने समाज एकता पर प्रकाश डाला ओर इसके लिए रहली समाज को धन्यवाद दिया और आगे ऐसे ही रचनात्मक कार्यों से राष्ट्र को गौरवान्वित करने की बात की इस अवसर पर देवरी अध्यक्ष विनोद गुप्ता ने भी रहली समाज को धर्मशाला निर्माण में सहयोग करने की बात की एवं कार्यक्रम में रामगोपाल बजाज, उमाकांत बरसैंया आदि शामिल थे। इस अवसर पर श्री प्रमोद सराफ, लक्ष्मी नारायण सराफ, प्रेमनारायण सराफ, मथुराप्रसाद, हरिशचन्द्र सेठ, फूलचंद सेठ, संतोश सेठ, जगदीश सेठ, सुदामा प्रसाद, माखनलाल, बसंत सिपोल्या, कमलेश ब्रिजपुरिया, संतोष गुप्ता, औंकार सराफ, मनीष सिपौल्या, आदि समाज गहोई वैश्य मंडल एवं महिला मंडल अध्यक्ष अनीता सेठ (उपाध्यक्ष) संध्या ददरया, तृप्ति, स्वप्ना, मिथिला, सुनीता, चंदादेवी, संगीता, शांति, कांति गुप्ता एवं समस्त महिला मंडल रहली उपस्थित थी।

संदीप सराफ, सचिव रहली

महासभा की शताब्दी मनाने की तैयारी में हम सभी जाग्रत बंधु जुट जावें

महासभा की स्थापना स्वर्गीय श्रीमान नाथूराम जी रेजा, नरसिंहपुर एवं श्री बलदेव प्रसाद जी मातेले, उनके अभिन्न स्मरणीय सहयोगियों के शुभ प्रयासों से 7 अप्रैल 1914 को नागपुर में प्रथम महासभा अधिवेशन में हुई। हमारा स्थापना दिवस 7 अप्रैल 1914 है। सन 2014 में 100 वर्ष हो जावेगें। 97 वर्ष व्यतीत हो चुके हैं। सिर्फ 3 वर्ष का अल्प समय बाकी बचा है। इस अल्प समय में हम सभी को वैश्य शिरोमणि गहोई समाज को अपना खोया गौरव पुनः दिलाने हेतु संगठित होकर, सुदष्ढ़ एवं प्रगतिशील बनकर देश, धर्म, संस्कृति एवं संपूर्ण वैश्य समाज को संगठित करने का हर संभव प्रयास युद्धस्तर पर करने में जुट जाना चाहिए।

समाज की वर्तमान स्थिति :-

सन 1914 से लेकर 2011 तक हमारी क्या स्थिति रही है और आज क्या है ? यह हम सभी से छिपा नहीं है। देश में अन्य सभी जातियाँ संगठन की ओर, प्रगतिशील रचनात्मक कार्यों की ओर उत्साह के साथ बढ़ रही हैं। पर हम गहोई वैश्य जाति के वैश्यगण जो वैश्य समाज में शिरोमणि थे, विश्वसनीय थे, वह आपसी फूट, द्वेष, संकीर्ण, स्वार्थमय भावनाओं से अपने ही विचारों, क्रियाकलापों के द्वारा छिन्न–भिन्न होते चले जा रहे हैं। हमारे समाज के प्रबुद्ध वर्ग के लोग एवं शिक्षित नवयुवक अपने समाज के पिछड़ेपन एवं पतन के कारण गहोई वैश्य कहलाने में भी शर्म महसूस करते हुए समाज से दूर हैं। यह हम सभी कर्णधारों के लिए गंभीरता से सोचने एवं मनन करने की बात है।

हम राष्ट्र कवि गुप्तजी के वंशजों का दिन प्रतिदिन क्या हाल होता जा रहा है। सन 1914 से अभी तक महासभा द्वारा प्रतिवर्ष प्रस्ताव पारित हुआ करते हैं।कर्णधारों की उद्‌घोषणाएँ होती रही है। पर अधिकांश समस्याएँ आज भी बनी हुई हैं। महासभा एवं हम सभी द्वारा उनका पालन नहीं के बराबर है। ये सभी समस्याएँ संगठन के अभाव, जातीय प्रेम की कमी, महासभा की दयनीय आर्थिक स्थिति, जनसंपर्क का अभाव, कार्यकर्त्ताओं के अभाव के कारण ही हैं।

श्री लहारिया जी ने मार्च 2000 में लिखा था कि–''समाज हमारा वास्तविक दर्पण है।'' यदि समाज में विकृति पैदा होगी तो हमारी भावी पीढ़ी का भी विकास होना संभव नहीं है। यदि सामाजिक विकास करना है तो स्वयं को त्यागी व तपस्वी बनना होगा। सर्वविदित है कि स्वयं के हित में किये कार्य से आनंद मिलता है लेकिन आप दूसरों के हित के लिये तथा समाज के उत्थान के लिये जो कार्य करेंगे उसमें आपको परम आनंद एवं सम्मान की प्राप्ति होगी।

आइये हम सभी स्थापना दिवस के पावन पर्व पर शपथ लें–कि बुराइयों को त्याग कर सामाजिक प्रगति हेतु समर्पण भावना से समाज में आने वाली कुरीतियों एवं विसंगतियों को दूर करने का प्रयास करेंगे, तथा एक दूसरे से सामंजस्य बनाकर कार्य करेंगे। इससे निश्चित ही सफलता प्राप्त होगी और समाज प्रगति के पथ पर अवश्य ही अग्रसर होगा। निस्वार्थ भावना से किये गये कार्य निश्चित हीश्रेयस्कर होते हैं। किसी की भी आलोचना करने से पहले अपने आप में झांककर देखें, तो अवश्य ही ह्रदय परिवर्तन होगा और आपका सोच निश्चित ही सामाजिक हित में होगा।

हम सभी इक्कीसवीं सदी में हैं। इस नई सदी में हमें अन्य समाजों से प्रतिस्पर्धा कर अपने समाज के विकास की नई दिशाएँ खोजनी हैं। इस कार्य में जितनी देरी होगी उतने ही हम पिछड़ते जावेंगे। अतः हमें शीघ्र ही समाज को उन्नति की राह पर आगे चलने के लिए तैयार करना है। विकास के रास्ते में कौन–कौन सी रूकावटें या बाधाएँ है हमें इन सभी पर गंभीरता से विचार करना है।

समाज को शक्तिशाली बनाने हेतु अधिवेशनों की आवश्यकता होती है। लेकिन अधिकांश अधिवेशनों में पूरा समय चुनाव प्रक्रिया में जाता रहा है। साधारण कार्यकर्त्ता या सामाजिक बंधु–प्रबुद्ध वर्ग जिन्हें चुनाव लड़ने में कोई रूचि नहीं है और जो यह सोचकर अधिवेशन में आता है कि महासभा द्वारा विचारणीय मुद्‌दों, ज्वलंत प्रश्नों, समाज में फैली कुरीतियों, समस्याओं पर विचार विमर्श होगा, पर वह निराश होकर वापस आ जाता है।

अधिवेशनों में सभास्थल की सजावट, चल समारोहों की भव्यता और सांस्कृतिक आयोजन भी अपना महत्व रखते हैं। किंतु इन कार्यों में अधिक समय न लगाकर जातीय समस्याओं और उनके निराकरण के उपायों और समाज की प्रगति के लिए सक्रिय कदम उठाने आदि पर गंभीरता से चिंतन, मनन कर चर्चा करें। तभी हमारे अधिवेशन तथा सभायें सार्थक हैं। चुनाव प्रक्रिया में कम समय लगाकर निर्विरोध चुनाव कराने का प्रयास होना चाहिए, ताकि समाज उपयोगी चर्चाओं के लिए अधिक समय मिल सके। यदि हम निर्वाचन प्रक्रिया में

ही उलझे रहेंगे तो समाज में वैमनस्यता का वातावरण बना रहेगा, जो समाज हित में नहीं है। हमें समय का सदुपयोग करना चाहिए।

महासभा के मंच पर बड़े–बड़े भाषण भी होते हैं पंचायतों में सुधार की घोषणायें होती है पर वस्तुतः होता इसके विपरीत है। इससे सबसे बड़ी हानि यह होती है कि बुद्धिजीवी व्यक्ति में निराशा घर कर लेती है, और महासभा के प्रति जो सम्मान होना चाहिए, वह नहीं होता। महासभा के प्रस्ताव दिखावा मात्र हैं और वह समस्याओं की पूर्ति में समर्थ नहीं, इसी कारण अधिकांश

लोगों की आस्थाएँ महासभा जैसे विशाल संगठन के प्रति उपेक्षापूर्ण हो चली हैं। अधिवेशनों में एक बात और सामने आती है कि हम दिखावा अधिक करते हैं और कार्यक्रम। प्रदर्शनों में हम प्रतियोगिता करते हैं, आदर्शों में नहीं। ठोस तर्क हम देते हैं, ठोस कार्य नहीं करते। बड़े प्रस्ताव पारित करते हैं, बड़े कार्य नहीं करते। सौ प्रस्ताव पारित न करके एक प्रस्ताव पारित करें, परंतु उस पर अमल करें और यह कहने में समर्थ हो सकें कि हम जो कुछ कहते है वह करते हैं।

समाज को प्रगतिशील बनाने के लिए हमारा यह कर्त्तव्य है कि अब हम समय की मांग को सुनें और संगठित हो जावें। हमारे मार्ग में जो भी रोड़े अटकाएँ उनसे मुकाबला करके अपने आपको और समाज को उन्नति की ओर ले जावें। किसी कवि ने लिखा है कि–''उन खेतों में आग लगा दो, जो न हुए कभी हरे–भरे।

हमारे समाज के प्रत्येक स्वजातीय बंधु का कर्त्तव्य है कि समाज में प्रेम, एकता एवं सद्भावनाएँ बनाए रखें। सुधार की ओर अधिक से अधिक प्रयास करते रहना चाहिए। उनके ही सद्प्रयत्नों का असर आने वाली पीढ़ी पर पड़ेगा और समाज बरबादी के गहरे गर्त में गिरने से बच जाएगा।

परमात्मा ने हम सभी को कितना अमूल्य जीवन दिया है। यदि हम इस जीवन को पाकर भी समाज को प्रेम, एकता की डोर में न बांध पाये तो हमारा जीवन बेकार है क्योंकि समाज प्रेम वस्तुतः देश प्रेम ही है। हम सब मतभेदों को मिटाकर एक साथ जुट जावें। कहा भी है कि–''जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। वह हृदय नहीं है पत्थर है, जिसमें समाज की चाह नहीं''

समाज में जागरुकता होते हुए भी अभी तक समाज संगठित एवं प्रगतिशील क्यों नहीं बन सका। यह हम सभी के लिए गंभीरता से सोचने का विषय है। एक देहाती कहावत है कि–''नाई, नाई की बरात, टिपारो को घरे।''

स्वजातीय बंधु, बहिनें, नवयुवक आदर्श की बातें कहने एवं लिखने वाले ही हैं। आचरण में लाने के लिए अधिकांश में साहस की कमी है। हम सभी कहते हैं कि यह होना चाहिए, यह करना चाहिए, उन्हें यह करना चाहिए, चाहिए की इच्छा छोड़कर करिये की भावना सभी स्वजातीय बंधुओं के दिलों में जाग्रत करना है। भगवान कृष्ण ने भी कर्म करने की प्रेरणा दी है, फल की तरफ ध्यान नहीं देना है।

हमारे समाज के प्रेरणादायक कवि, साहित्यकार, डॉ. कमलेश जी आलमपुर जो आज हमारे बीच नहीं हैं ने काम करने के बारे में लिखा है। हम सभी परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि उनकी आत्मा को सद्गति प्राप्त हो एवं उनकी रचानाएँ हमें सदैव जागरूक बनाती रहें–

''जो करता है कर्म, उसे निश्चय ही फल मिलता है। उसके जीवन सरवर में ही, सरसिज खिलता है। असफलता भी मिले, नहीं पर हिम्मत हारो। तुच्छ ध्येय ही पाप, नहीं है बुरी विफलता।''

हमें जातीयता के प्रति सभी के दिलों में आत्मीय प्यार पैदा करना है। जहाँ दिली प्रेम होता है वहीं त्याग का जन्म हो जाता है या सेवा कार्य करने का शुभारंभ हो जाता है। आईये हम सभी महासभा के 97 वर्ष समाप्ति के उपलक्ष में शताब्दी वर्ष मनाने की तैयारी के लिए सभी पिछली बातों को भूलें एवं आपसी मनोग्लानियों को भूलकर महासभा को नया कलेवर देने के लिए अपने–अपने क्षेत्रों में समाज को प्रगतिशील बनाने के लिए रचनात्मक कार्यों में पूर्ण मनोयोग से जुट जायें। इसी में हम सभी का कल्याण है। जीवन की सार्थकता है। समाज को प्रतिशील बनाने के लिए हम में से प्रत्येक को इतना तो करना ही चाहिए।

साधनामय जीवन बनाने में पीछे न रहें

साधन संपन्न होते हुए सुख–शांति की झलक जीवन में नहीं है। सर्वत्र अशांति उद्वेग और संतोष की आग सुलगती और धुएँ जैसी घुटन पैदा करती दिखाई देती है। सामाजिक जीवन में अपराध, अनाचार, छल, असहयोग एवं अविश्वास की बाढ़ सी आ रही है। और फलस्वरूप पग–पग पर विग्रह और रागद्वेष के ज्वालामुखी फूट रहे हैं। न व्यक्ति को सुख है न समाज को शांति। इन परिस्थितियों में एक ही रास्ता शेष रह जाता है कि आस्तिक भावनाओं को मानवीय अंतःकरण में गहन श्रद्धा के रूप में पुनः प्रतिष्ठापित किया जाए। हमें धर्म की रक्षा के लिए कटिबद्ध होना चाहिए, ताकि धर्म हमारी रक्षा करने में समर्थ हो सके। अतः हम सभी अपनी–अपनी साधना उपासना के साथ–साथ सद्बुद्धि प्राप्ति करने के लिए गायत्री महामंत्र की साधना नियमित चालू रखें, स्वयं करें, सभी से कराने का प्रयास करें।

सद्विचारों की प्राप्ति के लिए स्वाध्याय परंपरा चालू करें

किसी भी शक्ति का उपयोग रचनात्मक एवं ध्वंसात्मक दोनों ही रास्तों से होता है। इसी तरह विचारों की शक्ति भी है उसके पुरोगामी होने से मनुष्य के उज्ज्वल भविष्य का द्वार खुल जाता है और प्रतिगामी होने पर वह शक्ति उसके विनाश का कारण बन जाती है। अधोगामी विचार मन को चंचल, क्षुब्ध, असंतुलित बनाते हैं। जबकि सद्विचारों से परिपूर्ण हुए मनुष्य को धरती स्वर्ग जैसी लगती है। अतः हम सभी को परिवारों में एक सत्साहित्य ज्ञान मंदिर पुस्तकालय की स्थापना तुरंत करके, सभी घरों में स्वाध्याय एवं सत्संग की परंपरा जो लुप्त हो रही है, उसे पुनः जाग्रत करना चाहिए।

सेवा धर्म अपनाना ही मानव धर्म है

साधना, स्वाध्याय से आत्मबल बढ़ता है। जीवन का दषष्टिकोण बदलता है। व्यक्तित्व निर्माण होता है। इसके बाद सेवा कार्यों में हम सभी को यथाशक्ति जुट ही जाना चाहिए। अपना सुधार ही संसार की सबसे बड़ी सेवा है। अतः हमें स्वयं का सुधार करने के साथ–साथ दूसरों को भी सुधारने के लिए प्रोत्साहन देने में पीछे नहीं रहना चाहिए।

अतः व्यक्तिगत विकास के लिए भी सामाजिक–वृति का विकास करना ही होगा। इसलिए समाज सेवा में अपने आपको लगा देना ही इस युग की महान सेवा है। कम से कम एक घंटा समयदान समाज सेवा में लगाने का व्रत हम सभी को लेना चाहिए।

हम सभी नारी जागरण में पीछे न रहें

समाज के उत्थान और पतन का आधार अधिकांशतः स्त्री ही है। नारियाँ राष्ट्र की जननी होती हैं और भावी संतान का चरित्र निर्माण तथा शारीरिक और मानसिक विकास उन्हीं पर निर्भर रहता है। नारी को लोहे और सोने के दोनों ही बंधनों से मुक्त करना होगा। उसे प्रतिबंधित करना लोहे का बंधन है और रमणी, कामिनी, भोग्या के रूप में सँवारकर रखना सोने का बंधन है। दोनों ही बंधन उसे माता, गृहलक्ष्मी, भगिनी और पुत्री के दीप्तिमान रूप में उभरने में बाधक हैं। अतः नारी को शिक्षित करने, स्वावलंबी बनाने, संगठित करने के लिए हममें से प्रत्येक को यथाशक्ति सहयोग करने में पीछे नहीं रहना चाहिए, तभी समाज प्रगतिशील बन सकेगा।

अ. भा. नवयुवक मंडल के अध्यक्ष श्री राधेश्याम जी कुचया भिंड ने तो बांदा अधिवेशन में प्रेरक संबोधन किया कि स्वार्थपरता के कारण समूचे समाज को खतरा हो गया है। हमें संगठित होना है। संगठित होने के लिए नवयुवकों को बल चाहिए। समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर रकने के लिए प्रस्ताव काम नहीं करेंगे और न ही एक दूसरे की आलोचना से कुरीतियाँ दूर होंगी। इसके लिए हृदय से दृढ़ संकल्प लेकर समाज विराधी तत्वों से निबटने के लिए आगे आना होगा। जहाँ तक महासभा के पदाधिकारियों का प्रश्न है, वह हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं, मार्गदर्शक भी हैं। कार्य तो युवावर्ग को ही करना है। जब तक युवावर्ग संगठित होकर आगे नहीं आएगा, हम प्रगति नहीं कर सकेंगे।

नवयुवक मंडल के बारे में लिखा है कि–देश और जाति का भविष्य नवयुवकों पर निर्भर करता है। आज पूरे देश में युवाशक्ति भटकी हुई है। यदि इस शक्ति को कोई व्यक्ति दृष्टि दिशा देने वाला होता तो इसका स्वरूप दूसरा होता। अ. भा. नवयुवक मंडल जो अपने समाज का है वह क्रिया शून्य अथवा सुप्त है, अथवा उसके पास कोई ऐसी समस्याएँ हैं, जिनके कारण वह कार्य नहीं कर पा रहा है। मुझे इसके दो कारण समझ में आर रहे हैं (1) नेतृत्व का अभाव (2) धन का अभाव। हमारे समाज में शिक्षित नवयुवक हैं, जो उत्साही विचारशील, क्रांतिकारी हैं। उन्हें अब आगे आना ही होगा। सभी धनीमानी व्यक्तियों द्वारा युवकों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

हमारे राष्ट्रकवि गुप्त जी ने कहा था कि

जिस कुल, जाति, देश के बच्चे दे सकते हैं निज बलिदान ।
उसका वर्तमान कुछ भी हो, पर भविष्य है सदा महान ।।

श्रीकृष्ण जी 'सरल' ने भी लिखा है कि

नवयुवको!

अगर तुम ठान लो तारे गगन के तोड़ सकते हो।
अगर तुम ठान लो, तूफान पथ को मोड़ सकते हो ।।
अगर तुम ठान लो, तो विश्व के इतिहास में अपने ।
सुयश का एक नया अध्याय भी तुम जोड़ सकते हो ।।

श्री राजकुमार गुप्ता 'राज' ने भी अपना अनुभव लिखा है कि–

रोक सकता है कौन उसे, जिसने बाधाओं से टकराना सीखा ।
दे सका कौन लालच उसको, जिसने सच्चाई पर बढ़ना सीखा ।।
रोक सकी वह नहीं प्रेयसी, जिसने जग को प्यार लुटाना सीखा ।
रोक सका है कौन उसे, जिसने बस मंजिल पर बढ़ना सीखा ।।

अतः सभी नवयुवकों, नवयुवतियों को इन प्रेरणाप्रद रचनाओं से प्रेरणा मार्गदर्शन प्राप्त कर अपनी शक्तियाँ पहचान कर संगठित होकर नवसृजन में जुट ही जाना चाहिए।

दहेज एवं शादियों में अपव्यय रोकना ही युगधर्म है

विवाह भारतीय संस्कृति में दो आत्माओं के गठबंधन का पुनीत संस्कार माना गया है। दहेज का सामाजिक पाप हर हिंदू के गले की फाँसी बना हुआ है। कन्याओं का जन्म

इसीलिए अभिशाप माना जाता है। लड़का बेचने की, दहेज प्रथा की बुराई कौन स्वीकार नहीं करना। उसके द्वारा होने वाली हानि से कौन परिचित नहीं है। इतने पर भी जब अपना लड़का विवाह योग्य होता है, तो हर व्यक्ति का मन दहेज पाने के लिए ललचाता है। वही व्यक्ति अपनी कन्या के विवाह के समय दहेज का घोर विरोधी था। माँगने वालों की कटु शब्दों में भर्त्सना करता था वही जब अपने लड़के के विवाह में बेटी वालों का कलेजा निकाल लेने की पेशकश करता है, तब लगता है कि यह मनुष्य की लोभवृत्ति की निर्लज्ज सीमा तक पहुँच जाने का ही प्रतिफल है।

अतः हम सभी विचारशील परिजनों का कर्त्तव्य है कि नवयुवकों को प्रोत्साहित करने का प्रयास करें कि वह अपनी शादियाँ बिना दहेज के करें। विवाह–शादियों में भारी अपव्यय न होने देकर सादगी से विवाह आयोजन करावें। अगर बिना दहेज के शादी करने का साहस नहो तो कन्यापक्ष जो भी स्वेच्छा से प्रदान करें वह स्वीकार करके मितव्ययिता से शादी का आयोजन कर लें। शादी के बाद लड़कियों का उत्पीड़न करना बंद करें तो समाज को राहत मिल सकती है।

मृतक भोज बंद किया जाए

जब किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है तो उसकी आत्मा की शांति और सद्गति के लिए शास्त्रों में कुछ कुछ पुण्य कार्य करने का विधान है। जब शरीर शांत हो जाए तो उसका अंत्येष्टि, संस्कार विधि के अनुसार वेद मंत्रों के साथ तथा सुगंधित द्रव्यों की आहुतियाँ देते हुए अग्नि संस्कार किया जाए। पिंडदान, तर्पण आदि क्रियाओं के साथ–साथ श्राद्ध करके गष्हशुद्धि का भी विधान है। इसके अतिरिक्त ऐसे कर्मों के लिए दान पुण्य किया जाए जिससे धर्म भावनाओं की वषद्धि तथा दीन दुखियों की सेवा होती है। दान पुण्य में समाज सेवी, लोकहित में संलग्न अपरिग्रही तथा ब्रह्मपरायण साधु–महात्मा ब्राह्मणों को भोजन कराने का भी विधान है, क्योंकि जिन लोगों ने अपना सारा जीवन समाज सेवा के लिए उत्सर्ग किया हुआ है। जिनने अपनी कोई आजीविका न रखकर अपरिग्रही बनकर ईश्वरेच्छा पर अपने निर्वाह की व्यवस्था अवलंबित रखी है, उन देव मानवों को भोजन–वस्त्र देना समाज का कर्त्तव्य है। यह कर्त्तव्य–पालन धर्म या पुण्य भी कहलाता है। ऐसे अधिकारी सत्पात्र, साधु, ब्राह्मणों को मृतक श्राद्ध के समय तथा अन्यान्य सभी पुण्य अवसरों पर भोजन, वस्त्र एवं दक्षिणा देने का विधान है। मृतक श्राद्ध का धर्मकृत्य इतने ही कर्मकांड के साथ संपन्न हो जाता है।

अब समय आ गया है कि हम समझदारी से काम लें और उचित–अनुचित का विचार कर स्वस्थ दषष्टिकोण बनाएँ। मृतकभोज हर दषष्टि से त्याज्य है। हमें चाहिए कि मृतकभोजों में दावत खाने के लिए न जाने की प्रतिज्ञा लें। दूसरों को भी ऐसी सलाह दें। जिनके यहाँ मृत्यु हो गई हो तो उन्हें आवश्यक धार्मिक कर्मकांड से आगे न बढ़ने की बात समझाएँ। श्राद्ध कर्म में जाने को ब्राह्मण ही नहीं तैयार होते। मृतकभोज हर दृष्टि से त्याज्य है। इसे छोड़ने के लिए स्वयं संकल्पबद्ध होकर आवश्यक वातावरण बनाना प्रत्येक विवेकशील एवं धर्मप्रेमी का कर्त्तव्य है।

आइए हम सब इसी कुरीति को बंद करने के लिए एक वातावरण तैयार करके स्वयं के परिवार से इसे समाप्त करते हुए अन्य परिवारों की विचारगोष्ठियाँ लेकर संकल्प कराते जाएँ। मृतकभोज पर व्यय होने वाले धन को प्रगतिशील जातीय संगठन बनाने, परोपकारी कार्यों में लगाने के लिए व्यय करें जिससे समाज प्रगतिशील बन सके।

हम सभी के लिए नशेबाजी एक भयंकर खतरा है

नशेबाजी वर्तमान समय में एक संक्रामक रोग की तरह संसार भर में व्याप्त है। सब प्रकार के नशों से बचकर रहने वाले व्यक्तियों की संख्या इस समय शायद सौ में से पाँच भी कठिनता से होगी। यह एक आश्चर्य की बात है कि सब प्रकार से चतुर अथवा सुशिक्षित समझे जाने वाले व्यक्ति भी ऐसे व्यसन में फँस जाते हैं, जिसमें हानि के सिवाय किसी प्रकार का लाभ नहीं। नशेबाजी के सभी पदार्थों को जो व्यक्ति अपना पैसा खरच करके लाते हैं और उनका सेवन करके शारीरिक, मानसिक, नैतिक, आर्थिक हानि उठाते हैं, उनकी बुद्धिमानी में संदेह किया जाए तो इसमें अनुचित ही क्या? अतः हम सभी को नशेबाजी से होने वाली हानियाँ समझाकर स्वयं नशाबंद करके उसकी बचत को परिवार, समाज, राष्ट्र को प्रगतिशील बनाने वाले सत्कार्यों में उपयोग करना चाहिए। अन्य भाई–बहनों, नवयुवकों को प्यार मोहब्बत से एवं अपने उदाहरण को सामने रखकर यदि समझाने का प्रयास किया और व्यापक आंदोलन चालू किया गया एवं छोड़ने वाले को हर प्रकार का सहयोग उनकी प्रशंसा अभिनंदन किया गया तो एक स्वस्थ वातावरण तैयार होगा। हम सभी मनुष्यों में देवत्व का उदय करने में जरूर सफल होंगे। यह इस युग की महान सेवा है। हम सभी को इस पुनीत कार्य में लगना आना ही चाहिए।

अशिक्षा को दूर करना ही हम शिक्षितों का पुनीत कर्त्तव्य है

समाज में व्याप्त अंधविश्वास, भेदभाव, ऊँच–नीच, आलस्य, प्रमाद, अकर्मण्यता, निराशा, अनुत्साह, आवेग, अवज्ञा आदि

मानसिक विकारों की जननी निरक्षरता ही है। अशिक्षित नारियाँ तो इन अंधविश्वासों की यहाँ तक जकड़ी होती हैं कि कभी–कभी ढोंगी, प्रपंची लोगों के बहकाने में आकर शील, चरित्र, संपत्ति तक खो बैठती हैं। आदर्श जीवन मानवता, राष्ट्रीयता, सामाजिक जीवन की मान्यताएँ क्या होती हैं, यह अज्ञानी मनुष्य नहीं जानता है। जब तक अशिक्षा एवं अविद्या के पाप का प्रायश्चित नहीं किया जाता, तब तक हम सबको इसी प्रकार सामूहिक रूप से आत्मिक, पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोग, शोक, दुःख दरिद्रता, अपमान, अवज्ञा का शारीरिक, मानसिक तथा बौद्धिक पतनपूर्ण जीवन यों ही जीता रहना पड़ेगा।

अतः हम शिक्षितों का एक आवश्यक धर्म कर्त्तव्य है कि हम समाज को प्रगतिशील बनाने के लिए अपने पड़ोस में घर–घर में, समाज में एक भी भाई–बहन, नवयुवक अशिक्षित नहीं रहने दें। संकल्प लेकर शिक्षित करने के लिए हर समय प्रयास करने में पीछे ना रहें। स्वयं पढ़ावें या सामूहिक स्तर पर प्रौढ़शाला चलाएँ, स्कूल कॉलेज खोलें। शिक्षा के प्रचार–प्रसार में सहयोग देना इस युग की महान सेवा है। भगवान कृष्ण ने भी कहा है कि ज्ञानदान से बढ़कर कोई दान नहीं है। यदि हम सभी ने पूर्ण मनोयोग से अशिक्षा दूर करने के लिए प्रयास किया तो सफलता अवश्य ही चरणों में होगी। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जी की मात्र एक पहचान हम सभी के पास है कि वह हमारी जाति के हैं। उन्होंने भी कहा कि ''हम कौन थे ? क्या हो गए ? और क्या होंगे अभी ?'' आओ विचारें, आज मिलकर, हम सभी को अपनी शक्तियों को, अपने स्वरूप, अपने वंश, अपने इष्टों की पहचान करके अपने समाज को वैश्य शिरोमणि का खोया गौरव प्रदान कराने के लिए तन–मन–धन से सेवा कार्य में जुट जाना चाहिए। आज कर्मठ कार्यकर्त्ताओं का अभाव है। पद तथा सम्मान सभी का अधिकार है, किंतु उसके लिए वह सच्चे समाजसेवी तथा कार्यकर्त्ता हों, जो सच्चे मन, लगन तथा भावना से समाज की सेवा के प्रति समर्पित थे, जो रहे हैं या हैं, उन्हें समाज में स्वतः सम्मान प्राप्त होता है। यह कटु सत्य है, किंतु मात्र जो पदलोलुप हैं, उनका भविष्य अंधकारमय होकर समाप्त हो जाता है। इस श्रेष्ठ संगठन से प्राप्त प्रबल शक्ति तथा क्षमता के बल पर हमें बहुमुखी विकास योजनाएँ चलानी होंगी। सर्वप्रथम समाज में व्याप्त विकारों, त्रुटियों, कालातीत रीति–रिवाजों से मुक्त होकर आधुनिक युग की आवश्यकताओं के अनुरूप कदम उठाने होंगे। स्वार्थ संकीर्णता की जगह सामाजिकता पूर्ण प्रगतिशील विचारधारा जन–जन में जगानी होगी। समाज की दैनंदिन आवश्यकताओं जैसे शिक्षा, रोजगार, आर्थिक, औद्योगिक विकास, अंत्योदय, आदर्श परिवार प्रणाली, सभी वर्गों का संतुलित विकास आदि की उपलब्धि के लिए पंचायतों, क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय इन तीनों स्तरों पर सुनियोजित अभियान चलाने होंगे।

''सर्वांगीण विकास हमारा लक्ष्य है। **संघे शक्ति कलियुगे,** आज के इस युग में सगंठन एक ऐसा प्रचडं अस्त्र है, जिससे समाज की समस्त बुराईयों एवं कटुता का अंत हो सकता है।'' अतः हमारा कर्त्तव्य है कि हम समाज सेवा को ईश्वर की पूजा मानकर करें। आज निस्स्वार्थ भाव से समाज सेवा करने वालों का बड़ा अभाव है। मैं समाज के उद्योगपतियों, सामर्थ्यवान समाज सेवकों से निवेदन करना चाहता हूँ कि हमें यदि समाज हित में कुछ करना है, तो स्वयं को कुछ त्यागी एवं तपस्वी बनाना होगा। अपना हितसाधन करने में आनंद मिलता है, परंतु दूसरों का हित साधने में परमानंद मिलता है। किसी भी कार्य के लिए उपदेश देने से पहले आवश्यक है कि स्वयं उस बात पर अमल करें।

''महासभा के प्रत्येक कार्यक्रम को परिलक्षित करने तथा उसे जनोपयोगी बनाने हेतु लगनशील कार्यकर्त्ताओं की आवश्यकता है। गत 97 वर्ष के उपरांत भी वर्तमान में महासभा रूपी यह वक्ष पूर्ण विकसित नहीं हुआ है। समाज में धन, बल, बुद्धि की कमी नहीं है। कमी है, तो मात्र हमारे सोच की। समस्त महानुभावों से मेरा अनुग्रह है कि आपसी द्वेष भावना भुलाकर सभी स्तरों पर संगठन शक्ति मजबूत करें। अच्छे कार्यकर्त्ताओं का चयन करें, ताकि स्थानीय पंचायत इकाईयों से लेकर महासभा स्तर तक समस्त गहोई परिवार एक शक्तिपुंज के रूप में उदित होकर अन्य समाजों की भाँति अपना स्थान सर्वत्र बना सके। **संगठन ही हमारी शक्ति है।** आपसे हमारा आग्रह है कि जो पदाधिकारी एवं समाजसेवी जहाँ कहीं भी पद पर सुशोभित हों, वे अपना कार्य लगन, मेहनत तथा समर्पित भावना से करें, ताकि महासभा का सर्वांगीण विकास हो सके।

''संगठन की दृढ़ता और स्थिरता का आधार है त्याग और सेवा।'' यदि संगठन में एक व्यक्ति भी पदलोलुप, सम्मान का भूखा और स्वार्थी आ जाए, तो वह संगठन की नींव को हिला देता है और जब ऐसे अनेक व्यक्ति हो जाएँ, तो संगठन एक व्यवस्थित संगठन न रहकर केवल अनियंत्रित भीड़ रह जाता है और भीड़ से किसी रचनात्मक कार्य की आशा नहीं की जा सकती। तब उसे सभा न कहकर होली का हुल्लड़ कहते हैं। संगठन में अहंकारी और सम्मान के भूखे अंधड़ की तरह आते हैं और भूकंप की तरह मंच को हिलाकर रख देते हैं। हमें ऐसे तत्त्वों को बढ़ावा न देकर नीति–नियमों की दीवारों को गिरने से बचाना चाहिए।

हमारा अखिल भारतीय सर्वोच्च संगठन महासभा अपने जीवन काल में ऐसे उतार–चढ़ाव व अपने पदाधिकारियों की अदूरदिर्शता के परिणाम देख चुका है, जिससे कुछ समय के लिए उसकी प्रगति अवरुद्ध हो गई थी। हमें झूठी मान–प्रतिष्ठा के चक्कर में न पड़कर ईमानदारी से अपने कर्त्तव्य–पथ पर निरंतर आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए तथा जन आकांक्षाओं के प्रति सचेत रहना चाहिए एवं अहं से जितना बचा जाए, उतना ही अच्छा है। इस बात का ध्यान रखना आवश्यक होगा कि पहले तो विवाद की स्थिति जहाँ तक संभव हो टालना ही हितकर होगा और अगर ऐसी स्थिति आ भी जाए, तो उत्तेजना का वातावरण न बनने दिया जाए। उत्तेजना में ही मनुष्य भावावेश में आ जाता है और बुद्धि पर परदा पड़ जाता है, वह विवेक खो बैठता है। जहाँ ऐसी स्थिति आ जाए, तो समन्वय तथा विषय परिवर्तन की नीति अपनाना ही संस्था के हित में होगा। जबकि संस्था की बागडोर हमने सँभाली है, तो हमारा यह दायित्व हो जाता है कि हम टूटने की स्थिति में न आने दें।

''महासभा तथा उसके अधिकारी लगातार अपनी बैठकों, पत्र व्यवहार, प्रवास तथा बंधु के माध्यम से इन क्षेत्रीय तथा पंचायत अधिकारियों से अपील करते रहे, पर कोई सुन नहीं रहा। जब चुनाव होते हैं, बड़ी–बड़ी बातें, पदों के लिए खींचातानी, विवाद, स्तरहीनता का दृश्य दिखाई देता है, पर पद पर आने के बाद कुँभकर्णी निद्रा। क्षेत्रीय सभाओं की निष्क्रियता के कारण पंचायतों में भी यही सारे विकार और समस्याएँ हैं। पंचायतों के इन विकारों से आम समाज में सामाजिक कार्यों के प्रति अनास्था, उदासीनता, स्वार्थ केंद्रित मानसिकता व्याप्त हो रही है।

हमारा सुझाव है कि सबसे पहले कार्यकारिणी इस पर विचार करे कि महासभा स्तर पर कहाँ, कितने विकार हैं ? श्रेष्ठजन जो आचरण करते हैं, समाज उसका अनुसरण करता है। सबसे पहले महासभा में हम सबको आत्मावलोकन करना चाहिए कि हम में से कौन, कहाँ अपने दायित्वों का निर्वाह नहीं कर रहा है तथा वह उस विषय में समुचित प्रयास कर रहा है या नहीं, इस पर विशेष ध्यान देना चाहिए। जो अपने दायित्वों का निर्वाह न कर सकें, उनको कार्य नहीं सौंपना चाहिए। इसके बाद यही प्रक्रिया क्षेत्रीय सभाओं में भी अपनाई जाए। बड़े आश्चर्य तथा दुःख की बात है कि विभिन्न पदाधिकारी अपने उच्च अधिकारियों के निर्देशों, परामर्शों की उपेक्षा करते हैं। अपने वैधानिक दायित्वों का पालन नहीं करते। पत्रों के उत्तर तक नहीं देते। यह स्थिति असहनीय है। उन पर समुचित कार्यवाही की जानी चाहिए।

आज हम सभी पदलोलुपता में बह गए हैं। कर्त्तव्यों, दायित्वों को भूल गए हैं। समाज सेवा जो एक उत्कृष्ट कार्य है, उसे भुलाकर मात्र पद चाहते हैं, यदि हमने पद ग्रहण किया है तथा सच्ची मनोभावना से शपथ ग्रहण की है, तब हम सभी का पुनीत कर्त्तव्य है कि हम अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करें एवं समाज सेवा हेतु महासभा द्वारा सौंपे गए कार्यों के प्रति सदैव तत्पर रहें। जो पदाधिकारी कार्य करने में रुचि न ले रहे हों, उनको कोई व्यवधान हो, वह अपने पद तथा क्षेत्र की गरिमा को ध्यान में रखते हुए या तो कार्य करें अथवा निस्संकोच पद से त्यागपत्र देकर अन्य समाजसेवियों के लिए मार्ग प्रशस्त करें।

समाज सेवा काँटों का ताज है। यह सेवा–समर्पण की भावना पर आधारित पदाधिकारियों का दायित्व है–

''हम सुधरेंगे, तो युग सुधरेगा, हम बदलेंगे, तो युग बदलेगा ।''

हम सभी का उद्देश्य गहोई जाति की सेवा करना है, जिसमें समाज को संगठित करना है। हम सभी का दायित्व है कि हम जो भी कार्य करें, उसमें अहं का टकराव न होने पाए। समाज सेवा करते समय हम अपने स्वार्थ एवं यश भूलकर ही कार्य करें। यह समाज भी हमारा परिवार है। हम अपने परिवार के प्रति कर्त्तव्यनिष्ठ होते हैं। उसी तरह समाज के प्रति भी अपनी कर्त्तव्यनिष्ठा एवं त्याग से सेवा करनी होगी। समाज के कार्यों से मतभेद तो हो सकते हैं, पर मन भेद नहीं होना चाहिए। जिस प्रकार परिवार में यदि मनमुटाव होता है, तो हम उसको आपस में बैठकर दूर करते हैं। उसी प्रकार समाज की बैठकों में प्रत्येक समस्या का हल निकाला जाना चाहिए। समाज की संगठन शक्ति के बिना कोई भी कार्य अधूरा है। समाजसेवक को सब कुछ सुनना एवं सहना पड़ता है। उनको अपना धीरज नहीं खोना चाहिए। हमें आलोचनाओं से नहीं डरना चाहिए क्योंकि जब कोई भी व्यक्ति कोई कार्य करता है, तो उससे गलती भी हो सकती है, परंतु उसका सुधार किया जाना ही सच्ची समाज सेवा है। आइए, हम कृत संकल्पित होकर अपने समाज को विकास की दिशा में आगे बढ़ाएँ। आज के इस युग में संगठन ही एक ऐसा प्रचंड अस्त्र है, जिससे समाज की समस्त बुराइयों एवं सामाजिक कटुता का अंत हो सकता है। अध्यक्ष महोदय का उद्बोधन महत्त्वपूर्ण एवं चिंतनीय है। हम सभी को संगठन वर्ष मनाकर सर्वप्रथम संगठन सुदृढ़ करके 15 सूत्रीय कार्यक्रम सफल बनाना है, तब ही वैश्य शिरोमणि का खोया गौरव हम सभी प्राप्त कर सकते हैं।

जीवन का उत्तरार्ध लोकसेवा में लगाएँ–जीवन का उत्तरार्ध भौतिक दृष्टि से अपने लिए कष्टकारक और परिवार के लिए क्रमशः अधिकाधिक भारभूत होता चला जाता है। वे दिन भी निकट आते हैं, जब स्वयं भगवान से मौत माँगनी पड़ती है और घर वाले मन ही मन वैसी प्रार्थना–कामना करते हैं। इस हेय स्थिति के आने से पूर्व यदि समय रहते सजग हो सका जाए और अध्यात्म–भूमिका में प्रवेश करके अपनी गतिविधियों को वानप्रस्थ स्तर की बना लिया जाए तो प्रतीत होगा कि नया जन्म हो गया। पूर्वार्ध जितना आनंदमय और शानदार था, उससे हजार गुनी अधिक प्रसन्नता और सरसता प्रदान करने वाली संजीवन बूटी हाथ लग गई। वानप्रस्थ की विधि–व्यवस्था दूरदर्शी ऋषि मनीषियों ने इसी दर्ष्टि से बनाई और उसे सांस्कृतिक जीवन–प्रक्रिया में अत्यंत उच्चकोटि का स्थान दिया है।

प्रत्येक गहोई वैश्य परिवार को उन्नति की राह दिखाने वाले गहोई वैश्य वरिष्ठ जन राष्ट्रीय विभूति बनकर परिवार, स्वजातीय एवं राष्ट्र की विभूति बनकर राष्ट्र के उत्थान में सहयोग प्रदान करें। वरिष्ठ जन युवा पीढ़ी के आदर्श हैं, तथा वे अपनी भावी पीढ़ी को सुसंस्कारित आदर्शों की ओर उन्मुख करते हैं। अपनी व्यक्तिगत कठिनाइयों का निराकरण करते हुए महापुरूषों के त्याग पूर्ण जीवन और आदर्शों युक्त अपने व्यक्तित्व और कृतित्व के द्वारा उच्च मानवीय आदर्शों से भावी पीढ़ी को संस्कारित करते हैं जिससे युगों–युगों तक वे स्मरणीय बन जाते हैं। अपने सत्कर्मों से समाज को विद्यालय, सरोवर, अस्पताल, बाग–बगीचे आदि निर्मित कर अपनी याद छोड़ जाते हैं। वे ही सच्चे राष्ट्रीय चरित्रवान नागरिक बनकर अपने जीवन को कृतार्थ कर जाते है। समस्त वरिष्ठजनों से विनम्र अनुरोध है कि अपने जीवन में शांति प्राप्त करने की दृष्टि से स्वयं मौलिक चिंतन करते हुए रचनात्मक कार्यों में रूचि लें अपनी सामर्थ्य के अनुसार किये गये परोपकार समाज सेवा तथा रचनात्मक कार्य में सहयोग प्रदान करें।

राष्ट्रीय कार्यक्रमों में योगदान–सभी जातीय कार्यक्रमों में एवं राष्ट्रीय विचारधारा से जुड़कर राष्ट्रीय एकता और समाजोपयोगी कार्यक्रमों में यथासम्भव योगदान सभी पंचायतों, क्षेत्रीय सभाओं, प्रकोष्ठों एवं महासभा को देना चाहिए ताकि गहोई समाज की पहचान अन्य समाजों से बढ़ सके एवं जातीय कार्यक्रमों में सभी अन्य जातीय संगठनों एवं शासनतंत्र का सहयोग हम सभी को प्राप्त हो सके। परस्पर सहयोग से ही हम सभी को अपना बना सकते हैं, हम सभी के बन सकते हैं। ऐसे प्रयास हम सभी को करना है।

गहोई बंधु–पत्रिका को जन–जन तक पहुँचान के लिए हम सभी को हर संभव प्रयास करने से पीछे नहीं रहना चाहिए। पत्र–पत्रिकाएँ हमारे समाज का दर्पण होती हैं। अपने समाज में वैचारिक क्रांति लाने में यही पत्र–पत्रिकाएँ एक कुशल कुरीति निवारक की तरह श्रेष्ठ संवाहक होती हैं। आज पत्र–पत्रिकाओं की अनिवार्यता का कोई भी विकसित एवं विकासशील समाज उपेक्षा नहीं कर सकता।

हम सभी का कर्त्तव्य है कि गहोई बंधु को परिवार का अभिन्न अंग मानकर तन–मन–धन से सहयोग देकर जन–जन तक पहुँचाने एवं पढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। प्रत्येक क्षेत्रीय सभाएँ, सभी प्रकोष्ठ, महासभा, संपर्क पंचायतें अपनी ओर से बंधु के विशेषांक, प्रगतिशील गतिविधियों, कार्यक्रमों का विवरण देकर प्रकाशित करावें तो सभी को प्रेरणा मिलेगी। बंधु को अनुदान देना, विज्ञापन देना, उपहार देना, पत्रिका की बिक्री एवं अधिकाधिक सदस्य बनाना हम सभी का धर्म कर्त्तव्य है। निष्पक्ष विचार प्रकाशित करना ताकि अपना समाज प्रगतिशीत संगठित समाज बन सके। बंधु भी सशक्त, समर्थ, आर्थिक दर्ष्टि से सक्षम बन सके। अन्य जातीय पत्रिकाओं का भी अध्ययन करना चाहिए ताकि सभी के जातीय समाचार विचार सभी को प्राप्त हो सकें।

महासभा एवं क्षेत्रीय सभाओं से संबंद्धीकरण– महासभा एवं क्षेत्रीय सभाओं से सभी पंचायत जातीय संस्थाओं को संबद्धीकरण होना अत्यंत आवश्यक है। महासभा के आजीवन, संरक्षक सदस्य बनाने का युद्धस्तर पर प्रयास करने में जुट जावें ताकि महासभा में सभी का प्रतिनिधित्व हो। सभी बंधु अपनी महासभा समझकर अपनी जाति से प्रेम करें। प्रेम होने पर त्याग सेवा का कार्य शुरू हो जाता है। भाव से किये कार्य समाज के प्रति, सेवा के प्रति जाग्रत होने लगते हैं।

समयदानी–कायर्कर्त्ताओं का सगं ठन प्रत्येक प्रकोष्ठ में होने का प्रयास जरूरी है। समाज में कार्यकर्त्ताओं के अभाव के कारण ही स्थानीय सामाजिक संगठन न होने के बराबर ही है। जहा कहीं हैं भी वहाँ संगठनों ने कार्यकर्त्ताओं को तैयार नहीं किया है। कार्यकर्त्ता तैयार करना, कराना, संगठनों का विशेष उत्तरदायित्व है। इस जिम्मेदारी का निर्वाह न होने से ही समाज क्रियाशील नहीं है। कार्यकर्त्ता वही है जो यह नहीं देखता कि कार्य छोटा है या बड़ा उसे करके ही चैन लेता है और आगे बढ़ता है। आज समाज में ऐसे ही समयदानी सामाजिक कार्यकर्त्ताओं को प्रोत्साहन, प्यार, प्रेरणा, प्रशिक्षण

देकर समयदानी कार्यकर्त्ताओं की संख्या हर पंचायत, हर जातीय संगठन में बढ़ाना है। तभी हम सभी रचनात्मक कार्यों में सफल हो सकते हैं।

अक्षय निधि हेतु अपील—जैसा कि हम सभी को पता है कि महासभा द्वारा निर्धन छात्रों, असहाय बंधुओं की सहायतार्थ एवं लंबी बीमारी से पीड़ित, धर्मशाला निर्माण हेतु महत्वाकांक्षी योजना चलाई जा रही है। इस महायज्ञ हेतु आप सभी कार्यकारिणी सदस्यों से कई बार माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा कम से कम रूपए 5100 की राशि का दान करने हेतु अनुरोध भी किया जा चुका है। क्या हम आप सभी नहीं चाहते है कि किसी का होनहार बेटा आर्थिक कमी के कारण शिक्षा प्राप्त न कर सकें ? क्या वह निर्धन व्यक्ति लंबी बीमारी का इलाजआर्थिक कमी के कारण न करा सके ? और अपनी जान गवां दें ?

क्या वह असहाय महिलाएँ या वरिष्ठजन जिनके लिए कही से कोई सहयोग की आशा न हो और वह शेष जीवन तड़प—तड़प कर व्यतीत करे क्या वह छोटी—छोटी पंचायतें जो भवन निर्माण हेतु सहयोग की आशा रखतर हों, महासभा उन्हें सहयोग न कर सके इन सब बिन्दुओं पर आप सभी मंथन अवश्य करें और उचित निर्णय लेकर इस महायज्ञ में अपना अधिक से अधिक योगदान देकर इस महत्वाकांक्षी योजना को सफल बनावें। ताकि उन गहोई बंधुओं को जिनको आर्थिक सहयोग की आवश्यकता है, महासभा सहयोग कर सकें। इस योजना से जब तक महासभा रहेगी उन निर्धन, असहाय बंधुओं को मदद करती रहेगी यह सबसे बड़ी तपस्या व धर्म है, आपको उन सभी का हृदय से आशीर्वाद मिलेगा। सहयोग की अपेक्षा में।

आत्मीय अनुरोध—अतः हम सभी अपने समाज को वास्तव में वैश्य शिरोमणि सभ्य समाज बनाना चाहते हैं तो कथनी—करनी में एकता लाकर निष्पक्ष भाव से परमार्थी समाज सेवक बनने का साहस करना ही पड़ेगा।

स्वजातीय बंधु, बहिनों, नवयुवकों में जाग्रति लाकर जाग्रत आत्माओं को संगठित करके जातीयता के प्रति प्रेम, समर्पण, सेवा के भाव जाग्रत करने का कठोरतम प्रयास करना पड़ेगा, तभी समाज प्रगतिशील बनेगा, अन्यथा इसी प्रकार चलता रहेगा। हम सभी समस्याग्रस्त, अभावग्रस्त, अपमानित होते रहेंगे।

सभी स्वजातीय बंधुओं से हमारा आत्मीय अनुरोध है कि समाज को संगठित करना जरूरी है, आर्थिक दृष्टि से सक्षम बनाना जरूरी है। जातीय पत्रिका पढ़ना है, समाज में सेवा कार्य करने के लिए तन, मन, धन का पूर्ण मनोयोग से समाज को परिवार का एक सदस्य मानकर हर संभव सहयोग करना है, तभी हम सभी समाज के ऋण से मुक्त हो सकेंगे। समाज को संगठित सुदृढ़ बनाने पर ही हम समाज से लाभ प्राप्त कर सकेंगे। हम आलोचनाएँ, खींचातानी, असहयोग करना बंद करके प्रोत्साहन—सहयोग देना सीखें। दृढ़ संकल्पों के साथ समाज सेवा को परमात्मा की पूजा मानकर कार्य करने में जुट जाएँ, तभी समाज को प्रगतिशील बनाने में सफल हो सकेंगे।

सभी जातीय संस्थाओं, पंचायतों, महासभा से अनुरोध है कि आय—व्यय के हिसाब बैलेंस शीट गहोई बंधु एवं जातीय पत्रिकाओं, स्मारिकाओं में प्रकाशित होते रहा करें ताकि दानदाताओं को जानकारी रहे एवं भविष्य के लिए अनुदान मिलते रहें। जिस कार्य के लिए दान प्राप्त हो, उसी में व्यय करने का विशेष ध्यान रखना हम सभी के लिए आवश्यक है। इस प्रकार हम समाज का विश्वास एवं समर्थन प्राप्त कर सकेंगे।

प्रामाणिक इतिहास प्रकाशन, गहोई धाम निर्माण, केंद्रीय कार्यालय निर्माण, हर नगर में गहोई भवन निर्माण, प्रतिवर्ष सामूहिक—विवाह हर पंचायत में हों, संगठन सुदृढ़ हो अन्य सभी जातीय समस्याओं पर हम सभी को चिंतन—मनन के साथ विचार करके सभी का सहयोग लेकर संगठित होकर एक—एक कार्य को पूरा करने का प्रयास करना है, तभी सफल होंगे। अपने द्वारा किए गए प्रयासों से अवगत कराते रहे। अपना अमूल्य मार्गदर्शन प्रदान करते रहें।

आपका भाई

चैतन्य

—:पता :—

द्वारिका प्रसाद चैतन्य

गहोई वैश्य विकास संस्थान

युग निर्माण योजना

पो0—गायत्री तपोभूमि,

मथुरा (उ0प्र0)—281003

फोन : 0565, 2530115, मो0—09456480304

ग.वै. सामूहिक शादियों में गहोई मित्र द्वारा परिचय वार्ता एवं सांस्कृतिक संध्या ने शमा बांधा

झांसी । 8 फरवरी 2011 गहोई मित्र के तत्वाधान में गहोई वैश्य पंचायत झांसी द्वारा आयोजित सामूहिक शादियों में जी. आई.सी. इंटर कॉलेज प्रांगण में गहोई मित्र झांसी के अध्यक्ष श्री राजीव सहदेले की अध्यक्षता में एवं निर्वतमान अध्यक्ष रामकुमार लोईया के नेतृत्व एवं श्री नरेश गुप्ता (राजू) रक्सा, श्री श्रीराम गंधी, श्री रविकांत नगरिया एवं श्री अजय गंधी के निर्देशन में विवाह योग्य युवक–युवतियों के सम्बंधों के बारे में परिचर्चा हेतु एक परिचय वार्ता कक्ष बनाया गया। जिसे सुन्दर फूलों एव बैनरों एव लाईट लगाकर सजाया गया। एवं वार्ता हेतु अलग–अलग कक्ष बनाये गये एवं गहोई कल्प वृक्ष लगाया गया जो आकर्षक का विषय रहा। जिसमें सभी 12 गोत्र एवं 72 आंकने दर्शाये गये थे। परिचय वार्ता कक्ष का विधिवत गणेश पूजन कर शुभारंभ कियां इस मौके पर पंचायत झांसी अध्यक्ष श्री दामोदर दास गेड़ा जी, श्री सियाराम जी सरावगी एवं श्री किशोरीशरण सरावगी ने परिचय वार्ता कक्ष की उपयोगिता पर प्रकाश डाला एवं शुभकामनायें प्रदान की। चार कांउटर पर बायोडाटा एवं पंजीकरण फार्म उपलब्ध कराकर इच्छुक अभिभावकों के अपने पुत्र–पुत्रियों के फार्म भरे एवं उपस्थित युवक–युवतियों को पंजीकरण टेग लगाकर वार्ता कक्ष में सामूहिक रूप से बैठाया गया एवं उनका परिचय कराया गया, उपस्थित अभिभावकों ने अपने योग्य वर व वधु की जानकारियों प्राप्त की एवं उनके अभिभावकों से परिचर्चा की एवं अपने योग्य वर व वधु के चुनाव हेतु उनके बायोडाटाा एवं कुण्डली प्राप्त की। सभी गहोई मित्र सफेद कैप लगाकर व्यवस्था में सहयोग कर रहे थे।

इसी क्रम में मित्र परिवार ने अपनी ओर सभी 34 जोड़ो की जयमाल की फोटोग्राफ फ्रेम करा दी एवं एक स्टील की टंकी प्रदान की। गहोई मित्र के अध्यक्ष, महामंत्री एवं मित्र साथियों को मंच पर बुलाकर शाल उड़ाकर एवं श्रीफल देकर गहोई वैश्य पंचायत द्वारा सम्मानित किया गया एवं सामूहिक शादियों में गहोई मित्र परिवार की ओर से स्टील ड्रम एवं लंच बाक्स सभी जोड़ो को उपहार स्वरूप प्रदान किये गये एवं सभी वर–वधुओं की जयमाला की फोटोग्राफ बधाई पत्र के रूप में बनवाकर वर–वधुओं को प्रदान किया।

इसी क्रम में सांय 4.30 से उपस्थित जन समुदाय के मनोरंजन के लिये एक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन श्री मनमोहन गेड़ा, सुनील बिलैया, बब्बल, रामजी खरया, के.डी. गुप्ता, नरेश गुप्ता (राजू रक्सा) एवं श्रीकांत सेठ व रामकुमर लोईया के निर्देशन एवं सहयोग से झांसी के सुप्रसिद्ध आर्केस्ट्रा के द्वारा एक शाम आपके नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। **चलो रे डोली उठाओ कहार पिया मिलन की रूत आई** इतने भाव भरे गीत एवं नगमों को पेश किया कि पब्लिक वाह–वाह कर उठी सभी ने कार्यक्रम को सराहा एव बर्धाइयां प्रेषित की। इस मौके पर उपस्थित श्री प्रकाशचन्द्र नौगरैया ने कहा कि गहोई मित्र परिवार हमेशा उपयोगी एवं कुछ हट कर कार्यक्रम आयोजित करते रहे हैं। जिसमें विगत तीन वर्षों में संस्था इतनी ऊंचाईयों को छू रही है । इस मौके पर उपस्थित गहोई मित्र प्रमोद चउदा, राजेन्द्र गुप्ता, राजू परसर वाले, अशोक खंताल, श्री राम गंधी, उमाशंकर गुप्ता, रविकांत गुप्ता, सत्यप्रकाश, अशोक गुप्ता, अजय तरसोलिया, आलोक मिसुरिया, नवल गुप्ता, बृजेश बड़ौनिया, सीताराम बिलैया, अजय गंधी, सुनील सोनी, संजीव सोनी, लखन नौगरैया, डॉ. एम.एस. गुप्ता, राजेन्द्र गेड़ा, (रद्दी वाले), नितिन सरावगी, रामप्रकाश नाछौला, आर.के.गुप्ता(प्लास्टिक), यू.एन.मोदी, एड. सहित सभी मित्र मंडल के सदस्यों ने सहयोग किया। अंत में सभी का आभार महामंत्री नरेश गुप्ता (राजू) रक्सा ने किया।

–नरेश गुप्ता 'राजू रक्सा' महामंत्री गहोई मित्र

गहोई दिवस सेवा दिवस के रूप में मनाया गया

उरई । गहोई सेवा समिति उरई द्वारा दिनांक 25 जनवरी 2011 दिन शनिवार को सेवा दिवस का आयोजन स्थानीय 'मण्डपम सभागार' में सम्पन्न हुआ। गायत्री हवन का शुभारंभ श्री गिरीशचन्द्र मिसुरिया, श्री रामप्रकाश मिसुरिया, श्री डी.के. मिश्रा, के साथ गायत्री हवन संस्था के संस्थापक अध्यक्ष ई. मुरारी लाल सिजरिया अध्यक्ष श्री राजेन्द्र प्रसाद रूसिया, मंत्री डॉ. देवेन्द्र सेठ एंव संस्था के सभी उपस्थित सदस्यों के द्वारा किया गया।

इसके उपरांत महिलाओं में श्रीमती सुनीता, श्रीमती अर्चना, श्रीमती ममता, श्रीमती कृष्णमूर्ति निगोतिया, श्रीमती अर्चना लहारिया, श्रीमती संध्या मलैया, कु. शिखा, श्रीमती गीता कनकने, श्रीमती निधि कौशल एवं उपस्थित सभी महिलाओं ने कर्णप्रिय भजन–कीर्तन प्रस्तुत किये।

तदोपरांत सभी ने स्वल्पाहार ग्रहण किया, दोपहर 12 बजे गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें संस्था के मंत्री डॉ. देवेन्द्र सेठ ने समिति की प्रगति आख्या प्रस्तुत की एंव उपस्थित समस्त समाजसेवियों को अवगत कराया कि समिति के माध्यम से क्या कार्य सम्पन्न कराये जाते है। जैसे गरीब एवं मेघावी छात्रों/छात्राओं, विधवाओं, वृद्धावस्था, विकलांग आदि को संस्था के माध्यम से लगभग 60 लाभार्थियों को प्रतिमाह अनुग्रह राशि प्रदान की जाती है । एवं प्रति वर्ष ग्रीष्म कालीन शिविर चलाया जाता है।

कोषाध्यक्ष श्री ओमप्रकाश सोनी ने आय–व्यय की आख्या प्रस्तुत की। उन्होनें बताया कि संस्था के पास 3 लाख रूपये की बैंक एफ.डी.आर. हैं । संचालन संस्था के मंत्री डॉ. देवेन्द्र सेठ ने किया।

संस्था के संस्थापक ई. मुरारीलाल, अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद रूसिया, श्री रामदास गुप्ता, श्री द्वारकाप्रसाद दद्दू, श्री अयोध्याप्रसाद कुमुद जी, श्री मैथिलीशरण बड़ेरिया, श्री शशिकांत निगोतिया, श्री मैथिलीशरण कनकने, श्री गोविन्द नारायण रेजा, समाज से पधारे हुये कई सदस्यों एवं महिलाओं ने अपने विचार प्रस्तुत किये। इसके बाद ग्रीष्म कालीन शिविर में उपस्थित लगभग 50 बालिकाओं एवं महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। इस बार मेंहदी का प्रशिक्षण दिया गया था। जिसके संयोजक श्री अरूण कुमार छिरौलया (एम.आर.) थे। यह शिविर 20 मई से 30 जून 2011 तक उनके निवास पर ही चला था।

इसके पश्चात मकर संक्राति की पावन बेला पर सहभोज का आयोजन किया गया। सहभोज के संयोजक शशिकांत निगोतिया एंव श्री शिवकुमार कुरेले को भोजन व्यवस्था का कार्यभार सौंपा गया था। संस्था के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र प्रसाद रूसिया ने समाज से पधारे सदस्यों, महिलाओं एंव बच्चों का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम के लिये मण्डपम सभागार निःशुल्क उपलब्ध कराने के लिये श्री अयोध्या प्रसाद जी कुमुद का आभार प्रकट किया।

–देवेन्द्र सेठ मंत्री गहोई सेवा समिति उरई

क्षेत्रीय महाकौशल गहोई वैश्य सभा अध्यक्ष का संपर्क अभियान

छिंदवाड़ा । विगत दिनों क्षे. म. कौशल गहोई वैश्य सभा अध्यक्ष श्री शिव कुमार नीखरा द्वारा अपनी कार्यकारिणी सदस्यों की रमाकांत बिलैया संगठन मंत्री, उमाकांत बरसैंया उपमंत्री अनिल खरया, संयोजक शैक्षणिक संस्था विनोद चौदहा, बाल कृष्णखंताल, पूर्व पदाधिकारी, एवं श्री के.सी. आजाद (चीचलीं), आदि सदस्यों के साथ श्री रमाकांत गेड़ा की सुपुत्री के विवाह समारोह के अवसर पर स्थानीय पूजा लाज छिंदवाड़ा में जिले के स्वजातीय बंधुओं से संपर्क कर समाज एवं संगठन के विकास पर विस्तृत चर्चा की गई । इसमें दमुआ, घोरावाड़ी, डुंगरिया, जुन्नारदेव, अम्बाहा, इकलहरा, परासिया, रावनवाछा आदि स्थानों से पधारे गहोई बंधुओं से विचार विमर्श किया गया।

–अनिल खरया,संयोजक

श्री गहोई वैश्य पंचायत शिवाजी नगर मेडीकल क्षेत्र झांसी की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण

झांसी । श्री गहोई वैश्य पंचायत शिवाजी नगर मेडीकल क्षेत्र झांसी का द्विवर्षीय चुनाव मुख्य चुनाव अधिकारी श्री रामकुमार नीखरा एड. की देखरेख में दिनांक 25 दिसम्बर 2010 को सम्पन्न हुआ था जिसके तहत निर्वाचित सदस्यों एवं क्षेत्र के गणमान्य सामाजिक बंधुओं की उपस्थिति में दिनांक 30 जनवरी 2011 को शपथ ग्रहण एवं परिचय सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें ग.वै. पंचायत झांसी के पंच श्री नरेश तीतबिलासी (राजू रक्सा), मुख्य अतिथि में जिसकी अध्यक्षता निर्वतमान अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार चउदा एवं संचालन श्री मिलन किशोर नीखरा ने की ।

कार्यक्रम के प्रारंभ में निर्वतमान अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार चउदा द्वारा नव निर्वाचित कार्यकारिणी के अध्यक्ष श्री जगदीश कटारे कोषाध्यक्ष श्री संतोष कटारे एवं महामंत्री श्री मिलन किशोर नीखरा को शपथ दिलायी गयी क्षेत्र के सभी गणमान्य व्यक्तियों एवं कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने निर्वतमान अध्यक्ष प्रमोद कुमार चउदा एवं अध्यक्ष श्री जगदीश कटारे का तथा कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारियों का फूल मालायें पहनाकर स्वागत किया।

अतिथियों ने विचार व्यक्त किये एवं पूर्व की कार्यकारिणी द्वारा कराये गये समाज के विकास के कार्यों की सराहना की गयी। एवं नवनिर्मित कार्यकारिणी से समाज के विकास हेतु तन,मन,धन से कार्य करने की आशायें की गई ।

-प्रमोद कुमार चउदा

शासकीय मान्यता प्राप्त 'अ' श्रेणी

• **कैलाश प्रिंटिंग प्रेस,**

131/5, जोन-2, एम.पी. नगर, प्रगति पेट्रोल पम्प के पास, भोपाल(म.प्र.)

कार्यालय : 2558583, 2676133

फैक्स : 0755-2552411

ई-मेल : kppb@airtelbroadband.in

मल्टी कलर ऑफसेट प्रिन्टर्स एण्ड पेपर सप्लायर्स

दैनिक

• **"संसार आपके द्वार"**

हिन्दी दैनिक राष्ट्रीय समाचार-पत्र, 145,B सेक्टर-एच, इण्डस्ट्रियल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल (म.प्र.) फोन : 2676132, 4061257

• **श्रीराम इण्डस्ट्रीज,**

145, B/1 सेक्टर-एच, इण्डस्ट्रियल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल (म.प्र.) फोन : 4260846, 9893141727

• **स्टैण्डर्ड यमाहा,**

यमाहा मोटर साईकिल के अधिकृत डीलर, 131/5, जोन-2, एम. पी. नगर, प्रगति पेट्रोल पम्प के पास, भोपाल (म.प्र.) फोन : 4299977

निवास : ई-2/125, अरेरा कालोनी, नेशनल हास्पिटल के पास, भोपाल। फोन: 2676135, 2421678

• शिवनारायन सुहाने • कैलाश सुहाने • श्रीराम सुहाने • मनीष सुहाने • आशीष सुहाने

रायपुर गहोई वैश्य समाज के चुनाव सम्पन्न

रायपुर । श्री गहोई वैश्य समाज (पंचायत) रायपुर की नई प्रबंध कार्यकारिणी के चुनाव श्री सतीश सुहाने चुनाव अधिकारी एवं श्री रामगोपाल नीखरा (चच्चा) सह संपादक बंधु एवं श्री अरविन्द्र गेड़ा मंत्री छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय सभा पर्यवेक्षक की देखरेख में दिनांक 27 फरवरी 2011 को शिवजी अपार्टमेन्ट लोधी पारा चौक शंकर नगर में सम्पन्न हुए जिसमें श्री अशोक हूंका (बानी) अध्यक्ष श्री संजय गेड़ा, सचिव एवं श्री अरूण बहरे को कोषाध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुने गये।

श्री अनिल बरसैंया पूर्व सचिव, श्री सुनील बरसैंया कोषाध्यक्ष तथा अन्य गणमान्य बंधु उपस्थित थे। सभी ने निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी। तथा आशा की कि समाज की रिक्त पड़ी भूमि पर शीघ्र मैथिलीशरण गुप्त के नाम से भवन बनाने के प्रयास किये जायेगें। सभी ने आर्थिक सहयोग देने का आश्वासन दिया है । **श्री अनिल बरसैंया पूर्वसचिव रायपुर समाज**

मेडीकल क्षेत्र के निर्वाचन सम्पन्न

झांसी ।शिवाजी नगर मेडीकल क्षेत्र गहोई समाज के द्विवार्षिक चुनाव मुख्य चुनाव अधिकारी श्री रामकुमार नीखरा (एडवोकेट) की देखरेख में विगत माह सम्पन्न हुये । जिसमें निम्नाकिंत पदाधिकारी निर्वाचित हुये ।

अध्यक्ष–श्री जगदीश कटारे, उपाध्यक्ष–श्री राम इटौरिया, श्री भगवत किशोर टिकरया, महामंत्री–श्री मिलन नीखरा मंत्री–श्री हरप्रसाद नीखरा, आय–व्यय निरीक्षक–श्री कामताप्रसाद बड़ौनिया, कार्यकारिणी सदस्य–श्री भानू नीखरा, श्री राजेन्द्र ददरया, श्री मनीश बरदिया, श्री अजय खंताल, श्री देवेन्द्र रावत, श्री ओमप्रकाश गेड़ा, श्री दीपक बांगर, श्री सुरेशचन्द्र सेठ और अंत में कार्यकारिणी की सहमति से निम्नांकित महानुभावों का संरक्षक मण्डल गठित किया गया। :– श्री प्रसून सेठ, श्री राजेन्द्र चउदा, श्री रामकुमार नीखरा, श्री राजेन्द्र सेठ, श्री हरिओम सेठ, श्री संजय चउदा, श्री हेमन्त नौगरैया।दिनांक 2 जनवरी 2011 रविवार को कार्यकारिणी द्वारा प्रस्ताव पारित कर निम्नाकिंत को विशेष आमंत्रित सदस्य नामित किया गया।

श्री सत्येन्द्र कनकने, श्री अशोक नौगरैया, के.के.नीखरा, श्री कृष्णमुरारी बरसैंया, श्याम बिहारी नीखरा, हरी खरया, मनोज कंथरिया आदि को नियुक्त किया गया। **–मिलन गुप्ता**

''गहोई बन्धु'' से संबंधित आवश्यक जानकारियाँ

''गहोई बन्धु'' गहोई वैश्य समाज की एक मात्र राष्ट्रीय पत्रिका है, जो समाज के सहयोग से हर माह प्रकाशित होती है।

(i) गहोई बन्धु में प्रकाशन हेतु सभी लेख, रचनायें, कविता तथा समाचार आदि फुलस्केप कागज पर एक ही ओर सुस्पष्ट और सुन्दर लेखन में अथवा टाइप किया हुआ सामायिक, प्रेरणादायी, सारगर्भित और नवीन जानकारियों से संबंधित ही लेख प्रकाशित किये जायेंगे। प्रकाशन सामग्री कृपया संपादक के पते पर भेजने का कष्ट करें ।

(ii) fookg ;kX; yMd&yMfd;k का बायोडाटा स्पष्ट जानकारी सहित टाइप किया हुआ ही स्वीकारे जायेंगे लड़कों का बायोडाटा प्रकाशित करने हेतु 250@– रुपये ब्लेक एण्ड व्हाइट छायाचित्र सहित 300@– रुपये एवं जन्म कुण्डली सहित 500@& रुपये एवम् लड़कियों के बायोडाटा हेतु 150@& रुपये छायाचित्र सहित 200@& रु. तथा जन्म कुण्डली सहित 400@& रु. भेजने होंगे। वैवाहिक कार्यक्रम की जानकारी मंगल परिणय हेतु 2000@& फुल पेज तथा 1200@& रु. आधा पेज हेतु भेजें। रंगीन फुल पृष्ठ के लिये 3500/– रू. एवं हाफ पेज के लिये 2000 रू. देय होंगे ।

उपरोक्त विषय के अंतर्गत सभी प्रकार के शुल्क ड्राफ्ट **''गहोई बन्धु'' ग्वालियर के नाम से ''बन्धु'' के मुख्य कार्यालय ''गहोई बन्धु'' भवन, राजा बाझर मंदिर के पास, राजा बाझर की गोठ, दौलतगंज, लश्कर ग्वालियर फोन-0751–2454142 को प्रत्येक माह की 15 तारीख तक भेजकर कृतार्थ करें।** कृपया ध्यान रहे कि एडपार चैक ही मान्य होगें।

&lEikn

शहडोल महिला मण्डल द्वारा निधर्न बस्ती में वस्त्रों का वितरण

शहडोल। ग.म.मं. द्वारा मंगलम बारात घर में श्रीमती दिव्या कटारे के सहयोग से बस्ती के बच्चे व महिलाओं को एकत्र कर श्रीमती सुधा कटारे की अध्यक्षता में सभी सदस्यों द्वारा पुराने वस्त्रों का वितरण किया गया। श्रीमती उर्मिला कटारे द्वारा सभी बच्चों को खिचड़ी बांटी गई। मण्डल के सभी सदस्यों ने बड़े ही उत्साह से सहयोग दिया। श्रीमती सुधा कटारे ने कहा कि हमारे मण्डल को समय समय पर इस तरह के सेवा कार्य करने पर आत्म संतोष होता है। महिला बाल विकास की सुपरवाइजर श्रीमती ज्योति श्रीवास्तव व महिला आयोग की सदस्य श्रीमती अमिता चपरा की उपस्थिति विशेष रही। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों श्रीमती सुधा कटारे, उर्मिला कटारे, दिव्या उषा, अर्चा सुधा, रोशनी कटारे, अमिता, आभा चपरा, बीटा मोरा,आशा बड़ेरिया के प्रति श्रीमती चंदा चपरा ने आभार प्रकट किया।

-सुधा कटारे
अध्यक्ष गहोई महिला मण्डल, शहडोल

इनका कहना है....

श्यामलाल गुप्ता (कुदरया) उपमंत्री छ.ग.क्षे.ग.वै. सभा भिलाई,–सपांदक जी आपके नेतृत्व में ''गहोई बन्धु'' ने लघु से वृहद रूप धारण किया जिसमें सभी पंचायतों, क्षेत्रीय सभाओं के कार्यक्रमों की जानकारियां, शादी योग्य बच्चों के बायोडाटा तथा गाहेई समाज के प्रतिभाशाली सदस्यों व प्रतिभाशाली बच्चों की उपलब्धियों की जानकारी उपलब्ध होती है। पंचायतों व क्षेत्रीय पंचायतों (सभाओं) की उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त होने से सभी को प्रेरणा मिल रही है। संपादकीय एवं अध्यक्षीय उद्गार सभी में उत्साह का संचार करता है।

गहोई महिला मण्डल शहडोल के एड्स व स्वैच्छिक रक्तदान पर रक्तदान दिवस पर महिला इकाई कटनी द्वारा बहरापन व वाणी दोष निवारण शिविर दिनांक 19/12/10 को आयोजित कर महिलाओं ने अपनी जागरूकता, कर्मठता व कुछ कर दिखाने की इच्छाशक्ति का परिचय दिया तथा सिद्ध कर दिया कि वे पुरूषों से पीछे नहीं हैं।

''गहोई बन्धु'' की गुणवत्ता हेतु निम्न सुझाव हैं–

- शादी हेतु बच्चों के बायोडाटा छपते समय गलतियां न हों इसका ख्याल रखें।
- महासभा के संरक्षक सदस्यों का जीवन परिचय छापते समय त्रुटियां न हों तथा परिचय पूर्णरूपेण लिखा जावे।

इनका कहना है.....

मदनमोहन इन्दरुख्या 49 सीएच स्कीम नं. 74 सी, इन्दौर। महासभा का स्थायी कार्यालय (भवन) शीघ्र बने–सामाजिक प्रगति और स्थायित्व के लिये महासभा का स्थायी कार्यालय (भवन) शीघ्र ही किसी सामाजिक महत्वपूर्ण स्थान पर बनना चाहिए। समाज के प्रबुद्धि वर्ग और बुद्धिजीवियों, व्यक्तियों की सदैव यह मांग रही है और महासभा में भी इस सम्बन्ध में कई बार चर्चा हो चुकी है लेकिन अभी तक इस सम्बन्ध में कोई उचित कार्यवाही नहीं हो सकी।

महासभा अपनी शताब्दी की ओर अग्रसर हो रही है यदि उसका स्थायी भवन (कार्यालय) अभी तक कहीं नहीं बन सका यह सम्पूर्ण गहोई समाज के लिये एक स्वाभिमान का प्रश्न है, आज जबकि गहोई समाज सम्पूर्ण दृष्टि से साधन सम्पन्न है, शिक्षा व्यवसाय ओर उद्योग में हम आगे बढ़ रहे हैं अन्य किसी भी समाज से पीछे नहीं हैं फिर क्या कारण है ? कि राष्ट्रीय स्तर के संगठन का एक अच्छा भवन नहीं हो सकता है। यह मेरे विचार नहीं बल्कि सम्पूर्ण गहोई समाज के बुद्धिजीवियों, वरिष्ठ और प्रबुद्ध वर्ग के लोगों के विचार हैं इससे सम्पूर्ण गहोई समाज अपना सभी प्रकार का सहयोग करने की भावना है।

महासभा की महत्वपूर्ण उपलब्धि ''गहोई बन्धु'' का स्थायी भवन (कार्यालय)& ''गहोई बन्धु'' के अंक को देखकर अत्यन्त हर्ष हुआ कि ''गहोई बन्धु'' कार्यालय अपने स्वयं के भवन में हो गया है। ''गहोई बन्धु'' कार्यालय राज बाक्षर मंदिर के पास राजा बाक्षर की गोठ, दौलतगंज, लश्कर, ग्वालियर में पहुंच गया है। नये कार्यालय में पहुंचने के लिये महासभा के समसत पदाधिकारीगण, कार्यकारिणी सदस्य व संपादक मण्डल के सदस्यों को बधाई। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिये आप सदैव ही स्मरण रहेंगे। आशा है महासभा का भवन भी शीघ्र ही स्थायी भवन होगा। ●●●

बसन्तोत्सव सम्पन्न -कविता एवं आशा बनी बसंत रानी

शहडोल । विगत माह अखिल भारतीय वैश्य महासभा महिला सभा द्वारा बसंत पंचमी के अवसर पर बसंत उत्सव मनाया गया। अर्चना कटारे के निवास पर आयोजित इस कार्यक्रम में सभी महिलायें पीला परिधान पहनकर मानो बसंत को चुनौती दे रही थी।

सर्वप्रथम अमिता चपरा महिला मानव अधिकार सदस्य एवं उर्मिला कटारे व अन्य मंचासीन अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया गया। विद्या एवं वाणी की देवी मां शारदा की स्तुति की गई । चंदा चपरा, चंचल खरया, क्षमा ददरया द्वारा जय–जय–जय है वीणावाणि, गीत प्रस्तुत किया गया। गीत संगीत के पश्चात् बड़े ही आकर्षक ढंग से शशि गुप्ता द्वारा सिर मुकुट साजे खेल खिलाया गया। जिसके माध्यम से बंसती क्वीन को चुना गया। कविता कटारे व आशा भण्डारी को संयुक्त रूप से क्वीन बनने पर संस्था द्वारा उन्हें पुरस्कृत कर ताज पहनाया गया।अर्चना कटारे द्वारा बड़े ही उत्साह से सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। साथ ही गोल्डन गेम कराया गया। जिसमें भावना केसरवानी, निशा मूंदड़ा, अमिता चपरा को प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कृत किया गया।

जिलाध्यक्ष उर्मिला कटारे द्वारा सभी सदस्यों को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से सत्यभामा, निशा, सुनीता मूंदड़ा, सुधा, शैल कटारे, भारती, ऊषा, रश्मि खरया, बबिता मोर, पुष्पलता, साधना मंत्री, सुधा सुहाने आदि उपस्थित रही। आभार प्रदर्शन व स्वल्पाहार के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

–उर्मिला कटारे

श्री गहोई महिला मंडल शिवपुरी द्वारा बसंत उत्सव धूमधाम से मनाया गया

शिवपुरी । विगत दिवस श्री गहोई महिला मंडल शिवपुरी द्वारा बसंत उत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमें सर्वप्रथम मां वीनावादिनी की वंदना की तथा उन्हें पुष्प माला अर्पण करने के साथ उत्सव प्रारंभ हुआ जिसमें सभी महिलाओं ने पीले रंग की साड़ी पहनी हुई थी कार्यक्रम मंडल की कोषाध्यक्ष श्रीमती साक्षी कनकने के निवास पर सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में महिलाओं द्वारा बढ़चढ़कर कर भागीदारी की गई जिसमें प्रमुख रूप से अध्यक्ष श्रीमती अनिता सेठ, सचिव श्रीमती स्नेहा कनकने, कोषाध्यक्ष साक्षी कनकने, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुधा बड़ेरिया, उपाध्यक्ष सुधा सेठ, उषा निगोती, संगीता गेड़ा, संयुक्त कोषाध्यक्ष शारदा तीतबिलासी, संगठन मंत्री बबीता रावत, भण्डारी नीलम पहारिया संरक्षक मंडल गीता नगरिया, उमा बिलैया, गीता नौगरैया व कार्यकारिणी की सदस्य उमा बेडर, सीमा चउदा, अलका कुरेले, सुमन बिलैया, श्रद्धा पहारिया आदि उपस्थित रही।

–श्रीमती स्नेहा कनकने सचिव, शिवपुरी

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के नाम पर विश्वास नगर में हुआ मार्ग का नामकरण

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने कहा कि कवि समाज का चेहरा होते हैं और समय काल परिस्थितियों में उनकी भूमिका हमेशा कारगर रही हैं। श्री सिंह ने यह बात पूर्वी दिल्ली के विश्वास नगर क्षेत्र में राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के नाम पर सड़क का नामकरण करते हुए कहा। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं महापौर व स्थानीय निगम पार्षद डॉ. कंवर सेन ने की । इसके अलावा दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवंर्धन शाहदार, निगम दक्षिण वार्ड के अध्यक्ष निर्मल जैन, भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष नकुल भारद्वाज, भाजपा शाहदरा जिलाध्यक्ष निर्मल जैन, आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। राजनाथ सिंह ने कहा कि मैथिलीशरण गुप्त ने सच्चे अर्थों में नई चेतना जागृत करते हुए एक नई दिशा दी थी। ऐसे महान कवि को नमन करते हुए आज हम अपने को गौरवान्वित महससूस कर रहे हैं। पूर्व महापौर और क्षेत्रीय निगम पार्षद डॉ. कंवर सेन ने कार्यक्रम में आये लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त का जीवंत साहित्य आज भी हमारी प्रेरणा का स्त्रोत है

–संवाददाता

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम सम्पन्न

अमरावती (महाराष्ट्र)। 8 मार्च 2011 विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में अमरावती शहर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में अरोमा जेसीस एवं अग्रवाल सखी मंच की ओर से रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें फैशन शो एतेहासिक नारी चरित्र पर नृत्य नाटिका एवं हास्य नाटिका प्रस्तुत की गई ।

इस कार्यक्रम में फैशन शो में दक्षिण क्षेत्र में मंत्री श्रीमती राजश्री नीखरा को बेस्ट स्माइल ओर बेस्ट इंट्रोडक्शन का पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह कार्यक्रम अग्रसेन भवन में आयोजित किया गया था। जिसमें सैकड़ो महिलाएं उपस्थित थी तथा मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रपति प्रतिभा ताई पाटिल की बहू मंजरी शेखावत उपस्थित थी सभी का आभार संगीता बरसैंया द्वारा किया गया।

-संगीता बरसैंया,अ.भा.ग.वै.महिला सभा

द.क्षेत्र ग.वैश्य महिला सभा की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

चालीसगांव । दिनांक 12 फरवरी 2011 को दक्षिण क्षेत्र महिला सभा कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन चालीसगांव के नगर वाचनालय में किया गया इस सभा में विशेष अतिथि के रूप में चालीसगांव महिला मंडल की संस्थापक अध्यक्ष एवं सचिव सौ. उमा सेठ एवं छाया सेठ उपस्थित थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता दक्षिण क्षेत्र महिला सभा की अध्यक्षता सौ. गीता सेठ ने की। मुख्य अतिथि में अ.भा. महिला सभा अध्यक्ष सौ. माया मातेले विशेष अतिथि, सचिव. सौ. संगीता बरसैंया संयुक्त मंत्री रजनी बरसैंया तथा दक्षिण क्षेत्र मंत्री राजश्री नीखरा विशेष रूप से उपस्थित थी।

ईश पूजन के पश्चात सभा प्रारंभ अतिथि स्वागत से हुई सभी मान्यवरों का पुष्प देकर स्वागत अध्यक्ष सौ. गीता सेठ ने किया। सभा में क्षेत्रीय सभाओं के पास कार्य करने के लिए निधि कहां से आए इस विषय पर चर्चा हुई साथ ही कन्या भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा, नेत्रदान, देहदान जैस विषयों पर सदस्यों ने अपने विचार प्रस्तुत किये। सौ. गीता सेठ ने देह दान का संकल्प लेते हुए उसे मेडीकल छात्रों को अध्ययन के लिए देने का निर्णय लिया।

सभा में अमरावती, नागपुर, वर्धा महिला मंडल का प्रतिवेदन सचिव राजश्री नीखरा ने तथा चालीसगांव का प्रतिवेदन स्थानीय सचिव रजनी कुचिया ने पढ़ा। आभार प्रदर्शन दक्षिण क्षेत्र मंत्री राजश्री नीखरा ने किया। सभा की समाप्ति के पश्चात चालीसगांव महिला मंडल की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस सभा की सफलता के लिए दक्षिण क्षेत्र उपमंत्री शारदा नगरिया, चालीसगांव महिला मंडल की अध्यक्षा सौ. राखी बिलैया सचिव रजनी कुचिया एवं उनकी पूरी कार्यकारिणी ने अथक परिश्रम किया।

सभी को बहुत–बहुत धन्यवाद तथा चालीसगांव गहोई पंचायत को इतने सुंदर आतिथ्य के लिए मनपूर्वक आभार।

राजश्री नीखरा मंत्री द.क्षे.ग.वै.म. सभा

बु.ख क्षेत्रीय महिला सभा द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

मऊरानीपुर । 8 मार्च 2011 को महिला दिवस मीरा बड़ौनिया की अध्यक्षता में मनाया गया सबसे पहले सभी बहनों द्वारा गणेश वंदना, एवं ध्वज गीत तथा सूर्य भगवान को नमन करते हुए सभी सभी अतिथियों ने अपने–अपने विचार व्यक्त किये।

रामा पहारिया, मंत्री ने अपने विचारों में बताया समाज में महिलाओं की विशेष भूमिका होती है, ओर सभी बहनों को आत्मनिर्भरता व स्वावलंबी महिलाओं को हर संभव सम्मान मिलना चाहिए।

श्रीमती मीरा बड़ौनिया ने कहा कि यह तो सनातन काल से चला आ रहा है कि जिसके कर्म अच्छे होते है उसके साथ ईश्वर रहता है जिसकी नियत अच्छी होती है अथवा घर ही मथुरा काशी होता है। ईश्वर में आस्था होनी चाहिए।

देश में महिलायें इतनी आगे प्रगति कर चुकी है जैसे कल्पना चावला, सुनीता विलियम्स, महारानी लक्ष्मीबाई, झलकारी बाई, इंदिरा गांधी आदि बैठक में सम्मिलित महिलायें, ऊषा, आशा रजनी, शशि, राममणि, मंजू, उमा, पुष्पा, उर्मिला, कुसुम, शगुन, अरूणा उपस्थित रही, होली गीत और भजन भी गाये गये। सभी ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर गले मिली।

राममणि ने सभी महिलाओं को बधाई दी, स्वल्पाहार के बाद सभी का आभार व्यक्त किया गया।

-मीरा बड़ौनिया, अध्यक्षा बु.ख.महिला सभा

श्री गहोई महिला मंडल चुनाव सम्पन्न श्रीमती अनिता सेठ (अनु) बनी महिला मण्डल अध्यक्ष

शिवपुरी। विगत दिवस लाल कोठी स्थित ऋषि मैरिज गार्डन पर श्री गहोई महिला मंडल के चुनाव सम्पन्न हुये, जिसमें श्रीमती अनीता सेठ (अनू) अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित हुई, साथ ही श्रीमती स्नेहा कनकने, सचिव पद हेतु एवं श्रीमती साक्षी कनकने को कोषाध्यक्ष पद हेतु निर्वाचित किया गया। चुनाव अधिकारी श्रीमती अल्का कुरेले एवं श्रीमती कमला कनकने की देखरेख में सम्पन्न हुए।

श्रीमती अनीता सेठ (अनू) को अध्यक्ष पद श्रीमती स्नेहा कनकने सचिव पद एवं श्रीमती साक्षी कनकने को कोषाध्यक्ष के पद चुने जाने पर समस्त गहोई महिला मंडल`न बधाई दी। बधाई देने वालों :–

श्रीमती शीला इन्दुरख्या, श्रीमती लीला निगोती, श्रीमती गीता नौगरैया, श्रीमती गीता नगरिया, श्रीमती उमा बिलेया, श्रीमती वीना सेठ, श्रीमती गीता नगरिया, किरण गुप्ता, श्रीमती सुधा बड़ेरिया, श्रीमती उषा निगोती, सुधा सेठ, संगीता गेड़ा, आशा गुप्ता, श्रीमती मंजू पहारिया इत्यादि उपस्थित थी।

–श्रीमती स्नेहा कनकने सचिव, शिवपुरी

अखिल भारतीय गहोई वैश्य धर्मशाला मंदिर ट्रस्ट अयोध्या धाम जिला फैजाबाद (उ.प्र.)

मीटिंग सूचना

अखिल भारतीय गहोई वैश्य धर्मशाला मन्दिर ट्रस्ट अयोध्या धाम के समस्त सदस्यों एवं विशिष्ट आमंन्त्रित सदस्यों को सूचित किया जाता है कि ट्रस्ट की साधारण सभा की बैठक दिनांक 11 अप्रैल 2011 सोमवार को दोपहर 3 बजे अखिल भारतीय गहोई वैश्य धर्मशाला हनुमत किला, स्वर्गद्वार, अयोध्या जिला फैजाबाद में आहुत की गई है जिसमे ंआप सभी की उपस्थिति प्रार्थनीय है ।

विषय :-

1. नवीन निर्माण पर आय एवं व्यय की प्रस्तुति ।
2. धर्मशाला की आय व्यवस्था तथा कार्यप्रणाली ।
3. श्रीराम कंदेले के विरूद्ध पुलिस रिपोर्ट पर कानूनी कार्यवाही ।
4. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से ।

समय : दोपहर 3 बजे

–श्री श्री १०८ श्री रामसियाशरण जी

प्रबंधक महन्त

कल्याण दास बिलैया, महामंत्री

मुन्नालाल नीखरा 9301510802 | अनिल नीखरा 9827042570 | प्रदीप नीखरा 9329210322

नीखरा साड़ी निकेतन

नीखरा क्लॉथ स्टोर

सभी प्रकार की फैन्सी साड़ीयों एवं लहंगा चुनरी के थोक विक्रेता

9, के. के. मार्केट, जीवाजी चौक, बाड़ा, लश्कर, ग्वालियर–474001 (म.प्र.)

फोन : (दुकान) 0751– Reliance 3293600, 2422380, (घर) 2429366

अ.भा.ग.वै.महिला सभा की बैठक व रजत जयंती सम्मान समारोह सम्पन्न

चालीसगांव । स्थानीय महिला मंडल ने अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती वर्ष का भव्य आयोजन किया। इस अवसर पर अ.भा. ग.वै. महिला महासभा की बैठक आमंत्रित की गई। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्षा सौ. माया मातेले, राष्ट्रीय सचिव सौ. संगीता बरसैंया, दक्षिण क्षेत्रीय सभा की अध्यक्षा सौ. गीता सेठ सहित कई गणमान्य महिलायें पधारी। बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चायें हुई। एवं निर्णय लिये गये भोजनोपरांत स्थानीय मंडल ने बड़ी धूमधाम से रजत जयंती समारोह का प्रारंभ किया कार्यक्रम के प्रारंभ में पारम्परिक महाराष्ट्रीय एवं गुजराती वेशभूषा में सुसज्जित महिलाओं ने सभी महिलाओं का हल्दी, कुमकुम व पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया।

अध्यक्षता स्थानीय नगराध्यक्ष सौ. वैशाली मंगेरा सिंह पाटिल ने की। मंडल की स्थापना करने वाली प्रथम अध्यक्षा सौ. उमा प्रभाकर सेठ एवं सौ. छाया मोतीचन्द्र सेठ एवं नगराध्यक्ष महोदय का शाल, श्रीफल देकर स्वागत किया। मंडल के प्रगति दिशा देने वाली सभी पूर्व अध्यक्ष व सचिवों को श्रीफल व शाल व अभिनंदन पत्र देकर उनकी सेवाओं के प्रति अध्यक्ष सौ. सारिका अमर गुप्ता व सचिव सौ. रजनी प्रवीण कुचिया ने सम्मान प्रकट किया इस कार्यक्रम में सम्मान पधारे अ.भा. ग.वै. महासभा के पूर्व ओजस्वी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जुगल किशोर मातेले एवं कटनी गहोई वैश्य पंच परिषद के पूर्व सचिव श्री कैलाशनाथ मोर का अभिनंदन पत्र देकर सम्मान किया गया। छोटी बच्चियों ने मोहक नृत्य की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया।

नगर के प्रतिभावन छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के बीच फोटोजनिक फेस प्रतियोगिता रखी व विजयी बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम के अंत में सभी स्वजनों को सामूहिक आनंदभोज हुआ सुबह से चाय नाश्ते से लेकर दोपहर तक भोजन तक सभी ने उन्मुक्त कंठ से प्रशंसा की गई एवं सम्पूर्ण समाज का पूर्ण रूप से सहयोग मिला जिसमें अध्यक्षा सौ. सारिका अमर गुप्ता का सचिव सौ. रजनी प्रवीण कुचिया व सभी लोगों का धन्यवाद करती हैं।

-सौ. सारिका अमर गुप्ता, अध्यक्ष

महाशिवरात्रि पर्व पर भण्डारा कार्यक्रम

जुन्नारदेव । शिवरात्रि पर्व पर जुन्नारदेव पहली पायरी में भण्डारा कार्यक्रम पूज्य माता–पिता स्व. श्री बाबूलाल जशोदा बाई कंदेले की स्मृति में कंदेले परिवार द्वारा दिनांक 26–02–11 से 02–03–11 तक आयोजित किया गया। भोलेनाथ के भण्डारा में प्रतिदिन हजारों की संख्या में शिव भक्तों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया।कार्यक्रम में गहोई वैश्य मैत्री ग्रुप सेवा समिति, समाज बन्धुओं एवं ईष्ट मित्रों की उपस्थिति सराहनीय रही।

-गहोई वैश्य मैत्री ग्रुप सेवा समिति जुन्नारदेव

रमेशचन्द्र सेठ

मोबा. : 9425109811

Factory Outlet NEXT™ GENERATION

सूटिंग-शर्टिंग, सूट पीस एव रेडीमेड गारमेन्टस (पुरूष-परिधान)

मेसर्स :-ममता एजेन्सी, रमेशचन्द्र - महेशचन्द्र सेठ क्लॉथ कमीशन एजेन्ट

होटल सुरभि, श्रीनाथ कॉम्पलेक्स, नया बाजार, लश्कर, ग्वालियर फोन-0751–2627773

विदर्भ सेवा समिति द्वारा रामकृष्ण गुप्ता का गर्मजोशी से सत्कार

नागपुर (महाराष्ट्र)। चालीस वर्षों से सतत सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत नगर के प्रमुख समाजसेवी व वैश्य एकता परिषद महाराष्ट्र प्रदेश के अध्यक्ष श्री रामकृष्ण गुप्ता का उनके 61 वें वर्ष में पदार्पण होने पर विदर्भ सेवा समिति के तत्वाधान में व डॉ. संतोष मोदी के संयोजन में गर्मजोशी के साथ वैश्य समाज के अनेक घटकों द्वारा शाल, श्रीफल व पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। उपरोक्त अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्री जयप्रकाश गुप्ता, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गहोई वैश्य महासभा के श्री जुगल किशोर गुप्ता मातेले, नागपुर सराफा मर्चेन्ट एसोसियेशन के सचिव श्री राजकुमार गुप्ता लोहिया, श्री अजय अग्रहरी अध्यक्ष महाराष्ट्र प्रदेश अग्रहरी वैश्य समाज, हरीश गुप्ता पूर्व मंत्री दोसर वैश्य समाज व मंत्री वैश्य एकता परिषद, प्रमुख समाजसेवी मुन्नालाल जैन, धार्मिक क्षेत्र में अग्रणी श्री कमलकिशोर चांडक, जीजामाता सोसायटी के अध्यक्ष, श्री महेश शिवहरे, संघ प्रचारक श्री रामनारायण गुप्ता, आनंद गुप्ता, बाबूलाल नेवेटिया, मनोज गुप्ता, राकेश गुप्ता , श्रीमती मधु गुप्ता, श्रीमती सरोज गुप्ता, अल्का व खुशबू गुप्ता उपस्थित थे।

सत्कारमूर्ति रामकृष्ण गुप्ता ने अपनी जीवन के अनेक अनुभव बताये। वैश्य शिरोमणी व अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुमंत गुप्ता, पोदारेश्वर राम मन्दिर के प्रबंध ट्रस्टी बाबू रामकृष्ण पोद्दार व उनके पिताश्री श्री रामविलास गुप्ता की प्रेरणा से जीवन में बदलाव आया व समाज सेवा, राष्ट्रसेवा में निरंतर कार्य करने की प्रेरणा जागी। उन्होंने कहा कि मुझे वैश्य समाज के अनेक घटकों का आशीर्वाद व सहयोग प्राप्त है। समाज के सभी पदाधिकारियों ने रामकृष्ण गुप्ता के रचनात्मक कार्यों की सराहना की। डॉ. संतोष मोदी ने कहा कि सेवा से ही मिलता है सम्मान। इस अवसर पर ''तुलसी लगाओ प्रदूषण हटाओ'' का सभी महानुभावों ने संकल्प लिया।

हरीश गुप्ता, महामंत्री

अखिल भारतीय गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ का आय-व्यय पत्रक

fnukd 22&05&2010 l 31 ekp 2011 rd

आय			व्यय	
दिनांक 22 मई 2010 को पूंजी खाता		70502—00	एफडीआर यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया, ग्वा.	53234—00
एफ.डी.आर. बैंक	53234—00		यूनिन बैंक ऑफ इण्डिया में करेण्ट खाता	27475—00
यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया	16410—00		टाइप कोरियर आदि का खर्च	583—00
पूर्व नगदी रकम	858—00		शेष नगदी अंतिम	525—00
दिनांक 31—03—2011 तक आय		11315—00		
संरक्षक सदस्य—5	5005—00			
आजीवन सदस्य—23	5770—00			
सेविंग बैंक खाते का ब्याज	540—00			
dqy ;ksx		81817&00	dqy ;ksx	81817&00

वरिष्ठ जन को हो सम्मान, भावी पीढ़ी बने महान

शरद कठल
अध्यक्ष, गाडरवारा
मोबा. 9826660827

सीताराम बिलैया
कोषाध्यक्ष ग्वालियर
मोबा. 9402712950

गनतपराम नीखरा
मंत्री ग्वालियर
फोन : 0751-2626079

छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय गहोई वैश्य सभा की प्रथम कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

भिलाई (छत्तीसगढ़)। छ.ग. क्षेत्रीय गहोई वैश्य सभा की प्रथम कार्यकारिणी की बैठक दिनांक 27 फरवरी 2011 को मधुवन रेस्टोरेन्ट भिलाई में माँ सरस्वती की पूजन माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से प्रारंभ हुई। बैठक को संबोधित करते हुए छ.ग. क्षेत्र के अध्यक्ष बृजेश बृजपुरिया ने बताया कि राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के नाम से रायपुर में शोध संस्थान की स्थापना हेतु भूखण्ड आवंटित करने की मुख्यमंत्री डॉ. रमनसिंह ने औपचारिक सहमति दे दी है। संस्थान का संचालन क्षेत्रीय समाज करेगा जिसमें देश के ख्यात साहित्यकारों की रचनायें उपलब्ध करायी जायेंगी। इससे साहित्य में शोध करने वाले छात्रों को आवश्यक जानकारी तथा प्रदेश के साहित्यकारों को साहित्यिक गतिविधियों के लिये उपयुक्त मंच मिल सकेगा। इसी तारतम्य में उन्होंने बताया कि नक्सली वारादात में मृत धमतरी के सतीश गुप्ता की पत्नी को आर्थिक सहयोग व शासकीय नौकरी देने की मांग मान. मुख्यमंत्री जी ने मान ली है, जिसकी कार्यवाही प्रारंभ हो गई है।

बिलासपुर पंचायत के अध्यक्ष मनोहर बरसैंया ने प्रगति प्रतिवेदन का वाचन करते हुए बिलासपुर में राष्ट्रकवि की मूर्ति स्थापित करने पर आ रही शासकीय अड़चनों को दूर करने की मांग की। गौरव ग्रंथ प्रकाशन की जानकारी देते हुए उन्होंने कक्षा 9 वीं से उच्च शिक्षा के लिये समाज के सुविधाहीन बच्चों को छात्रवृत्ति योजना के विषय में बताया, इस वर्ष 131 छात्रों को यह लाभ दिया जा रहा है। धमतरी पंचायत के सुधीर बरसैंया ने धमतरी पंचायत द्वारा सामाजिक लोगों के लिये सामूहिक विवाह आयोजन की जानकारी देते हुए सहयोग की अपील की। छत्तीसगढ़ गहोई वैश्य महिला मोर्चा की मंत्री श्रीमती संगीता सिजरिया ने क्षेत्रीय महिला संगठनों को सशक्त करने व समाज के उत्थान में महिलाओं की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने की बात कही। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. एस. एल. गुप्ता ने सामाजिक बंधुओं को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श योजना पर प्रकाश डाला। ''गहोई बन्धु'' के सह संपादक धनीराम कनकने ने क्षितिज खरया शिखा खरया द्वारा 2.50 लाख (दो लाख पचास हजार रुपये) का दान देकर अपनी पुत्री के नाम से राष्ट्रीय स्तर पर ''आशी खरया फण्ड'' (अक्षय निधि) अ.भा. महासभा कोष स्थपित करने की जानकारी देते हुए बताया कि लोग कोष वृद्धि में सहयोग कर रहे हें, धन राशि पर प्राप्त ब्याज से कैंसर पीड़ित समाज के बच्चों को मदद दी जावेगी। संगठन मंत्री विजय बिजपुरिया ने क्षेत्रीय सभा के नामांकन हेतु स्थानीय पंचायतों से तथा महासभा के लिये क्षेत्रीय सभा से अनुमोदन कर विचार रखा। सभी पंचायतों के अध्यक्षों ने अपना प्रतिवेदन तथा सभी प्रकोष्ठों के संयोजकों ने कार्य प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में विभिन्न पंचायतों के चुनाव, नवगठन, सदस्यता, रीतिरिवाजों में एकरूपता, नये कार्यक्रमों, योजनाओं तथा क्षेत्रीय समस्याओं में चर्चा की गई। राजनांदगांव पंचायत अध्यक्ष फत्तेलाल रूसिया, प्रदेशाध्यक्ष जगदीश बिजपुरिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष माधवप्रसाद बिजपुरिया, शंकरलाल बेहरे, एम.डी. नगरिया, ओंकार मोदी, रतन बेहरे, राकेश रूसिया, हेमन्त कनकने, प्रमोद कुचया, सुभाष हूँका, डॉ. प्रभात गुप्ता, एन.के. मोर, बृजेश नगरिया आदि ने महत्वपूर्ण सुझाव व विचार व्यक्त किये। बैठक की कार्यवाही व मंच संचालन श्यामलाल कुदरया ने तथा आभार प्रदर्शन माधवप्रसाद बिजपुरिया ने किया।

-राकेश रूसिया, प्रचार मंत्री

साहित्यकार डॉ. सत्यकाम पहारिया का 'अमृत महोत्सव' भारत मारिशस मैत्री परिषद के तत्वाधान में सम्पन्न

कानपुर। 12 फरवरी डॉ. सत्यकाम पहारिया के अमृत महोत्सव मनाने के लिए प्रातःकाल 10 बजे निवास स्थान आशीर्वाद पर सात्विक यज्ञ का आयोजन पं. लक्ष्मी शंकर द्विवेदी के आचार्यत्व में पूर्ण विधि–विधान के अनुसार वैदिक रीति से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर परिवार के सभी सदस्यों ने मन्त्रोच्चार के साथ आहुतियां दी और बड़ी संख्या में परिवार के सदस्यों, नाते–रिश्तेदारो, व्यवहारियों ने उपस्थित होकर पुष्प वर्षा कर शतायु का आशीर्वाद दिया।

इस अवसर पर गहोई वैश्य कल्याण समिति, कानपुर के अध्यक्ष श्री प्रभात चन्द्र कुरेले ने सपरिवार उपस्थित होकर डॉ. सत्यकाम पहारिया को मंगल कामनायें प्रेषित की। बड़ी संख्या में सम्मानीय बन्धुओं ने भी उपस्थित होकर अपना आशीर्वाद देकर शतायु की कामना की। यज्ञोपरांत सभी आमंत्रित बन्धुओं को भोजन कराया गया।

अ.भा. गहोई वैश्य महासभा के संरक्षक, वरिष्ठ शाखा के नगर अध्यक्ष, भारत विकास परिषद के प्रान्तीय साक्षरता निर्देशक, अनेक संस्थाओं के पदाधिकारी, प्रसिद्ध साहित्यकार एवं समाजसेवी डॉ. सत्यकाम पहारिया के स्वर्णिम पहचत्तर वर्ष पूर्ण करने पर अभिनंदन ग्रन्थ 'नैवेद्य' का लोकार्पण बी.एन. एस.डी. शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज के विशाल कक्ष में भारत सरकार के केबिनेट कोयला मंत्री श्री श्रीप्रकाश जायसवाल द्वारा बड़ी संख्या में नगर के प्रख्यात साहित्यकारों, कवियों, बुद्धिजीवियों सामाजिक बन्धुओं और संभ्रात नागरिकों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। डॉ. पहारिया द्वारा लिखित भारतीय संस्कृति के उन्नायक पुस्तक का लोकार्पण किया बाल साहित्य समीक्षा पत्रिका का डॉ. सत्यकाम पहारिया विशेषांक का भी लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम प्रारंभ होने के पूर्व कु. गौरी एवं कु. श्रद्धा ने नृत्य पर गणेश वंदना प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरी।

अभिनंदन कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर में हिन्दी के मूर्धन्य विद्वान आचार्य सेवक वात्स्यायन जी कर रहे थे। मुख्य वक्ता के रूप में श्री रामशरण श्रीवास्तव सेवानिवृत्त आई.ए.एस. विशिष्ट वक्ता डॉ. आर.एन.त्रिवेद्वी सेवा निवृत्त आई.ए. एस. तथा पं. बद्रीनारायण तिवारी जी एवं पं. राधेश्याम दांतरे, और श्री रवीन्द्रनाथ पहारिया कोंच, एवं स्वागताध्यक्ष इंजी. प्रभातचन्द्र जी कुरेले तथा आज जिनका अभिनंदन होना था वह डॉ. सत्यकाम पहारिया भी मंच पर विराजमान थे।

केन्द्रीय मंत्री श्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने बी.एन.एस.डी. शिक्षा निकेतन में हुये डॉ. सत्यकाम पहारिया अभिनंदन ग्रन्थ नैवेद्य के लोकार्पण के अवसर पर कहा कि बुंदेलखण्ड के अद्वितीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार के वंशज एवं साहित्यकार डॉ. सत्यकाम पहारिया को समर्पित इस ग्रन्थ में हिन्दी के विद्वानों ने अपने विचार व्यक्त किये है, जो हिन्दी की सेवा कर रहे हैं।

डॉ. सत्यकाम की उम्र के 75 बसंत पूरे होने पर 'नैवेद्य' शीर्षक से प्रकाशित अभिनंदन ग्रंथ के विमोचन के अवसर पर शनिवार को आयोजित अमृत महोत्सव में नगर के जाने माने साहित्यकार कवि, शिक्षाविद् और सांस्कृतिक क्षेत्र के प्रमुखों से अपने संबोधन में मा. श्रीप्रकाश जायसवाल (केन्द्रीय मंत्री भारत शासन) ने कहा डॉ. सत्यकाम पहारिया जैसे समर्पित हिन्दी सेवी के 75 वें जन्मदिवस पर हम सभी को हिन्दी की प्रतिष्ठा व उसे यथोचित सम्मान दिलाने का प्रण करना चाहिए।

समारोह में भारत विकास परिषद सहित अन्य संस्थाओं ने डॉ. पहारिया के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का वर्णन कर मालाओं से लादकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती उर्मिला पहारिया का भी सारस्वती सम्मान किया गया। संयोग से आज ही के दिन डॉ. सत्यकाम पहारिया के बड़े भाई श्री रवीन्द्रनाथ पहारिया का भी जन्म दिन था। उन्हें भी मंचासीन कराया गया और उनका भी सम्मान किया गया। आमंत्रित अतिथियों को आचार्य सेवक वात्स्यायन, रामशरण श्रीवास्तव, डॉ. आर. एन. त्रिवेद्वी सेवा निवृत्त आई ए.एस. श्री बद्रीनारायण तिवारी पं. राधेश्याम दांतरे कोंच, स्वागताध्यक्ष श्री पी.सी. कुरेले, ने डॉ. सत्यकाम पहारिया को शुभकामनाऐं देते हुये उनके स्वास्थ्य एवं दीघायु की कामना की। कार्यक्रम का कुशल संचालन भारत मॉरिशस मैत्री परिषद के महामंत्री एवं भोजपुरी साहित्य के पुरोधा पं. रामनरेश त्रिपाठी ने कियां तदुपरांत समस्त आमंत्रितों को स्वल्पाहार कराया गया।

–संवाददाता

मदन मुस्करायौ है

शीतल, मंद, सुंगध, समीर बहै दसों दिशान ।
आमन के बागन भॅंवर गुनगुनायौ है ।।
कोयलिया कूक–कूक कहत कछु संदेशौ सौ ।
प्रकृति कौ रूप कछु दूसरौ ही पायौ है ।।
चटक उठे चौबन्द गोरी की चोली के।
ईंगुर से बदन से मदन मुस्कुरायौ है ।।
मोहक मृदु कली खिली, आन बैठौ आशिक अली ।
मधुमय मकरंद आनन्द लेत, ऐसौ बीरायौ है ।।
रितुराज राज में आज आली हमहूँ नें।
नैनन–शराषन पै काम–शर चढ़ायौ है ।।

–ग्यासीराम गुप्त, आलमपुर

मन अब मानत नइयाँ

कैसे कहूँ मोरी गुइयाँ री, अब ठौर ठिकानो नइयाँ।
ना कहिबी मँहगाई की, पै मन मानत अब नइयाँ।।
है गिरी गाज लहसुन प्याज पै, लाजन भये टमाटर लाल।
सबरी सागें इत उत मटकें, भागें लइयाँ पइयाँ।।
कछु दिनन में लहसुन मेवा, शो केसन में घर हैं।
दिखा उंगरिया बच्चन खौं, समझै हैं ले के कइयाँ।।
अरहर दाल भटन को भरता, और चरूमा के लड्डू।
हथपऊ रोटी और गक्कड़ खौं, मन लैवे ललचइयाँ।
पाला पड़ गओ अरहर में, सौ रुपया सेर बिकानी।
बन गओ मन को ऐसो भरता, रह गओ छन्न मनइयाँ।।
कैसे कहूँ मोरी गुइयाँ री, अब ठौर ठिकानो नइयाँ।
ना कहिबी मँहगाई की पै, मन मानत अब नइयाँ।।

–सुधा गुप्ता ''अमृता'' दुबे कालोनी, कटनी

श्री नारायणदास ब्रजपुरिया 'कमलेश' के प्रति श्रंद्धाजलि

मेरे छोटे भैया, मेंरे कमलेश सुकवि, क्यों चले गये ?
क्यों क्रूर नियत और कालचक्र के हाथों, असमय छले गये ?
अग्रज तुमने था कहा मुझे तो मुझको पहले जाना था ।
यों जाने के पहले तुमको रूकने कुछ और मनाना था।।
वे हास्य व्यंग के चटकारे जो कहे महा अधिवेशन में ।
सब मुखरित होकर चीख रहे रह–रहकर इस विचलित मन में ।
जब दिन भर नौंक झौंक करते सब जाति बंधु थक जाते थे।।
तुम कवि स्वजाति का मंच सजा, हंसते थे और हंसाते थे।
वे दिन अब कहां, कहां रातें जो भोर तलक जगवातीं थी।।
सुनकर तुमको क्या पुरूष, स्वयं महिलायें तक मुस्कातीं थी।
सब से तुम हिल मिल जाते थे, अपनापन मुखरित होता था।।
जिस दिन यह खबर सुनी दिल का रोयां–रोयां तक रोता था।
अब केवल याद तुम्हारी है और सरस पक्तियां बोल रही।।
सब पत्र पत्रिकायें शाश्वत इतिहास तुम्हारा खोल रही।
हम तुमको भूल न पायेंगे, आलमपुर भी चिरंगाव हुआ।
तुम जहां रहो जिस स्थित में खुश रहो निकलती यही दुआ।।
इस बेला में श्रद्धांजलि के अब और बचा क्या है बाकी।
रह गई हाथ खाली प्याली, ले गया सुराही तक शाकी।।

–रामस्वरूप ब्रिजपुरिया, मुरार

दिल से दिल मिल गये

पीत पत्र झर गये, नवीन पुष्प खिल गये।
बसंत आगमन है, दिल से दिल मिल गये।।
मस्त बयार बह रही, हृदय कपाट खोल रही।
उल्लास और हर्ष के समीकरण तौल रही।।
स्वप्न भरे हृदय में योग और वियोग के।
फागुनी फिजाओं में सुप्त भाव जग गये।।
पीत पत्र झर गये नवीन पुष्प खिल गये।
बसंत का है आगमन दिल से दिल मिल गये।।

–जगदीश गुप्त, कटनी

श्री गहोई वै. पंचायती सत्संग भवन ट्रस्ट द्वारा दंत चिकित्सा शिविर सम्पन्न

कटनी । श्री गहोई वैश्य पंचायती सत्संग भवन ट्रस्ट एवं अक्षय स्पेशिलिटी डेन्टल क्लीनिक एंड इमप्लांट सेंटर द्वारा गहोई धर्मशाला में आयोजित दंत चिकित्सा परामर्श शिविर में अक्षय गुप्ता, डॉ. निकिता ए गुप्ता द्वारा 138 लोगों की जांच कर परामर्श सेवा प्रदान की गई, शिविर का शुभारंभ गहोई परिसर स्थित भगवान के विधिवत पूजन अर्चन के साथ सम्पन्न हुआ। चिकित्सक दल का स्वागत सरंपच श्री काशीप्रसाद डेंगरे एवं श्रीमती गीता सोनी द्वारा किया गया, ट्रस्ट अध्यक्ष प्रमोद कनकने ने जानकारी देते हुए बताया कि गहोई समाज द्वारा मानव सेवा के क्षेत्र में ऐसे सार्थक प्रयास निरंतर जारी रहेगें शिविर संयोजक राकेश सुहाने ने कहा कि इस कड़ी में निःशुल्क आयोजित दंत शिविर में कटनी के अलावा, आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों व सर्मीपवर्ती जिलों के भी दंत पीड़ित जन बड़ी संख्या में लाभान्वित हुये हैं।कार्यक्रम में मुन्नालाल बिलैया, गोविन्ददास चौदहा, दयाशंकर कनकने, सुरेश सुहाने, अनिल खर्द, सुशील बरसैंया, संजय चौदहा, दीपक सोनी, श्रीमती मिथलेश चौदहा, श्रीमती अर्चना सोनी, श्रीमती उषा नौगरैया, श्रीमती दुर्गा बरसैंया ने सहयोग प्रदान किया। ट्रस्ट की ओर से चिकित्सक दंपति डॉ. अक्षय डॉ. निकिता को अध्यक्ष प्रमोद कनकने ने स्मृति चिन्ह प्रदान किया। कार्यक्रम संयोजक राकेश सुहाने ने धन्यवाद करते हुये आभार व्यक्त किया।

–राकेश सुहाने,दंत चिकित्सा शिविर

छुट्टी की भी छुट्टी कर दो

आई पास परिक्षाऐं हैं,
खेलकूद की छुट्टी कर दो।
गप्पें बहुत हांक ली तुमने,
अब गप्पों की छुट्टी कर दो।।
पढ़ो लिखों सब मिलकर अब तो,
इस मस्ती की छुट्टी कर दो।।
छुट्टी बहुत मनाई तुमने,
छुट्टी की अब छुट्टी कर दो।।
बुरी भावनायें बाहर कर,
मन में उनकी कुट्टी कर दो।।
मन मन्दिर के अंधकार में,
सद्भावी का दीपक भर दों।।
बुरे दोस्तों का संग छोड़ो,
उनसे तो अब कुट्टी कर दो।।
पढ़ो लिखों इस छुट्टी में भी,
छुट्टी की अब छुट्टी कर दो।।
पढ़ लिखकर गांधी बन जायें,
प्रभुवर ऐसा वर दो।।
सत्य अंहिसा को अपनावें,
यही भावना भर दो,
गीत एकता के नित गायें,
ऐसा मनहर स्वर दो।।
छुट्टी हम चाह न रक्खें,
छुट्टी की भी अब छुट्टी कर दो।

–डॉ. सुशील कुमार सोनी, आलमपुर

ग. महिला मंडल द्वारा महिला दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

उरई । श्रीमती सीमा गहोई के श्रीराम मार्बल फार्म हाउस पर दिनांक 8 मार्च 2011 को श्रीमती मालती मिसुरिया की अध्यक्षता में महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया जिसमें महिला मण्डल के समस्त कार्यकारिणी टीमें मौजूद थी। कार्यक्रम का संचालन सीमा गहोई ने किया। उक्त कार्यक्रम में महिला स्वावलम्बी कैसे बनें, अपने पैरों पर कैसे बड़ी हो राजनीति में आगे कैसे आये एवं हर वर्ग एवं समाज में अपना नाम रोशन कैसे करे इस विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया एवं उक्त विषय पर मालती मिसुरिया अध्यक्ष विमलेश दोहरया, उपाध्यक्ष ममता दोहरया, वन्दना पहारिया महामंत्री, अंजली रावत, निधि खर्द, रंजना कौशल, अलका दोहरया, सुविधा दौहरया ने अपने–अपने विचार व्यक्त किया। कोषाध्यक्ष रेनू तरसौलिया ने कार्यकारिणी को आय–व्यय का ब्यौरा दिया एवं महिलाओं को एक जुट होकर कार्य करने का आहवान किया। श्रीमती मालती निगोतया एवं अलका कठिल ने सभी का आभार प्रकट किया। सुधा खर्द, लक्ष्मी दोहरया, गीता पिपरसानियां, ज्योति कनकने, आदि समाज सेवी महिलाओं ने भाग लेकर कार्यक्रम को भव्य बनानें में सहयोग दिया।

–श्रीमती वंदना पहारिया महामंत्री महिला सभा

सुन्दर ऋतुराज

नंदन उतारता धरा पर फिर आज,
शान से आ रहा सुन्दर ऋतुराज ।।
भागी हिमालय की बेटी वह शीत ,
कोहरा तुषार छिपे होकर भयभीत ।।
हार हेमन्त ने उतार दिया ताज,
शान से आ रहा सुन्दर ऋतुराज ।।
कॉफी पिलाती है प्रातः की धूप,
छा गई सूरज की कंचन सा रूप ।।
नहीं गर्म कपड़ो का कोई मोहताज,
शान से आ रहा सुन्दर ऋतुराज ।।
खेतों में फसलें सब हो गई जवान,
कितना मनोहर है उनका परिधान।।
धरती के गहनों सा लगता अनाज,
शान से आ रहा सुन्दर ऋतुराज ।।
लाया ऋतुराज विपुल वस्त्रालंकार,
बांट रहा सबको जो जिसका हकदार।।
खेतों में बिखरे हैं नीलम, पुखराज,
शान से आ रहा सुन्दर ऋतुराज ।।
प्रकृति सब मनोहर सुख वैभव संम्पन्न,
नही कहीं रंजोगम नहीं कोई विपन्न ।।
कहते सज्जन सुजान इसी को सुराज,
शान से आ रहा सुन्दर ऋतुराज ।।

–डॉ. सीताराम गुप्त 'दिनेश'

ग्राम नगर रक्षा समिति, उदबोधन गीत

देश भक्ति जन सेवा के हित, नूतन रक्षा समिति बनी ।
इसके सभी सदस्य वीरजन, शोर्य पराक्रमी, शक्तिधनी ।।
प्रकृति सुंदरी की गोदी में, बसे नगर ये ग्राम हमारे ।
भारतीय जन इनमें रहने, जिनके होगें हम रखवारे ।।
जन सेवा हित जो न्याछौवर, उनका गुणगान किया जाता ।
भारतीय रक्षक वीरों का, स्वर्णिम इतिहास लिखा जाता ।।
यहां प्रशिक्षण में बतलाया, कानून शांति की रक्षा करना ।
रहे वतन में असन सदा ही, जन हित में जीना, मरना ।।
पुण्य भूमि भारतमाता ये, वीरों को जन्म दिया करती ।
वीर सपूता, जन्म भूमि है, मेरे भारत की यह धरती ।।
कानून, शांति की रक्षा के हित, जन रक्षा लक्ष्य बनायेंगे ।
सदाचार पथ में नित बढ़कर, उज्जवल इतिहास लिखायेंगे ।।
समता, यमता, लोकतंत्र को, हम मजबूत बनायेगें ।
करेंगे ग्राम रक्षा, नगर की, अपराध न होने पायेगें ।।
होगा राष्ट्रीय चरित्र हमारा, हम लोकसेवक कहलायेगें ।।
आदर्श नागरिक स्वयं बनेगें, औरों को राह दिखायेगें ।।

–रामेश्वर प्रसाद गुप्ता कनकने, मझगवा।

भूल सुधार

दक्षिण महाकौशल विशेषांक फरवरी अंक

(1) पेज नं. 20 जे–2 में उमेश कंदेले पिता स्व. लक्ष्मण प्रसाद रूसिया के स्थान पर उमेश कंदेले पिता–स्व. श्री बाबूलाल कंदेले किया जावे।
(2) विवाह योग्य लड़कों की जानकारी में–
पेज नं. 7 क्रमांक 24 पर नीरज पिता पी.एन. गेड़ा के स्थान पर नीरज पिता श्री सुरेश कंदेले किया जावे।
(3) पेज नं. 7 क्रमांक 25 पर आकाश पिता श्री कृष्ण गेड़ा के स्थान पर आकाश पिता पी.एन. गेड़ा किया जावे।
(4) पेज क्र. 8 क्रमांक 46 पर जयप्रकाश की जन्मतिथि 19–05–1987 के स्थान पर 19–05–1989 पढ़ा जावे एवं पेज नं. 07 क्रमांक 29 पर रीतेश की जन्म तिथि 25–09–1981 के स्थान पर 25–09–1979 किया जावे।

गृहमंत्री उमाशंकर गुप्ता का सम्मान

दिनारा । म.प्र. शासन के गृह मंत्री एवं वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष श्रद्धेय श्री उमाशंकर गुप्ता का श्री मनोज सोनी (टीला वाले) भाजपा नेता एवं संयोजक द्वारा अभिनंदन पत्र भेंटकर शाल एवं श्रीफल द्वारा स्वागत अभिनंदन कर सम्मानित किया। नवीन थाना भवन लोकार्पण के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मंच से सम्मान किया, इस अवसर पर गहोई वैश्य महिला मण्डल अध्यक्षा श्रीमती कृष्णादेवी सोनी ने भी गृहमंत्री जी को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। इस समारोह में श्री नारायणसिंह कुशवाह (ग्रह, जेल, परिवहन राज्य मंत्री म. प्र. शासन), श्री रमेश खटीक (विधायक–करैरा), श्री प्रहलाद भारती (विधायक–पोहरी) सहित राजनैतिक पुलिस अधिकारी, समाज सेवी, गणमान्य नागरिक पत्रकागरण उपस्थित रहे। गहोई समाज से श्री महेश बेडर, श्री धनीराम नगरिया, श्री जगदीशप्रसाद नीखरा, श्री मुरारीलाल पहारिया, श्री मनोज नौगरैया, श्री मनोज गेड़ा, महिला मण्डल से श्रीमती लता रिखौल्या, श्रीमती रेखा कनकने आदि उपस्थित रहीं।

–मनोज सोनी, दिनारा

गहोई दिवस के अवसर पर सहयोग के लिये आगे आये गहोई बंधु

छतरपुर । नगर गहोई वैश्य समाज छतरपुर में गहोई दिवस आयोजन समिति के 16–18 जनवरी तक गहोई दिवस बड़े धूमधाम से व वृहद् रूप से मनाया था, उसी श्रृंखला में एक असहाय महिला को प्रतिमाह आर्थिक सहयोग मिलना, प्रारंभ हो गया है । कार्यक्रम के संयोजक आलोक टिकरया ने आगे बढ़कर यह कदम उठाया। जिसमें प्रतिमाह सहयोग करने का संकल्प श्री महेश बजरंग गढ़ी, श्री विनोद टिकरया, श्री पंकज पहारिया व श्री अरूण ब्रजपुरिया ने भी किया। इस तरह से आर्थिक रूप से तंग बुजुर्ग महिला को प्रतिमाह आर्थिक सहयोग मिलना प्रारंभ हो गया है । व उन्हें हर तरह से सहयोग करने का आश्वासन दिया गया। ताकि वह अपने आप को अकेला व असुरक्षित महसूस न करे। समाज के एक व्यक्ति को जो बेरोजगार व आर्थिक रूप से तंग था, उनहें महेश बजरंगगढ़ी ने अपने प्रतिष्ठान पर काम देकर समाज को प्रेरणा दायक संदेश दिया है।

उधोगपतियों द्वारा संकल्प लेना चाहिए कि हमें समाज से गरीबी को दूर भगाना है, व समाज के आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को कम से कम अपने यहां काम देना है। अपने यहां जितने सहयोगी रखें, उनमें से कम से कम 50 प्रतिशत सजातीय बन्धुओं को रखें क्योंकि वह कहीं से हमारे ही हैं, और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए हम सबको हर संभव सहयोग व मदद कर सभी को एक अच्छा संदेश देकर उन्हें भी यह सत्कार्य करने के लिए प्रेरित करना चाहिए क्योंकि कोई भी अच्छा कार्य जो हम स्वयं कर रहे होंगे, तभी उसके लिए दूसरों को कह सकते हैं।

आलोक टिकरया, जिलाध्यक्ष वैश्य महासम्मेलन

अ.भा.ग.वै. नवयुवक मण्डल की छठवीं का.का. बैठक एवं महाकौशल नवयुवक मण्डल का शपथ ग्रहण सम्पन्न

कटनी । अखिल भारतीय गहोई वैश्य नवयुवक मण्डल की छठवीं कार्यकारिणी बैठक व महाकौशल क्षेत्रीय नवयुवक मण्डल की शपथ विधि का आयोजन श्री गहोई वैश्य पंचायती ट्रस्ट भवन कटनी में दिनांक 15–03–11 को प्रातः 11 बजे से अखिल भारतीय गहोई वैश्य नवयुवक मण्डल अध्यक्ष श्री नितिन सरावगी की अध्यक्षता में एवं वैश्य सम्मेलन युवा इकाई के अध्यक्ष के. के. कठिल, कोषाध्यक्ष प्रमोद सेठ भारती, महाकौशल क्षेत्रीय सभा के अध्यक्ष शिवकुमार नीखरा, मंत्री सतीश सेठ, पंचायती ट्रस्ट भवन कटनी के अध्यक्ष काशीप्रसाद डेंगरे, पंचायत के अध्यक्ष प्रमोद कनकने, कटनी वरिष्ठ संघ के अध्यक्ष नर्मदा प्रसाद कनकने, महाकौशल क्षेत्रीय सभा के पूर्व अध्यक्ष श्री विनोद त्रिसोलिया, चौरासी क्षेत्रीय नवयुवक मण्डल के मंत्री संजय नीखरा, मध्य मालवा नवयुवक मण्डल के मंत्री संतोष खंताल द्वारा राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त व माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर बैठक का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम महाकौशल क्षेत्रीय नवयुवक मण्डल के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सर्व श्री विनीत पिपरसानियां कटनी, मंत्री पवन सेठ, मझगंवा, कोषाध्यक्ष आलोक कुमार कठल करेली व उनकी कार्यकारिणी का शपथ विधि अध्यक्ष नितिन सरावगी, मंत्री मुकेश बिलैया, कोषाध्यक्ष प्रमोद सेठ भारती, संयुक्त मंत्री प्रिसं खांगट डबरा, रितुराज रूसिया सतना, उपमंत्री रजनीश तीतविलासी, विक्रम नौगरैया द्वारा सम्पन्न कराया गया तत्पश्चात नवनिर्वाचित अध्यक्ष सर्व श्री विनीत पिपरसानियां कटनी, मंत्री पवन सेठ मझगंवा, कोषाध्यक्ष आलोक कुमार कठल करेली, उपाध्यक्ष द्वय निशांत लकी सुहाने जबलपुर, अविनाश ददरया सागर, अभय गेड़ा गाडरवारा, नीलेश ब्रिजपुरिया देवरीकलां आदि सदस्यों ने अखिल भारतीय गहोई वैश्य नवयुवक मण्डल एवं स्थानीय पंचायती भवन व समाज के समस्त पदाधिकारियों का पुष्पहार से सम्मान किया व कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी अतिथियों ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में सभी युवाओं को मार्गदर्शन व आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम के संयोजक एवं स्थानीय नवयवुक मण्डल के अध्यक्ष जितेश बिलैया, मंत्री आदेश खरया ने सभी को भोजन पर आमंत्रण दिया व कार्यक्रम का संचालन अनुराग त्रिसोलियो ने किया व आभार मंत्री आदेश खरया ने माना।

पारित प्रस्ताव–अखिल भारतीय गहोई वैश्य नवयुवक मण्डल के अध्यक्ष श्री नितिन सरावगी की अध्यक्षता में छठवीं कार्यकारिणी बैठक में निम्न प्रस्ताव पारित हुये–

(1) संयुक्त महामंत्री श्री प्रिंस खांगट ने अ.भा. नवयुवक मण्डल के सदस्यों व पदाधिकारियों को सभी क्षेत्रीय सभाओं के अधीन परिसरों व भवनों में विशेष सुविधा देने की बात रखी।

(2) उपमंत्री विक्रम नौगरैया ने मांग रखी कि एक बार दोबारा महासभा को इसी कार्यकारिणी को स्थिर रखना चाहिए।

(3) कोषाध्यक्ष श्री प्रमोद भारती द्वारा आय–व्यय का पत्रक प्रस्तुत किया गया जिसका सभी ने अनुमोदन किया।

क्षेत्रीय नवयुवक मण्डलों द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन

(1) चौरासी क्षेत्रीय नवयुवक मण्डल के मंत्री श्री संजय नीखरा ने बताया कि चौरासी क्षेत्रीय सभा द्वारा आयोजित सामूहिक सम्मेलन में नवयुवक मण्डल द्वारा सहयोग किया जा रहा है।

(2) मध्य मालवा क्षेत्रीय नवयुवक मण्डल के मंत्री संतोष खंताल द्वारा प्रस्ताव रखा गया कि पूर्व में आयोजित किया गया युवा उत्सव की तर्ज पर आगामी सत्र में युवा खेल उत्सव का आयोजन किया जावे।

–मुकेश बिलैया मंत्री अ.भा.ग.वै. नवयुवक मण्डल

महासभा प्रतिनिधियों की सूची

आलमपुर

1 श्री श्याम सुन्दर अरूसिया
2 डॉ. सुशील कुमार सोनी
3 डॉ. अखिलेश कस्तवार
4 श्री रामस्वरूप बिलैया

बमीठा

1 श्री राजेन्द्रप्रसाद नगरिया
2 श्री संतोषकुमार बिस्वारी
3 श्री राजेन्द्रकुमार बरसैंया

उल्दन (झांसी)

1 डॉ. सुशील कुमार रेजा
2 श्री केशवदास रावत

सतना

1 श्री देवीदयाल बड़ोनिया
2 इंजी के. एल. रूसिया
3 श्री सुनील मोर

भोपाल

1 श्री रामनारायण बड़ेरिया
2 श्री कुबेरचंद रेजा
3 श्री भगवानदास बिलैया
4 श्री कैलाशनारायण सुहाने
5 श्री रामशरण कस्तवार
6 श्री रमेश कुरेले
7 श्री संजय तीतविलासी
8 श्री गोपाल सिजरिया
9 श्री अरूण गेड़ा
10 श्री राजेश नीखरा

–उमाशंकर लहारिया, महामंत्री महासभा

अ.भा. गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ महासभा प्रकोष्ठ

साधारण सभा सूचना

दिनांक 16 अप्रैल 2011, शनिवार साय 4 बजे

: निवास एवं कार्य स्थल :

महाराजा अग्रसेन भवन इंस्टीटयूशन एरिया नई सेक्टर 33 नोयडा (दिल्ली)

lEEkkuh; lnL;x.k

सप्रेम अभिवादन्

नये संवत्सत पर हार्दिक शुभकामनाऐं। नववर्श आप सभी को मंगलमय, उत्तम स्वास्थ्य एवं आत्मिक प्रसन्नता प्रदान करें।

आपको सूचित करते हुये हर्ष है कि गहोई वैश्य एसोसियेशन दिल्ली के सौजन्य से महासभा अधिवेशन के साथ ही केन्द्रीय वरिष्ठ संघ की आमसभा भी आयोजित की गई है । इसी अवसर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी के घोषित कार्यक्रम अनुसार केन्द्रीय वरिष्ठ संघ अध्यक्ष का निर्वाचन भी सम्पन्न होगा। अतः आपसे अनुरोध है कि अवश्य पधारकर कार्यक्रम को सफल बनावें।

कार्यसूची :– समय शाम 4 बजे

1. अध्यक्ष द्वारा सभा प्रारंभ की घोषणा ।
2. स्वागत स्थानीय एसोसियेशन द्वारा ।
3. पिछले सत्र के प्रस्तावों की जानकारी ।
4. कोषाध्यक्ष द्वारा आय–व्यय का प्रस्तुतीकरण।
5. आगामी वर्ष के बजट की जानकारी।
6. वरिष्ठजन कल्याण कोष पर चर्चा
7. चित्रकूट वरिष्ठ जन आवासग्रह आश्रय की स्थिति पर चर्चा
8. विगत दो सत्रों में वरिष्ठ संघ की सफलता व प्रगति में योगदान हेतु धन्यवाद प्रस्ताव

fuond %

शरद कठल	**गनतपराम नीखरा**	**सीताराम बिलैया**	**प्रेमनारायण बरसैंया**
अध्यक्ष, गाडरवारा	**मंत्री ग्वालियर**	**कोषाध्यक्ष ग्वालियर**	**संयुक्त सचिव गाडरवारा**
मोबा. 9826660827	**फोन : 0751-2626079**	**मोबा. 9301550958**	**मोबा. 9424301926**

lEidZ l= %

श्री एम.सी.गुप्ता अध्यक्ष गहोई वैश्य एसो. गाजियाबाद (दिल्ली) मोबा. 09873666369

श्री संजीव कुमार मंत्री गहोई वैश्य एसो. नोयडा (दिल्ली) मोबा. 08826083131

ऐसे विश्वासघाती फरेबियों से सावधान

छतरपुर । दिनांक 2 फरवरी 2011 को दोपहर लगभग 12 बजे एक व्यक्ति (जिसकी आयु 35–40) के करीब रही होगी। मेरे निवास पर कथित म्रुदा में आया। उसने बताया कि बमीठा के पास किसी ने उसका बैग मार दिया है । अब उसके पास किराये के पैसे भी नहीं है । उसने अपना नाम राकेश बरसैंया और पिता का नाम कैलाश बरसैंया बताया जो हायर सेकेन्डरी स्कूल में व्याख्याता हैं। तथा मां भी सरकारी नौकरी में हैं। वह अपने बीमार फूफा को देखने पन्ना गया था। वही से लौट रहा था।

उसने अपने को नरसिंहपुर जिले की तहसील बरमान के रजपुरा गांव को निवासी बताया। और अपना मोबाइल नं. 9617619895 बताया और कहा कि घर पहुंचते ही वह रूपये वापस भेज देगा। उसने 300 सौ रूपये मांगे मैनें उससे खाना खाने के लिये कहा। उसने कहा कि नरसिंहपुर तक का किराया 270 रू हैं शेष 30 से मैं रास्ते मैं खाना खा लूंगा। उसके तत्काल बाद वह चला गया। मैनें उसे 300 रूपये दे दिये थे। आज दिनांक 10 मार्च 2011 तक उसने रूपये नही भेजें मोबाइल पर भी सम्पर्कं नहीं हो पाता। मैंने दर्जनों बार प्रयास किया। लगता है उसका यह मोबाइल नम्बर भी फर्जी है। इस प्रकार के धोखेबाज ढग हमारे बीच के विश्वास और सहयोग भावना को बड़ी क्षति पहुचांते है ।

अतः सभी बंधुओं को इस सूचना के साथ सावधान करता हूं कि वे ऐसे छली, धोखेबाजों से सावधान रहें ओर इस प्रकार के किसी अजनबी पर विश्वास न करें। यदि यह व्यक्ति किसी के पास आये तो उसे पुलिस के हवाले कर दें।

–डॉ. गंगाप्रसाद बरसैंया, छतरपुर

अक्षय निधि दानदाता श्री राकेश लहारिया का परिचय

ग्वालियर। वरिष्ठ समाजसेवी, अ.भा.ग.वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बंधु के संपादक रहे स्व. भगवानदास लहारिया के सुपुत्र श्री राकेश लहारिया अपने पिताश्री की प्रेरणा से समाज सेवा में पिछले 15 वर्षों से संलग्न है। राकेश लहारिया की प्रारंभिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा ग्वालियर में हुई। आपने मैकेनिक इंजी से डिप्लोमा एवं एम.कॉम. टेक्सेसन से करने के पश्चात आप अपने निजी पारिवारिक व्यवसाय लोहा एवं आयरन ओर्स का उच्च कोटि का व्यापार कर रहे हैं। आप विभिन्न संस्थाओं में पदाधिकारी हैं।जिनमें उद्योग जगत की शीर्ष संस्था चेम्बर ऑफ कामर्स में. का.का सदस्य के लिये निर्वाचित हुए है, रोटेक्ट क्लब के फाउन्डर अध्यक्ष, लघु उद्योग संघ के सचिव, ग्वालियर लोहा व्यवसायी संघ के सचिव, अ.भा. ग.वैश्य महासभा के उपकोषाध्यक्ष एव ंगहोई बंधु के सह संपादक पद पर रहकर अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह करते आ रहे हैं।

इसके साथ ही अर्न्तराष्ट्रीय यूथ हॉस्टल के पदाधिकारी मंडल में अहम भूमिका निभा रहे है। स्व. भगवानदास लहारिया स्मृति संस्थान के कोषाध्यक्ष हैं।

उल्लेखनीय है कि आपकी पत्नि श्रीमती मनीषा गोपालदास नीखरा (दीपक ऑफसेट) ग्वालियर की पुत्री हैं। पुत्र आर्यमन तथा पुत्री अहाना अध्यनरत हैं इनके बड़े भाई राजेन्द्र लहारिया मायनिंग के ए क्लास के कॉन्ट्रेक्टर हैं तथा अनेकों संस्थाओं से जुड़े रहकर कांग्रेस पार्टी के सक्रिय सदस्य हैं। राजनैतिक क्षेत्र में आपकी विशिष्ट पहचान है।

संयुक्त परिवार में रहकर कुशलतापूर्वक परिवार का संचालन हो रहा है। सामाजिक क्षेत्र में आप पिता जी की तरह ही प्रतिष्ठा बनाये हुए हैं। राजनीति में कांग्रेस पार्टी में रहकर समय–समय पर सक्रियता के साथ पार्टी में सहयोग कर रहे हैं। महासभा अक्षय निधि कोष में आपने 21000/– इक्कीस हजार रूपये देकर भामाशाह की श्रेणी में नाम रखा है। महासभा की ओर से बहुत–बहुत धन्यवाद एवं शुभ कामनायें।

–आकाश सेठ, पूर्व पत्रकार ग्वालियर

गहोई वैश्य समाज मुरादाबाद का होली मिलन समारोह सम्पन्न

मुरादाबाद। दिनांक 21–03–2011 सोमवार को श्रृंगार वाटिका में होली मिलन समारोह भव्यता के साथ सैकड़ों स्वजातीय बन्धुओं के परिवार सहित महिलाओं एवं बच्चों, नगर के प्रमुख पत्रकारों, इंजी. डाक्टरों की उपस्थिति में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रितेश गुप्ता महानगर अध्यक्ष भा.ज.पा. एवं डॉ. मनोज अग्रवाल (लेप्रोस्कोपी सर्जन) कार्यक्रम अध्यक्ष इंजी. राजीव लोचन गुप्ता, विशिष्ट अतिथि महासभा प्रचार मंत्री एवं ''गहोई बन्धु'' संपादक हरनारायण रिखौल्या, संयुक्त संपादक सीताराम बिलैया, गहोई वैश्य एसोसिएशन दिल्ली के अध्यक्ष श्री एम.सी. गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष के.सी. चपरा, मंत्री संजीव सुहाने मंचासीन थे। सर्वप्रथम पूज्यनीय श्री गणेश जी की प्रतिमा एवं राष्ट्रकवि डॉ. मैथिलीशरण गुप्त की प्रतिमा पर फूलमाला अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अतिथियों का सम्मान पुष्प मालाओं एवं बैज लगाकर स्वागत किया गया। नन्ही मुन्नी बच्चियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया तत्पश्चात शंकर पार्वती द्वारा सुन्दर आकर्षक ढंग से नृत्य प्रस्तुत किया गया।

मुरादाबाद गहोई समाज की ओर से 75 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों का सम्मान जिसमें, श्रीमती विद्यादेवी, रामप्रकाश गुप्ता, वीरेन्द्रकुमार, श्रीमती संतोष गुप्ता, मुरारीलाल गुप्ता, श्रीमती शकुन्तला, श्रीमती श्यामादेवी गुप्ता तथा गहोई बन्धु के संयुक्त संपादक सीताराम बिलैया का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया।

उद्बोधन श्री रितेश गुप्ता, डॉ. विशेष गुप्ता, बन्धु संपादक हरानारायण रिखौल्या ने अ.भा.ग.वै. महासभा की योजनाओं पर प्रकाश डाला। उपरोक्त अन्य वक्ताओं ने शीर्ष संस्था गहोई वैश्य महासभा से जुड़ने तथा शादी विवाह किये जाने पर विचार रखे। गहोई समाज संगठित हो प्रयास किया जावे।

इस अवसर पर छात्र–छात्राओं को जिन्होंने 75 प्रतिशत अंक इण्टरमीडिएट आदि में प्राप्त किये हैं उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया। इसी क्रम में मुख्य अतिथि तथा विशेष अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

अन्त में ग.वै. समाज मुरादाबाद के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार गुप्ता एवं महामंत्री सुभाषचन्द गुप्ता ने सभी उपस्थित बन्धुओं का आभार व्यक्त किया तत्पश्चात सामूहिक भोज का सभी बन्धुओ ने लाभ ग्रहण किया।

–अनिल कुमार गुप्ता (नीखरा) अध्यक्ष ग.वै.स. मुरादाबाद

गहोई वैश्य समाज पंचायत फालका बाजार का होली मिलन एवं सम्मान समारोह सम्पन्न

ग्वालियर । गहोई वैश्य समाज पंचायत का होली मिलन समारोह हर वर्ष की भाँति इस वर्ष माँ कैलादेवी (करौली) राजस्थान एवं मेंहदीपुर बालाजी धाम में मनाया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. ओमप्रकाश सेठ (तालबेहट) थे। प्रचार मंत्री परमेश्वरदया नीखरा द्वारा दी जानकारी के अनुसार उक्त कार्यक्रम में समाज के 75 वर्ष से अधिक आयु के तीन दम्पत्तियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में नारायणदास–कस्तूरीदेवी सेठ, सुन्दरलाल–भगवतीदेवी पहाड़िया, झम्मनलाल–विमलादेवी कनकने का सम्मान वृहत्तर ग्वालियर समाज के कार्यवाहक अध्यक्ष श्री रामकिशोर कट्ठल, मनीराम चउदा (संरक्षक पंचायत), जगदीश प्रसाद गेड़ा ''विट्ठल'' अध्यक्ष पंचायत द्वारा शॉल–श्रीफल प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में पंचायत उपाध्यक्ष मोहन कंथरिया द्वारा गुलाल लगाकर सभी अतिथियों एवं सामाजिक बंधुओं का स्वागत किया गया। राजेन्द्र सोनी, रामप्रकाश सोनी, डॉ. हरिकृष्ण बिलैया, प्रदीप पहाड़िया, महादेव नीखरा, पंचायत के अध्यक्ष श्री जगदीप्रसाद गेड़ा 'विट्ठल' आदि ने होली मिलन एवं सम्मान समारोह पर अपना उद्‌बोधन दिया। पंचायत की महिला मण्डल की सदस्या श्रीमती राधा कट्ठल, सुशीलाल कुचिया, सावित्री देवी कुचिया, सरोज चउदा, पदमा नीखरा, कुसुम कंथरिया, शकुन्तलादेवी सेठ, मालती बिलैया सभी महिलाओं ने फाग गायन किया। कार्यक्रम में दोन दर्जन दम्पत्तियों सहित 65 व्यक्तियों ने इस होली मिलन यात्रा का लाभ लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरन रूसयि (मंत्री), सुरेश बिलैया (उपाध्यक्ष), राजेन्द्र निगोती (उपमंत्री), जगदीश चउदा, घनश्याम बिजपुरिया, राजेश नीखरा, नन्दीराम इटौरिया की सराहनीय भूमिका रही है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ओमप्रकाश सेठ एवं आभार प्रदर्शन पूरन रूसिया (मंत्री) ने किया।

–परमेश्वरदयाल नीखरा, प्रचार मंत्री ग.वै.स.पं. फालका बाजार

ग.वै. समाज कल्याण समिति विदिशा के चुनाव सम्पन्न

विदिशा । श्री गहोई वैश्य समाज कल्याण समिति की विगत दिनों आमसभा राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त गहोई मांगलिक भवन में समिति के त्रिवार्षिक चुनाव करने हेतु सम्पन्न हुई। बैठक श्री कैलाश नारायण कनकने की अध्यक्षता व महासभा महामंत्री श्री उमाशंकर लहारिया की उपस्थिति में सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। श्री प्रकाशचन्द्र नगरिया एस.डी.ओ. चुनाव अधिकारी की उपस्थिति में समाज बन्धुओं ने सर्वसम्मति से कार्यसमिति के पदाधिकारियों एवं सदस्य को चुनाव सम्पन्न किया। सर्वसम्मति से निम्न पदाधिकारी निर्वाचित किये गये–

अध्यक्ष	–	श्री अनिल कुमार बरसैंया
उपाध्यक्ष	–	श्री हरीचरण बिलैया
सचिव	–	श्री राजेन्द्रकुमार बरसैंया
सहसचिव	–	श्री राजेन्द्र सेठ (गुलाबगंज)
कोषाध्यक्ष	–	श्री महेशकुमार ब्रिजपुरिया
सहकोषाध्यक्ष	–	श्री राकेश झुड़ेले
संगठन मंत्री	–	श्री शिवराज इटोंदिया
प्रचार मंत्री	–	श्री चन्द्रकांत बड़ौनिया

कार्यकारिणी सदस्य–सर्व श्री जवाहरलाल लोहिया, रामस्वरूप नीखरा, बाबूलाल कुरेले, प्रकाश बरसैंया (गुलाबगंज), राजकुमार सुहाने, कृष्णकुमार सेठ, विनोदकुमार झुड़ेले।

महासभा महामंत्री श्री उमाशंकर लहारिया ने नवनिर्वाचित प्रबन्धकारिणी के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए महासभा की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

अंत में निवर्तमान अध्यक्ष श्री कैलाशनारायण कनकने ने पूर्व कार्यकारिणी सदस्यों व सम्पूर्ण समाज बन्धुओं के सहयोग देने के लिये आभार व्यक्त किया व नवनिर्वाचित प्रबन्ध कार्यकारिणी के सदस्यों को बधाई दी।

–अनिलकुमार बरसैंया अध्यक्ष ग.वै.स. विदिशा

ग.वैश्य महिला मंडल की कार्यकारिणी बैठक एवं निर्वाचन

मऊरानीपुर । गहोई वैश्य महिला मंडल की बैठक श्रीमती उषा नगरिया की अध्यक्षता में हुई जिसमें सर्वसम्मति से कार्यकारिणी के सदस्यों का मनोनयन किया गया और पूर्ण कार्यकारिणी गठित की गई ।

अध्यक्ष–श्रीमती लक्ष्मी चौधरी, मंत्री–श्रीमती रामा पहारिया, उपाध्यक्ष–श्रीमती लक्ष्मी चौधरी, उपमंत्री–श्रीमती रानी झुड़ेले, कोषाध्यक्ष–श्रीमती रजनी बरसैंया, उप कोषा.–श्रीमती चन्द्रप्रभा कटारे, विशिष्ट सदस्य–श्रीमती मीरा बड़ौनिया, क्षेत्रीय अध्यक्ष महिला सभा, श्रीमती कुसुम लता सेठ, निर्वतमान अध्यक्ष महिला कार्यकारिणी सदस्य–प्रभा रूसिया, पुष्पा बरसैंया, सरोज रावत, शैफाली नौगरैया, संतोष कटारे, आशा सेठ, उर्मिला खरया, सीता कटारे, इन्दू कठिल, सीमा खरया, अनीता मोर, सीमा बरसैंया, वंदना बरसैंया, गायत्री सेठ, सरिता सेठ, वंदना गुप्ता ।समस्त सदस्यों को अध्यक्ष द्वारा शपथ ग्रहण कराई गई । दिनांक 22 मार्च को होली मिलन समारोह एवं छप्पन भोग कार्यक्रम की रूपरेखा बनाकर, भव्य कार्यक्रम हेतु सभी से सहयोग की अपेक्षा की, अंत में मंत्री श्रीमती रामा पहारिया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

–रामा पहारिया, मंत्री ग.वै.म. मऊरानीपुर

श्री कमलेश्वर महादेव मन्दिर समिति एवं चौरासी क्षेत्रीय गहोई वैश्य समाज द्वारा तृतीय सामूहिक विवाह महायज्ञ

एवं विराट गहोई सम्मेलन

शुभ मिति वैशाख शुक्ल 3, शुक्रवार दिनांक 6 मई 2011

ekU;oj] **स्थान : श्री कमलेश्वर महादेव मन्दिर, करारखेड़ा (पिछोर)**

Jh dey'oj egkno efUnj lfefr ,o pkjklh {k=h; xgkbZ oS'; lekt }kjk r`rh; lkefgd fookg egk;K ,o xgkbZ lEEkyu dk vk;kstu Jh dey'oj egkno efUnj djkj[kMk ¼fiNksj½ ij 'kHk fefr oS'kk[k 'kDy 3 'kØokj fnukd 6 ebZ 2011 ¼v{k; r`rh;k½ dk vk;ksftr fd;k tk jgk gS A leLr Lotkrh; c/kvkas ls vuqjks/k gS fd bl ikou ;K esa ru]eu]/ku ls lg;ksx djus dh d`ik djs A

egk;K esa oj&o/kq i{k dk vkokl] Hkkstu] e.Mi ,oa fookg ls lEcfU/kr lkexzh fu%'kqYd iznku dh tk;sxhA ukjV%& oj i{k dk 2100@& ,oa o/kq i{k dk 1100@& tekdj fu/kkZfjr Qkez Hkjdj iathdj.k djkuk gksxkA

समय : प्रात: 8 बजे से सायं 6 बजे तक सम्पन्न होगें ।

विथे T :– आवास, भोजन, मण्डप एवं विवाह से सम्बन्धित सामग्री निथु:ल्क

पंजीयन स्थल – समस्त चौरासी क्षेत्रीय गहोई वैश्य पंचायत अध्यक्ष पंजीयन हेतु सम्पर्क सूत्र

9425490119] 9425633516] 9425460100] 9425763875]
9893936194] 9755690319] 9981746176

निवेदक :–

चौरासी क्षेत्रीय गहोई वैश्य सभा	**चौरासी क्षेत्रीय गहोई वैश्य नवयुवक मंडल**	**श्री कमलेश्वर महादेव मन्दिर समिति**

भवदीय : श्री गहोई वैश्य पंचायत करारखेड़ा क्षेत्र

छ.ग.वैश्य महिला सभा का निर्वाचन सम्पन्न

छत्तीसगढ़ । क्षेत्रीय गहोई वैश्य महिला मंडल, छत्तीसगढ़ की नवनिर्वाचित एवं मनोनीत पदाधिकारियों की सूची निम्नानुसार है।

अध्यक्ष–श्रीमती उषा सरावगी, धमतरी, उपाध्यक्ष–श्रीमती विनय ब्रिजपुरिया बिलासुपर, अंजना बरसैंया रायपुर, सचिव/मंत्री– श्रीमती संगीता सिजरिया, भिलाई, कोषाध्यक्ष–श्रीमती रमा पहारिया भिलाई, उपमंत्री–उषा सोनी राजनांदगॉव, रश्मि बरसैंया धमतरी, कार्यकारिणी सदस्य:–उषा बहरे दुर्ग, श्रीमती ज्योति ब्रिजपुरिया दुर्ग, श्रीमती माया बहरे दुर्ग, सुषमा बिलैया, रायपुर, गीता बहरे रायपुर, मंजू सरागवी रायपुर, वीणा रावत धमतरी, संध्या खरया धमतरी, अर्चना छिरौल्या जगदलपुर, अंजना सरावगी बचेली।

–उषा सरावगी, अध्यक्ष म.मं. छत्तीसगढ़

वरिष्ठ जनों का सपरिवार गोठ का आयोजन

थाटीपुर । गहोई वैश्य क्षेत्रीय एसोसियेशन थाटीपुर में वरिष्ठ महिला पुरूषों का गोठ का आयोजन दिनांक 13 मार्च 2011 को श्री रामसिया सरकार गार्डन सिथौली में अत्यंत हर्षोल्लास के साथ श्री भानुप्रताप गेड़ा की अध्यक्षता में किया गया। सुन्दरकाण्ड पाठ से प्रारंभ कर स्थान पर सुरूचिभोज का आनन्द लगभग पचास वृद्धजनों ने किया। कार्यक्रम के संयोजक श्री राधेश्याम खंताल एवं श्री कैलाश बाबू चपरा थे। थाटीपुर गहोई समाज के अध्यक्ष श्री नारायण दास पहारिया एवं वरिष्ठ जन श्री जे.पी.गहोई, बालकृष्ण बरसैंया, रामशरण कुचिया, जगदीश मोदी, भगवानदास बिलैया, रामजीदास गंधी सहित थाटीपुर के प्रतिष्ठित वरिष्ठ नागरिक उपस्थित थे।

–नारायणदास पहारिया, अध्यक्ष ग.वै.क्षे. थाटीपुर, ग्वा.

गहोई वैश्य समाज ग्वालियर सामूहिक विवाह महायज्ञ

दिनांक 11 मई 2011 शुभ मिति वैशाख शुक्ल 8, बुधवार

समय : प्रात : 8 बजे से सायं 6 बजे तक

स्थान : मेला ग्राउण्ड, ग्वालियर (म.प्र.)

प्रिय स्वजन,

समस्त स्वजातीय गहोई वैश्य बन्धुओं को सूचित करते हुये हर्ष हो रहा है कि चम्बल क्षेत्रीय गहोई वैश्य सभा द्वारा श्री गहोई वैश्य समाज (वृह.) ग्वालियर के विशेष सहयोग से सामूहिक विवाह महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें आप सभी की सहभागिता एवं उपस्थिति प्रार्थनीय है ।

नोट :– वर पक्ष को 3100 रू/– एवं वधु पक्ष को 2100 रू/– जमाकर निर्धारित फार्म भरकर पंजीकरण कराना होगा । पंजीयन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2011 है।

विशेष :– भोजन, मण्डप, एवं विवाह से सम्बन्धित सामग्री निःशुल्क

: पंजीयन फार्म मिलने का स्थल :

सुरेन्द्र नीखरा (काजू) दतिया, मोबा. 9425122229, रमेश कनकने, ग्वालियर मोबा. 9827061304, 2428430,
नवीन रूसिया, भिण्ड मोबा. 9425616703, सतीश कस्तवार, लहार मोबा. 9425763337
पुरूषोत्तम पोद्दार, इन्दरगढ़ मोबा. 9893877819, कालिकाप्रसाद चौधरी, सराफा बाजार, डबरा फोन : 07524–223549
चम्बल क्षेत्र में सभी पंचायतों के अध्यक्षों के पास भी पंजीयन फार्म उपलब्ध हैं।

आयोजक : चम्बल क्षेत्रीय गहोई वैश्य सभा

स्वागताध्यक्ष	**संयोजक**	**संयोजक**	**संयोजक**
राजीव बरसैंया (जग्गू)	**ओमप्रकाश सेठ (दाऊ)**	**महेश नीखरा**	**सुनील गेड़ा (टेनू)**
सामूहिक विवाह महायज्ञ	सामूहिक विवाह महायज्ञ	भोजन व्यवस्था	मीडिया प्रभारी
मोबा. 9826240117	**मोबा. 9425116791**	**मोबा. 9425339830**	**मोबा. 9993510707**
अध्यक्ष	**वरि. उपाध्यक्ष**	**कोषाध्यक्ष**	**मंत्री**
रमेश बाबू गंधी	**रमेश चंद्र सेठ**	**नवीन रूसिया**	**विनोद खांगट**
मोबा. 9425109934	**मोबा. 9425109811**	**मोबा. 9425616703**	**मोबा. 9827273895**

कनि. उपाध्यक्ष–डॉ. बृजमोहन कस्तवार, उपाध्यक्ष–अशोक कुमार सांवला, उपमंत्री–रमेशचंद्र मोदी, संतोष कुचिया, प्रचार मंत्री–सुरेन्द्र नीखरा (काजू), संगठन मंत्री–केशव नीखरा, संयुक्त मंत्री–बद्रीप्रसाद नगरिया, नाथूराम हूका, विकास मंत्री–शिवकुमार सोनी, प्रवक्ता–शिवकुमार इटौरिया, सुरेन्द्र छिरौल्या, समस्त संयोजक एवं उपसंयोजकगण।

pEcy {k=h; efgyk lHkk ,o uo;od eMy d leLr inkf/kdkjh ,o dk;dkfj.kh lnL;A

कार्यवाहक अध्यक्ष–रामकिशोर कठल
वृहत्तर समाज, ग्वालियर **मोबा. 9425308578**

कार्यवाहक मंत्री–राधेश्याम सेठ
वृहत्तर समाज, ग्वालियर **मोबा. 9425336363**

समस्त पंचायतों के अध्यक्ष एवं मंत्रीगण

महासभा सदस्यता बाबत् मार्च 2011 में प्राप्त धन

अक्षय निधि बाबत्

1	श्री रमेश सेठ, रायपुर	5100/–
2	ग.वै. विकास संस्थान, मथुरा	21000/–
3	श्री विनोदकुमार त्रिसोलिया, कटनी	5100/–
4	श्री आशीषकुमार काशीप्रसाद डेंगरे, कटनी	5100/–
5	श्री रतनकुमार खर्द, कटनी	5100/–
6	श्री पन्नालाल सुधीरकुमार, कटनी	3200/–
7	श्री शरदकुमार कृष्णकुमार बरसैंया, जबलपुर	21100/–
8	श्री परशराम खरया, जबलपुर	11100/–
9	श्री प्रकाश नौगरैया, झांसी	5100/–
10	श्री रमेश सेठ (गैस वाले), झांसी	5100/–
11	श्री नितिन रमेशचंद बरसैंया, जबलपुर	21100/–

संरक्षक सदस्यता बाबत्

1	श्री रामकिशोरजी अरूसिया, ग्वालियर	1000/–
2	श्री जगदीश चउदा, डबरा (पूर्व आ.स.)	750/–
3	श्री रामनिवास कसाव, करैरा	1000/–
4	श्री मुकेश कुमार नगरिया, करैरा	1000/–
5	श्री विनोदकुमार गुप्ता वर्दिया, दतिया	1000/–
6	श्री नीरज नगरिया, करैरा	1000/–
7	श्री संजय नौगरैया, कानपुर (पू. आ.स.)	850/–
8	श्री मोहन कंदेले, दिल्ली	1000/–
9	श्री उमाशंकर नीखरा, नोयडा	1000/–
10	श्री कैलाश लहारिया, जबलपुर (पू आ.स.)	750/–
11	श्री सुनील कुमार बड़ेरिया, जबलपुर	1000/–
12	श्री विवेक रूसिया एडवोकेट जबलपुर	1000/–
13	श्रीमती अमिता चपरा, जबलपुर	1000/–

आजीवन सदस्यता बाबत्

1	श्रीमती माधुरी सेठ, झांसी (पूर्व की राशि)	250/–
2	कौशलकिशोर बिलैया, झांसी (पूर्व की राशि)	250/–
3.	श्री राजीव कुमार सोनी, रानीपुर (पूर्व की राशि)	250/–
4.	श्री प्रेमदास गुप्ता, सेठ रानीपुर (पूर्व की राशि)	250/–
5.	श्री आशुतोष के मोदी, झांसी (पूर्व की राशि)	250/–
6.	श्री महेशचन्द्र बिलैया, जालौन (पूर्व की राशि)	250/–
7	श्री विनोद कुमार बहरे, ग्वालियर	250/–
8	श्री श्रीराम गंधी, झांसी	250/–
9	श्री राजेन्द्र कुमार गेड़ा, झांसी	250/–
10	श्री चन्द्रप्रकाश मिसुरिया, झांसी	250/–
11	श्री रामबाबू सरावगी, नगरा	250/–
12	श्री रामकुमार सेठ, झांसी	250/–
13	श्री संतोष गेड़ा, झांसी	250/–
14	श्री रामबाबू इटौरिया, आलमपुर	250/–
15	श्री सुशील तीतबिलासी, आलमपुर	250/–
16	श्री सतीशचन्द्र कुचिया, आलमपुर	250/–
17	श्री केशवप्रसाद बिलैया, करैरा	250/–
18	श्री अशोक पहारिया, करैरा	250/–
19	श्री परमेश्वर दास रूसिया, करैरा	250/–
20	श्री राकेश कुमार जी बेडर	250/–
21	श्री अशोक कुमार कुचिया, करैरा	250/–
22	श्री मुरारीलाल बेडर, करैरा	250/–
23	श्री रामनिवास कुचिया, करैरा	250/–
24	श्री हरीराम इटौरिया, इन्दरगढ़	250/–
25	श्री मनोज कुमार सेठ, पिछोर	250/–
26	श्री रमेशचन्द्र गेड़ा, करैरा	250/–
27	श्री हरीओम बरसैयां, करैरा	250/–
28	श्री प्रमोद नगरिया, करैरा	250/–
29	श्री बृजेश बिलैया, डबरा	250/–
30	श्री मनीराम गेड़ा, करैरा	250/–
31	श्री ओमप्रकाश नौगरैया, करैरा	250/–
32	श्री रामप्रकाश तीतबिलासी, करैरा	250/–
33	श्री रामेश्वरदयाल छिरौल्या, करैरा	250/–
34	श्री राजकुमार गुप्ता, करैरा	250/–
35	श्री राजेन्द्र कारेखिमऊ, करैरा	250/–
36	श्री आशीष गुप्ता, इन्दरगढ़	250/–
37	श्री रोहित पोद्दार, इन्दरगढ़	250/–
38	श्री अरूण कुमार, बिलैया जालौन	250/–
39	श्री बृजकिशोर पिपरसेनियां, इन्दरगढ़	250/–
40	श्री मनोज इटौरिया, इन्दरगढ़	250/–
41	श्री सुमित पोद्दार, इन्दरगढ़	250/–
42	श्री अखलेश पोद्दार, इन्दरगढ़	250/–
43	श्री मुकेश चौधरी, सेवढ़ा	250/–
44	श्री रमेशचन्द्र पहारिया, इन्दरगढ़	250/–
45	श्री कमलेश गेड़ा, इन्दरगढ़	250/–
46	श्री मनोज कुमार सोनी, इन्दरगढ़	250/–
47	श्री संजीव कुचिया, इन्दरगढ़	250/–
48	श्री गिरजाशंकर सांवला, इन्दरगढ़	250/–
49	श्री संतोष नगरिया, इन्दरगढ़	250/–
50	श्री अरविन्द कुमार कुचिया, इन्दरगढ़	250/–
51	श्री राजकुमार पिपरसेनिया, सेवढ़ा	250/–
52	श्री रामकुमार कुचिया, इन्दरगढ़	250/–
53	श्री कमलकिशोर नीखरा, इन्दरगढ़	250/–
54	श्री नारायण दास गंधी, इन्दरगढ़	250/–
55	श्री जितेन्द्र नीखरा, इन्दरगढ़	250/–
56	श्री विजय नीखरा, इन्दरगढ़	250/–
57	श्री अनिलकुमार बिलैया, इन्दरगढ़	250/–
58	श्री रमन नीखरा, इन्दरगढ़	250/–
59	श्री सतीशकुमार खंताल, इन्दरगढ़	250/–
60	श्री रविन्द्र पोद्दार (सरावगी), इन्दरगढ़	250/–
61	श्री धर्मेन्द्र पोद्दार, ग्वालियर	250/–
62	श्री रूपेश गेड़ा, इन्दरगढ़	250/–
63	श्री आनंद नीखरा, इन्दरगढ़	250/–
64	श्री सुशील रावत, ग्वालियर	250/–
65	श्री धर्मेन्द्र कुचिया, इन्दरगढ़	250/–
66	श्री कैलाशनारायण सोनी, इन्दरगढ़	250/–
67	श्री दीपक सांवला, इन्दरगढ़	250/–
68	श्री मनोज मोर, इन्दरगढ़	250/–
69	श्री अजय गेड़ा, सालौनबी	250/–
70	श्री विजयकुमार गुप्ता, भऊआरामपुरा	250/–
71	श्री विनोदकुमार रेजा, इन्दरगढ़	250/–
72	श्री अनूप नगरिया, नागपुर	250/–
73	श्रीमती सीमा नगरिया, नागपुर	250/–
74	श्री प्रेमकिशोर रावत, नागपुर	250/–
75	श्रीमती पूजा रावत, नागपुर	250/–

76 श्री विनय नगरिया, नागपुर 250/—
77 श्री चन्द्रकिशोर नगरिया, नागपुर 250/—
78 श्रीमती अनीता नगरिया, नागपुर 250/—
79 श्री विजय कुमार तीतविलासी, जबलपुर 250/—
80 श्रीमती मणी रूसिया, जबलपुर 250/—
81 श्री रामगोविन्द कनकने, जबलपुर 250/—
82 श्री आशीष लोहिया, जबलपुर 250/—
83 श्री निशान्त लोहिया, जबलपुर 250/—
84 श्री नीरज कुमार सेठ, जबलपुर 250/—
85 श्री जमनाप्रसाद पिपरसेनिया, जबलपुर 250/—
86 श्री आर. पी. कंथरिया, जबलपुर 250/—
87 श्री विष्णुप्रसाद बेहरे, जबलपुर 250/—
88 श्री मुरारीलाल बिलैया, जबलपुर 250/—
89 श्री निशान्त सुहाने, जबलपुर 250/—
90 श्री पवन सेठ, मझगंवा 250/—
91 श्री पंकज बेहरे, पवई 250/—
92 श्री ऋषि सरावगी, पवई 250/—
93 श्री पारस सरावगी, पवई 250/—
94 श्री नीलेश बृजपुरिया, देवरीकला 250/—
95 श्री आलोक कुमार कठल, करैली 250/—
96 श्री रवि गुप्ता, जबलपुर 250/—
97 श्री संजय कुमार हूंका, जबलपुर 250/—
98 श्री संदीप कुमार, जबलपुर 250/—
99 श्री सुमित हूंका, जबलपुर 250/—
100 श्री सुदामाप्रसाद खरया, बिजावर 250/—
101 श्री रामेश्वरप्रसाद चउदा, बिजावर 250/—
102 श्री भगवानदासव सेठ, बिजावर 250/—
103 श्री राजेश बिश्वारी, ग्वालियर 250/—
104 श्री दीपक नीखरा, ग्वालियर 250/—
105 श्री पुनीत नीखरा, ग्वालियर 250/—
106 श्री विवेक सरावगी, ग्वालियर 250/—
107 श्री संजय नगरिया, ग्वालियर 250/—
108 श्री राकेश गुप्ता, ग्वालियर 250/—
109 श्री संदीप नगरिया, ग्वालियर 250/—
110 श्री निशान्त रूसिया, ग्वालियर 250/—
111 श्री शशांक लहारिया, ग्वालियर 250/—
112 श्री गालव लहारिया 250/—
113 श्री राजेन्द्रकुमार गेड़ा 250/—
114 श्री दिनेशकुमार सेठ, भौंती 250/—
115 श्री कैलाश्चंद कसाव, भौंती 250/—
116 श्री नरेन्द्रकुमार रावत, मऊरानीपुर 250/—
117 श्री सीताराम बेडर, करैरा 250/—
118 श्री रमाशंकर सोनी, हमीरपुर 250/—
119 श्री रामेश्वरप्रसाद बिलैया, रावनबाड़ा 250/—
120 श्री के. के. सुहाने, जबलपुर 250/—
121 श्री मनोज नीखरा, जबलपुर 250/—

छात्रवृत्ति बाबत्

1 डॉ. सुरेशकुमार सेठ, बसई 2000/—

सम्बद्धता बाबत्

1 श्री गहोई वैश्य पंचायत नौगांव 250/—
2 श्री गहोई वैश्य पंचायत बिजावर 250/—

–राजेन्द्र नीखरा, कोषाध्यक्ष महासभा, ग्वालियर

"गहोई बन्धु" सदस्यता बाबत् मार्च 2011 में प्राप्त धन

संरक्षक सदस्यता बाबत्

747 श्री सतीशचंद कुचिया, ग्वालियर 2000/—

आजीवन सदस्यता बाबत्

2289 श्री गनेश पिपरसानियां 1000/—
2290 श्री गोविंदजी लोहिया, झांसी 1000/—
2291 श्री सुशील गुप्ता (जोहरी वाले), झांसी 1000/—
2292 श्री राकेश रावत, झांसी 1000/—
2293 श्री श्रीकान्त बड़ोन्या, विदिशा 1000/—
2294 श्री दीपक तपा, मण्डला 1000/—
2295 श्री बी.एल. गुप्ता, कानपुर 1000/—
2296 श्री राकेशकुमार गुप्ता (बेहरे), भिलाई 1000/—
2297 श्री अरविन्दकुमार राघवकुमार इंदुरख्या, चिरगांव 1000/—
2298 श्री सुरेन्द्रकुमार गुप्ता (रेजा), अमरावती 1000/—
2299 श्री राजेन्द्रकुमार गुप्ता, चालीसगांव 1000/—
2300 श्री जितेन्द्र एल. गुप्ता, वारामती 1000/—
2301 श्री राजीव गुप्त, चालीसगांव 1000/—
2302 श्री दीपक गुप्ता, भुसावल 1000/—
2303 श्री राकेशकुमार गुप्ता, उरई 1000/—
2304 श्री प्रमोदकुमार गुप्ता, कानपुर 1000/—
2305 श्री धर्मेन्द्रकुमार गुप्ता, भिण्ड 1000/—
2306 श्री राजेन्द्र मोर, भिण्ड 1000/—
2307 श्री विनोदकुमार गुप्ता (बजरंगगड़िया) 1000/—
2308 श्री रामनिवास कुचिया, करैरा 1000/—
2309 श्री हरीओम बरसैंया (उदगुआ वाले), करैरा 1000/—
2310 श्री परमेश्वरदास रूसिया, 1000/—
2311 श्री परमेश्वरदास पिपरसानियां, करैरा 1000/—
2312 श्री कमलेश पहारिया, करैरा 1000/—
2313 श्री अशोक कुमार पहारिया, करैरा 1000/—
2314 श्री तुषार गुप्ता, आनपुर 1000/—
2315 श्री अजय पहारिया, ग्वालियर 1000/—
2316 श्री रामकृपाल मिसुरिया, पन्ना 1000/—
2317 श्री रामसेवक पंसारी, पन्ना 1000/—
2318 श्री हिमांशु सुहाने, बैंगलोर 1000/—
2319 श्री निहालचन्द्र बड़ेरिया, भोपाल 1000/—
2320 श्री राधाबल्लभ कुचिया, ग्वालियर 1000/—
2321 श्री अनिल कुमार गुप्ता, ग्वालियर 1000/—
2322 श्री विनोद गुप्ता, नरसिंहपुर 1000/—
2323 इंजी. उमाशंकर नीखरा, नोयडा 1000/—
2324 श्री मनोज गुप्ता, मुम्बई 1000/—
2325 श्री देवीचरन गुप्ता, हमीरपुर 1000/—
2326 श्री राजेन्द्रप्रसाद मोर, कटनी 1000/—
2327 श्री मुन्नालाल बिलैया, कटनी 1000/—
2328 श्री धर्मेन्द्र ककने, कटनी 1000/—
2329 श्री रामेश्वरप्रसाद चौदहा, कटनी 1000/—
2330 श्री खेमचन्द्र गुप्ता (सोनी), जबलपुर 1000/—
2331 श्री सौरभ पुत्र सुरेश नौगरैया 1000/—
2332 श्री रविकांत रावत, जबलपुर 1000/—
2333 श्री कृष्णकुमार हूंका, जबलपुर 1000/—

2334 श्री मदनमोहन गेड़ा, इन्दरगढ़ 1000/-
2335 श्री अशोककुमार तीतविलासी, झांसी 1000/-
2336 श्री भोलालराम सतीशकुमार गुप्ता, अशोकनगर 1000/-

वार्षिक सदस्यता बाबत्

4363 एस.के.गुप्ता, झांसी 120/-
4364 श्री बृजमोहन गुप्ता, ग्वालियर 120/-
4365 श्री बी.एन.गुप्ता, रायबरेली 240/-
4366 श्री रामेश्वर प्रसाद गुप्ता, मझगंवा 120/-
4367 श्री बृजेश कुमार बहरे, भिण्ड 120/-
4368 श्री शैलेष नौगरैया, सिहोरा 100/-
4369 श्री सुभाष हूंका, राजनांदगॉव 100/-
4370 श्री आर.एन.गुप्ता, धार 120/-
4371 श्री अशोक कुमार कठल, जबलपुर 120/-
4372 श्री राजेन्द्र गुप्ता, लालजी, नौगॉव 120/-
4373 श्री के.के.गुप्ता, मुम्बई 120/-
4374 श्री राजेश कुमार गुप्ता, उरई 120/-
4376 डॉ. महेन्द्र चउदा, दतिया 120/-
4377 श्री गंगाप्रसाद बरसैंया, छतरपुर 120/-
4378 श्री सौरभ रावत, बैंगलोर 120/-
4379 श्री गहोई रामप्रकाश कारेखिमऊ, उरई 120/-
4380 गहोई विपिन बिहारी गुप्ता, उरई 120/-
4381 श्री गहोई संतोष कुमार गुप्ता, उरई 120/-
4382 श्री गहोई राजकिशोर गुप्ता, उरई 120/-
4383 गहोई संतोष कुमार, उरई 120/-
4384 गहोई ब्रजेश कुमार, उरई 120/-
4385 श्री रघुवीर प्रसाद गुप्ता, पलेरा 120/-
4386 श्री सीताराम खरया, मऊरानीपुर 120/-
4387 श्री वीरेन्द्र कुमार नायक, सागर 120/-
4388 श्री अनुराग सिजरिया, नागपुर 100/-
4389 श्री रामशंकर नगरिया, राधोगढ़ 120/-
4390 श्री बिहारीलाल गुप्ता, दतिया 120/-
4391 श्री सरमनलाल गुप्ता, उरई 120/-
4392 श्री जगदीश टिकरया, छतरपुर 120/-
4393 श्री सुरेन्द्र कुमार गुप्ता, ग्वालियर 120/-
4394 श्री ब्रजेश कुमार गुप्ता, हमीरपुर 120/-
4395 श्री मुन्नालाल गुप्ता, एटा 120/-
4396 श्री रवि कनकने, कटनी 120/-
4397 श्री राकेश बिहारी बिलैया, मऊरानीपुर 120/-
4398 श्रीमती विद्यादेवी सुहाने, जाबरा 120/-
4399 श्री कृष्णगोपाल गुप्ता, उरई 120/-
4400 श्री आर.पी.गुप्ता, ग्वालियर 120/-
4401 श्री अनिलकुमार डेंगरे, ग्वालियर 120/-
4402 श्री एच.के.गुप्ता, रायपुर 120/-
4403 श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता, करैरा 120/-
4404 श्री दिवाईलाल गुप्ता, करैरा 120/-
4405 श्री अनिल कुमार इन्दुरख्या, करैरा 120/-
4406 श्री सुरेश कुमार गुप्ता, सागर 120/-
4407 श्री विनोद सेठ, झांसी 120/-
4408 श्री राधेश्याम रावत,मुहाल सागर 100/-
4409 डॉ. अशोक कुमार रेजा, शाहगढ़ 120/-
4410 श्री मुनीशचन्द्र गुप्ता, मुरादाबाद 120/-
4411 श्री रामअवतार गुप्ता, मुरादाबाद 120/-
4412 श्री अमित कुमार गुप्ता, मुरादाबाद 120/-
4413 श्री सुभाषचन्द्र गुप्ता, मुरादाबाद 120/-
4414 डॉ. विशेष गुप्ता, मुरादाबाद 120/-
4415 श्री रामकिशन सुहाने, मालकोन 120/-
4416 श्री रमेशचन्द्र कस्तवार पन्ना 120/-
4417 श्री अशोक कुमार गुप्ता, जबलपुर 120/-
4418 श्री कामताप्रसाद कनकने, छतरपुर 120/-
4419 श्री महेश प्रसाद गुप्ता, छतरपुर 120/-
4420 श्री विमल किशोर सुहाने, जबलपुर 120/-
4421 श्री अक्षय गुप्ता, रायपुर 120/-
4422 श्री अमित गुप्ता, भोपाल 120/-
4423 श्री घनश्याम दास सादेले, छोटी बड़ोनी 120/-
4424 श्री मनोज कुमार नौगरैया, छोटी बड़ोनी 120/-
4425 श्री राजेन्द्र नौगरैया, छोटी बड़ोनी 120/-
4426 श्री दिनेश कुमार इटोरिया, छोटी बड़ोनी 120/-
4427 श्री राधाचरन सेठ, छोटी बड़ोनी 120/-
4428 श्री बृजेश कुमार घुरा, भिण्ड 120/-
4429 श्री पूरनचन्द्र कस्तवार, मिहोना 120/-
4430 श्री रमेशचबाबू चपरा, मिहोना 120/-
4431 श्री रमाकांत गुप्ता, जबलपुर 120/-
4432 श्री शरद गुप्ता, न्यू दिल्ली 150/-
4433 श्रीमती मीरा गुप्ता, बारा राजस्थान 120/-
4434 श्री हरीबाबू नगरिया, बन्योटा 120/-
4435 श्री विनोद कुमार गुप्ता, झांसी 120/-
4436 श्री प्रमोद कुमार गुप्ता, डबरा 120/-
4437 श्री संजीव कुमार खेरा, झांसी 120/-
4438 श्री गंगाप्रसाद नीखरा, मऊरानीपुर 120/-
4439 श्री विनीत पिपरसानियां, कटनी 240/-
4440 श्री के.के.सुहाने, जबलपुर 120/-
4441 श्री मनोज नीखरा, जबलपुर 120/-
4442 श्री सुमित हूंका, दुर्ग 120/-
4443 श्री सौरभ गुप्ता, जबलपुर 120/-
4444 श्री राजीव कसाव, इन्दरगढ़ 120/-
4445 श्री शिवशंकर सांवला, उड़ीना 120/-
4446 श्री डब्बूलाल कनकरिया, उड़ीना 120/-
4447 श्री डॉ. शैलेन्द्र कुदरिया, इन्दरगढ़ 120/-
4448 श्री अरूण कुमार गुप्ता, सालोन 120/-
4449 श्री कमलेश कुमार गेड़ा, इन्दरगढ़ 120/-
4450 श्री रामस्वरूप कुरेले, इन्दरगढ़ 120/-
4451 श्री राजीव मोदी, इन्दरगढ़ 120/-
4452 श्री गिरजाशंकर सांवला, इन्दरगढ़ 120/-
4453 श्री विनय कुमार नीखरा, इन्दरगढ़ 120/-
4454 श्री संतोष नगरिया, इन्दरगढ़ 120/-
4455 श्री राजेन्द्र पहारिया,इन्दरगढ़ 120/-
4456 श्री दिनेश कुमार बिलैया, इन्दरगढ़ 120/-
4457 श्री विजय कुमार सेठ, मउरायपुरा 120/-
4458 श्री वीरेन्द्र गुप्ता, भोपाल 120/-
4459 श्री नरेन्द्रकुमार गुप्ता, झांसी 120/-
4460 श्री महेशकुमार गुप्ता, अशोकनगर 120/-
4461 श्री विमल कुमार गुप्ता, मूंदी 120/-
4462 श्री बदीप्रसाद गुप्ता, नगरा, झांसी 120/-
4463 श्रीमती उर्मिला रूसिया, झांसी 120/-

अक्षय निधि दानदाताओं की सूची

दिनांक 27–12–07 से 31–03–11 तक प्राप्त धन

1	श्रीमती शिखा पत्नी क्षितिजकुमार खरया, दुर्ग (कु. आशी खरया की स्मृति में)	250000/–
2	श्री चंद्रशेखर कस्तवार, धमतरी	101100/–
3	श्री सुरेशचंद्र कस्तवार (दादा), ग्वालियर	101000/–
4	श्री दिनेश गेड़ा, ग्वालियर	101000/–
5	श्री रमेशकुमार गुप्ता (पू. एमएलसी), नागपुर	51100/–
6	श्री महेशदत्त नगरिया, दुर्ग	51000/–
7	श्री रामशरण कुचिया, ग्वालियर	21100/–
8	डॉ. एस. के. पहारिया, ग्वालियर	21100/–
9	श्री राकेश लहारिया, ग्वालियर	21100/–
10	श्री जे. एस. दमेले, ग्वालियर	21100/–
11	श्री विनयकुमार राधेश्याम कुचिया, ग्वालियर	21100/–
12	श्रीमती माया जुगलकिशोर मातेले, नागपुर	21100/–
13	श्री राजकुमार लोहिया, नागपुर	21100/–
14	श्री शरदकुमार कृष्णकुमार बरसैंया, जबलपुर	21100/–
15	श्री नितिन रमेशचंद बरसैंया, जबलपुर	21100/–
16	श्रीमती उमा पत्नी रमेश बिलैया, छतरपुर	21100/–
17	श्री रमेशचंद मोर, डबरा (माताजी स्व. सरजू देवी मोर की स्मृति में)	21100/–
18	श्री महेशचंद बिलैया, डबरा	21100/–
19	श्री किशनलाल ओमप्रकाश रूसिया, डबरा	21100/–
20	श्रीमती मीरा महेश खांगट, डबरा	21100/–
21	श्री नाथूराम राजकुमार तीतविलासी (नेताजी), डबरा	21100/–
22	श्री राकेशकुमार राजेन्द्रकुमार, डबरा	21100/–
23	श्री सुनील खरया, रायपुर	21100/–
24	श्री योगेशचंद नौगरैया, भोपाल	21100/–
25	श्रीमती कांति पत्नी प्रदीप नीखरा, भोपाल (स्व. श्रीमती रामवती नीखरा की स्मृति में)	21100/–
26	श्री महेशकुमार चपरा, भोपाल	21100/–
27	श्री गोपालदास निगोतिया, भोपाल	21100/–
28	श्री विनोद कुमार तपा, भोपाल	21100/–
29	श्री भगवानदास बिलैया, भोपाल	21100/–
30	श्री ओमप्रकाश निगोती एडवोकेट भोपाल	21100/–
31	श्री नारायणदास नीखरा, भाण्डेर	21100/–
32	श्री राजेश सुहाने, इन्दौर	21100/–
33	श्री प्रमोद रूसिया, इन्दौर	21100/–
34	डॉ. जे. के. सर्राफ, इन्दौर	21100/–
35	डॉ. प्रभात गुप्ता, धमतरी	21100/–
36	डॉ. अनिल कुमार, धमतरी	21100/–
37	गहोई वैश्य विकास संस्थान, मथुरा	21100/–
38	माँ अन्नपूर्णा फैरौ अलायंस, इन्दौर	21100/–
39	श्री हजारीलाल नारायणदास रावत, छतरपुर	11111/–
40	श्री रमेश मलैया, लखनऊ,	11100/–
41	श्री रमेश सेठ, ग्वालियर	11100/–
42	श्री दिनेश तपा, ग्वालियर	11100/–
43	श्री एस. बी. गुप्ता, ग्वालियर	11100/–
44	श्री प्रदीप तपा, ग्वालियर	11100/–
45	श्री शिवकुमार इटोरिया, ग्वालियर	11100/–
46	श्री अनूप कुमारनगरिया, नागपुर	11100/–
47	श्री परशराम खरया, जबलपुर	11100/–
48	श्री ग्यासीलाल गंधी, छतरपुर	11100/–
49	डॉ. सुदामालाल बिजपुरिया, दुर्ग	11100/–
50	श्री धनीराम कनकने, दुर्ग	11100/–
51	श्री प्रफुल्लकुमार ददरया, दुर्ग	11100/–
52	श्री बृजेशकुमार सुनील कुमार नीखरा, डबरा	11100/–
53	श्री राजेन्द्र कंदेले, डबरा	11100/–
54	श्री नरेन्द्रकुमार खरया, रायपुर	11100/–
55	श्री शिवनारायण सुहाने, भोपाल	11100/–
56	श्री मदनमोहन प्रियदर्शी, भोपाल	11100/–
57	श्री राममोहन ददरया, दिल्ली	11100/–
58	श्री जगदीश एवम् लीलावती निगोती, शिवपुरी	11100/–
59	श्री रामस्वरूप चपरा, मिहोना	11100/–
60	श्री नरेन्द्रकुमार मोर, बिलासपुर	11100/–
61	श्री गणेशप्रसद बरसैंया, बिलासपुर	11100/–
62	श्री मनमोहन नीखरा, कानपुर	11100/–
63	श्री प्रकाश सुहाने, कानपुर	11100/–
64	श्री भोगीलाल बिलैया, करैरा	11100/–
65	श्री के. जी. गुप्ता (एडवोकेट), कर्बी	11100/–
66	श्री बालमुकुंद गेड़ा, बैतूल	11100/–
67	श्री बाबूलाल डेंगरे, इन्दौर	11100/–
68	श्री जगदीश छिरौल्या, इन्दौर	11100/–
69	श्री राजीव रावत, इन्दौर	11100/–
70	श्री पुरूषोत्तमदास कटारे, सतना	11100/–
71	डॉ. प्रकाशनारायण पहारिया, भोपाल	11100/–
72	श्री रामसहाय बेहरे, मिहोना	11100/–
73	श्री द्वारकाप्रसाद चैतन्य, मथुरा	5151/–
74	श्री ए. के. ददरया (ए.डी.आर.एम.), लखनऊ	5100/–
75	श्री राकेशचन्द रावत, लखनऊ	5100/–
76	श्री रामस्वरूप तीतविलासी, ग्वालियर	5100/–
77	श्री रामसिया पिपरसेनिया, ग्वालियर	5100/–
78	श्री गोपालदास चउदा, ग्वालियर	5100/–
79	श्री किशोरीलाल सिजरिया, ग्वालियर	5100/–
80	श्री रामकुमार सेठ, ग्वालियर	5100/–
81	श्री नारायणदास कुचिया, ग्वालियर	5100/–
82	श्री जैतल फूडस एण्ड केमीकल, ग्वालियर	5100/–

83	श्री ओ. पी. छिरोल्या, ग्वालियर	5100/–
84	श्री प्रेमनारायण महेशकुमार इटोरिया, ग्वालियर	5100/–
85	श्री रामस्वरूप तपा, ग्वालियर	5100/–
86	श्री रमेशचन्द्र मनीषकुमार, ग्वालियर	5100/–
87	श्री विजय पहारिया, ग्वालियर	5100/–
88	श्री संजय नीखरा, ग्वालियर	5100/–
89	श्री जगदीश मोदी, ग्वालियर	5100/–
90	श्री अशोक सिपौल्या, ग्वालियर	5100/–
91	डॉ. एस. बी. गुप्ता, ग्वालियर	5100/–
92	श्री एम. एल. गुप्ता, ग्वालियर	5100/–
93	डॉ. सी. पी. गुप्ता, ग्वालियर	5100/–
94	श्रीमती कमलादेवी माता श्री अशोककुमार, ग्वालियर	5100/–
95	श्रीमती कमला बिजपुरिया माता श्री परशराम, ग्वालियर	5100/–
96	डॉ. मदन स्वरूप पंसारी, ग्वालियर	5100/–
97	श्री गनपतराम नीखरा, ग्वालियर	5100/–
98	श्रीमती भगवती देवी पत्नी रामकृष्ण चपरा, ग्वालियर	5100/–
99	श्री बी.एम. गुप्ता, ग्वालियर	5100/–
100	श्री सतीश सुहाने, ग्वालियर	5100/–
101	श्री घनश्यामदास सांवला, ग्वालियर	5100/–
102	श्री रमेशचंद गेड़ा, ग्वालियर	5100/–
103	श्री राजेन्द्रकुमार नीखरा, ग्वालियर	5100/–
104	श्री बाबूलाल पहारिया, गोहद	5100/–
105	श्री अशोकुमार सांवला, गोहद	5100/–
106	श्री शेखर रूसिया, नागपुर	5100/–
107	श्री शारदाप्रसाद रावत, नौगांव	5100/–
108	श्री रामगोपाल मोर, नौगांव	5100/–
109	श्री मनोहरलाल मोर, नौगांव	5100/–
110	श्री दिनेशकुमार कठ्ठल, नरसिंहपुर	5100/–
111	श्री सुरेशचन्द्र बेहरे, जालौन	5100/–
112	श्री विवेकुमार सोनी, जालौन	5100/–
113	श्रीमती चंद्रा मोर, जबलपुर	5100/–
114	श्री रमेशचन्द्र बिजपुरिया, छतरपुर	5100/–
115	श्रीमती कान्ती पत्नी स्वामीप्रसाद नगरिया, छतरपुर	5100/–
116	श्रीमती चन्दा पत्नी अशोक नगरिया, छतरपुर	5100/–
117	श्री रामकुमार पिपरसेनिया, छतरपुर	5100/–
118	श्री लक्ष्मीनारायण पिपरसेनिया, छतरपुर	5100/–
119	श्री पूरनचन्द्र खरया, छतरपुर	5100/–
120	श्री नाथूराम बरसैंया, छतरपुर	5100/–
121	श्री श्रीराम नगरिया, छतरपुर	5100/–
122	श्रीमती गेंदारानी बरसैंया, छतरपुर	5100/–
123	श्री रामलाल रूसिया, दुर्ग	5100/–
124	डॉ. रमेशचन्द्र मोदी, छोटी बड़ोनी	5100/–
125	श्री रामेश्वरदयाल रेजा, उरई	5100/–
126	श्री संतराम सेठ, दलाल, उरई	5100/–
127	श्री जगदीशप्रसाद छिरौल्या, उरई	5100/–
128	श्री द्वारकाप्रसाद सुहाने (दद्दू), उरई	5100/–
129	श्री राधेश्याम मोदी, डबरा	5100/–
130	श्री दीपक कनकने, डबरा	5100/–
131	श्री पुत्तुलाल सर्राफ, डबरा	5100/–
132	श्री रामस्वरूप रूसिया, डबरा	5100/–
133	श्री रामबाबू मुकेशकुमार नीखरा, डबरा	5100/–
134	श्री कैलाशनारायण सांवला, डबरा	5100/–
135	श्री मनोज राजेन्द्रकुमार नीखरा, डबरा	5100/–
136	श्री विनोदकुमार नीखरा, डबरा	5100/–
137	श्री रमेशचन्द्र महेशकुमार, डबरा	5100/–
138	श्री रामस्वरूप अरूणकुमार सांवला, डबरा	5100/–
139	श्री हरीशरण विनोदकुमार छिरौल्या, डबरा	5100/–
140	श्री नाथूराम दिनेशकुमार पिपरसेनिया, डबरा	5100/–
141	श्री राजीव लोचन सेठ, डबरा	5100/–
142	श्री रामेश्वरदयाल हरीमोह नीखरा, डबरा	5100/–
143	श्री सुभाष सुहाने, रायपुर	5100/–
144	श्रीमती आशारानी गेड़ा, रायपुर	5100/–
145	श्री आर. डी. कनकने, रायपुर	5100/–
146	श्री गंगाप्रसाद बरसैंया, रायपुर	5100/–
147	श्रीमती ललिता गुप्ता, रायपुर	5100/–
148	श्री रमेशबाबू सिपौल्या, रायपुर	5100/–
149	श्री वीरेन्द्र बिलैया, रायपुर	5100/–
150	श्री रमेश सेठ, रायपुर	5100/–
151	श्री गोपीकृष्ण चउदा, पटना	5100/–
152	श्री ओमप्रकाश नगरिया, भोपाल	5100/–
153	श्री हरानारायण सिजरिया, भोपाल	5100/–
154	श्री राकेशकुमार कनकने, भोपाल	5100/–
155	श्री कुबेरचन्द्र रेजा, भोपाल	5100/–
156	श्री विष्णुप्रसाद बरसैंया, भोपाल	5100/–
157	श्री धन्य कुमार रेजा, भोपाल	5100/–
158	श्री रामनारायण बड़ेरिया, भोपाल	5100/–
159	श्री संजीव मनीष निगोतिया, भोपाल	5100/–
160	श्री अशोककुमार राकेश कुमार, भोपाल	5100/–
161	श्री हरनारायण बड़ेरिया, भोपाल	5100/–
162	श्री मोहनलाल गेड़ा, भोपाल	5100/–
163	श्री रामशरणलाल कस्तवार, भोपाल	5100/–
164	श्री उमाशंकर लहारिया, भोपाल	5100/–
165	श्री रामचरणलाल विनोदकुमार भौंती	5100/–
166	श्री रामप्रकाश नीखरा, भौंती	5100/–
167	श्री अशोक धूसर, निवाड़ी	5100/–
168	श्री सन्तोष कुमार डेंगरे, बिजावर	5100/–
169	श्री सन्तोष कस्तवार, मिहोना	5100/–
170	डॉ. बृजमोहन कस्तवार, मिहोना	5100/–
171	श्री प्रेमनारायण ददरया, मिहोना	5100/–
172	श्री सुदामा सिजरिया, मिहोना	5100/–
173	श्री रमेशचन्द्र नगरिया, मिहोना	5100/–
174	श्री जयविजय पिपरसानियां, मिहोना	5100/–

175 श्रीमती अमिता चपरा, जबलपुर 5100/—
176 श्री कैलाशनारायण कस्तवार, मिहोना 5100/—
177 श्री माधवप्रसाद ब्रिजपुरिया, मिहोना 5100/—
178 श्री पीयूष गुप्ता, बिलासपुर 5100/—
179 श्री रमेशप्रसाद सेठ, बिलासपुर 5100/—
180 श्री महेशकुमार मोर, बिलासपुर 5100/—
181 श्री नरेशकुमार महतेले, बिलासपुर 5100/—
182 श्री लक्ष्मीनारायण बिलैया, बिलासपुर 5100/—
183 श्री मैथिलीशरण लोहिया, मोठ 5100/—
184 श्री शालिगराम डेंगरे, मोठ 5100/—
185 श्री कैलाशनारायण सरावगी, मोठ 5100/—
186 श्री विनोदकुमार त्रिसोलिया, कटनी 5100/—
187 श्री आशीषकुमार काशीप्रसाद डेंगरे, कटनी 5100/—
188 श्री रतनकुमार खर्द, कटनी 5100/—
189 श्री प्रकाशचंद्र खरया, कानपुर 5100/—
190 श्री आनंद कटारे, कानपुर 5100/—
191 श्री दीनदयाल पहारिया, कर्बी 5100/—
192 श्री राजकिशोर पिपरसेनिया, कर्बी 5100/—
193 श्री आलोक कंदेले, कर्बी 5100/—
194 श्री सियाशरण सेठ, बैतूल 5100/—
195 श्री रामबाबू बड़ेरिया, बैतूल 5100/—
196 श्री रामप्रकाश बेहरे, बड़ागांव 5100/—
197 श्री विजयकुमार नगरिया, बड़ागांव 5100/—
198 श्री गोपाल बिलैया, इन्दौर 5100/—
199 श्री पुरूषोत्तम पोद्दार, इन्दरगढ़ 5100/—
200 श्रीमती रजनी पत्नी राजेन्द्र डेंगरे, झांसी 5100/—
201 श्री प्रकाश नौगरैया, झांसी 5100/—
202 श्री रमेश सेठ, झांसी 5100/—
203 श्री पन्नालाल सुधीरकुमार, कटनी 3200/—
204 श्री विनोदकुमार कुचिया, दुर्ग 2500/—
205 श्री प्रेमचंद पहारिया, कर्बी 2500/—
206 श्री राजीव बिस्वारी, लखनऊ 2100/—
207 श्री प्रमोद पहारिया, लखनऊ 2100/—
208 श्री डी. डी. गेड़ा, लखनऊ 2100/—
209 श्री सुनील सांवला, ग्वालियर 2100/—
210 श्री अशोककुमार सेठ, ग्वालियर 2100/—
211 श्री रामेश्वरदयाल लहारिया, गोहद 2100/—
212 श्री मोहनलाल निगोतिया (गडरोली वाले), गोहद 2100/—
213 श्री कृष्ण खंताल, दुर्ग 2100/—
214 श्री रामस्वरूप सेठ (बधोली वाले), उरई 2100/—
215 श्री गणेशकुमार दिनेशकुमार मोदी, डबरा 2100/—
216 श्री रामसेवक धूसर, निवाड़ी 2100/—
217 श्री रतनलाल बेहरे, बिलासपुर 2100/—
218 श्री राजेन्द्र कुमार गंधी, बिलासपुर 2100/—
219 श्री सेठ द्वारकाप्रसाद, बिलासपुर 2100/—
220 श्री सियाशरण नौगरैया, मोठ 2100/—
221 श्री लखनलाल कारेखिमऊ, बड़ागांव 2100/—
222 श्री सन्तोष सोनी, लखनऊ 1100/—
223 श्री दिनेशकुमार गुप्ता, लखनऊ 1100/—
224 श्री संजय गुप्ता, लखनऊ 1100/—
225 श्री सुरेशकुमार छिरौल्या, ग्वालियर 1100/—
226 श्री जगदीशनारायण नौगरैया, नौंगांव 1100/—
227 श्री सतीश सेठ, डबरा 1100/—
228 श्री रामानन्द सेठ, डबरा 1100/—
229 श्री गोटेराम मिसुरिया, सेंवढ़ा 1100/—
230 श्री अमित कुमार, पूंछ 1100/—
231 श्री प्रकाश मोर, पूंछ 1100/—
232 श्री श्याम सुन्दर लहारिया, पूंछ 1100/—
233 श्री राजीव बरसैंया, पूंछ 1100/—
234 श्री दीपक मलैया, पूंछ 1100/—
235 डॉ. नरेन्द्र नीखरा, मोठ 1100/—
236 श्री शशिकांत कनकने, मोठ 1100/—
237 श्री सियाशरण सरावगी, मोठ 1100/—
238 श्री पुरूषोत्तदास पहारिया, करबी 1100/—
239 श्री शिवशंकर सेठिया, करबी 1100/—
240 श्री शंकर लाल पहारिया, करबी 1100/—

दिनांक 01–04–2011 के बाद प्राप्त धन (चैक एवं बैंक के माध्यम से भेजा गया दान अक्षय निधि के खाते में जमा होने के बाद ही मान्य माना जायेगा)

1 श्री शिवकुमार सोनी, जबलपुर 101000/—
2 श्री भरत नीखरा, इंदौर 101000/—
3 श्री पुष्पेन्द्रकुमार एसएल नौगरैया, ग्वालियर 21100/—
4 श्री उत्तमचंद बिलैया, जबलपुर 21100/—
5 श्री संजय मोर, जबलपुर 21100/—
6 श्री सुनील नगरिया, भोपाल 21100/—
7 श्री सुभाष कुचिया, बालाघाट 21100/—
8 श्री वनमाली सादेले, ग्वालियर 11100/—
9 श्री सुभाषचंद रावत, जबलपुर 11100/—
10 श्री अशोक नौगरैया, जबलपुर 11100/—
11 श्री खेमचंद इटौंदिया, जबलपुर 11100/—
12 श्री सूरजप्रकाश बड़ेरिया, जबलपुर 11100/—
13 श्री आर. एस. पिपरसेनिया, कटनी 5100/—
14 श्री सीताराम लहारिया, कटनी 5100/—
15 श्री दयाशंकर कनकने, कटनी 5100/—

उपरोक्त सूची में यदि किसी दानदाता का नाम त्रुटि वश छूट गया हो तो कृपया शीघ्र सूचित करने की कृपा करें।

–राजेन्द्र नीखरा, कोषाध्यक्ष महासभा, ग्वालियर

ग.वै. एसोएिसशन दिल्ली द्वारा छात्रवृत्ति हेतु चयनित किये गये छात्रों की सूची

क्र.	छात्र-पिता/पालक का नाम	स्थान	शिक्षा	रकम
1	रितेश–श्री रूपनारायण गुप्ता	अहमदाबाद	बी.ई.	2000/–
2	लीना–श्री छक्कूलाल रूसिया	बालाघाट	एम.एम.	1800/–
3	शचि–श्री राजीवकुमार गुप्ता	सेंथल (बरेली)	12 वीं	1000/–
4	सोमिल–श्री संजीवकुमार लहारिया	लहार (भिण्ड)	11 वी	1000/–
5	सोमिल–श्री संतोषकुमार सोनी	लहार (भिण्ड)	बीबीए	1400/–
6	अनुज–श्री अखिलेशकुमार सोनी	लहार (भिण्ड)	बी.ई.	2000/–
7	राहुल–स्व. श्री गुरूप्रसाद गुप्ता	लहार (भिण्ड)	बी.ई.	2000/–
8	अंकिता–श्री संतोष गुप्ता	बिलासपुर	बी.कॉम.	1400/–
9	साधना–श्री किशोरीलाल गुप्ता	राजनगर (छतरपुर)	बी.एससी.	1400/–
10	अंकिता–श्री चन्द्रप्रकाश ददरया	नौगांव (छतरपुर)	बी.ई.	2000/–
11	कपिल–श्री नरेन्द्रकुमार बेहरे	नौगांव (छतरपुर)	बी.ई	2000/–
12	राहुल–श्री श्यामसुन्दर गुप्ता	नौगांव (छतरपुर)	बी.ई.	2000/–
13	शिखा–श्री गंगाप्रसाद पहारिया	कर्बी (चित्रकूट)	एम.बी.ए.	2000/–
14	अमन–श्री महेशचन्द्र रेजा	भाण्डेर (दतिया)	बी.ई.	2000/–
15	पूजा–श्री संतोष गुप्ता	डिण्डोरी	बी.कॉम.	1400/–
16	हिमांशी–श्री बृजेशकुमार मोदी	डबरा (ग्वालियर)	11 वीं	1000/–
17	अभिषेक–श्री वीरेन्द्रकुमार गुप्ता	डबरा (ग्वालियर)	डिप्लोमा	1400/–
18	वरूण–श्री अरविंद गुप्ता	मुरार (ग्वालियर)	बी.कॉम.	1400/–
19	हिमांशु–श्री सुनील गुप्ता	लश्कर (ग्वालियर)	बी.ई.	2000/–
20	प्रसन्नजीत–श्री गनेशप्रसाद गुप्ता	सिहोरा (जबलपुर)	11 वीं	1000/–
21	उमंग–श्री उमाकांत गुप्ता	जबलपुर	बी.एससी.	1400/–
22	अंकुर–श्री अशोककुमार गुप्ता	सिहोरा (जबलपुर)	बी.ई.	2000/–
23	अंशुल–श्री दिनेश बरसैंया	जबलपुर	बी.ई.	2000/–
24	मेघा–श्री महेशकुमार गुप्ता	जबलपुर	बी.ई.	2000/–
25	राखी–श्री अशोककुमार गुप्ता	सिहोरा (जबलपुर)	एम.सी.ए.	2000/–
26	कार्तिक–श्री अतुल कुमार गुप्ता	कोंच (जालौन)	9 वीं	700/–
27	आकांक्षा–श्री राजेन्द्रकुमार नीखरा	कोंच (जालौन)	12 वीं	1000/–
28	अनुज–श्री विनोदकुमार गुप्ता	कोंच (जालौन)	11 वीं	1000/–
29	अपूर्व–श्री राजेन्द्रकुमार गुप्ता	कोंच (जालौन)	12 वीं	1000/–
30	दिव्या–श्री शरद पहारिया	कोंच (जालौन)	12 वीं	1000/–
31	अश्विनी–श्री श्यामसुन्दर गुप्ता	कोंच (जालौन)	बी.एससी.	1400/–
32	आयुशी–श्री अनिल कुमार सोनी	कोंच (जालौन)	बी.एससी.	1400/–
33	पीयूष–श्री प्रभुदयाल गुप्ता	कोंच (जालौन)	बी.एससी.	1400/–
34	प्रभा–श्री विनोदकुमार गुप्ता	कोंच (जालौन)	बी.ए.	1400/–
35	प्राची–श्री राजकुमार गुप्ता	कोंच (जालौन)	बी.ए.	1400/–
36	शालिनी–श्री रमेशचन्द्र गुप्ता	कोंच (जालौन)	बी.एससी.	1400/–
37	शिवम–श्री कमलेश कनकने	कोंच (जालौन)	डिप्लोमा	1400/–
38	आंचल–श्री महेशचन्द्र रेजा	कोंच (जालौन)	एम.ए.	1800/–
39	अंकित–स्व. श्री श्यामसुन्द पहारिया	कोंच (जालौन)	एम.ए.	1800/–
40	छाया–श्री लखन सकेरे	कोंच (जालौन)	एम.ए.	1800/–
41	कंचन–स्व. श्री रमेशचन्द गुप्ता	कोंच (जालौन)	एम.ए.	1800/–
42	पूजा–श्री लालजी गुप्ता	कोंच (जालौन)	एम.ए.	1800/–
43	शिवानी–श्री वीरेन्द्रकुमार लोहिया	कोंच (जालौन)	एम.एससी.	1800/–

क्र.	छात्र-पिता/पालक का नाम	स्थान	शिक्षा	रकम
44	सिद्धार्थ–श्री हरीशंकर रेजा	कोंच (जालौन)	एम.ए.	1800/–
45	मनीष–श्री रमेश गुप्ता	कोंच (जालौन)	बी.ई.	2000/–
46	नेहा–श्री अशोककुमार गुप्ता	कोंच (जालौन)	एम.एड.	2000/–
47	रोहित–श्री बद्रीप्रसाद गुप्ता	कोंच (जालौन)	एम.सी.ए.	2000/–
48	सौरभ–श्री भगतजी गुप्ता	कोंच (जालौन)	बी.ई.	2000/–
49	निखिल–श्री अशोक भगवानदास गुप्ता	चालीसगांव (जलगांव)	बी.ई.	2000/–
50	अंकित–श्री अनिलकुमार गुप्ता	कानपुर	बी.टेक.	2000/–
51	मेघा–सुनील कुमार सोनी	कटनी	11 वीं	1000/–
52	अंकित–श्री ओमप्रकाश डेंगरे	कटनी	बी.एससी.	1400/–
53	मोनिका–श्री मोहनलाल गुप्ता	कटनी	बी.कॉम.	1400/–
54	शिप्रा–पन्नालाल कंदेले	कटनी	बी.एससी.	1400/–
55	लक्ष्मी–स्व. श्री रमेशकुमार सेठिया	कटनी	एम.ए.	1800/–
56	आकाश–श्री सुशीलकुमार सोनी	कटनी	बी.ई.	2000/–
57	मधु–श्री चंद्रभान गिल	मथुरा	एम.सी.ए.	2000/–
58	काजोल–श्री संतोषकुमार	मऊरानीपुर (झांसी)	12 वीं	1000/–
59	शशांक–श्री शरदकुमार गुप्ता	मऊरानीपुर (झांसी)	11 वीं	1000/–
60	पीयूष–श्री प्रमोदकुमार गुप्ता	मऊरानीपुर (झांसी)	बी.कॉम.	1400/–
61	प्रियंका–श्री श्याम मनोहर लोहिया	मोठ (झांसी)	बी.कॉम.	1400/–
62	रोहित–श्री महेन्द्रकुमार मोदी	मऊरानीपुर (झांसी)	बी.कॉम.	1400/–
63	शुभि–स्व. श्री विजयकुमार गुप्ता	रानीपुर (झांसी)	बी.ए.	1400/–
64	स्वदीप–श्री सुरेशचन्द्र गुप्ता	मऊरानीपुर (झांसी)	बी.कॉम.	1400/–
65	अंजलि–श्री जुगलकिशोर गुप्ता	मऊरानीपुर (झांसी)	बी.एड.	1800/–
66	नेहा–श्री राजेन्द्रकुमार गुप्ता	मऊरानीपुर (झांसी)	एम.कॉम.	1800/–
67	रश्मि–श्री ओमप्रकाश गुप्ता	मऊरानीपुर (झांसी)	बी.एड.	1800/–
68	रूबी–श्री महेशचन्द्र गुप्ता	मऊरानीपुर (झांसी)	एम.ए.	1800/–
69	सोनम–श्री मैथिलीशरण खरया	मऊरानीपुर (झांसी)	एम.एससी.	1800/–
70	प्रिंस–श्री बृजकिशोर चउदा	मऊरानीपुर (झांसी)	बी.टेक.	2000/–
71	सजल–श्री मुन्नालाल कटारे	मऊरानीपुर (झांसी)	बी.टेक.	2000/–
72	सौरभ–श्री राममुरारी बिलैया	मऊरानीपुर (झांसी)	बी.टेक.	2000/–
73	शैलेन्द्र–स्व. श्री मुन्नालाल गुप्ता	मऊरानीपुर (झांसी)	एम.सी.ए.	2000/–
74	श्वेतारानी–श्री राजेन्द्र गुप्ता	मऊरानीपुर (झांसी)	एम.सी.ए.	2000/–
75	खुशबू–श्री कृष्णगोपाल बिजपुरिया	गाडरवारा (नरसिंहपुर)	बी.कॉम.	1400/–
76	आकाश–श्री कैलाश कुमार नीखरा	गाडरवारा (नरसिंहपुर)	बी.ई.	2000/–
77	अंकुर–स्व. श्री महेन्द्रकुमार गुप्ता	नौकुचियाताल (नैनीताल)	बी.ई.	2000/–
78	निखिल–श्री गंगाशरण गुप्ता	उरई (जालौन)	11 वीं	1000/–
79	प्रतीक–श्री सत्यप्रकाश गुप्ता	उरई (जालौन)	12 वीं	1000/–
80	रजत–श्री वैदही शरण रूसिया	उरई (जालौन)	12 वीं	1000/–
81	सोनिया–श्री रामकुमार गुप्ता	उरई (जालौन)	11 वीं	1000/–
82	दीपा–श्री जयप्रकाश गुप्ता	उरई (जालौन)	बीटीसी	1400/–
83	प्रीति–श्री दिनेशकुमार गुप्ता	उरई (जालौन)	बी.ए.	1400/–
84	राघवेन्द्र–श्री कृष्णकुमार गुप्ता	उरई (जालौन)	आईटीआई	1000/–
85	शोभित–श्री बद्रीप्रसाद गुप्ता	उरई (जालौन)	बी.एससी.	1400/–
86	मंजली–स्व. श्री प्रदीपकुमार सोनी	उरई (जालौन)	बी.एड.	1800/–
87	नीलू–श्री रामकुमार बड़ेरिया	उरई (जालौन)	एम.एससी.	1800/–

क्र.	छात्र-पिता/पालक का नाम	स्थान	शिक्षा	रकम
88	अनुज–श्री अवधेशकुमार गुप्ता	उरई (जालौन)	बी.ई.	2000/–
89	अविरल–श्री संजीवकुमार गुप्ता	उरई (जालौन)	बी.टेक.	2000/–
90	रितु–श्री कालिकाप्रसाद गुप्ता	उरई (जालौन9	बी.ई.	2000/–
91	वैशाली–श्री राजेशकुमार कुचिया	सतना	बी.ई.	2000/–
92	अपूर्व–श्री अशोक गुप्ता	सागर	11 वीं	1000/–
93	लक्ष्मी–श्री गोविंदप्रसाद गुप्ता	सागर	12 वीं	1000/–
94	सोनल–श्री सुनीलकुमार सराफ	रहली (सागर)	12 वीं	1000/–
95	विकास–श्री विजयकुमार सराफ	रहली (सागर)	11 वीं	1000/–
96	काजल–श्री गोपालकृष्ण झुड़ेले	सागर	बी.एससी.	1400/–
97	शिखा–श्री रमेशकुमार गुप्ता	सागर	बी.एससी.	1400/–
98	शुभम–स्व. श्री कमलकुमार सिपौल्या	गढ़ाकोटा (सागर)	बी.कॉम.	1400/–
99	अर्चना–श्री अवधबिहारी गुप्ता	सागर	एम.ए.	1800/–
100	पूनम–श्री वीरेन्द्र सुहाने	सागर	एम.ए.	1800/–
101	आकांक्षा–श्री जगदीशप्रसाद गुप्ता	रहली (सागर)	बी.ई.	2000/–
102	मयंक–श्री वीरेन्द्र गुप्ता	सागर	बी.ई.	2000/–
103	निधि–श्री चंद्रहास गुप्ता	सागर	एम.फार्मा.	3500/–
104	निकिता–श्री विनोदकुमार गुप्ता	सागर	बी.ई.	2000/–
105	प्रखर–श्री महेन्द्रकुमार गुप्ता	सागर	बी.फार्मा.	2000/–
106	प्रिया–श्री महेश इटौरिया	सागर	बी.ई.	2000/–
107	प्रिया–श्री नारायणप्रसाद कठल	सागर	बी.ई.	2000/–
108	राखी–श्री राजकुमार गुप्ता	मकरोनिया (सागर)	बी.ई.	2000/–
109	सौरभ–श्री कमलेश गुप्ता	शाहगढ़ (सागर)	बी.ई.	2000/–
110	शिवानी–श्री गोविंद ब्रजपुरिया	देवरी (सागर)	बी.ई.	2000/–
111	शुभि–श्री सुरेन्द्र बरसैंया	सागर	बी.ई.	2000/–
112	सुमित–श्री देवेन्द्र नगरिया	सागर	बी.ई.	2000/–
113	जलज–स्व. श्री अरूणकुमार लोहिया	उज्जैन	एम.सी.ए.	2000/–
114	विवेक–श्री प्रमोद चौधरी	पिछोर (शिवपुरी)	बी.एससी.	1400/–
115	सौरभ–स्व. श्री ओमप्रकाश कनकने	शिवपुरी	बी.ई.	2000/–

–श्री पी.के. गुप्ता, संयोजक छात्रवृत्ति

ग.वै. विकास परिषद का होली मिलन

ग्वालियर। श्री ग.वै. विकास परिषद खासगी बाजार का होली मिलन समारोह एवं साधारण सभा राष्ट्रकवि डॉ. मैथिलीशरण गुप्त पुस्तकालय जीवाजी चौक ग्वालियर पर दिनांक 27–03–11 को हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सुरेशचन्द्र लहारिया ने की एवं मुख्य अतिथि श्री सुधीर पहारिया पूर्व पार्षद थे। कार्यक्रम का संचालन श्री राधेश्याम सेठ ने किया। होली मिलन समारोह एवं साधारण सभा में निर्णय लिया गया कि पंचायत के चुनाव 15 मई 2011 तक सम्पन्न कराये जायें। मुख्य चुनाव अधिकारी श्री मुन्नालाल नीखरा को बनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सर्व श्री केदार कुचिया, घनश्यामदास बिलैया, मुकुट पहारिया, रमेश अमर, सुनील नीखरा, राजेन्द्र लहारिया, जगदीश बिलैया, रामबाबू कनकने आदि सामाजिक बंधु उपस्थित थे। अंत में आभार श्री भारत बेहरे मंत्री ने किया।

-भारत बेहरे मंत्री ग.वै.वि. परिषद

शोक समाचार

इंजी. श्री रामसेवक कुचिया दिवंगत

भोपाल । 29 जनवरी 2011 को इंजीनियर श्री रामसेवक गुप्त (कुचिया) अचलपुरा (भिण्ड) वर्तमान में मीनाल रेजीडेंसी भोपाल 67 वर्ष की आयु में ह्रदयगति रूकने के कारण निधन हो गया। आप अपने पीछे पूज्यनीय माताजी पत्नी श्रीमती संतोष, अग्रज भ्राता श्री राघवेश गुप्त (ग्वालियर) पुत्र चि. अतुल पुत्रवधू सौ. सपना, चि. अमित पुत्रवधू सौ. आरती, पुत्री सौ. रीतू दामाद चि. दीपक एवं नाती नातियों सहित भरा पूरा परिवार बिलखता हुआ छोड़ गये । आप मृदुभाषी, धार्मिक व्यक्तित्व सादा जीवन से ओत प्रोत थे । आपकी शवयात्रा एवं उठावनी में स्वजातीय रिश्तेदार, प्रशासनिक वर्ग के अधिकारी राजनेता आदि लोग भारी संख्या में मौजूद थे।त्रयोदशी पगड़ी रस्म पश्चात देवदर्शन कराये। शोकसभा आयोजित कर सभी ने पुष्पांजलि समर्पित की व दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शान्ति एवं परिवार को इस गहन कष्ट सहन करने की परमपिता से याचना की।

–जगदम्बा सुहाने, कानपुर

श्री नारायण दास ब्रिजपुरिया 'कमलेश' का निधन

आलमपुर । गहोई समाज के वरिष्ठ समाजसेवी एवं साहित्यकार श्री नारायण दास जी ब्रजपुरिया का दिनांक 10 मार्च 2011 को 81 वर्ष की आयु में अचानक निधन हो गया। आप चिकित्सक, साहित्यक एवं कवि व समाजसेवी थे, आप समाज के प्रतिष्ठित पदों पर भी आसीन रहे थे जिसमें गहोई बंधु के संपादक व अ.भा.ग. वै.न.यु. मण्डल के अध्यक्ष पद हैं।

आप अपने पीछे अपना भरा पूरा परिवार जिसमें पुत्र डॉ. अरविन्द एवं डॉ. आनंदकंद व नाती पोते छोड़ गये हैं। आपके निधन पर गहोई समाज आलमपुर की जो क्षति हुयी उसकी भरपाई कभी नहीं हो सकेगी, आपने अपनी प्रतिभा के दम पर समाज प्रदेश व सम्पूर्ण राष्ट्र में ख्याति अर्जित की थी आपकी कुछ पुस्तकें प्रकाशित भी हो चुकी है। आपकी उठावनी के दिन चंबल क्षेत्रीय सभा के पदाधिकारीगणों एवं स्थानीय पंचायत के समस्त पदाधिकारियों ने भाग लेकर सभी ने श्रंद्धाजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की ।

आपके निधन पर गहोई समाज आलमपुर ने अध्यक्ष की अध्यक्षता में गहोई अतिथि गृह आलमपुर में शोकसभा का आयोजन कर दिवंगत आत्मा की शान्ति हेतु दो मिनट का मौन धारण कर ईश्वर से प्रार्थना की।

–डॉ. सुशील कुमार सोनी, मंत्री ग.वै. समाज आलमपुर

श्रीमती कमला पहारिया का निधन

थाटीपुर । दिनांक 14 मार्च 2011 को 79, नेहरू कॉलोनी निवासी श्रीमती कमला पहारिया का अस्वस्थता के कारण 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आप स्व. रामसेवक पहारिया की धर्म पत्नी थी। आप समाज के प्रतिष्ठित लोकप्रिय समाजसेवी श्री रामस्वरूप, ओमप्रकाश, लक्ष्मीप्रसाद, अजय, शैलेन्द्र, नीलेन्द्र की माताजी थी आप अत्यधिक मृदुभाशी, धार्मिक कर्तव्यनिष्ठा महिला थी। आप अपने पीछे पुत्र, पुत्रवधू, पुत्रियां, नाती, पोते सहित भरा पूरा परिवार छोड़कर बैकुण्ठवासी हो गई । थाटीपुर के गहोई बंधुओं ने सभी ने श्रंद्धाजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा की शान्ति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की ।

–नारायण दास पहारिया, अध्यक्ष ग.वै.एसो. थाटीपुर

भूल-सुधार

(1) अ.भा.ग.वै. महिलासभा पदाधिकारी सूची फरवरी मार्च 11 में प्रकाशित मध्य मालवा क्षेत्रीय सभा क्र. 66 सदस्यता क्र. 513 कोषाध्यक्ष श्रीमती उमा सुहाने कैलाशनारायण सुहाने पढ़ें।

(2) माह फरवरी 11 में प्रकाशित गहोई बन्धु आय–व्यय पत्रक में पेज 94

नोट–(1) महासभा के स्थान पर गहोई बन्धु पढ़ा जावे।

(2) महासभा आजीवन सदस्यता क्रमांक 19 सुशील कुमार के स्थान पर श्री दिलीप कुमारसोनी एवं क्र. 68 रायपुर की जगह गाजियाबाद पढ़ा जावे।

–उमाशंकर लहारिया, महामंत्री महासभा

अक्षय निधि दानदाताओं से अनुरोध

समस्त अक्षय निधि दानदाताओं से विनम्र अनुरोध है कि वह 16 एवं 17 अप्रैल 2011 को नोयडा में आयोजित महासभा के राष्ट्रीय अधिवेशन में आप सादर आमंत्रित हैं। दिनांक 16 अप्रैल को गहोई रत्न, गहोईश्री एवं गहोई गौरव के साथ अन्य दानदाताओं का भी सम्मान महासभा द्वारा किया जाना है। अतः समय पर उपस्थित होकर अपना सम्मान स्वीकार करें।

–उमाशंकर लहारिया, महामंत्री महासभा

BIO-DATA

नाम : विकास गुप्ता

जन्म तिथि : 23 जून 1983, समय : 10:05 बजे रात्रि

शिक्षा : बी.ई. (इलेक्ट्रानिक्स एन्ड टेली.) एवं एम.बी.ए. (मार्केटिंग एन्ड मेनेजमेन्ट) बॉम्बे से

सर्विस : एरिया मेनेजर (आई.सी.आई.सी.आई.) प्रडेन्सियल, नेशनल केपिटल रीजन, न्यू देहली,

ऊँचाई : 5 फुट 11 इंच   कलर : फेयर, स्मार्ट लुकिंक

ऑकना : सिपोल्या   गोत्र : जैतल्य

परिवारिक परिचय :

पिता : डॉ. रमेश कुमार गुप्ता डिप्टी डायरेक्टर वेटनरी सर्विसेस (रिटायर्ड)

माता : श्रीमती लीला गुप्ता बी.ए.

भाई (बड़े) : मनीष कुमार गुप्ता (विवाहित)

शिक्षा : बी.ई. (कंम्प्यूटर साईन्स एण्ड इंजी.)

सर्विस : प्रोजेक्ट मेनेजर कॉग्नीजेन्ट टेक्नोलोजीस सिस्टम (सी.टी.एस) पुणे वर्तमान में लंदन में कार्यरत मोबाइल : 00447786402092

भाभी : श्रीमती स्वाती गुप्ता (एम.एस.सी.) सुपुत्री शाह श्री विजय कुमार जी पहारिया एडवोकेट एण्ड दाल मिल ओनर खितौला बाजार सिहोरा रोड़, (जबलपुर)

भाई (मझले) : आशीष कुमार गुप्ता (विवाहित)

शिक्षा : एम.सी.ए. एवं एम.बी.ए. (बाम्बे)

सर्विस : बैंक एसोरेन्स ऑफिसर आई.सी.आई.सी.आई प्रूडेन्सियल (भोपाल) मो : 09630159396

भाभी : श्रीमति अनुपमा गुप्ता (एम.ए. पालीटिकल साईन्स) सुपुत्री शाह श्री भरतलाल जी सेठ रिटायर बैंक मैनेजर दतिया

सम्पर्क सूत्र : डॉ. रमेश कुमार गुप्ता
जी-3/507, गुलमोहर कालोनी नियर शील पब्लिक स्कूल,
शहपुरा रोड़, भोपाल म.प्र.
मोबा : 09425555580, 09720604021, 09406563821

E-mail : ashishcec@yahoo.com

प्राथमिकता : सुन्दर, सुशील, कलर फेयर, ऊंचाई 5' 3'' एवं उच्च शिक्षित सर्विस को प्राथमिकता

जन्म कुंडली

BIO-DATA

Name	:	**RAHUL GUPTA** (Barsaiyan)
Gotra	:	Vachhal
DOB & Time	:	26th April, 1983 (Bhopal 21.31 Hrs.)
Hight & Weight	:	170 Cms & 66 Kgs.
Qualifications	:	B. Tech (Elex.) - Y.C.C.E. - Nagpur (MR) MBA (Finance) - Symbosis - Pune (MR)
Present Employer	:	Manager (Finance) - For 1 + yrs. "Lonsen - Kiri" Dyes & Chemicals, Ahmedadad
Father / Mother	:	**Col. R.K. Gupta** M. Tech. (Retd) **Sushma Gupta,** B.A., B.Ed. Re-employed as Exe Engr at 3 E. M.E. Centre, Bhopal. Phone :- 0755 - 2463450 (R) Mob- 09425375741
Sister	:	**Rupali Gupta,** Throughout first class : Graduation from Delhi University Persuing M. Tech. at CEPT (An Arch. University) - Ahmedabad
G.Father/G. Mother	:	**Late Prof. Babulal Ji Gupta / Smt. Radha Gupta** E-4/275, Arera Colony, Bhopal, Phone - 0755-2463450
Chacha / Chachi	:	**Shri Rakesh Gupta / Smt. Prathibha** (From Jar - Family, Katni) M.Sc. (Maths.), M.Ed. / MSc. (Maths.), M.Ed Both, Principal of Govt. H.S.S. **Shri Rajesh Gupta / Smt. Vidhushi** (From Reja - Family, Chhatarpur) M.Sc. (Chem.) M.Ed. / M.Sc. (Phy.) M.ED., Both Lecturers
Bua / Fufa Ji	:	**Smt. Shashi Prabha Kharia / Late Shri Vinod Kharia** Manager, Allahabad Bank, Bhopal. **Smt. Rita Baronia / Shri Ajay Baronia,** Jabalpur/Manager, Central Bank
Nana / Nani	:	**Late Shri P.K. Naik (Khantal) / Smt. Premlata Naik** I.F.S.
Mama / Mami	:	**Er. Anurag Naik / Smt Shobha** (From Tapa - Family, Mandla) Executive Engineer, M.P.E.B., Jabalpur
Mausa / Mausi	:	**Dr. Brajesh Gupta (Baronia) / Dr. Sadhna Gupta** Prof. at IGMC, Dept. of Surgery - Nagpur, Own Nursing Home

LOOKING FOR A HIGHLY EDUCATED, GOOD LOOKING GIRL FROM A REPUTED FAMILY

BIO-DATA

Name	:	DR. PANKAJ GUPTA
Date of Birth	:	28th May 1985 (7.05 AM) Mumbai (Maharashtra)
Qualification	:	M.B.B.S. From Grant Medical College, Mumbai (2007) Currently Persuing M.D. (Preventive and Social Medicine) Final Year, From G.S. Medical College & Kem Hospital M.B.A. (Health care Management) From I.T.M., Navi Mumbai in Collaboration with southern new Hampshire University USA) Post Graduate Diploma in Hospital and Health Care Management from I.T.M., Navi Mumbai (Yashwant Rao Chavan Maharashtra open University), Part Time 2007
Achievements	:	Authored and Presented Scientific Papers in National and International Conferences.
Professional	:	Working As professional Consultant with Reliance Clinical Research and Watson Pharmaceuticals on contract Basis.
Father	:	Mr. Santosh Kumar Gupta, M. Pharm, DMS, Working As General Manager / Director in One of The Most Reputed, Pharmaceutical Company in Mumbai.
Mother	:	Mrs. Rekha Santosh Gupta, B.A., House Maker, Belongs to Biswari Family, Chirgaon, Jhansi, U.P.
Sister	:	Mrs. Poonam Vishal Kakkad, M.B.A. (HR.) Married, Presently in USA. Brother-in-law is a Civil Engineer and Did his Master in USA. Presently Working with one the Reputed Consultants Firm in Florida
Dada Ji/Dadi Ji	:	Late Sri Lakhan Lal Gupta (Pippersania-Nayak Family, Sagar MP) Smt. Savitri Gupta (Belongs to Rusia Family of Sagar, M.P.)
Nana Ji / Nana Ji	:	Late Sri Krishna Murari Biswari, Chirgaon, Jhansi, U.P., Smt. Vidyawati Biswari
Chachas	:	Dr. R.S. Gupta, Orthopaedic Surgeon, PMO, Ordanance Factory Hospital, Khamaria, Jabalpur Mr. Dinesh Gupta, MPEB, Sagar, M.P., Mr. Shambhu Gupta, Rural Agriculture Officer, Jabalpur Mr. Bharat Gupta, Jabalpur
Mausa Ji	:	Sri Manik Lal Lohia, Kidwai Nagar, Kanpur, U.P.
Bua Ji / Phoopha Ji	:	Smt Sandhya / Shashikant Rawat, Jablpur, M.P., Smt. Nisha / Surendra Bilaya, Jhansi
Contacts	:	Mr. Santosh Kumar Gupta, A-9, Landmark CHS, Plot No.2-1 and 2-8, Sector - 14, Vashi Navimumbai- 400703, email: skgupta_vashi@yahoo.co.in, Mobile: +919892818670/ +919167212101, Resi : 022 - 27666702 Dr. R.S. Gupta, Orthopaedic Surgeon, PMO., Ordanance Factory Hospital, Khamaria, Jabalpur, M.P., Phone: 0761-2742669 / +9198261157624, 0761 - 2430264 Mr. Manik Lal Lohia, 128/338, H Bloch, Kidwai Nagar Kanpur UP, 208011, Phone : 09839008666

BIO-DATA

Name	: PALLVI GUPTA
Date of Birth	: 13.06.1987
Height	: 5 feet 5 inch
Qualification	: BE (Information Technology)
Gotra	: Kokchal Ankna : Piparsania
Physique	: Fair Complextion, Normal Built Smart Looking.
Nature	: Sober, Pleasant, Caring, Confident, Sensitive and well Cultured
Grand Father	: Late Shri. Lakhanlal Gupta (Retd)
Grand Mother	: Smt. Savitri Devi Gupta
Father	: Dr. Ravi Shanker Gupta , M.S. (Ortho) Principal Medical Officer (SG), Khamaria Jabalpur (M.P.) 482005
Mother	: Smt. Manju Gupta (House Wife)
Tauji Ji	: Shri Santosh Kumar Gupta (General Manager)
Uncle	: Shri Dinesh Kumar Gupta (MPEB Sagar), Shri Sanjay Gupta (Mumbai) Mr. Shambhu Gupta (Agriculture Department), Mr. Bharat Gupta (Jabalpur)
Mama	: Late Shri Rajesh Kumar, Shri Rakesh Kumar Shri Umesh Kumar, Shri Dinesh Kumar Sethia
Phupha	: Shri Shashikant Rawat (Jabalpur), Shri Surendra Billaiya (Jhansi)
Brother	: Dr. Pankaj Gupta (Cousin Brother) (MBBS/MD/MBA) Kartik Gupta (B.E. Studing)
Address	: Dr. Ravi Shanker Gupta, B.No. 15 West Land Ordnance Factory Estate Khamaria Jabalpur (M.P.) 482005, Phone :0761-2430264 (R), 0761-2742669 (R) 0761-2743606 (O), Mobile : 09826157624, 09424309383 Email Id : kartikg@ymail.com, ravi_gupta15@ymail.com
Contact No.	: Dr. R.S. Gupta, (0761) 2430264, 09826157624 Shri Santosh Kumar Gupta, (022) 27666702 (R), 09892818670 (M)

BIO-DATA

नाम	:	हिरषी गुप्ता
जन्म	:	24.12.1983 रात्रि 10:45
शिक्षा	:	एम.बी.ए. आई.पी.एस. कॉलेज इन्दौर
कद	:	5 फुट 1 इंच
रूचि	:	कार ड्राईविंग, स्विमिंग,
		फैशन डिजाइनिंग, कुकिंग
जॉब	:	अरिवियन एक्सप्लोजर टूरिज्म ट्रेवल्स नई दिल्ली
रंग	:	फेयर (आकर्षक)
आंकना	:	कुचिया (वाच्छल)
पिता	:	द्वारका प्रसाद कुचियां
माता	:	श्रीमती रीता गुप्ता (गृहणी)
भाई-भाभी	:	तरूण गुप्ता-तान्या गुप्ता
बहन	:	नेहा गुप्ता बी.ई. ग्वालियर से एन.आई.एफ.डी.
		हॉजकाज दिल्ली से इंजीनियर (इंटी)
ताऊ	:	श्री केदार नाथ कुचिया (व्यवसायी दालबाजार, ग्वालियर)
चाचा	:	श्री अवध किशोर कुचिया (व्यवसायी)
		श्री सियाशरण कुचिया (ट्रांसपोर्टर)
		श्री मथुरा प्रसाद गुप्ता (आयल मिल)
बुआ-फूफा	:	श्री रमेश चन्द्र जी नगरिया (व्यापारी लोहिया बाजार, ग्वालियर)
मामा	:	श्री सुनील सांबला (गारमेंटस) करैरा जिला शिवपुरी
		श्री रविन्द्र सांबला टीकमगढ़ (व्यवसायी)
प्रतिष्ठान	:	हीमेन्स एम्पोरियम सराफा बाजार लश्कर, ग्वालियर
		हीमेन्स एक्सक्लूसिव नया बाजार लश्कर, ग्वालियर
निवासी	:	वक्षी की गोठ, जनकगंज, लश्कर ग्वालियर
फोन नं.	:	9301100516 - 07514079924, 4069032, 4085341

BIO-DATA

Name : **SUDHANSHU GUPTA**
Date of Birth : 26.06.1982, Jhansi, Time : 12:32 PM.
Hight : 5' 7" Gotra & Ankna - Vasal, Bahare
Complexion : Fair Gan : Manushya
Education : M.Sc., MBA (Marketing & Finance),
Gold Medalist (Prestige, Indore)
Service : TSI, Reckitt Benckiser (I) Ltd, Pune
Father : Mr. Subhash Gupta (Master Tecnician, BHEL)
Mother : Mrs. Malti Gupta (House wife)
Younger Brother : Divyanshu Gupta (11th)
Younger Sister : Ku. Shweta Gupta (B.Ed, Pursuing M.Sc. (Chem.)
Tau & Tai : Shri B.L. Gupta (Ret. Head Master) & Smt. Anguri Devi (Principal, Ranipur),
Shri. J.P. Gupta (Teacher) & Smt. Sushila Behare
Mama : Shri Nand Kishore Gupta (Rev. Inspector, Jhansi)
Nana : Shri Chandrika Prasad Ghura, Gandhi Ganj Mauranipur.
Contact Address : S.C. Gupta Near PNB, Indira Nagar, BHEL, Jhansi (U.P.)
Contact No. : 9453877136, 9919748746
Mausa Ji : N. K. Gupta Mansarovar Colony, Katni (M.P.), Contact No., 09956421466
Email : sudhanshu,pimr@gmail.com, divyanshu.jhs@gmail.com
Preference : Height 5'3" Approx, Fair & Beautiful, Professionally Qualified

जन्म कुंडली

BIO-DATA

जन्म कुंडली

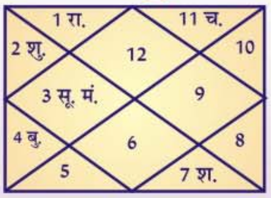

Name : **RAJESH GUPTA** (Manglik)
DOB : 13 Oct. 1982
9.00 PM, Pichhore M.P.
Hight : 5'5"
Education : PGDPM, MBA (Result Awaiting)
Service : Sales Development Manager
HDFC, life Insurace, New Delhi

Name : **KU. NIDHI GUPTA**
(Ansik Manglik)
DOB : 07 July 1985
11.35 PM, Pichhore M.P.
Hight : 5'1.5"
Education : M.A. (Sociology), B.Ed.

Akana : Seth Gotra : Vashar Mama : Badraiya Gan : Manusya (Both)
Father : Shri Dhaniram Gupta (Business) Village - Bhonti Distt. Shivpuri (M.P.)
Mother : Smt. Saroj Devi (House wife)
Elder Brother : Dr. Kamlesh Gupta - Dr. Manjri Gupta
Shri Brajesh Gupta - Ms Bharati Gupta
Contact : Dr. Kamlesh Gupta, Jhansi (U.P.) Ph.: 09235660080, 9453025716
Shri K.N. Gupta (Mosaji), Bhopal (M.P.) Ph.: 09926420013

BIO-DATA

Name : SUNIL GUPTA
Date of Birth : 27 Sept. 1982 (7.16 A.M.) Dabra
Hight : 5' 6"
Akna : Nagariya Gotra : Jaital
Qualification : B.Sc., MBA
Job : Sr. Sales officer Danone India Pvt. ltd. Mumbai (MNC)
Father : Shri Badri Prasad Gupta (Govt. Contrator)
Mother : Smt. Kamla Devi (House wife)
Sister : Smt. Madhuri W/o Dr, Haresh (MBBS M.D. Gwalior)
Elder Brother : Shri O.P. Gupta (B.A. , L.L.B)
Shri Ravi Gupta (B.Sc. L.L.B.)
Shri Vijay Gupta, MCA (Service in Mumbai)
Uncle : Shri Munnalal Gupta, Shri Suresh Kumar Gupta
Shri Rajendra Prasad Gupta
Contract : M/s Nagariya Traders
Subhash Ganj, Dabra, Ph. 07524, 223543, Mo. 09425482237
M/s Vijai Trading Co., Gwl. Jhs Road Dabra 09406968135

BIO-DATA

Name : PRASHANT KUMAR GUPTA (08980024668)
Date of Birth : 6 -6- 1982
Complexion : Fair Height : 5' 11"
Education : B.Sc., B.Tech
Occupation : Huawei India Pvt. Ltd. Ahmadabad (Gujrat)
Father : Mr. Radhey Shyam Pahariya
Mother : Smt. Kushum Devi Gupta (House Wife)
Brother : Mr. Arun Kumar Gupta (Married) 09909910429
Sister : Smt. Ragini Gupta W/o Mr. Rakesh Kumar Gupta (Gwalior) 09893051569
Grand Father : Late Shri Ram Narayan Pahariya
Uncle : Mr. Sita Ram Gupta (Teacher), M. 9793073459
Mamaji : Mr. Suresh Chandra Nikhra Konch, Mr. Mahesh Chandra Nikhra Kanpur
Mr. Rajendra Nikhra
Fufaji : Mr. Lallu Ram Kastwar, Orai, Mr. Vijay Kishor Soni, Samthar
Dr. Mahaveer Saran Gupta, Jhansi
Address : H. No- 259, New Ram Nagar, Orai
Contact No. 9235412329, 9935012176
Rakesh Kankane
E, 10, Hari Shankar Puram Gwalior, M. 9893051569

BIO-DATA

Name	: **DR. HARSHA GUPTA**
Date of Birth	: 2 Dec. 1983 (8:25 A.M.)
Hight	: 5' 2" Complexion : Fair
Qualification	: B.A. M.S. (Bhopal) C.C.C.M. (Orange City Hospital Nagpur)
Job	: Govt. Ayurvedic Medical Officer (Permanent Second Class gazetted officer) Selected through cgpsc posted at govt. Ayurvedic Dispensary, Dist, Ambikapur Lundra (c.g.)
Father's Name	: **Shri Basant Kumar Gupta** (Business)
Mother's Name	: **Smt. Kiran Gupta** (Housewife)
Elder Sister	: **Smt. Varsha Brijpuriya W/o Ashish Brijpuria,** Kareli (Narsingpur) M.P., Mob. : 9425467659
Yonger Sister	: **Megha Gupta** (B.B.A.)
Permanent Add.	**Shri Basant Kumar Gupta** (Varsha Medical Stores Shahpura Distt - Dindory (M.P.) Pin Code - 481990,
Mob.	: 9424338857, 9617511835
Phone	: 07640-230146, 230203, **Shri Shivprasad Ramprasad Chouda** Bamhani Banjar Distt.- Mandla
Ph. No.	: 07649 - 239229
Preference	: **Doctor or Engineer & other high profecional**

जन्म कुन्डली

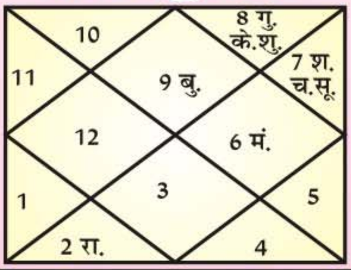

BIO-DATA

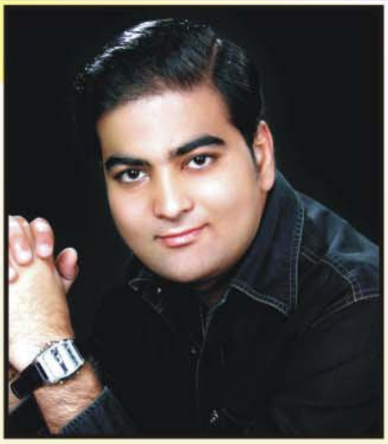

Name	: **SACHIN BADERIA**
Date of Birth	: 16th August, 1984 (New Delhi)
Height	: 5'11" Gadh : Dev
Qualifications	: B.Tech (E & C) 2006
Service	: Software Engineer, TCS
Gotra	: Gol Mama : Kurele
Father	: **Mr. Ashok Kumar Baderia**
Occupation	: Business
Mother	: **Mrs. Arti Baderia**
Sister	: **Ms. Sakshi Baderia,** Pursuing M.C.A.
Contact Persons	: 1. **Shri Akhilesh Kankane,** Jhansi, Ph.# 0510-2450875 2. **Shri. Rishi Kumar Lohiya,** Kanpur, Ph.# 09935653113 3. **Shri Vijay Gupta(Naugraiya),** Kanpur, Mob.# 09236429349 4. **Shri Prashant Gupta**(Gera), Bhopal, Mob.# 09826037006 5. **Shri Rameshwar Prasad Baderiya,** Jabalpur, Ph.# 0761-2645691 6. **Shri Narendra Kurele,** Orai, Mob.# 09451146090
Address	: D-23C, Sitapuri-I, Pankha Road, Opp. C2- Janak Puri, New Delhi - 45, Ph.# 09871296949, 011-25523374
Email Id	: ashok.baderia@gmail.com
Preference	: ***Height 5.5" & above, B.Tech./M.C.A.***

BIO-DATA

Name : **VIKAS NAGARIYA**
(President Gahoi Vaisya Nav Yuvak Mandal Jhansi)
Date of Birth : 07-01-1982
Hight : 5' 10"
Qualification : B.Com., LL.B.
Complexion : Wheatish Gotra : Jaital
Occupation : Advocate
Father's Name : Shri Gopal Nagariya (Govt. Service Jhansi)
Mother's Name : Smt. Sumanlata Gupta (House Wife)
Brother : Deepak Gupta (M.B.A.)
Didi - Jijaji : Mrs. Kalpana Kudariya W/o Mr. Hari Shankar Kudariya (Dabra)
Vice President - Akhil Bhartia Gahoi Vaisya Nav Yuvak Mandal
Mob. No. 9827452470
Mrs. Vandana Khard W/o Mr. Jitendra Khard, Datia, Mob. 9826235591
Maternal Uncle : Mr. Chandra Prakash Nahar, Datia
Contact Shri Kalka Prasad Kudariya, Sarafa Bazar,
Dabra, Ph. No. (07524) 223549
Shri Hari Ram Khard, Bihari Ji ka Mandir,
Datia, Mob. 9425777527
Address : 834/1 A Master Colony, Outsite Bada Gaon Gate
Jhansi (U.P.), Mob. No. 97954420611, 7860297161

जन्म कुन्डली

BIO-DATA

नाम : **कु. स्नेहा**
ऊँचाई : 5 फिट 4.5 इंच
जन्म तिथि : 11.05.1985
जन्म स्थान : जोधपुर (सायं 4.00 बजे)
शिक्षा : एम.बी.ए.
सर्विस : एच.आर.एक्जीक्यूटिव सिटी फाइनेन्सियल, पुष्प बिहार नई दिल्ली
आंकना : लहारिया गोत्र : जैतिल
पिता जी : डॉ. एस.एम. गुप्ता (ई. एन.टी. विशेषज्ञ, भारतीय वायु सेना)
माता जी : श्रीमती मीना गुप्ता, (एम.एस.सी, एम.एड., शिक्षाविद
एवं भूतपूर्व प्रधानाचार्या, वायु सेना स्कूल, हिण्डन, गाजियाबाद)
मामा जी : ददरया
विशेष : चेहरे तथा अंगुलियों पर आंशिक सफेद दाग
सम्पर्क सूत्र : 5/2 सैक्टर -2, राजेन्द्र नगर, साहिबाबाद गाजियाबाद - 201 005
विशेष आग्रह : निरू संकोच होकर सम्पर्क करें।
फोन : 09198584824, 0120- 2639354
Email : sm57.gupta@gmail.com
प्राथमिकता : शिक्षित वर, दिल्ली तथा एन.सी.आर. में कार्य के इच्छुक प्रस्तावों को प्राथमिकता

जन्म कुन्डली

BIO-DATA

नाम	:	**राज गुप्ता** (गोल गोत्र एवं आकना सोनी)
जन्म तिथि	:	2 सितम्बर 1982, समय दोप. 2 बजे, स्थान भिण्ड
कद	:	5 फीट 3 इंच (पैर से आंशिक विकलांग)
सर्विस	:	स्टेनोग्राफर, कलेक्टर (डी एम.) ऑफिस भिण्ड, फोन नं. 07534-234200
मेल आईडी	:	rajbhd82@gmail.com रंग - गोरा
पिता	:	श्री अनामी शरण गुप्ता (बिजनेसमेन)
माता	:	श्रीमती माया गुप्ता (गृहणी)
भाई	:	अभय गुप्ता, सी.ए. फाइनल ईयर नई दिल्ली, बी.एस.सी., एल.एल.बी. ग्वालियर
बहिन	:	विवाहित श्रीमती प्रतिभा रूसिया, फ्रीलेसर इन मीडिया नई दिल्ली
जीजाजी	:	श्री राजीव रूसिया, एस. सी. एम. नार्थ इंडिया विद जानसन कंट्रोल नई दिल्ली
बहिन	:	कु. प्रिया गुप्ता, बीएससी + काम्प्टीशन ग्वालियर
नाना	:	श्री शिवबालक चुपरा, सरवन जिला जालौन
मामा	:	श्री कैलाश चुपरा सरावन जिला जालौन
फूफा	:	डॉ. सुशील गुप्ता, प्रांतीय मंत्री बीजेपी चिकित्सा प्रकोष्ठ, अध्यक्ष, जनभागीदारी समिति एम.जे.एस. कालेज भिण्ड
	:	श्री अशोक कुमार गुप्ता औरैया, श्री सुरेश कुमार गुप्ता कुठोंद, श्री प्रमोद गुप्ता भिण्ड (लल्ला, श्याम बुक स्टोर्स उरई)
संपर्क सूत्र	:	श्री अनामी शरण गुप्ता, हनुमान बजरिया भिण्ड
फोन	:	07534-242305, मोबा. 09754730035
प्राथमिकता	:	सुन्दर कन्या, दहेज बन्धन नहीं

BIO-DATA

Name	:	**VISHAL DEEP GUPTA**
Education	:	MBA in Marketing from mit Pune
		B.E. in Electronics & Tele comminucation
Date of Birth	:	6 Novemer 1982, 8.05 AM Place Indore
Height	:	5'7"
Color	:	Fair & handsome Attractive Personality
Occupation	:	Assistant Manager (Godrej & Boyce, Vikhrali, Mumbai)
Ankana & Gotra	:	Kankane & Vacelil
Father	:	Rajendra Narayan Gupta (Engineer P.H.E. DHAR (M.P.)
Contact No.	:	9425581485
Mother Name	:	Mrs. Sunita Gupta
Elder Sister	:	Mrs. Dr. Soniya Modi Married Dr. Anupam Modi (BDS), Gwalior
		Mrs. Bharti Gupta (MBA) Married Abijeet Gupta (MBA) Jabalpur
Yonger Brother	:	Vipuldeep Gupta (BDS Pursuling)
Address	:	Sheeme No. 114, House No. 716 Behind Abhikaran Honda,
		Near Devas naka Vijya Nagar, Indore
Email ID	:	bhartigupta25@gmail.com

BIO-DATA

Name	:	ANSHUL RUSIA
DOB	:	07-11-1980 (12:08 PM) Shahdol (M.P.)
Ankne	:	Rusia Gotra : Vachal
Complexion	:	Wheatish Hieght : 5'8" Built : Fit
Features	:	Very Attractive Food Style : Strictly Veg. & Teetotaler
Qualification	:	B.E., MBA (Finance) from Top College, NITIE Mumbai (2009) Pursuing CFA (USA)
Current Job	:	Consultant (Cognizant Business Consulting) Pune (Drawing Handsome Salary in 7 digits)
Prior Experience	:	Analyst, Futures First Ltd. Hyderabad (2 Years) Software Engineer, Infosys Technologies Ltd., Pune (3 Years)
Father	:	Late Mr. D.P. Rusia (President awarded, CMO), M.A., L.L.B., L.S.G.D.
Mother	:	Late Mrs. Sita Rusia (Govt. Teacher), M.A., L.L.B.
Siblings	:	1 Elder Sister
Sister	:	Mrs. Rashmi Gupta, M.A. English Literature (Govt. Teacher)
Brother in law	:	Mr. Virendra Gupta, M.Sc., L.L.B. (Govt. Teacher & Multi varried Business, commodities)
Address	:	House No. 141, Shriram Colony, Near RKDG Misrod, Hoshangabad Road, Bhopal (M.P.)
Contact	:	Email : rashmiguptarintu@gmial.com, ansh.matri@gmail.com Phone : Rashmi (09630277796) Virendra (09827090120)

जन्म कुंडली

गण - देव, राशि - तुला, नाड़ी - अन्त, नक्षत्र - स्वाति

BIO-DATA

Name	:	ABHISHEK BARSAINYA
Date of Birth	:	27th Nov. 1982 Time : 12:01 AM, (Khargapur)
Height	:	5'6" Complexion : Fair & Good Looking
Qualification	:	B.E. (E.C.), C.DAC (Mumbai)
Work Profile	:	Software Engineer in Oracle India Pvt. Ltd. Bangalore (Working USA)
Father's Name	:	Mr. Makhan Lal Barsainya, 9993285326
Mother's Name	:	Mrs. Sushila Barsaina (House Wife)
Grand Father	:	Late Mr. Mohan Lal Barsainya
Tau Ji	:	Mr. Lakhan Lal Barsaina H.M. in Govt. School) 9755471795 Mr. Babu Lal Barsaina
Uncle	:	Mr. Abadh Barsainya, Principal Indore 9425189427
Brother	:	Mr. Abhinav Barsainya (B.Pharm from GSITS Indore) MBA
Sister	:	Ku. Sonam Barsainya (B.E. form LNCT Indore)
Mama Ji	:	Mr. Kamlesh Kumar, Mr vinod Kumar (Sub. Engineer) 0-91797-50221
Contact Details	:	Ratan Iron Store, 99932-84366 (Bhauya Ji Barsainya) Om Sai Traders, 99932-85366 (Ashish Barsainya)
Address	:	Lakhan Lal Babulal Barsainya, Khargapur, Distt. Tikamgarh (M.P.) 473115
Email	:	barsaiyan_ashish@radiff.com, abarsainya@gmail.com

BIO-DATA

Name	: **ANKITA KHARYA**
Date of Birth	: 27.04.1988 (9.50 P.M.)
Height	: 5' 4" Colour : Fair Features : Attractive
Education	: M.Sc. (Interial Chemistry, Gwalior)
Service	: Lecturer, K.R.G. Girls College, Gwalior
Ankna	: Kharya Gotra : Kochshil Gan : Manushya
Dada-Dadi Ji	: **Late Shri Lakhan Lal Kharya**
	Smt. Prem Kumari Kharya
	Shri Haridyal Kharya
	(Rt. Engineer Chhatarpur 9424715366)
	Shri Purshottam Das Kharya
	(Rt. Forest Dhamtari , Chhattisgarh 9827475767)
	Shri Badriprasad Kharya (Principal, Baster 09425596234)
Father	: **Shri Sitaram Kharya** (Mob. 9307999209, 9415585844)
Mother	: **Smt. Vimla Kharya** (Dharmik Grahini) Ph.: (05178) 260143, 9455781392
Brother	: **Aditya Kharya** (Geologist Congrs, Geolechemical Pvt.Ltd.) M. 9650983660
Sister	: **Akanksha Kharya** (M.B.A.), Ayushi Kharya (B.Sc.)
Uncle	: **Shri Rajiv Kharya** (Provision Merchent) (05178) 261676, 9452083025
	Shri Sanyay Kharya (Provision Merchant) (M.9453621826)
	Shri Arvind Kharya (Auto Parts) Mob.:9026364886
Bua-Fufa ji	: **Smt. Vimla Badoniya- Shri Sukh Lal Badoniya** (Ajaygarh) Mob.: 989352607
	Smt. Vidhya Devi Rusia-Shri Purushottam Das (Principal 09329271996)
	Smt. Leela Devi Seth-Shri Hariom Seth, (Tirupati Sarees-Wholesaler of All kind of Sarees, Jhansi) Mob.:9415113394
	Smt. Sudha Vishwari-Shri Radhe Vishewari (Belatal 09302303428)
	Ideal Markiting & Technical Solution (Raipur)
Mama Ji	: **Shri Ramesh Chandra Seth**
	(Owener Shiv Minerals Chhatapur 9893438601)
	Shri Ram Babu Seth
	(Provision Merchant Chhatarpur 9977452204)
	Shri Rakesh Seth
	(Properity Dealer, Chhatarpur 9893219325)
Residence	: **Sitaram Kharya**
	Opp. Bandhu Press, Bajpayeepura,
	Mauranipur (Jhansi) U.P.
	(05178) 260143, 9307999209, 9415585844
Firm	: Aditay Trading Company Yarn

जन्म कुंडली

BIO-DATA

नाम : भूषण कनकने

पिता : श्री दीपक कनकने

जन्म तिथि : 13 सितम्बर 1986 (12.30 रात्रि) झांसी

शिक्षा : बी.कॉम. एल.एल.बी. (माधव कालेज, ग्वालियर)

कद : 5.7 इंच, रंग- फेयर

व्यवसाय : मेसर्स शिवानी इन्टर प्राइजेज, जवाहरगंज, डबरा
होट प्लेट एवं सुरक्षा होज, आल. म.प्र. सी.एन ऑफ
(इन्डेन आयल हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, भारत गैस द्वारा अधिकृत डीलर)

आकना : कनकने गोत्र- वाच्छिल

मामा :कुचिया परिवार दिल्ली

भाई : चि. राजा अध्ययनरत

बहिन : श्रीमती नेहा पत्नि विवेक छिरौल्या
फर्म - नाथूलाल गंगाराम लोहिया बाजार, लश्कर

बहिन : कु. शिवानी एवं हिमानी अध्ययनरत

सम्पर्क सूत्र : श्री विवेक छिरौल्या, लोहिया बाजार,
लश्कर, मोबा. 99267 48441
दीपक कनकने, जवाहरगंज, गुरूद्वारा रोड,
डबरा (ग्वा.) मो. 9425407156, 9425407164

जन्म कुन्डली

राशि - धनु, गण - मनुष्य,
वर्ण - क्षत्री, योनि - नकुल, नाडी - अन्त्य

Dealer in : **L.P.G. ENTERPRISES,** General Order
Jawahar Ganj, Dabra - 475110 (Gwalior) Ph.: (07524) 408080 (R)
Mob. : 9425774795, 9425407156 (Deepak Gupta), 9826245843, 9425407164 (Bhushan Gupta)

BIO-DATA

Name : **ER. KAILASH GUPTA** (Assitant Manager)
Videocon Tele Communication Ltd.
(R.F. Network) Bhopal

DOB : 24 April 1982

Height : 5'8" Colour : Fair

Education : B.Tech. (E.C.)

Grand Father : Late Shri Bhagwan Das Gupta (Jalaun Wale)

Grand Mother : Late Smt. Gulab Rani Gupta

Father : Rameshwar Dayal Gupta (Businessman), Mob. 09415032273

Mother : Smt. Meera Gupta (Housewife)

Sister : Smt. Rakhi Gupta (M.Sc.) Married with Prof. Rajeev Gupta (M.Tech.)
S/o Sri Har Govind Soni, Bhind, Motilal Nehru National Institute of Technology, Allahabad, Ph. 0532-2771934 (R), Mob. 09935720179
Vandana Gupta (M.A.) Married with Rahul Gupta
S/o Shri Naveen Rusia, Bhind
Senior Production Officer - Siram India Ltd., Pune, M. 09850052436

Brother : Manish Gupta (Mob. 09415055421) Married with
Smt. Nandani Gupta (D/o Shri Hari Mohan Nikhra, Dabra)

Bua Ji : Smt. Kusum Gupta (Officer U.P., Allahabad Gramin Bank Orai)
W/o Shri Sita Ram Gupta (Businessman), Ph. 05162-254598
Mob. 09451146161

Mama Ji : Shri Keshri Mal Tarsoliya (Sarraf) Chairman Nagar Palika Parishad, Konch (Jalaun), Ph.05165-244679, Mob.09935263926
Shri Hari Mal Tarsoliya (Branch Manager) State Bank of India
Mob. 9451147527
Santosh Kumar Gupta, Jhansi, Mob. 9415030128
Akhilesh Kumar Gupta, Jhansi, Mob. 9415073939

Contact : Prof. Rajiv Gupta, Allahabad, Mob. 09935720179
Dr. Dilip Seth, Orai, Mob. 09415032086
Shri Keshri Mal Tarsoliya (Sarraf) Konch, Mob. 09935263926

Address : Shri rameshwar Dayal Gupta
C/o Kailash Dal Mills, Gandhi Nagar, Orai-285001 (u.P.)
Ph. 05162-252343 (Mill) 253243 (Mandi) 252421 (Resi)
Mob. 09415032273, 09307522343

BIO-DATA

Name	: CHANCHAL KURELE
Education	: MBA (Global Marketing & Business Mgmt.) from Cardiff Unversity, London (UK)
Date of Birth	: 31-03-1984
Placement	: Kanpur at 7:00 AM
Height	: 5'8" Colour : Very Fair
Personality	: Handsome
Business	: Managing Director of V3S Group of Companies having IT Park in Mumbai 3 Shopping Malls & Multiplexes in Delhi, Group Housing in Indirapuram, Resort & Hotels in Delhi
Ankana	: Kurele Gotra : Kochhal Mama : Tusele
Father Name	: Shri Yogendra Chandra Kurele (Pappu Kurele) Mob. : 099999-72301, Email - pappukurele@yahoo.co.in
Office Address	: V3S Infra Tech Limited, 702, Mercantile House, 15, KG Marg Connaught Place, New Delhi - 110001
Contact Number	: 011-23706183, 011-23706184, Telefax : 011-23706182
Mother's Name	: Smt. Manju Lata Kurele - Very Religious & Soft Spoken
Brother	: Mr. Prakhar Kurele - Studying in Sr. Secondary
Sister	: Miss Sakshi Kurele - Studying in BBA
Residence Address	: B-24, Geetanjali Enclave, Skaet, New Delhi- 110017
Contact Persons	: Taau Ji : Shri Prabhat Chandra Kurele, Chairman Prabhat Engineering College, Kanpur, Contact No. +91-93361-12249 Shri Ramesh Chandra Barsaiyan, Datia (M.P.), Mob. 09425110721 Phufa Ji : Shri Om Prakash Bijpuria, Datia (M.P.), Mob. 9425339937 Phufa Ji : Shri Sunil Kumar Gupta, Indore (M.P.), Mob. 9827031836 Mama Ji : Shri Balkrishna Tusele, Konch (Jalaun), Mob. 9415923541

विशेष आग्रह : मध्यमवर्गीय अति सुन्दर, आकर्षक व्यक्तित्व की धनी कन्या हेतु निरूसंकोज होकर सम्पर्क करें। कन्या की लम्बाई 5' 3'' से कम न हो एवं कन्या ग्रह कार्य में निपुण हो, कॉन्वेन्ट एज्यूकेटड शिक्षित हो। दहेज का कोई बन्धन नहीं है।

BIO-DATA

Name	:	**MEGHA GUPTA,** Senior Executive Stylist Future Group Home Solution Retail India Ltd., Banglore
Post Graduation	:	Industrial Design Specialization in Product MAEER'S Mit Institure of Design Pune
Graduation	:	B.Com. Ness Wadia College, Pune
Schooling	:	Scindia Kanya Vidhalaya, Gwalior
Height	:	5'2" Gotra : Bacchal
DOB	:	9 Sept. 1984, Chhatarpur (M.P.), 04.30 AM.
Father	:	Mr. Thakur Prasad Gupta (Kankane) Businessman (M/s Chhatarpur Mineral)
Mother	:	Mrs. Anita Gupta, M.A.
Sister (Elder)	:	Mrs. Parual Gupta, MBA Banglore Branch Relationship Manager Kotak Mahindra Bank, Baroda
Brother in Low	:	Mr. Rajeev Gupta, B.E., S/o Mr. R.C. Gupta, (Retd. A.G.M. BHEL Jhansi) Production Engineering AVP Designing Manager, ABB, Germany
Brother (Younger)	:	Shashank Gupta, Pursuing Engineering
Paternal Uncle	:	Kamal Kumar Gupta, (Business)
Maternal Uncle	:	Mr. Arvind Gupta , Mr. Devendra Gupta Mr. Mukesh Gupta (Jhansi)
Contact	:	Gupta Lodge, Near Bus Stand, Chhatarpur (M.P.) 9425304835, 9425141535, anitat.gupta@gmail.com

BIO-DATA

नाम	:	**पुनीत पिपरसानियाँ**
जन्म	:	22.11.1983 सुबह 7:15 मंगलवार
शिक्षा	:	एम.बी.ए. आई.पी.एस. कॉलेज इन्दौर
कद	:	5' 4''
रंग	:	गोरा
शिक्षा	:	बी. कॉम. (माध्यम अंग्रेजी)
व्यवसाय	:	अप्सरा वस्त्रालय (स्वतंत्र)

नाम	:	**प्रियंका पिपरसानियाँ**
जन्म	:	15.09.1985 सुबह 9.00 मंगलवार
कद	:	5 फुट
रंग	:	फेयर
शिक्षा	:	बी. एस.सी., एम. बी. ए. (इंग्लिस मीडियम)
सर्विस	:	ICICI बैंक असिस्टेण्ट मैनेजर मुम्बई

पिता	:	गनेश पिपरसानियाँ (व्यवसाय)
माता	:	श्रीमति पुष्पा पिपरसानियाँ (गृहणी)
गोत्र	:	वाछल मामा - बिजपुरिया
संपर्क सूत्र	:	गनेश पिपरसानियाँ चपरा क्वार्टर के पास शहडोल (म.प्र.)
मोबा.	:	9926388996, फोन :07652-230444

BIO-DATA

नाम : स्वाती चपरा
शिक्षा : बी.कॉम., पी.जी. डिप्लोमा इन कम्प्यूटर
जन्म तिथि : 8 सितम्बर 1987, दोपहर 1:08 मिनट
स्थान : बैरसिया, जिला भोपाल
ऊँचाई : 5 फीट 3 इंच, रंग गेंहुआ
आंकना : चपरा, गौत्र: गांगल, राशि: वृश्चिक, गण: मनुष्य
मामा : लोहिया (झाँसी)
पिता : बृजेश नारायण चपरा (एडवोकेट)
माता : श्रीमती किरण चपरा (गृहणी)
भाई-बहन : 4 बहिन (1 विवाहित, भोपाल) भाई 1
सम्पर्क सूत्र : श्री बृजेश नारायण चपरा एडवोकेट, मेन रोड बैरसिया,
जिला भोपाल म.प्र., निवास - 07565 - 282425
दुकान - 07565 - 281350, मोबा. नं. 09993966670
श्री रामनारायण लोहिया (नाना), 08009656541

जन्म कुंडली

BIO-DATA

Name : SAUMITRA NEEKHARA
Height : 5'7"
DOB : 26 June 1982 (2:22 AM)
Gotra : Kouchal Mama Gotra : Bhal
Education : B.E.(C.S)MBA pursuing Symbiosis (PUNE)
Service : Sr. SAP Techinical Consultant
Mahindra Satyam, Bangalore
Father : Dr. R.N. Neekhara, D.E.O. Bhind (M.P.)
Mobile : 9425618273 / 8889165499
Mother : Smt. Sushma Neekhara (M.A., Housewife)
Grand Father : Late Shri Ram Nath Neekhara, (Retired Professor and Novelist)
Younger Sister : Mrs. IILa Neekhara (M.B.A.)
Brother in Law : Mr. Saurabh Gupta S/o Vijay Chandra Gupta (Orai)
Sr. Analyst, W.N.S., GURGAON
Younger Brother : Mr. Subrat, Pursuing B.E. ITM. GWL
Contact : D.N. Neekhara (Mob. : 9425131091)
"ABHUDAYA" Jagdish Colony Guna (M.P.) Ph. No. 07542-254021
S.N. Neekhara, "Asmita" MIG- 246 Madhav Nagar, Gwalior
Ph: No.: 0751-2429559, Mob. 9425490264
Email : ajit.neekhara@gmail.com, ila.neekhara@gmail.com

BIO-DATA

Name : **RAHUL REJA,** Mob. : 09860583628
Date of Birth : 21.12.1983
Birth Time : Morning 5.45 A.M., At Bhopal (M.P.)
Gotra : Waser Complexion : Fair
Hight : 5' 8"
Education : B.E. , MBA
Working : Sales & Marketing Analyst Clearpoint Learning System India Pvt Ltd. Pune
Grand Father : **Late Shri Sunder Lal Reja**
Grand Mother : **Smt. Shanti Devi Reja**
Father : **Mr. Pradeep Reja, Pragati Khanij** Udyog Achala Trading Corporation
Mother : **Smt. Achala Reja**
Younger Brother : **Mr. Rohit Reja** (B Tec. - Biointormatics) M.S. South Korea Ph. D. USA
Tau Ji : **Mr. Rajkumar Reja** (Om Traders Bhopal) Mo. - 9300023292
Uncle : **Er. Arun Kumar Reja-** (E.E. at NVDA Jabalpur) M.9826307040
Er. Satish Kumar Reja (Sr. Surveyor at Sagar) M.9826271352
Er. Govind Prasad Reja (Businessman at Sagar) M. 9301342132
Er. Sanjay Reja (Manager Cummins Tec. Indore) M. 9575311446
Bua Ji / Fufa Ji : **Er. Sanjay Kathal & Er. Rakhi Kathal** Jablpur M. 9827241026
Mama Ji : **Late Shri Arvind Gupta** Kareli Distt Narsinghpur M. 07793270012
Shri Vinod Gupta - Kareli Distt Narsinghpur - Mo. - 9893490439
Shri Pramod Gupta - Kareli Distt Narsinghpur Mo. -9425496803
Shri Manoj Gupta - Kareli Distt. Narsinghpur - Mo. 9425024944
Shri Subodh Gupta - Kareli Distt. Narsinghpur - Mo. 9424302330
Contact Address : Pragati Villa, 11 Sadh Bhavna Nagar, Makroniya Sagar , (M.P.) 470003, M. - 9425171136, 9179416589, 9425171147, Ph. : Resi:- 07582-230560
Email : pradeep.reja@gmail.com, rahulreja2005@gmail.com
Website : www.pragatikhanijudyog.com
Preference : M.B.A., B.E. , MCA.

जन्म कुंडली

C-412

R.N.I. No. 68211/98

Postal Regd. No. - 476/2011-13 Gwl M.P.

TIRUPATI TMT

TIRUPATI GROUP OF COMPANIES

- TIRUPATI IRON INDIA PVT. LTD.
- TIRUPATI IRON IMPEX PVT. LTD.
- SHREE JAGDAMBA CASTING PVT. LTD.
- TIRUPATI STEELS
- SHREE MAHALAXMI ROADLINES
- ANIL IRON INDUSTRIES
- MANKU ENGINEERING WORKS

OFFICES

BHOPAL
E-32, Liyaqut Market
New Kabadkhana, Bhopal-462018
Tel. : 91-755, 2733499, 4256834, 2732998
Fax : 91-755-4076850

GWALIOR
Lohiya Bazar, Lashkar
Gwalior (M.P.)
Tel. : 91-751-2447924, 4070065, 2490520

DELHI
16/121-122, Faiz Road
Karol Bagh, New Delhi- 110005

MUMBAI
#11, Level 1, Mamta "D" Building
Opp. Chaitanya Tower, Prabhadevi Mumbai- 400025
Tel. : 91-22-24303150-51-52
Fax : 91-22-24303151

HYDERABAD
15-1-503/A/64, Ashok Market
Siddiamber Bazar, Hyderabad-500012
Phone : 91-40-24611806, 24742798, 24745604

JAIPUR
D-80, Chandrapole
Anaj Mandi, Jaipur - 302001

Quater No. C-1, Samta Colony, Raipur-492001
Ph.: (0771) 4221819, 4221820 Fax.: 4221818 Ph. : 91-7582-286325, 262604

With Best Compliments From

Neekhra Family

E-mail : tirupatiiron@hotmail.com/tirupatiiron.impex@gmail.com

Apr-08 to Mar-10

प्रेषक :
राधेश्याम कुचिया
''गहोई बन्धु भवन''
राजा बाक्षर मंदिर के पास
राजा बाक्षर की गोठ, दौलतगंज
लश्कर, ग्वालियर–474001

प्रति,

बुक-पोस्ट

स्वामी अखिल भारतीय गहोई वैश्य महासभा की ओर से प्रकाशक एवं मुद्रक राधेश्याम कुचिया, अध्यक्ष महासभा द्वारा प्रकाशित एवं जैन प्रिंटिग प्रेस, दालबाजार, ग्वालियर (फोन: 2400160) से मुद्रित एवं
सम्पादक : हरनारायण रिखौल्या, फोन: 07524-224944 मो. 09669642849

कार्यालय : ''गहोई बन्धु भवन'' राजा बाक्षर मंदिर के पास, राजा बाक्षर की गोठ, दौलतगंज, ग्वालियर फोन: 0751-2454142

मूल्य : 15/-